Indus Script A Well Developed Writing System
(Cave Paintings to Brahmi Script)

सिन्धुलिपि एक पूर्ण विकसित लेखन पद्धति
(गुफा चित्रों से ब्राह्मी लिपि तक)

डा0 सोमेश चन्द्र श्रीवास्तव, लखनऊ

Indus Script A Well Developed Writing System
(Cave Paintings to Brahmi Script)
सिन्धुलिपि एक पूर्ण विकसित लेखन पद्धति
(गुफा चित्रों से ब्राह्मी लिपि तक)

ब्राह्मी लिपि के सामान्य व्यन्जन

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ऐ	ओ
क	ख	ग	घ	ङ				
च	छ	ज	झ	ञ				
ट	ठ	ड	ढ	ण				
त	थ	द	ध	न				
प	फ	ब	भ	म				
य	य	र	ल	व				
श	ष	स	ह					

डा0 सोमेश चन्द्र श्रीवास्तव लखनऊ

मौलिक प्रकाशन
सी-1-302 आकाश एन्क्लेव
सेक्टर-1-ए, वृन्दावन परियोजना लखनऊ
पिन-226029

मूल्य रुपये 1500/- मात्र
Price. Rs. One Thousand Five Hundred Only

प्रकाशन तिथि
द्वितीय संस्करण- 31.10.2021

अनुक्रमणिका

INDEX

लेखक परिचय

डा0 सोमेश चन्द्र श्रीवास्तव वर्तमान में उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य महानिदेशालय में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत हैं जो भारतवर्ष के सबसे बड़े प्रान्त उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से 140 किमी दूर स्थित शहर सुल्तानपुर के ग्राम परऊपुर के निवासी हैं ।

इनके पिता श्री सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव जिला विद्यालय निरीक्षक के पद से सेवानिवृत्त हुये थे इनकी माता श्रीमती पुष्पलता श्रीवास्तव हिन्दी साहित्य में कलानिष्णात थीं।

डा0 सोमेश चन्द्र श्रीवास्तव का जन्म 18 जनवरी 1960 को इलाहाबाद में हुआ था। इन्होंने अपनी हाई स्कूल की परीक्षा राजकीय इन्टर कालेज बस्ती तथा इन्टरमीडिएट राजकीय इन्टर कालेज इलाहाबाद से उत्तीर्ण की तत्पश्चात् प्रयाग विश्वविद्यालय से विज्ञान स्नातक की उपाधि ग्रहण करने के उपरान्त मोतीलाल नेहरु मेडिकल कालेज से एम0बी0बी0एस0 एवं एम0 एस0 ई0एन0टी0की विशेषज्ञता प्राप्त किया एवं जिला चिकित्सालय हरिद्वार तथा राय बरेली में ई0एन0टी0 विशेषज्ञ के रुप मे कार्य किया।

ऐतिहासिक लेखन में अभिरुचि के कारण 1990 से भारतवर्ष में प्रयुक्त प्राचीन ब्राह्मी तथा खरोष्ठी लिपियों का अध्ययन किया। पश्चात राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय इलाहाबाद से इतिहास विषय में एम0ए0 किया।

इन्होंने संस्कृत भाषा के आधार पर सैन्धव लिपि से ब्राह्मी लिपि के विकास पर किये अपने शोध को प्रथम बार लखनऊ विश्वविद्यालय के पुरातत्व विभाग द्वारा अयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 8 मई 2017 को प्रस्तुत किया, उसी को पुस्तकाकार में प्रथम बार सम्पादित कर रहे हैं।

Author Introduction

Dr. Somesh Chandra Shrivastava is Presently Working as Joint Director in Department of Medical Health and Family Welfare hails from a Kayastha family from Village Paraupur District Sultanpur 140 Km from Lucknow the state capital of Uttar Pradesh the largest state of India.

His Father Late Suresh Chandra Shrivastava retired as inspector of schools in 1986 and Mother Smt. Pushp Lata Shrivastava M.A. Hindi .

Dr. Somesh Chandra Shrivastava was born on 18th January 1960 did High School From Government Inter College Basti,Intermediate From Government Inter College Allahabad under U.P. Board .He did B.Sc. from University of Allahabad.Then he joined Moti Lal Nehru Medical College to persuade M.B.B.S.and M.S. Ear Nose Throat. He worked as ENT specialist at district hospitals of Haridwar and Raebareli. Later he did M.A. History from Rajarshi Tandon University Allahabad as Distance Course.

He was interested in study of historiography since 1990 and studied brahmi and kharoshthi scripts which were prevalently used as early scripts in Indian subcontinent. He worked to find out the connection of well deciphered Brahmi script with undeciphered Indus script with the help of Samskrita Language . He presented his work for the first time at international seminar on Indus Saraswati Civilization; Script, Art, Culture& Authors organised by Department of Ancient Indian History & Archaeology, university of Lucknow& Itihas Evam Sanskriti Shodh Sansthan,Lucknow on 8th May 2017.

International Seminar

on

"Indus-Saraswati Civilization: Script, Art, Culture & Authors"

Organized jointly

by

DEPARTMENT OF A. I. H. & ARCHAEOLOGY, UNIVERSITY OF LUCKNOW, LUCKNOW

&

ITIHAS EVAM SANSKRITI SHODH SANSTHAN, LUCKNOW

on

May 08-09, 2017

CERTIFICATE

Certified that Dr/Shri/Ms..... Somesh Chandra Shrivastava *.....actively participated in the International Seminar entitled "Indus-Saraswati Civilization: Script, Art, Culture and Authors" and presented a paper entitled* ....Evolution of Modern Scripts Via Brahmi.....

Dr. D. P. Tewari

Professor & Organizing Secretary

Deptt. of A.I.H. & Archaeology, University of Lucknow, Lucknow

समर्पण
(Dedication)

मैं यह पुस्तक अपनी पूज्य माता–श्रीमती पुष्पलता श्रीवास्तवा को समर्पित करता हूँ।

I Dedicate this book to my revered mother Smt Pushp Lata Shrivastava.

आभार
Acknowledgement

मैं अपने दोनो पुत्रों मौलिक चित्रांश एवं सुश्रुत चित्रांश का इस पुस्तक के प्रकाशन हेतु अनवरत प्रोत्साहन करने एवं अपनी पत्नी डा0 कुमकुम श्रीवास्तव को इस लेखन कार्य हेतु समस्त पारिवारिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुये समय प्रदान करने हेतु आभार प्रकट करता हूँ।

I acknowledge this work to my sons Maulik Chitransh and Sushrut Chitransh who continuously persuaded me to publish this book and my wife Dr. Kumkum Shrivastava who spared me to work taking all responsibilities which I had to owe .

सिन्धु लिपि से ब्राह्मी लिपि का विकास

सिन्धु सरस्वती काल में मानव सभ्यता घुमन्तू शिकारियों से विकसित होकर जुताई व सिंचाई के औज़ारों से सुसज्जित कृषि का रुप ले चुकी थी। सन् 1875 श्रीमान एलेक्ज़न्डर कनिंघम द्वारा प्रथम सिन्धु मुद्रा के प्रकाशन के बाद से ही उसकी भाषा तथा लिपि को पढ़ने के अनेक प्रयास विद्वत्जनों द्वारा किये गये हैं।

श्री इरावतन महादेवन महोदय ने 1977 में कुछ चिन्हों व चित्रों का द्रविड संस्कृति के आधार पर वर्णन किया है। उन्होंने 3700 मुद्राओं के 417 चिन्हों से युक्त एक ग्रन्थ का प्रकाशन किया। श्री अस्को परपोला 1994 ने कुछ अंक मुद्राओं को तमिल भाषा के आधार पर गुप्त लिपि के रुप में वर्णित किया है। यथा मीन के तमिल अर्थ नक्षत्र मानकर त्रयम को मुरमीन मृगशिरा नक्षत्र षष्ठम को कृतिका नक्षत्र एवं सप्तम को सप्तर्षि तारा मंडल के रुप में वर्णन किया है। जबकि श्री नटवर झा एवं एन0एस0 राजाराम 1998 व डा0 के0एस0 शुक्ला ने संस्कृत श्लोकों के आधार पर वाचन किया है। इससे पूर्व कई विद्वत्जनों यथा श्री जी0 आर0 हन्टर 1934 , श्री एस0आर0राव 1978, श्री जॉन न्यूबेरी 1980 एवं श्री सुभाष काक ने सिन्धु लिपि एवं ब्राह्मी लिपि के मध्य सम्बन्ध होने का अभिमत प्रकट किया है।

यहां यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि समस्त भारतीय व प्राच्य एशियाई लिपियां ब्राह्मी लिपि से ही विकसित हुयी हैं, परन्तु उपरोक्त किसी ने भी तत्कालीन गृहोपयोगी कृषि तथा शिकार के उपकरणों के चित्रों के माध्यम से सिन्धु लिपि व ब्राह्मी लिपि के मध्य तर्कसंगत सम्बन्ध स्थापित करने का प्रयास नहीं किया। यहां मेरा प्रयास विभिन्न गृहोपयोगी वस्तुओं से सैंधव चित्रलिपि तत्पश्चात उससे ब्राह्मी लिपि के अक्षरों का विकास दर्शाना है।

मानव मस्तिष्क में अग्र मस्तिष्क के विकसित होने के साथ उसकी ज्ञानेंन्द्रियों द्वारा प्राप्त ज्ञान के आधार पर विपरीत परिस्थितियों में जीवित रहने हेतु अनुकूलन की तर्कक्षमता में वृद्धि हो गयी। इस प्रक्रिया में सामूहिक प्रयास करने के लिये यह आवश्यक था कि अपने प्रेक्षणों को समूह में अभिव्यक्त किया जाये। इस अभिव्यक्ति का प्रथम मार्ग सांकेतिक भाषा थी।

तत्पश्चात ओष्ठ दन्त तालु तथा जिह्वा के माध्यम से कन्ठ द्वारा उत्पन्न ध्वनियों को निम्न अक्षर समूहों में विभक्त किया गया।

कन्ठय :- सभी स्वर क वर्गह तथा य जो कन्ठ एवं ग्रसनी के संयोग से उत्पन्न होते हैं।

(अ आ इ ई उ ऊ ए ऐ ओ औ अं अः क ख ग घ ङ ह)

तालव्य :- च वर्ग य एवं श जो जिह्वा एवं तालु के संयोजन से उच्चारित किये जाते हैं। (च छ ज झ ञ य श)

मूर्धन्य:- ट वर्ग र श ऋ जो मूर्धा और जिह्वा के संयोजन से बोले जाते हैं। (ट ठ ड ढ ण र श त्र ऋ)

दन्तव्य :-त वर्ग ल एवं स जो जिह्वा एवं दांतों के संयोजन से उच्चारित किये जाते हैं। (त थ द ध न ल स)

ओष्ठय:- प वर्ग के अक्षर एवं व ओष्ठ की सहायता से उच्चारित किये जाते हैं। (प फ ब भ म व) ये अक्षर जब संयुक्त रूप से बोले जाते हैं तो भाषा का निर्माण होता है जिसे व्याकरण के नियमों से संस्कारित किये जाने पर संस्कृत कहते हैं। सभी भाषायें प्राच्य इन्डोआर्यन एवं पश्चात्य इन्डोसेमिटिक संस्कृत भाषा से विकसित हुयी हैं।

अभिव्यक्ति का तीसरा माध्यम कला के रूप में विकसित हुआ जिसमें कलाकारों ने भित्तिचित्रो से प्रारम्भ करते हुये चित्रलिपि का विकास किया। चित्रों के माध्यम से भाषा की अभिव्यक्ति को लिपि कहा जाता है। चित्रलिपि दो प्रकार की होती है। एकाक्षरी चित्रलिपि यथा मिस्री एवं सैन्धव तथा बह्वाक्षरी चित्रलिपि यथा मन्दारिन।

इससे यह स्पष्ट है कि किसी लिपि के विकास के लिये किसी कालखंड में किसी क्षेत्र में उपलब्ध उपकरणों के रेखाचित्रों का उस क्षेत्र की भाषा में संयुक्त होना आवश्यक है। लिपि कभी नष्ट नहीं होती है, केवल उसका स्वरूप परिवर्तित होता रहता है। इसलिये किसी लिपि के उदवाचन के लिये उस क्षेत्र में उपलब्ध वर्तमान लिपियों तथा भाषाओं से उनका सम्बन्ध खोजना चाहिये क्योंकि वर्तमान लिपियां तथा भाषायें पूर्व में उपस्थित लिपि तथा भाषा से विकसित होती है। इस परिप्रेक्ष्य में मैं विनम्रता पूर्वक सिन्धु मुद्राओं तथा उसकी लिपि के सम्बन्ध में अपने विचार विद्वतजनों के सम्मुख प्रस्तुत करता हूं। तृतीय शताब्दी ईसा पूर्व में ब्राह्मीलिपि पाली भाषा के साथ पूर्ण रूप से विकसित अवस्था में थी जोकि संस्कृत के अपभ्रंश के रूप विकसित हुयी थी। इस परिप्रेक्ष्य में यह आवश्यक था कि ब्राह्मी लिपि के अक्षरों की खोज संस्कृत शब्दकोश (वामन शिवराम आप्टे) में उन वस्तुओं के नाम में खोजी जाये जिनकी आकृति ब्राह्मी लिपि में उनके प्रथमाक्षर से साम्य रखती हो। जिसे उनकी पूर्ववर्ती चित्रलिपि के रूप में स्वीकार किया जा सके। इसके परिणाम आश्चर्यजनक रूप से सिन्धु मुद्राओं में अंकित चित्र लिपियों से मेल खाते हुये प्राप्त हुये। जिसके मार्गदर्शन में कुछ सिन्धु मुद्राओं का पाठ संस्कृत भाषा में किया जा सका है। सैन्धव लिपि में स्वरों का संयोजन प्रारम्भ में संयुक्ताक्षर के रूप में किया जाता रहा है। कालान्तर में सैन्धव लिपि में स्वर संयोजन प्रारम्भिक ब्राह्मीलिपि के समान ही किया जाने लगा। सिन्धुमुद्रायें संस्कृत भाषा में एकाक्षरी द्वैक्षरी त्रयाक्षरी बह्वाक्षरी रूप में पायी गयी हैं।

सिन्धु मुद्राओं के संस्कृत भाषा में होने के अनुमान को इस बात से बल मिलता है कि अधिकांश मुद्राओं में लिपि का समापन हंडिका चिन्ह पर होता है। जो संस्कृत भाषा की प्रथमा विभक्ति में विसर्ग का परिचायक है।

दूसरा सर्वाधिक प्रयुक्त चिन्ह मीन है जो द्वितीया विभक्ति के एकवचन के अन्त में होता है।

सैन्धव चित्रलेखों के ब्राह्मीलिपि में परिवर्तन हेतु कुछ सैन्धव चिन्हों का उर्ध्व विभाजन हुआ है यथा उर्णनाभः,पर्णः, सम्बाधम्, हंडिकाःआदि। कुछ अन्य चित्रलेखों का क्षैतिज विभाजन हुआ है यथा मीनम्, शंखम्,चन्द्रकः,निर्दात्र आदि। कुछ चित्रलेख अपने मूलरूप में ही ब्राह्मीलिपि का हिस्सा बने यथा ठालिनीं,थं, अंकुशः,कलेवरं आदि।

कुछ अन्य चित्रलेख जो ब्राह्मीलिपि में रूपान्तरित नहीं हुये यथा श्वानः से श्व, वृश्चिकः से वृ आदि। सैन्धव लिपि को मुद्राओं में अंकित पशु के मुख से पूंछ की ओर पढ़ा जाता है, परन्तु बानावली से प्राप्त मुद्राओं में पूंछ से मुख की ओर पाठन किया जाता है। यदि पशु चिन्ह नहीं है तो लिपि में हंडिका चिन्ह, मीन चिन्ह, एषणः चिन्ह को अन्त मानकर पाठ करें।

DECIPHERMENT OF INDUS SCRIPT:

Discovering the Indus Script by retracing Brahmi

Human civilization was well developed in the Indus Saraswati settlement evolving from nomadic hunters to well developed agriculture fortified with ploughing and irrigation tools. Since first publication of Indus seal by Alexander Cunningham 1875 many efforts have been made by scholars to decipher its language and script

Mr. Irawathan Mahadevan 1977 has worked on earlier described few signs and tried to work on pictures depicted in seals and tried to decipher on Dravidian line. He published a corpus of 3700 seals with 417 signs.Asko Parpola 1994 described some seals correlating with tamil language and described certain numeral seals as cryptic writing like numeral three with fish sign as pliedes mrigsiras Nakshatra. Numeral six with fish sign as kritika Nakshatra and numeral seven with fish sign as ursa major on lines of Dravidian hypothesis. Whereas Sinha et al described various letters as complex samskrita vyanjanas like ndra , pri etc.. whereas Mr. Natwar jha And N S Rajaram 1998 tried to explain various letters differently on the basis of samskrit verses . Dr.K.S.Shukla tried to decipher certain scripts as samskrita verses.

Many scholars like G.R.Hunter 1934 , S.R.Rao1978, John Newberry 1980, Krishna Rao 1982and Subhash Kak 1990 Argued some connection between Brahmi and Indus Script. It is here to note that all Indian and east Asian scripts are derived from Brahmi Script.

But none of above tried to fix the relation of pictures with pictographs deciphering it as logically derived to form the script which directly correlates to house hold articles of agriculture and hunting equipment present in Indus era. Here is my elaborated system of evolution of articles to Indus hieroglyphs which in turn transformed to Brahmi syllables.

Since the evolution of telencephalon in human brain it enhanced the analytical power of various observations perceived by our sense organs leading to adaptation and surviving adverse conditions.

- In this process it was essential to communicate the observations to fellow brethren to exert cumulatively for survival. First mode of communication was sign language.

- Subsequently the sound produced by larynx modulated with the help of tongue teeth palate and lips created a variety of phonetic notes, which were later divided as below

- 1 .Kanthya. All vowels along with ka varg and ha, which were spoken only by laryngophayngeal modulations .(अआइईउऊ एऐओऔअंअः कखगघङह)

- 2. Talavya. These include cha varg and sha these letters are spoken by tongue touching the root of teeth. (चछजझञयश)

- 3. Murdhanya . These include t varg and ra and sha. These letters are spoken by tongue touching hard palate. (टठडढणरश ऋ)

- 4. Dantavya. These include ta varg and la and sa . these letters are spoken by tongue touching teeth(तथदधनलस)

- 5. Oshthya. These letters are spoken with the help of lips include pa varg and va. (पफबभमव)

- These notes when spoken in combination by natural law developed language which was samskarit by vyakaran is known as SAMSKRITA. All other languages widely classified as Indoaryan (Indian and east asian languages) and Indosemitic (western languages of greeko-roman origin) are evolved from SAMSKRITA

- The third mode of communication was developed by Artists who used to sketch their visual observations in the form of linear diagrams known as pictographs. These pictographs when

organized in the form of language were known as SCRIPTS. These scripts are classified as monosyllabic pictographs as Indus and Egyptian Hieroglyphs or multisyllabic pictographs as Chinese Korean and Japanese scripts. Another script decoded in the form of cuneiform script is also monosyllabic in nature.

- This clearly indicates that to develop one script language is required along with sketches of articles present in that time frame and that area. Script never dies of instead it changes its presentation. So for decipherment of any script it must be correlated to script and languages presently available in the precinct. Because present script and languages are evolved from the old languages and scripts. In this regard I humbly present my observations on INDUS Seals and their script

- Brahmi script was well developed in 3rd century BC in Pali language which is derived from Samskrit language. In this regard it was mandatory to search Samskrit Dictionary for the articles which resemble with the shape of their first letter in Brahmi to find pictographic precursors of Brahmi. The results were astonishingly similar to pictographs depicted in Indus seals. This led to read some of Indus seals with vedic and prevedic Samskrit language.

- In late Indus script vowels got symbols attached to consonants or beside it. These were similar to vowel configuration of early brahmi script.

- There are monosyllabic seals, bi syllabic seals , tri syllabic seals and multi syllabic seals with samskrita and prakrit languages.

Languge of indus seals is Samskrit because majority of seals end on jar sign which denotes visargah for the subject name. second largely used sign is fish sign which denotes end of object name. to convert indus hieroglyphs to brahmi letters some are vertically halved like crab sign, leaf sign, vulva sign ,jar sign etc.some others are horizontally halved like conch sign, fish sign, rake sign,peacock feathers eye sign etc. certain hieroglyphs used as a whole like goad sign,waist belt sign, shield sign,human figurine sign etc. some hieroglyphs leftout like scorpion sign,dog sign. Indus script is read from the head end of the animal depicted on the seal but seals found from Banawali are read from tail end.

If animal is not present then read the script towards jar sign,fish sign or arrow sign as ending.

अमन्त्रमक्षरम् नास्ति नास्ति मूलमनौषधम्।

अयोग्यः पुरुषम् नास्ति योजकस्तत्र दुर्लभः॥ विदुर नीति

No letter in Sanskrit which has no meaning, no root is without medicinal value, no person is inapt, but person knowing their use is rare. Vidur Niti. If animal is not present then read the script towards jar sign,fish sign or arrow sign as ending.

ब्राह्मी वर्णमाला **Brahmi Script**

यहां श्री जी0आर0 हण्टर द्वारा प्रस्तुत सैन्धव एवं ब्राह्मी अक्षरों के मध्य साम्य

These are G.R Hunters simulation of Indus signs with Brahmi letters.

Indus	Brahmi	Devanagari	Indus	Brahmi	Devanagari
H	H, H	a			ña
		ā			ṭa
		i			ṭha
		ī			ḍa
		u			ḍha
		ū			ṇa
		ṛ			ta
		ṝ			tha
		ḷ			da
		ḹ			dha
		e			na
		ai			pa
		o			pha
		au			ba
		ṁ			bha
		ḥ			ma
		ka			ya
		kha			ra
		ga			la
		gha			va
		ṅa			śa
		ca			ṣa
		cha			sa
		ja			ha
		jha			

वर्णाक्षरों का विकास (Evolution of Letters)

अ से अंकुशः Goad sign

यह अंकुश का चित्र है जो हाथी को वश में करने के काम आता है सैन्धव काल में इसका प्रयोग होता था। इससे प्राप्त चित्र लिपि अ अक्षर के लिये प्रयुक्त की जाती है। निम्न चित्रलेख पशुपति मुद्रा समेत कई सिन्धु मुद्राओं में प्राप्त होता है यथा कठूमाड उनुआड आदि।

Ankushah is the article used to tame elephants and was prevalently available in Indus era. Pictograph derived from this developed hieroglyph for Indus Aa. Thes hieroglyph are seen on many Indus seals like Pasupati seal.

पाषाणयुगीन भीमबेटका की गुफा के भित्तिचित्रों में अंकुश का चित्र

Pre Indus Paleolithic era goad sign in wall painting of Bhimbetka

इ से इन्दिन्दिरः (मधुमक्खी) Bee Sign

इन्दिन्दिरः संस्कृत भाषा में मधुमक्खी को कहते हैं जिसका निम्न सैंधव चित्रलेख वर्णमाला में स्वर इ का प्रतिनिधायन करता है। तमिल भाषा में भी मक्खी को ई कहते हैं।

Indindirah is samskrit name for honeybee . Which represents letter ee of Indus hieroglyph. In tamil language common fly is called Ee.

उ से उर्णिनाभः Crab Sign

यह मकड़े का चित्र है जिसे संस्कृत भाषा में ऊर्णनाभः या ऊर्णपदः कहते हैं। सैन्धव लिपि में इसका निम्नवत चित्रलेख प्राप्त होता है। जिसका अर्द्धांश कालान्तर में ब्राह्मी उ में परिवर्तित हो गया।

This is picture of spider called urn-nabhah in samskrit depicting letter u. its halved hieroglyph forms basis for Brahmi u.
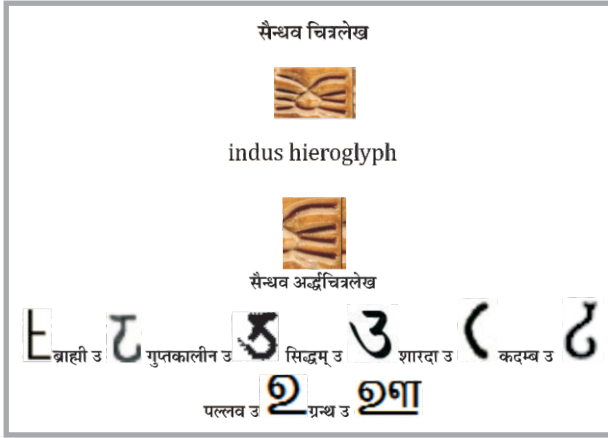
ए से एषण: Arrow Sign

प्राचीन काल में शिकार के लिये धनुष और बाण का प्रयोग होता था। बाणाग्र को संस्कृत में एषण: कहते हैं। बाणाग्र के चित्रलेख सैन्धव लिपि में स्वर ए के लिये प्रयुक्त किये जाते रहे हैं। यही कालान्तर में ब्राह्मी ए के रूप में परिवर्तित हो गया।

This is modern arrow and was also used in olden days for hunting with bow. Earliest settlements of humans were as nomadic hunters. Like many tribes of bastar and Andamaan Nicobar islands. This is lancet or arrow tip preserved from indus articles. This is called as Eshanah in samskrit meaning baanagra. This is common sign found on many Indus seals. This hieroglyph represents letter ae. This letter is used in many seals.

पाषाणयुगीन भीमबेटका की गुफा के भित्तिचित्रों में तीर का चित्र

Pre Indus Paleolithic era arrow sign in wall painting of Bhimbetka

क से कलेवरम मानवाकृति Human Sign
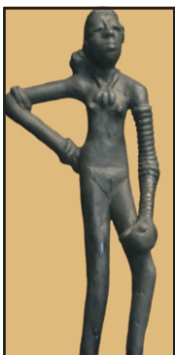
मानव शरीर को संस्कृत में कलेवर कहते हैं। अतः मानवाकृति के चित्रलेख को क के रूप में पढ़ा जाना समीचीन प्रतीत होता है। सिन्धु मुद्राओं में इसके निम्न चित्रलेख मिलते हैं।

This is human figurine representing ka.This is human figure found on some seals.

पाषाणयुगीन भीमबेटका की गुफा के भित्तिचित्रों में मनुष्य का चित्र

Pre Indus Paleolithic era human sign in wall painting of Bhimbetka

सैन्धव चित्रलेख

क से कुक्कुटः Cock Sign

पाषाणयुगीन भीमबेटका की गुफा के भित्तिचित्रों में मुर्गे का चित्र

Pre Indus Paleolithic era cock sign in wall painting of Bhimbetka

सैन्धव चित्रलेख

क से कच्छपः
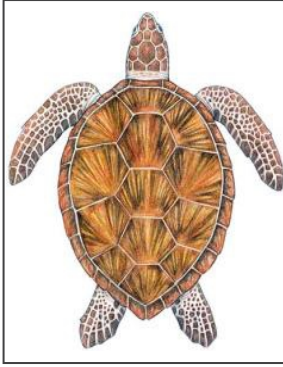
सैन्धव चित्रलेख

कृपाणी से कृ Scissors Sign

सैन्धव चित्रलेख

ख से खल्लः (खरल)

Mortar and Pestle Sign

यह खरल का चित्र हैं जिसे संस्कृत भाषा में खल्लः कहते हैं जिसके चित्रलेखों का प्रयोग सिन्धु मुद्रा में ख के उच्चारण हेतु निम्नवत किया गया। जिसका अर्द्धांश कालान्तर में ब्राह्मी ख में परिवर्तित हो गया। प्राथमिक हिन्दी शिक्षण में आज भी ख से खरल पढ़ाया जाता है।

This is mortar as found in Indus articles. Named khallah in samskrit. This is mortar and pestle hieroglyph in Indus script. Its halved hieroglyph forms Brahmi Kha. In primary education in India it is still taught as kha for kharal.

पाषाणयुगीन कैमूर की गुफा के भित्तिचित्रों में उखल, मूसल का चित्र

Pre Indus Paleolithic era mortar and pestle sign in wall painting of Kaimur, Bihar.

ग से गिरि: Hill sign

पर्वत को संस्कृत में गिरि कहते हैं इसके निम्न चित्रलेखों को भी ग के रूप में उच्चारित किया गया।

This is small hill named girih in samskrita This is hieroglyph for giri representing ga in Indus script.
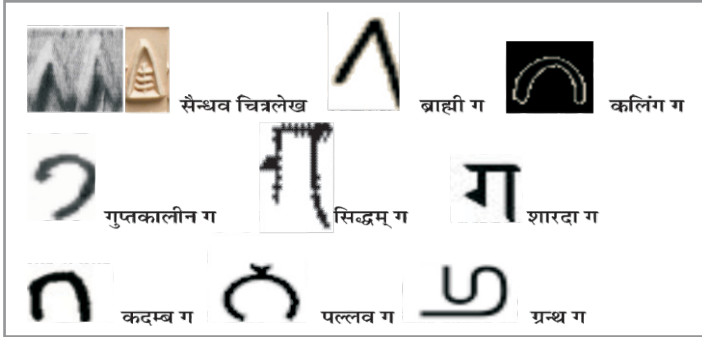
ग से गुवाकदरण: (सरौता)
Betel Nut Cutter Sign

सुपारी काटने के इस यन्त्र को संस्कृत भाषा में गुवाक दरः या गुवाकदरणः कहते हैं इसके चित्रलेख को ग के रूप में उच्चारित किया गया।

This is beetle nut cutter as used in Indus era. Named guvak darah (darnah) in samskrit.This is hieroglyph for guvak daranah repesenting ga.
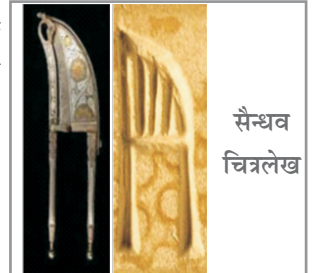
घ से घटिकम् (नितम्ब)
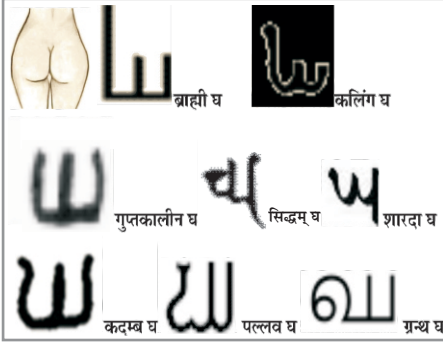
संस्कृत भाषा में नितम्ब को घटिकम् कहते हैं। इसके चित्रलेख से ही ब्राह्मी घ के रूप में विकसित हुये।

Ghatikam in Samskrit is meant for buttocks with natal cleft. Its hieroglyphs developed into Brahmi Gha.

अं से अंकगणनकः

उक्त गणना यन्त्र को संस्कृत भाषा में अंकगणनक कहा जाता है। बहुत लोगों का विश्वास है कि अंकगणनक की खोज चीन में हुयी परन्तु अंकगणनक के चित्रलेखों का सैन्धव मुद्राओं में क वर्ग चवर्ग तथा ट वर्ग के अनुनासिक के रूप में प्रयुक्त होना इसकी और प्राचीन उपयोगिता सिद्ध करता है। अंकगणनक के निम्न चित्रलेख सिन्धु मुद्राओं में प्राप्त हुये हैं।

This is abacus commonly known as ankgananakah in samskrit language. Many people think abacus is chinese invention but its pictures in Indus seals speak about its Indian origin. This is the picture of abacus as depicted in Indus script and was used to represent anunasik letters of ka varg.
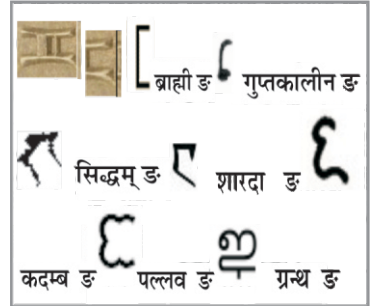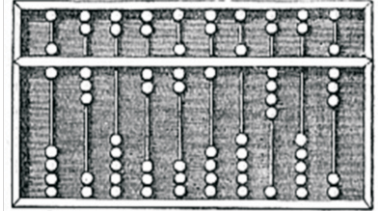
च से चन्द्रकः (मोरपंख की आंख)

Eye of peacock feather sign

यह मोर पंख की आंख का चित्र है जिसे संस्कृत भाषा में चन्द्रकः कहते हैं। इसके चित्रलेख से च की उत्पत्ति हुयी है जिसके अर्द्धांश से ब्राह्मी च का विकास हुआ।

This is a picture of eye of peacock tail feather known as chandrakah in samskrit and represents cha . Its halved hieroglyph becomes Brahmi Cha.
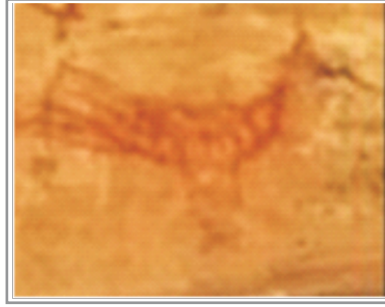
पाषाणयुगीन भीमबेटका की गुफा के भित्तिचित्रों में मोर का चित्र

Pre Indus Paleolithic era peacock sign in wall painting of Bhimbetka

छ से छत्रकम Mushroom Sign

यह खुम्बी या कुकुरमुत्ता का चित्र है जिसे संस्कृत भाषा में छत्रकम् कहते हैं। इसके चित्रलेख को सैन्धव मुद्राओं में छ के रूप में उद्वाचित किया गया।

This is picture of mushrooms named chhatrakam in samskrit. Its hieroglyphs represent chha.
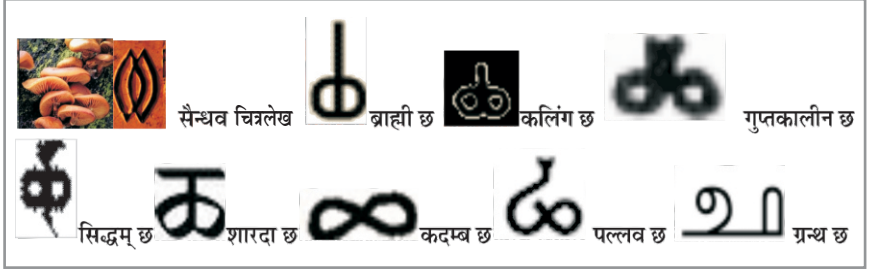
ज से जालकम् (गवाक्ष, खिड़की) Window Sign

सैन्धव चित्रलेख

संस्कृत भाषा में गवाक्ष या खिड़की के लिये जालकं शब्द का प्रयोग किया जाता है। सैन्धव मुद्राओं में प्रयुक्त चित्रलेखों को ज समझा गया है। इसके अर्द्धचित्रलेख से ब्राह्मी ज की उत्पत्ति स्वतः सिद्ध है।

These are some hieroglyphs for window in Indus script. Depicting ja. This halved hieroglyph transforming to brahmi ja.

झ से झोडः (सुपारी वृक्ष)

Betel nut Tree sign

यह सुपारी के वृक्ष का चित्र है जिसे संस्कृत भाषा में झोड़ः कहते हैं। इसके सैन्धव चित्रलेखों को झ के रूप में उदवाचित किया गया।

This is a picture of beetle nut tree named jhodah in samskrit representing jha.

पाषाणयुगीन भीमबेटका की गुफा के भित्तिचित्रों में झोड़ः का चित्र

Pre Indus Paleolithic era beetle nut tree sign in wall painting of Bhimbetka
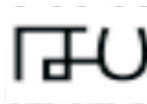
अं से अंकगणनकः

उक्त गणना यन्त्र को संस्कृत भाषा में अंकगणनक कहा जाता है। बहुत लोगों का विश्वास है कि अंकगणनक की खोज चीन में हुयी परन्तु अंकगणनक के चित्रलेखों का सैन्धव मुद्राओं में क वर्ग चवर्ग तथा ट वर्ग के अनुनासिक के रूप में प्रयुक्त होना इसकी और प्राचीन उपयोगिता सिद्ध करता है। अंकगणनक के निम्न चित्रलेख सिन्धु मुद्राओं में प्राप्त हुये हैं।

This is abacus commonly known as ankganankah in samskrit language. Many people think abacus is chinese invention but its pictures in Indus seals speak about its Indian origin. This is the picture of abacus as depicted in Indus script and was used to represent anunasik letters of ka varg ,cha varg and ta varg.

ट से टंकः
Axe sign

यह एक कुल्हाड़ी या फरसे का चित्र है जिसे संस्कृत भाषा में टंकः कहते हैं। इसकी धार की आकृति के चित्रलेखों को ट पढ़ा गया। जो ब्राह्मी ट के समान है जो आंग्ल भाषा के तृतीय वर्ण सी की आकृति का है।

This is a picture of an axe named tankah in samskrit represening ta (murdhanya).

पाषाणयुगीन कैमूर की गुफा के भित्तिचित्रों में फरसे का चित्र

Pre Indus Paleolithic era axe sign in wall painting of Kaimur

ठ से ठालिनी (करधनी)

Waist Belt sign

यह महिलाओं द्वारा पहना जाने वाला आभूषण कमर पेटी का चित्र है जिसे सोने अथवा चाँदी से निर्मित किया जाता है। इसे संस्कृत में ठालिनीं कहते है। इसके चित्रलेख को ठ के रूप में सिन्धु मुद्रा में अंकित किया गया है। जिससे ब्राह्मी ठ की उत्पत्ति हुयी है।

This is picture of waist belt known as thalini in samskrit representing tha (murdhanya).

पाषाणयुगीन भीमबेटका की गुफा के भित्तिचित्रों में करधनी का चित्र
Pre Indus Paleolithic era waist belt sign in wall painting of Bhimbetka

सैन्धव चित्रलेख **ब्राह्मी ठ** **कलिंग ठ** **गुप्तकालीन ठ**

सिद्धम् ठ **शारदा ठ** **पल्लव ठ** **ग्रन्थ ठ**

ड से डयनम (पालकी) Palanquin sign

पाषाणयुगीन कैमूर की गुफा के भित्तिचित्रों में पालकी का चित्र

Pre Indus Paleolithic era palanquin sign in wall painting of Kaimur,Bihar.

सैन्धव चित्रलेख

ऊपर पालकी का चित्र है जिसे संस्कृत भाषा में डयनम् कहा जाता है, जिसके दो सैन्धव चित्रलेख ऊपर दर्शाये गये हैं।

These are palanquin sign which is hieroglyphs for dayanam depicting da (murdhanya).

ड से डयनम (पंख)

Wing Sign

सैन्धव चित्रलेख

यह पक्षी के पंखों का चित्र है जिसे संस्कृत भाषा में डयनम कहते हैं। इसके सैन्धव चित्रलेख को भी ड के रूप में उदवाचित किया गया।

This is another hieroglyph for another meaning of dayanam in samskrit that is wings of birds.again representing da (murdhanya)

सैन्धव अर्द्ध चित्रलेख
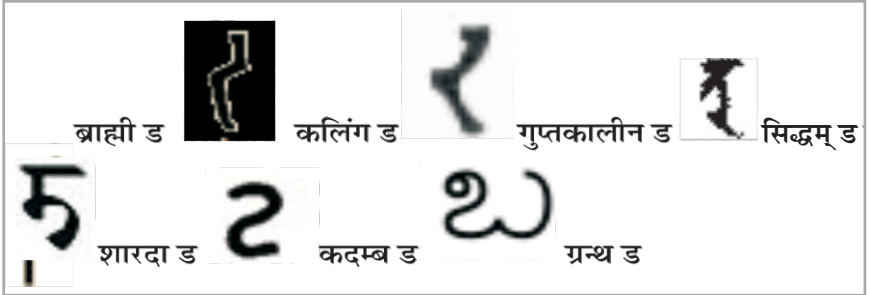
उपरोक्त दोनों सैन्धव चित्रलेखों के अर्द्ध चित्रलेखों से ब्राह्मी ड की उत्पत्ति हुयी है।

Halved hieroglyphs transforming to brahmi da(murdhanya).

ढ से ढुन्ढिः (गणेश)
Lord Ganesh sign

गणेश का चित्र
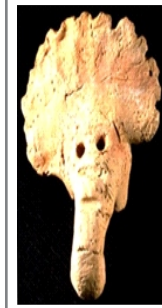
सैन्धव चित्रलेख

यह गणेश का चित्र है जिन्हें संस्कृत भाषा में ढुन्ढिः कहते हैं। जिसके चित्रलेख के विकास से ब्राह्मी ढ की उत्पत्ति हुयी।

This hieroglyph is transforming to brahmi dha(murdhanya).

अं से अंकगणनकः
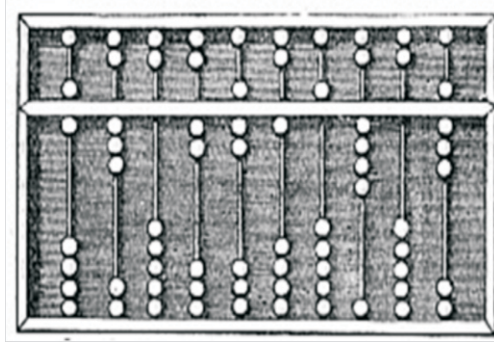
उक्त गणना यन्त्र को संस्कृत भाषा में अंकगणनक कहा जाता है। बहुत लोगों का विश्वास है कि अंकगणनक की खोज चीन में हुयी परन्तु अंकगणनक के चित्रलेखों का सैन्धव मुद्राओं में क वर्ग चवर्ग तथा ट वर्ग के अनुनासिक के रूप में प्रयुक्त होना इसकी और प्राचीन उपयोगिता सिद्ध करता है। अंकगणनक के निम्न चित्रलेख सिन्धु मुद्राओं में प्राप्त हुये हैं।

This is abacus commonly known as ankgananakah in samskrit language. Many people think abacus is chinese invention but its pictures in Indus seals speak about its Indian origin. This is the picture of abacus as depicted in Indus script and was used to represent anunasik letters of ka varg ,cha varg and ta varg.

त से तुलाधरः
Bearer Sign

यह एक तुलाधारी का चित्र है जो कावंड़ में सामान ढोने का कार्य करता है, जिसके सैन्धव चित्रलेख से ब्राह्मी त का विकास हुआ।

This is the hieroglyph for tuladhar depicting ta (dantavya).

पाषाणयुगीन भीमबेटका की गुफा के भित्तिचित्रों में तुलाधर का चित्र
Pre Indus Paleolithic era bearer sign in wall painting of Bhimbetka

त से तूणः तरकश (Arrow Sac)

सैन्धव चित्रलेख

त्र सैन्धव

यहां तीन खड़ी रेखायें अंक तीन का प्रदर्शन करती हैं जिसे संस्कृत भाषा में त्रयः कहते हैं। यह सैन्धव लिपि में संयुक्ताक्षर त्र के लिये भी प्रयुक्त किया गया है।

These three straight lines in Indus script denote numeral

थ से थम-ढाल

Shield Sign

यह युद्ध कला में तलवार से रक्षा की ढाल का चित्र है। जिसे संस्कृत में थं कहते हैं। इसके निम्न चित्रलेख से ब्राह्मी थ की उत्पत्ति हुयी है।

This is a picture of shield of deffence named tham in samskrit representing tha (dantavya).
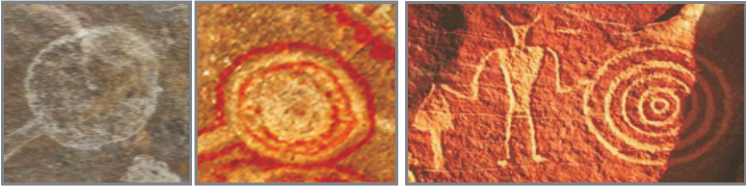
पाषाणयुगीन भीमबेटका की गुफा के भित्तिचित्रों में ढाल का चित्र

Pre Indus Paleolithic era shield sign in wall painting of Bhimbetka

द से द्रोणिः (दोगला)

Irrigation Swing Basket Sign

यह सिंचाई से सम्बन्धित उपकरण का चित्र है जो नहरों तालाबों से पानी निकालने के कार्य में प्रयुक्त होता है। जिसे संस्कृत भाषा में द्रोणिः कहा जाता है। यह उपकरण आज भी कृषि कार्य में प्रयुक्त होता है, इसे हिन्दी में डोल या दोगला भी कहते हैं। इसके सैन्धव चित्रलेख के अर्द्धांश से ब्राह्मी द की उत्पत्ति हुयी है।

This is picture of irrigation swing basket used to lift water from canals or ponds named dronih in samskrit representing da (dantavya). Its halved hieroglyph forms Brahmi da.
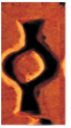
ध से धन्वः Bow Sign

यह शिकार के कार्य में प्रयुक्त हाने वाला धनुष का चित्र है। इसे संस्कृत भाषा में धन्वः कहते हैं। इसके सैन्धव चित्रलेख से ब्राह्मी ध की उत्पत्ति हुयी है। प्राथमिक शिक्षा में आज भी ध से धनुष पढ़ाया जाता है।

This is archery bow used for hunting in Indus era named dhanvah in samskrita representing dha(dantavya). Dha for dahnush is still taught in Indian education system.

पाषाणयुगीन भीमबेटका की गुफा के भित्तिचित्रों में धनुष का चित्र
Pre Indus Paleolithic era bow sign in wall painting of Bhimbetka

न से निर्दातृम 'निराई का दांता'
Rake Sign

यह कृषि कार्य में उपयोग में लाये जाने वाले निराई से सम्बन्धित यन्त्र हैं। जिसे संस्कृत भाषा में निर्दातृम् कहते हैं। इसके निम्न सैन्धव चित्रलेखों से ब्राह्मी न की उत्पत्ति हुयी है।

These are pictures of rakes and harrows named nirdatram in samskrit representing na(dantavya).

पाषाणयुगीन भीमबेटका की गुफा के भित्तिचित्रों में निर्दातृम् का चित्र

Pre Indus Paleolithic era rake sign in wall painting of

न से निबन्धः
(hand cuffs sign)

नतः
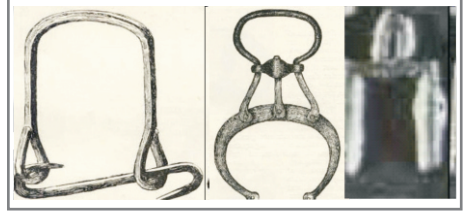
नौ खड़ी रेखायें संख्या नौ के अतिरिक्त अक्षर न के रुप में भी प्रयुक्त की गयी हैं।

प से पर्णः Leaf Sign

यह पीपल के पत्ते का चित्र है। संस्कृत भाषा में पत्ते को पर्णः कहते हैं। इसके सैन्धव चित्रलेखों के अर्द्धांश से ब्राह्मी प की उत्पत्ति हुयी है। प्राथमिक हिन्दी शिक्षा में आज भी प से पीपल पढ़ाया जाता है।

This is a peepal leaf commonly known as parnah in samskrit representing pa. Its halved hieroglyph forms Brahmi pa. p for peepal is still taught in primary hindi education in India.

प से पुष्कलकम्

Wedge Sign

सैन्धव चित्रलेख

पय दुग्ध

पांच खड़ी रेखाये संख्या पांच के अतिरिक्त अक्षर प के रुप में भी प्रयुक्त की गयी हैं।

फ से फणिनः

Cobra sign

यह एक नाग का चित्र है जिसे संस्कृत भाषा में फणिनः कहते हैं। इसके चित्रलेखों से ब्राह्मी फ की उत्पत्ति हुयी है।

This is a picture of cobra named phaninah in samskrit representing pha
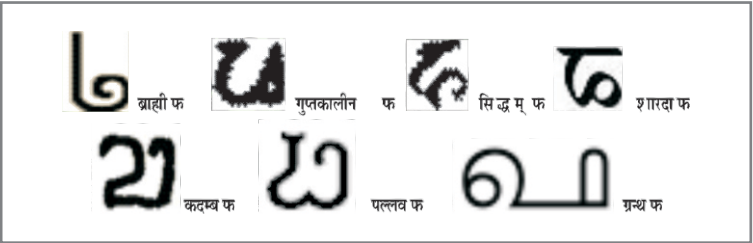
ब से बन्धनस्थानः कारागार

(Prison Sign)

यह एक बन्धनस्थान या कारागार का रेखाचित्र है जो वर्गाकार क्षेत्र में निर्मित किया जाता था। जिसके सैन्धव चित्रलेख से ब्राह्मी ब की उत्पत्ति हुयी है।

This is a picture diagram of prison which was made in square area named bandhansthanam in samskrit representing ba.

सैन्धव चित्रलेख

भ से भस्त्रिः

Bellow sign

यह लोहार की धौंकनी का चित्र है जिसे संस्कृत भाषा में भस्त्रिः कहते हैं। इसके निम्न सैन्धव चित्रलेखों से ब्राह्मी भ की उत्पत्ति हुयी है।

This is a picture of bellow used by blacksmiths to enhance the fire named bhastrih in samskrit represnting bha.
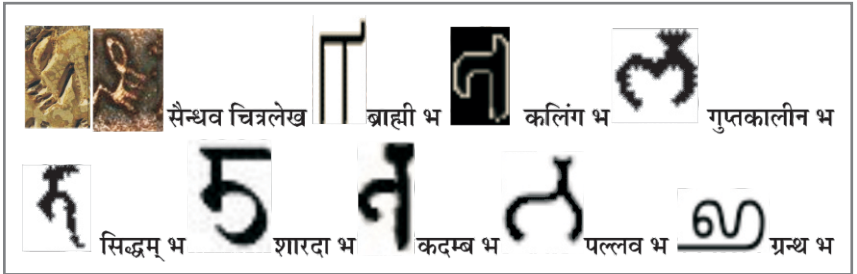
म से मीनम

Fish Sign

यह मछली का चित्र है जिसे संस्कृत भाषा में मीनं कहते हैं जिसके सैन्धव चित्रलेख से ब्राह्मी म का विकास हुआ है। प्राथमिक हिन्दी शिक्षा में आज भी म से मछली पढ़ाया जाता है।

This is a picture of fish named meenam in samskrit representing ma. Its halved hieroglyph forms Brhmi ma. Ma for meenam (fish) is still taught in primary hindi education.

य से यज्ञ एवं यज्ञीयः

Trident sign
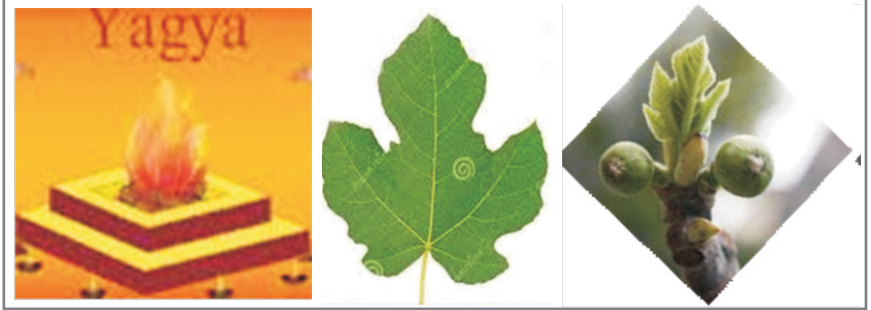
यह एक धार्मिक अनुष्ठान का चित्र है जिसे संस्कृत भाषा में यज्ञ कहते हैं। साथ ही गूलर के पत्ते व शाखाग्र का चित्र है जिसे संस्कृत भाषा में यज्ञीय कहते हैं। इनके चित्रलेखों के आधार पर ब्राह्मी य का विकास हुआ है। प्राथमिक हिन्दी शिक्षा में आज भी य से यज्ञ पढ़ाया जाता है।

This is a picture of sacred ritual named as yajna in samskrit representing ya.These are pictures of fig leaf and fig twig named yajniyah in samskrit representing ya. Ya for yajna is still taught in primary hindi education in India.

र से रज्जुः
Rope sign

यह रस्सी का चित्र है जिसे संस्कृत भाषा में रज्जुः कहते हैं। इसके सैन्धव चित्रलेख क्रमागत रूप से निम्नवत सर्वप्रथम रस्सी की पूली फिर बटी हुयी रस्सी फिर दो समानान्तर लहरदार रेखायें दो समानान्तर सीधी खड़ी रेखायें अन्त में एक सीधी खड़ी रेखा से ब्राह्मी र का विकास हुआ है। प्राथमिक हिन्दी शिक्षा में आज भी र से रस्सी पढ़ाया जाता है।

This is a picture of rope named rajjuh in samskrit representing ra These are chronological hieroglyphs representing development of script depicting ra. Ra for rope is still taught in primary hindi education in India.

पाषाणयुगीन भीमबेटका की गुफा के भित्तिचित्रों में रज्जुः का चित्र
Pre Indus Paleolithic era rope sign in wall painting of Bhimbetka
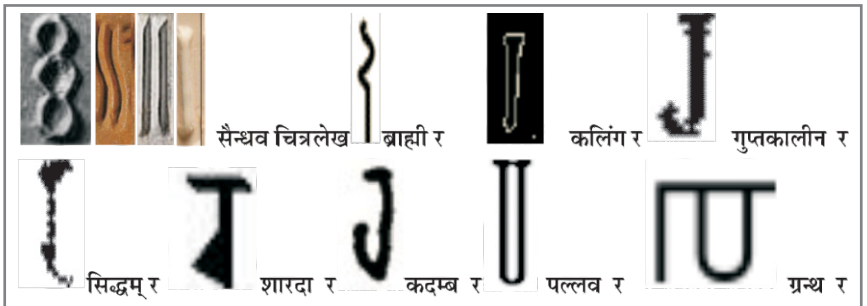
ल से लांगलम
Plough sign
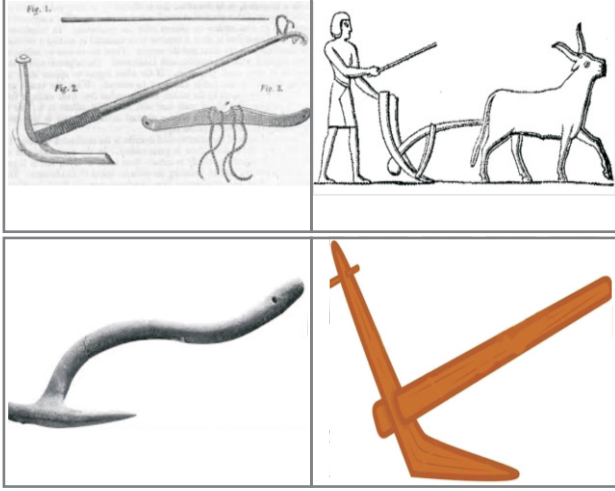
यह कृषि में प्रयुक्त होने वाले हल का चित्र है जिसे संस्कृत भाषा में लांगलं कहते हैं। इसके निम्न सैन्धव चित्रलेख से ब्राह्मी ल का विकास हुआ है।

These are pictures of plough and yoke named as langalam in samskrit representing la

व से व्यजः

Fan sign rectangular ceiling fan and hand fan

यह प्राचीन छत के पंखे तथा हाथ पंखे का चित्र है, जिसे संस्कृत भाषा में व्यजः कहते हैं। इसके सैन्धव चित्रलेखों से ब्राह्मी व का विकास हुआ है।

These are pictures of hand fan and rectangular ceiling fan sign. Fan named vyajah in samskrit representing va
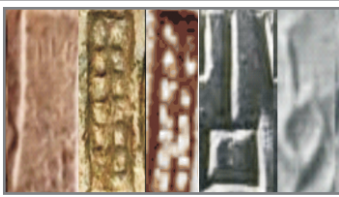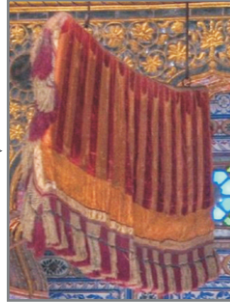
पाषाणयुगीन भीमबेटका की गुफा के भित्तिचित्रों में व्यजः का चित्र

Pre Indus Paleolithic era fan sign in wall painting of Bhimbetka
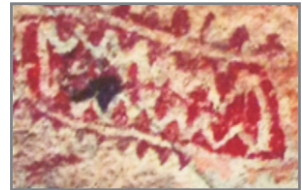
पाषाणयुगीन कैमूर की गुफा के भित्तिचित्रों में पंखे का चित्र

Pre Indus Paleolithic era fan sign in wall painting of Kaimur,Bihar.

व से वलय

सैन्धव चित्रलेख

वृश्चिकः से वृ

Scorpion sign

सैन्धव चित्रलेख वृ
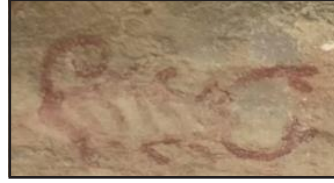
चतुर्भुज नाला म0प्र0 से प्राप्त गुफा चित्र

श से शकटारिः बैलगाड़ी का पहिया

Wheel sign
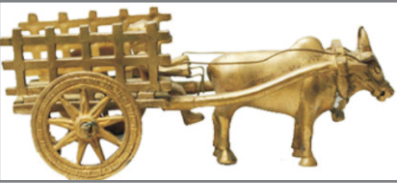
पाषाणयुगीन भीमबेटका की गुफा के भित्तिचित्रों में शकटारिः का चित्र

Pre Indus Paleolithic era shakatarih sign in wall painting of Bhimbetka

सैन्धव चित्रलेख

श से शंखः

Conch sign

यह शंख का चित्र है। जिसे संस्कृत भाषा में शंखः कहते हैं। इसके सैन्धव चित्रलेख के अर्द्धांश से ब्राह्मी श की उत्पत्ति हुयी है।

This is a picture of conch shell recovered as Indus articles named shankhah in samskrit representing sha. Its halved hieroglyph forms Brahmi sha.

श से शल्लकी Porcupine sign

सैन्धव चित्रलेख

श्वानः से श्व Dog Sign

पाषाणयुगीन भीमबेटका की गुफा के भित्तिचित्रों में कुत्ते का चित्र

Pre Indus Paleolithic era dog sign in wall painting of Bhimbetka

Indus Dog sign Shvana

यह एक कुत्ते का चित्रलेख है जिसे संस्कृत में श्वानः कहते हैं। इसके चित्रलेख को संयुक्ताक्षर श्व के लेखन में प्रयुक्त किया जाता है।

This is a pictograph of dog called shvanah in samskrit. Its hieroglyph is used for joint letter shva.

छः खड़ी रेखाये संख्या छः के अतिरिक्त अक्षर ष के रुप में भी प्रयुक्त की गयी हैं।

सूष्य (प्रसूता)

सम्बाधम   सैन्धव चित्रलेख

स से संबाधम्
Vulva sign

यह योनि का चित्र है जिसे संस्कृत भाषा में संबाधम् कहते हैं। जिसके सैन्धव चित्रलेख स के लिये प्रयुक्त किये जाते हैं। स के लिये अन्य सैन्धव चित्रलेख स्वास्तिकः सीरः संवरणम्, सरण्डः एवं सरटः के रूप में निम्नवत हैं। इनके अर्द्धांश से ब्राह्मी स विकसित हुआ।

This is picture of vulva named sambadham in samskrit representing hieroglyph for sa. Its vertically halved hieroglyph becomes

स से स्वास्तिकः

पाषाणयुगीन भीमबेटका की गुफा के भित्तिचित्रों में स्वास्तिक का चित्र

Pre Indus Paleolithic era swastikah sign in wall painting of Bhimbetka

ये कुछ स्वास्तिक के चित्रलेख

These are few more hieroglyphs for sa namely swastika

सैन्धव लिपि

स से संवरणम् Mask Sign

स से सीरः Plough head Sign

पाषाणयुगीन भीमबेटका की गुफा के भित्तिचित्रों में सरटः का चित्र

Pre Indus Paleolithic era Lizard sign in wall painting of Bhimbetka

स से सरटः (छिपकली) Lizard Sign

स से सरण्डः(पक्षी)

Bird Sign
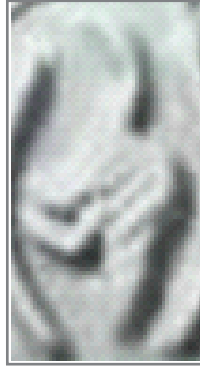
त्रसति भयभीत

सात खड़ी रेखाये संख्या सात के अतिरिक्त अक्षर स के रुप में भी प्रयुक्त की गयी हैं।

ह से हंडिकाः

Jar Sign

यह सिन्धु कालीन पात्र का चित्र हैं, जिसे संस्कृत भाषा में हंडिकाः कहते हैं। यह व्यंजन ह एवं विसर्ग के लिये प्रयुक्त किया जाता है। इसके अर्द्धांश से ब्राह्मी ह की उत्पत्ति प्रतीत होती है।

This is a picture of jar sign of indus era named handikah in samskrit representing ha and visargah. Its halvedhieroglyph forms Brahmi ha.
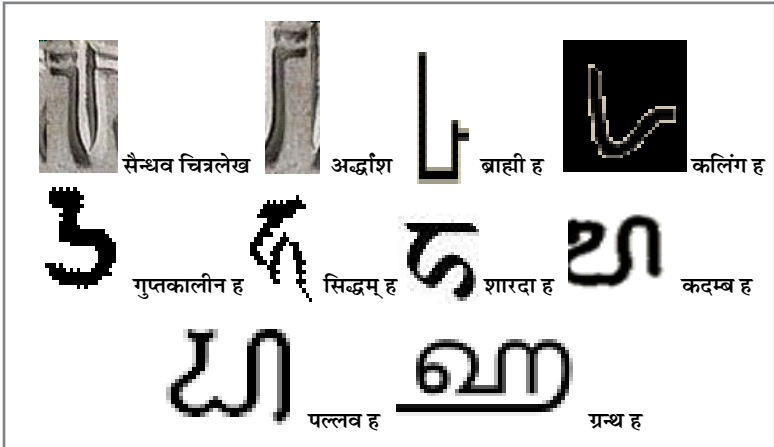
संयुक्ताक्षर

Conjoint letters

दो या दो से अधिक अक्षरों को संयुक्ताक्षर के रुप में प्रयुक्त करते समय चित्र पर चित्र के साथ चित्र के मध्य चित्र का भी उपयोग किया गया है। संयुक्ताक्षर निम्नवत हैं।

Two are more letters when used as conjoint letters pictographs were made by adding picture over picture as well as picture in picture.conjoint letters are as below

स्वर लिपि

Vowel script

अ एकल या दोहरी अतिरिक्त रेखायें। या चित्रलेख के मध्य एक पड़ी रेखा
Single or double extra lines or horizontal lines amidst hieroglyph

इ एक या कोणीय लघु रेखा व्यंजन से जुड़ी हुयी या चित्रलेख के उपर छत्र।
Single or double angular lines or a roof over hieroglyph

उ दो छोटी खड़ी रेखायें।
Double vertical small lines

ए एक खड़ी रेखा पहले नीचे या चित्रलेख के अन्दर या चित्रलेख से जुड़ा त्रिभुज।
Single line before below or inside hieroglyph or a triangle attached

एकाक्षरी मुद्रायें
Monosyllabic seals

1/1 मीनम् से म (शिव)

2/2 हंडिकाः से ह (शिव)

3/3 पर्णः से प (वायु)

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इन एकाक्षरी मुद्राओं में संस्कृत भाषा में मत्स्य म (शिव) हंडिका ह (शिव) एवं पर्णः प (वायु) के लिये।

Monosyllabic seal depicting meenam ma shiva and handikah ha shiva and parnam pa vayu (air)

4/4 स

मोहन जोदड़ो से प्राप्त यह एकाक्षरी मुद्रा सिंहों के साथ खेलते चक्रवर्ती महाराज शाकुन्तल भरत (दुष्यन्त पुत्र) के ऊपर स का प्रतीक स्वास्तिक जिसे संस्कृत भाषा में स कहते हैं जिसका अर्थ है समता। यही चक्र सम्राट अशोक ने अपने स्तम्भों में उत्कीर्ण कराया जो बाद में भारत सरकार ने अपने ध्वज में प्रयुक्त किया।

This tablet shows lion tamer chakravarti king Bharata son of king Dushyant and his estranged wife Shakuntala on whose name our nation got its name to Bharatavarsha. Monosyllabic sa in samskrit meaning equality . This chakra of swastikah was later adopted by Asoka in his pillars. Thereafter it was adopted by Indian government in its national flag.

द्वयाक्षरी मुद्रायें
Disyllabic seals

5/5

नय रक्षा (Protect)

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में निर्दात्रम् और यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर नय शब्द निर्मित करते हैं, जिसका अर्थ है संरक्षा।

This seal from Mohan Jo Daro reads rake sign with trident sign create word naya which in samskrit means protection

मे (विनिमय exchange)

मोहन जोदड़ो एवं कालीबंगन से प्राप्त इन मुद्राओं में मीनम् और एषणः के चित्रलेख मिलकर मे शब्द निर्मित करते हैं, जिसका अर्थ है विनिमय।

This seal from Mohan Jo Daro and Kalibangan reads fish sign with arrow sign create word mae which in samskrit means trade or exchange.

6/6

7/7

भूः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः और हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर भूः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका अर्थ है पृथ्वी।

This seal from Mohan Jo Daro reads bellow sign with vowel u with jar sign create word Bhuh which in samskrit means earth.

8/8

र:

(अग्नि या त्याग)

हड़प्पा एवं मोहन जोदड़ो से प्राप्त इन मुद्राओं में रज्जु: हंडिका: के चित्रलेख मिलकर र: शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ अग्नि या त्याग है।

These seals from Harappa and Mohan Jo Daro read as rope sign, ending with jar sign create word rah which means 'fire or sacrifice' in samskrita.

कठ (कठोपनिषद)

हड़प्पा एवं मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में कलेवरं से क एवं ठालिनीं से ठ मिलकर कठ शब्द निर्मित करते हैं, जिसका अर्थ कठोपनिषद के रूप में लिया जा सकता है।

These seals from Mohan Jo Daro and Harappa read human sign with waistbelt sign create two letter word kath which samskrit meaning part of yajurved kathopnishad.

9/10

10/11
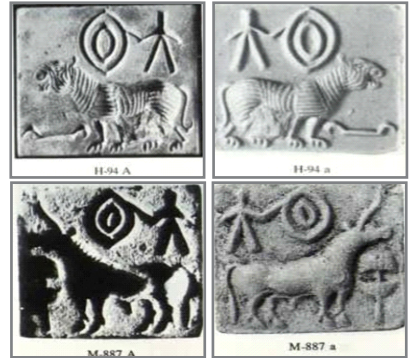
माए (मातृ Mother)

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में आ की स्वरलिपि के साथ मीनं एवं एषण: के चित्रलेख से माए शब्द की उत्पत्ति होती है, जिसका संस्कृत भाषा मे माता के अर्थ में प्रयुक्त किया जाता है।

This disyllabic seal from Mohan Jo Daro shows hieroglyph for meenam fish sign with vowel aa and arrow sign eshanah for e creating word mae meaning in samskrit for mother.

11/12

H-93 A

H-93 a

खधि (गरूड़)

हड़प्पा से प्राप्तइस मुद्रा में खल्लः के चित्रलेख से ख एवं इ के स्वरलेख के साथ धन्वः के चित्रलेख से धि मिलता है। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ ख (आकाश) धि (अधिकार) से गरूड़ होता है।

This disyllabic seal from Harappa shows khallah for kha and hieroglyph for dhanvah with vowel i meaning in samskrit as Garuda.

हठे (हठ पूर्वक)

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में हंडिका के चित्रलेख एवं ए की स्वरलिपि के साथ ठालिनीं के चित्रलेख को मिलाकर हठे शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है हठ पूर्वक या बलात्।

This seal from Mohan Jo Daro reads jar sign handikah followed by waist belt sign thalinim with vowel sign for e create word hathe which in samskrita means forcefully.

12/13

M-150 A

M-150 a

13/15

M-328 A

M-328 a

कितः (चिकित्सा करना)

मोहन जोदड़ो से प्राप्त यह मुद्रा कलेवरं में इ की स्वरलिपि के साथ तुलाधर एवं हंडिका के संयुक्ताक्षर तः से मिल कर कितः शब्द का निर्माण करती है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है चिकित्सा करना, जिससे यह प्रतीत होता है कि यह किसी चिकित्सा केन्द्र की मुद्रा है।

This seal from mohan Jo Daro reads human sign with vowel i and joint letter of bearer sign with jar sign creates word kitah in samskrit it means to heal. Probably this is seal of medical centre.

14/16
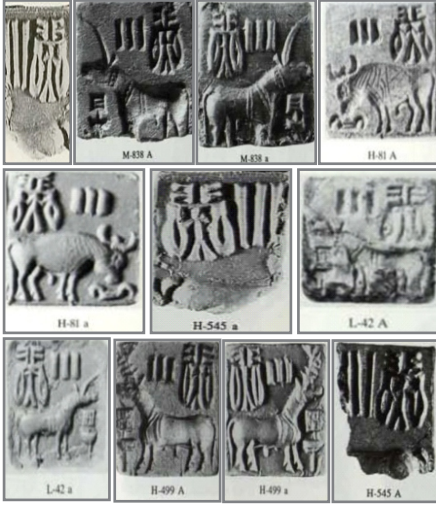
त्रेतः

हड़प्पा,मोहन जोदड़ो एवं लोथल से प्राप्त इन मुद्राओं में तीन खड़ी रेखाओं से त्र एवं तुलाधर व हंडिका के संयुक्ताक्षर तः से मिलकर त्रेतः शब्द का निर्माण करती हैं, जिसका अर्थ त्रेतायुग से लिया जा सकता है।

This broken tablet from Harappa and Mohan Jo Daro reads as three vertical lines with joint letter of bearer sign with jar sign create word tre tah meaning the era treta in samskrit.

मारः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में मीन जिसके पेट में एक पड़ी रेखा से मा दो समानान्तर वक्र रेखायें रज्जु से र अन्त में हंडिका से विसर्ग मिलाकर मारः शब्द का निर्माण करती हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है कामदेव एवं धतूरा। इससे यह प्रतीत होता है कि यह धतूरा के व्यापार की मुद्रा है।

This seal from Mohan Jo Daro reads three letters as meenam with a horizontal line in it pronouncing ma followed by two parallel lines depicting ra ending in handikah as visargah jointly reads as maarah मारः which in samskrit means as Eros कामदेव and atropa fruits.
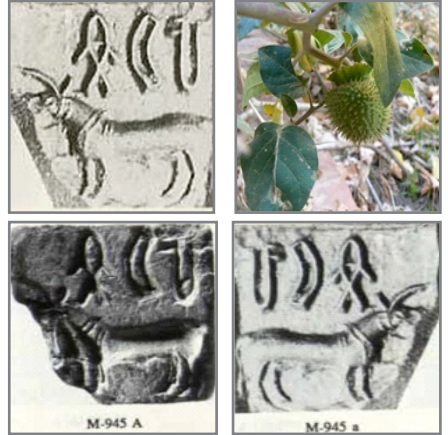
15/18

M-945 A

M-945 a

सैंह (सिंह सम्बन्धी)

16/22

M-291 A

M-291 a

मोहन जोदड़ो से प्राप्त यह त्रयाक्षरी मुद्रा में स्वास्तिक से स एषणः तथा निर्दातृं के संयुक्ताक्षर ऐं अन्त में हंडिका के ह से मिलकर सैंह शब्द का निर्माण होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है सिंह सम्बन्धी। मुद्रा में उत्कीर्ण सिंह का चित्र इस तथ्य का बल देता है।

This trisyllabic seal from Mohan Jo Daro has three ill formed letters swastika followed by eshanah ending in handikah jointly read as sainh meaning thereby related to lions . The animal carved below is a lion .which correlates to the script.

कंठे

यह मोहन जोदड़ो से प्राप्त त्रयाक्षरी मुद्रा कलेवरं एवं निर्दातृं के संयुक्ताक्षर कं के साथ ठालिनीं के चित्रलेख के मध्य ए की स्वरलिपि एक खड़ी रेखा से मिलकर शब्द कंठे निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है कंठ या गले से सम्बन्धित। यह माला से सम्बन्धित व्यापार की मुद्रा रही होगी।

This trisyllabic seal from Mohan Jo Daro reads human sign kalevaram with rake sign nirdatram kan followed by waist belt sign thalinim with vertical line for vowel e creating word kanthe meaning thereby related to neck kantha.Probably seller of garlands necklace etc.

17/24
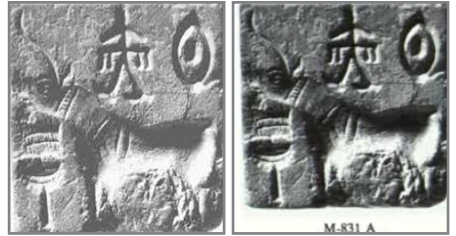
M-831 A

M-831 a

गृह

18/25

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रामें गिरि (पर्वत) के चित्रलेखके नीचे रज्जु के चित्रलेख दो खड़ी रेखायें अन्त में हंडिका के साथ मिलकर गृह शब्द का निर्माण करता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है घर।

This seal from Mohan Jo Daro reads hill sign girih below supported with rope sign rajjuh ra ending in jar sign handikah jointly read as Griha in sanskrit meaning thereby home.
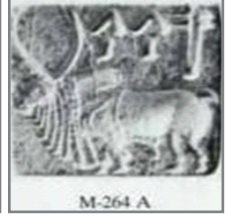
M-264 A

M-264 a

मिषः (प्रतिस्पर्धा)

19/98

इस मुद्रा में इ की स्वर लिपि के साथ मीनं तत्पश्चात सीरः का चित्रलेख अन्त में विसर्ग के लिये हंडिका का चित्रलेख मिलकर मिषः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ प्रतिस्पर्धा मिलता है।

This seal shows hieroglyph for meenam with vowel I then hieroglyph for seerah ending with handikah for visargah creating word mishah which in samskrit language means competition.

M-1001 A

M-1001 a

20/99

नश
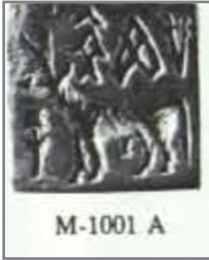
इस द्वैक्षरी मुद्रा में निर्दातृं एवं शकटारिः से मिलकर नश शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ अन्तर्धान होना है।

This disyllabic seal shows hieroglyph for nirdatram and wheel sign creating word nash which means in samskrita to disappear.

मासः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में आ की मात्रा के साथ मीनं से मा स्वास्तिकः से स हंडिका से ह मिलकर मासः शब्द बनता है, जिसका अर्थ है महीना अथवा बारह की संख्या।

This seal from Mohan Jo Daro depicts hieroglyph for fish sign with vowel sign for a then swastikah sign for sa and ending with jar sign for visargah creating word masah which in samskrit means month or dozen.

21/137

M-255 A

M-255 A bis

M-255 a

रतः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः की एकल खड़ी रेखा से र फिर तुलाधर एवं हंडिका का संयुक्ताक्षर तः मिलकर रतः शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ हैं, तुला हुआ।

This seal reads single vertical line for rajjuh ending in tulah associated with handikah ratah in samskrit meaning here is right wieght.

22/139

M-188 A

M-188 a

23/144

B-3 A

B 3-a
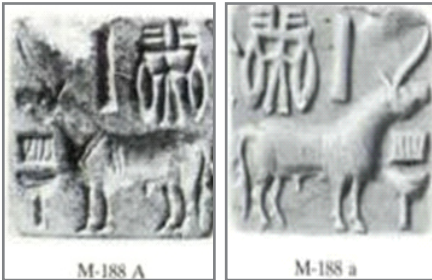
ईम

बानावली से प्राप्त इस मुद्रा में चार छोटी रेखाओं से ई, मीनं से म मिलकर इम शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है इसे। बानावली से प्राप्त मुद्राओं में पशु चिन्ह के पूंछ की तरफ से पढ़ा जाता है। जबकि अन्य मुद्राओं में पशु चिन्ह के सिर की तरफ से पढ़ा जाता है।

This seal from Banawali reads as hieroglyph for i then fish sign create word im which means 'this' in samskrita. Seals from Banawali are read from tail to head of the animal.

ओमः

बानावली से प्राप्त इस मुद्रा में हंडिकाः से ह एवं ओम के चिन्ह मिलकर ओमः शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है ईश्वर। बानावली से प्राप्त मुद्राओं में पशु चिन्ह के पूंछ की तरफ से पढ़ा जाता है। जबकि अन्य मुद्राओं में पशु चिन्ह के सिर की तरफ से पढ़ा जाता है।

This seal from Banawali reads as hieroglyph for om then jar sign create word omah which means 'God' in samskrita. Seals from Banawali are read from tail to head of the animal.

24/145

B-4 A

B 4-a

25/147

M-180 A

M-180 a

जः (विष, पिता)

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में जालकम् के बाद हंडिका के चित्रलेख से मिलकर जः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है विष अथवा पिता।

This seal from Mohan Jo Daro reads as window sign for ja ending with jar sign for visargah speaks jah in samskrit means poison or sire.

भूतः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः से भू हंडिका के साथ तुलाधरः से तः मिलकर भूतः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है शिव अथवा कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as bhastrikah with vowel u bhu followed by tuladharah with jar sign for visargah speaks bhutah in samskrit means shiva or fourteenth day of Krishna paksha.

26/148

M-330 a

M-330 A

कृते

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में र की दो रेखाओं के मध्य कलेवरं के चित्रलेख से कृ एवं एषणः की मात्रा के साथ तुलाधरः से ते मिलकर कृते शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है किया हुआ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as human sign (kalevaram) between two vertical lines for ra followed by tuladharah with eshanah speaks krite in samskrit means performed.

27/149

M-197 A

M-197 a

इछः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में इ के चित्रलेख के बाद छत्रकम् अन्त में हंडिका से इछः शब्द निर्मित होता हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है कामना।

This seal from Harappa reads as hieroglyph for i ,mushroom sign for chha ending with jar sign create word ichhah which means 'desire' in samskrita.

28/182

H-147 A

H-147 a

L-22 A

L-22 a

सूर्पः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् के चित्रलेख के बाद रज्जुः पर्णः अन्त में हंडिका से सूर्पः शब्द निर्मित होता हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सूप अथवा दो द्रोण की तौल।

This seal from Harappa reads as vulva sign withvowel u , rope sign leaf sign ending with jar sign create word surpah which means 'measure of two dronah 'in samskrita.

29/183

H-140 A

H-140 a

तिमे

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ तुलाधरः के चित्रलेख के बाद ए की मात्रा के साथ मीनम् से तिमे शब्द निर्मित होता हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है गीला।

This seal from Harappa reads as hieroglyph for tuladharah then fish sign with vowel e create word 'time' which means wet in samskrita

30/189

H-73 A

H-73 a

ऋत

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ रज्जुः से ऋ तुलाधरः के चित्रलेख मिलकर ऋत शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सत्य।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign hieroglyph for tuladhrah create word 'rit' which means 'right' in samskrita.

31/196

M-60 A

M-60 a

M-201 A

M-201 a

रभः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः से र भस्त्रिः एवं हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर रभः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सामर्थ्यवान।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign , bellow sign , ending with jar sign create word rabhah which means 'potent ' in samskrita.

32/214

M-155 A

M-155 a

33/215

M-204 A

M-204 a

M-823 A

M-823 a

सूरिः ऋषि

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् के बाद ए की मात्रा के साथ रज्जुः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सूरिः, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है ऋषि है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u ,rope sign with vowel e, ending with jar sign create word surih which means 'sage' in samskrita.

सूमः

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् के चित्रलेख के पश्चात मीनम् एवं हंडिका के चित्रलेख मिलकर सूमः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत में अर्थ दुग्ध अथवा जल होता है।

This seal from Lothal reads as vulva sign with vowel u ,fish sign ending with jar sign create word sumah which means 'milk or water' in samskrita.

34/220

L-41 A

L-41 a
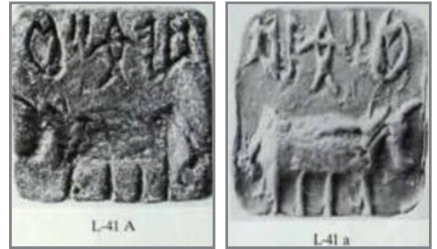
भूकाः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः आ की मात्रा के साथ कलेवरं अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर भूकाः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है झरने।

This seal from Harappa reads as hieroglyph for bhastrih with vowel u,hieroglyph for kalevaram with vowel aa ,ending with jar sign create word bhukah which means 'falls' in samskrita

35/228

H-179 A

36/229

H-182 B

H-182 A

छ रः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में छत्रकम् रज्जुः हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर छ रः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अग्निखंड है।

This seal from Harappa reads as hieroglyph for chhatrakam ,rajjuh ending with jar sign create word chharah which means 'part of fire' in samskrita.

शशः जकु

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में शकटारिः द्वय अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शशः, जालकम्, उर्णनाभः के साथ कलेवरम् के चित्रलेख मिलकर जकु शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है रक्तपुष्पी वृक्ष संग कुत्ता है।

This seal from Harappa reads as double wheel sign ,ending with jar sign create word shashah which means 'dog with red flowering tree' in samskrita.

37/226

H-176 A

H-176 A bis

H-176 a

आड

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में अंकुशः अन्त में डयनम् से आड शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है नगर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as goad sign ending with palanquin sign create word aad which means 'township' in samskrita.

38/246
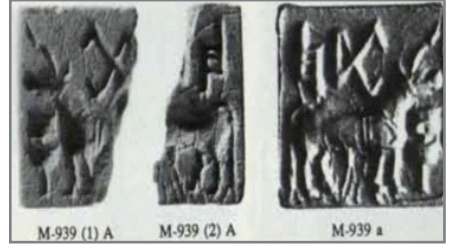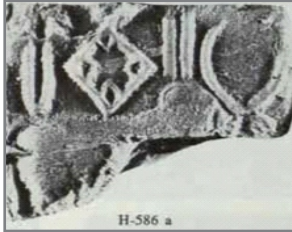
M-939 (1) A   M-939 (2) A   M-939 a

39/248

H-586 A

H-586 a

रसः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः स्वास्तिकः अन्त में हंडिकाः से रसः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मदिरा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign swastikah ending with jar sign create word rasah which means 'liquor ' in samskrita.

मिति

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ मीनम्, इ की मात्रा के साथ तुलाधरः से मिति शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्रमाण।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fish sign with vowel i then bearer sign with vowel I create word miti which means 'proof' in samskrita.

40/258

M-969 a

M-969 A

ऋकिः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ रज्जुः, इ की मात्रा के साथ कलेवरं, अन्त में हंडिकाः से ऋकिः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है घाव।

This seal from Mohan Jo Daro reads rope sign with vowel i, human sign with vowel i ending with jar sign create word rikih which means 'wound' in samskrita.

41/260

M-972 A

M-972 a

42/263

M-994 A

M-994 a
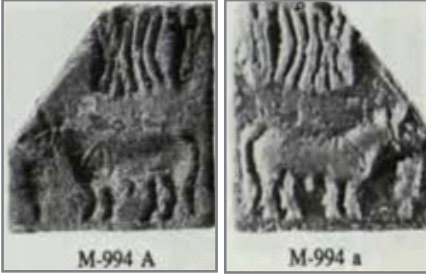
सरः बाण

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में स्वास्तिकः, रज्जुः अन्त में हंडिकाः से सरः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है बाण।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for swastikah , rope sign ending with jar sign create word sarah which means 'arrow' in samskrita

भए

हडप्पा से प्राप्त इस मुद्रा में भस्त्रिः अन्त में एषणः से भए शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्रकट होना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as bellow sign ending with arrow sign create word bhae which means 'to appear' in samskrita

43/267
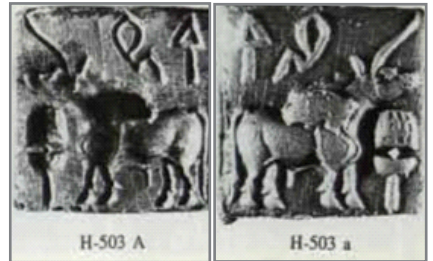
H-503 A H-503 a

पीड

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा संग पर्णः अन्त में डयनम् से पीड शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है नगर घेरना।

This seal from Harappa reads as leaf sign with vowel i ending with palanquin sign create word peed which means 'siege of township' in samskrita

44/268

H-505 A

H-505 a

45/269

M-993 A

M-993 a

ऋण

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा संग रज्जुः अन्त में ण के चित्रलेख से ऋण शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दुर्ग।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign with vowel i ending with hieroglyph for na create word rina which means
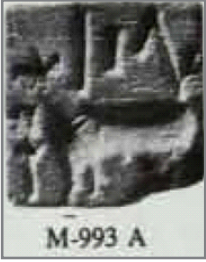
सहे संग

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में सम्बाधम्, अन्त में ए की मात्रा के साथ हंडिकाः से सहे शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ संग है।

This seal from Harappa reads as vulva sign ending with jar sign with vowel e create word sahe which means' along with ' in samskrita.

46/279

H-102 B

H-102 b

47/297

K-20 A

K-20 a

रीती कांसा

कालीबंगन से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ रज्जुः, अन्त में इ की मात्रा के साथ तुलाधरः से रीती शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ कांसा से है।

This seal from Kalibangan reads as rope sign with vowel i, ending with bearer sign with vowel i create word riti which means 'bronze' in samskrita

सु

कालीबंगन एवं बानावली एवं मोहन जोदड़ो से प्राप्त इन मुद्राओं में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् से सु शब्द निर्मित होता हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ अच्छा से है। बानावली से प्राप्त मुद्राओं में पशु चिन्ह के पूंछ की तरफ से पढ़ा जाता है। जबकि अन्य मुद्राओं में पशु चिन्ह के सिर की तरफ से पढ़ा जाता है।

These seals from Mohan Jo Daro Kalibangan and Banawali read as vulva sign with vowel u, create word su which means 'good ' in samskrita. Seals from Banawali are read from tail to head of the animal.

48/299

49/319

M-731 A

मति

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में मीनम्, अन्त में इ की मात्रा के साथ तुलाधरः से मति शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है बुद्धि।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fish sign ending with bearer sign with vowel i create word mati which means 'logic' in samskrita.

रति
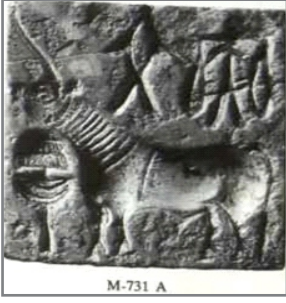
मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः, अन्त में इ की मात्रा के साथ तुलाधरः से रति शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है आनन्द।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign ending with bearer sign with vowel i create word rati which means 'pleasure' in samskrita

50/323

M-927 A

M-927 a

51/324

M-925 A bis

M-925 a
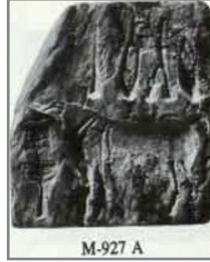
इव

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ के चित्रलेख के मध्य व्यजः से इव शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है समान।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fan sign amidst hieroglyph for i create word iv which means 'like' in samskrita.

शरः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शंखम् के चित्रलेख के बाद रज्जुः के चित्रलेख अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शरः शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है बाण।

This seal from Mohan Jo Daro reads as conch sign followed by rope sign ending with jar sign create word sharah which means 'arrow' in samskrita.

52/328

M-917 A

M-917 a

53/334

M-963 A

M-963 a

सु भूः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सुभूः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छी भूमि।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, bellow sign with vowel u ending with jar sign create word subhuh which mean 'good land' in samskrita.

शः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शंखम् अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है शस्त्र॥

This seal from Mohan Jo Daro reads as conch sign ending with jar sign create word shah which mean 'Arms' in samskrita.

54/337

M-977 A

M-977 a

55/369

M-830 A

M-830 a

कृन

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः के चित्रलेख के मध्य कलेवरम्, निर्दात्रि मिलकर कृन शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है हल या लांगलम्।

This seal from Mohan Jo Daro reads as human sign amidst rope sign, ending with rake sign create word ' krina' which mean ' plough' in samskrita

शूरः

56/387

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ शकटारिः, रज्जुः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शूरः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है योद्धा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign with vowel u , rope sign ending with jar sign create word ' shurah ' which mean 'warrier' in samskrita.

M-1137 a
M-1137 A

57/9

H-651 A

H-651 a

सुर

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, रज्जुः के चित्रलेख मिलकर सुर शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है देवता।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u , rope sign create word ' sura ' which mean 'God' in samskrita.

तृण

58/391

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ तीन खड़ी रेखायें, अन्त में ण के चित्रलेख मिलकर तृण शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तिनका।

This seal from Mohan Jo Daro reads as three vertical lines with vowel i, hieroglyph for na create word ' trin ' which mean 'grass' in samskrita.

M-1197 A

M-1197 a

रामः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में आ की मात्रा के साथ रज्जुः के चित्रलेख के मध्य मीनम्, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर रामः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है भगवान राम।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fish sign amidst rope sign with vowel aa, ending with jar sign create word ' Ramah ' which mean 'Lord Ram' in samskrita.

59/394
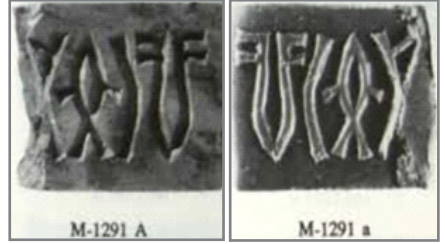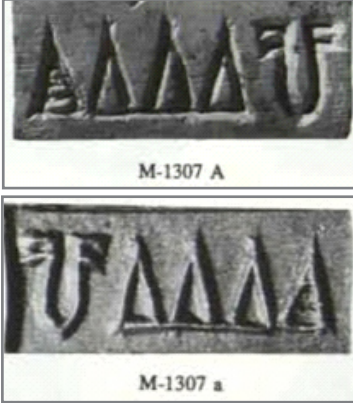
M-1291 A

M-1291 a

60/398

M-1307 A

M-1307 a

गयः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में गिरिः, यज्ञीयः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर गयः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मागध नगर गया।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hill sign, trident sign ending with jar sign create word' Gayah' which mean' city of Gaya' in samskrita.

पतः उड़ान

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में पर्णः, हंडिकाः के साथ तुलाधरः के चित्रलेख मिलकर पतः शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है उड़ान।

This seal from Mohan Jo Daro reads as leaf sign , jar sign with bearer sign create word 'patah ' which mean 'flight' in samskrita.

66/403

M-1317 A

M-1317 a

कटु

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में कुक्कुटः, उ की मात्रा के साथ टंकः के चित्रलेख मिलकर कटु शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है निन्दा करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hen sign , ending with axe sign with vowel u create word 'katu ' which mean 'condemnation' in samskrita.

62/406

H-600 A

H-600 a

63/411

H-669 A

H-669 a
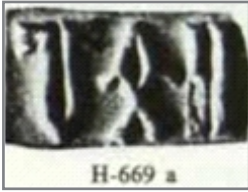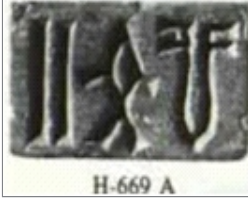
रमः प्रेमी

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः, मीनम्, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर रमः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्रेमी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign , fish sign , ending with jar sign create word 'ramah ' which mean ' lover' in samskrita.

ओषः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ अंकुशः, सम्बाधम्, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर ओषः शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्रदाह।

This seal from Mohan Jo Daro reads as goad sign with vowel u, vulva sign ending with jar sign create word oshah which mean 'inflamation' in samskrita.

64/444

M-148 A

M-148 a
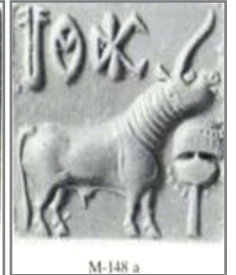
त्रयाक्षरी मुद्रायें
Trisyllabic seals

K-49 A

65/14

K-49 a

त्रसति (भयभीत)

यह त्रयाक्षरी मुद्रा तीन खड़ी रेखाओं से त्र स्वास्तिक से स एवं इ की स्वरलिपि के साथ तुलाधर से ति लेकर त्रसति शब्द का निर्माण करती है। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है भयभीत। यही अर्थ इस मुद्रा में अंकित चित्र भी दर्शा रहा है जहां एक व्यक्ति सिंह के सामने भयभीत अवस्था में बैठा है। दूसरी मुद्रा जो कालीबंगन से प्राप्त हुयी है में तीन खड़ी रेखाओं से त्र सात खड़ी रेखाओं से स अन्त में इ की स्वर लिपि के साथ तुलाधर के चित्रलेख से त्रसति शब्द निर्मित होता है। इससे यह भी सिद्ध होता है कि अंक चिन्ह के प्रथमाक्षर को व्यंजन के रूप में प्रयुक्त किया जाता है।

This trisyllabic seal show three letters trayah swastika and bearer with vowel i, thereby read as trasati in samskrit which means feared as depicted in picture a person in front of tiger is afraid of. Second seal from Kalibangan depicts three vertical lines for tra, seven vertical lines for sa, ending with bearer sign with vowel i, again creates word trasati.this also shows that numeral signs can also be read as consonants.

सतेन

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में स्वास्तिक से स तुलाधर पर एषण: से ते एवं निर्दात्रं से न मिलाकर सतेन शब्द का निर्माण करती है, जिसका अर्थ सत्यवत है।

This seal from Mohan Jo Daro reads swastika followed by tuladharah with vowel sign of e and ending in nirdatram collectively making saten meaning truthfully in samskrit.

67/18
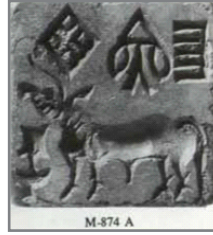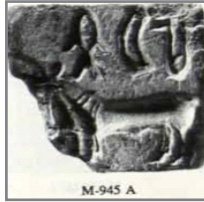
M-945 A

M-945 a

चिहेर

मोहन जोदड़ो से प्राप्त यह त्रयाक्षरी मुद्रा इ की मात्र के साथ चन्द्रक: के चित्रलेख से च ए की मात्रा के साथ हंडिका:, अन्त में रज्जु के लिये दो समानान्तर खड़ी रेखाओं से र को मिलाकर चिहेर (चि+हेरम्) का संस्कृत में अर्थ है हल्दी का ढेर।

This tri syllabic seal reads as hieroglyph for chandrakah with vowel i, jar sign with vowel e, ending with rope sign create word chiher which means as pile of turmeric.

66/17

M-874 A

M-874 a

मार:

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में मीन जिसके पेट में एक पड़ी रेखा से मा दो समानान्तर वक्र रेखायें रज्जु से र अन्त में हंडिका से विसर्ग मिलाकर मार: शब्द का निर्माण करती हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है कामदेव एवं धतूरा। इससे यह प्रतीत होता है कि यह धतूरा के व्यापार की मुद्रा है।

This seal from Mohan Jo Daro reads three letters as fish sign meenam with a horizontal line in it pronouncing ma followed by two parallel lines depicting rope sign ra ending in jar sign handikah as visargah jointly reads as maarah मार: which in samskrit means as Eros dkenso and atropa fruits /धतूरा

68/19

M-257 A

M-257 a

सगर

यह त्रयाक्षरी मुद्रा संबाधम् (योनि) के चित्रलेख के साथ गिरि (पर्वत) के चित्रलेख अन्त में रज्जु के चित्रलेख एक खड़ी रेखा को मिलाकर सगर शब्द का निर्माण करती है जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है गर (विष) सहित। जो इक्ष्वाकु वंश के महाराज बाहुकराज के पुत्र महान राजा सगर जिन्हें उनकी सौतेली माता द्वारा गर्भस्थावस्था में विष दिये जाने पर भी जीवित पैदा हो गये थे। इनके साठ हजार पुत्रें द्वारा अश्वमेध यज्ञ के अश्व की खोज में पृथ्वी पर सागर का निर्माण किया गया।

This three letter seal has vulva sign sambadham followed by hill sign girim and ending in rope sign rajjuh jointly read as sagar famous king of Ikshvaaku family son of Bahukraja who survived poison given to his mother by his stepmother in intrauterine life . Hence called as sagar सगर that is born with garal गरल विश . His sixty thousand sons dug the earth in search of horse of his asvamedh yajna to create ocean also known as saagar.

69/21

70/23

M-259 A

M-259 a

M-1109 A

सूमए (जल या दुग्ध)

मोहन जोदड़ो से प्राप्त यह मुद्रा संबाधम् (योनि) के साथ उ की स्वरलिपि दो छोटी खड़ी रेखायें सू मत्स्य से म तथा एषणः से ए को मिलाकर सूमए शब्द का निर्माण करता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है जल अथवा दुग्ध। यह सम्भवतः दुग्ध व्यापार की मुद्रा थी।

This seal from Mohan Jo daro reads vulva sign sambadham with two short lines depicting vowel u followed by fish sign meenam ending in arrow sign eshanah jointly reads as sumae with samskrit meaning water or milk.

M-1109 a

M-1148 a

M-1148 A ter

कंठे

मोहन जोदड़ो से प्राप्त यह त्रयाक्षरी मुद्रा कलेवरं एवं निर्दातृं के संयुक्ताक्षर कं के साथ ठालिनीं के चित्रलेख के मध्य ए की स्वरलिपि एक खड़ी रेखा से मिलकर शब्द कंठे निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है कंठ या गले से सम्बन्धित। यह माला से सम्बन्धित व्यापार की मुद्रा रही होगी।

This trisyllabic seal from Mohan Jo Daro reads human sign kalevaram with rake sign nirdatram kan followed by waist belt sign thalinim with vertical line the meaning thereby related to neck kantha.Probably seller of garlands necklace etc.

71/24

M-831 a

M-831 A

72/25

M-264 A

M-264 a

गृह

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में गिरि (पर्वत) के चित्रलेख के नीचे रज्जु के चित्रलेख दो खड़ी रेखायें अन्त में हंडिका के साथ मिलकर गृह शब्द का निर्माण करता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है घर।

This seal from Mohan Jo Daro reads hill sign girih below supported with rope sign rajjuh ra ending in jar sign handikah jontly read as Griha in samskrit meaning thereby home.

सुगृह

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् से सु र की दो रेखाओं के साथ गिरिः के चित्रलेख से गृ एवं हंडिकाः से ह मिलकर सुगृह शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सुन्दर घर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as sambadham with two vertical lines for u su followed by rope sign joined with hill sign for gri ending with jar sign for visargah speaks sugrih in samskrit means beautiful home.

73/151

M-327 A

M-327 a

रधितः

इस मुद्रा में रज्जुः के चित्रलेख के बाद इ की स्वरलिपि के साथ धन्वः के चित्रलेख एवं अन्त में त और ह का संयुक्ताक्षर तः मिलकर रधितः शब्द का निर्माण करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है भोजन पकाना।

This seal contains hieroglyph for rajjuh followed by hieroglyph of dhanvah with vowel I ending with joint hieroglyph of tuladhrah with handika forming word radhitah which in samskrita language means to cook.

74/35

त्रि पिकाः (तीन कोयल)

75/36
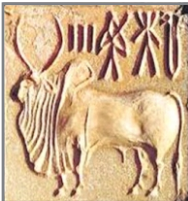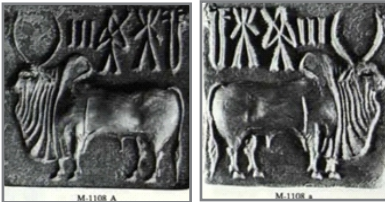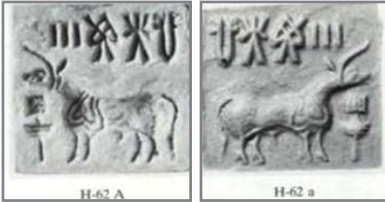
H-62 A

H-62 a

M-1108 A

M-1108 a

हड़प्पा एवं मोहन जोदड़ो से प्राप्त इन मुद्राओं में तीन खड़ी रेखायें संख्या त्रि इ की स्वरलिपि के साथ पर्ण से पि आ की स्वर लिपि के साथ कलेवरं से का अन्त में विसर्ग के रूप में हंडिका मिलकर त्रिपिकाः शब्द का निर्माण होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होगा तीन कोयल पक्षी जो किसी संस्थान का चिन्ह हो सकता है।

These seals from Harappa and Mohan Jo Daro read as three vertical lines for numeral three trayah followed by parnam pierced with angular line for vowel i pi then kalevaram with extra arms for vowel aa ka ending in handikah for visargah collectively pronounced as tri pi ka ha in samskrit means three cuckoos.

सुष्मए सुष्मिए
(डोर, धागा)

चन्हू जोदड़ो एवं हड़प्पा से प्राप्त इन मुद्राओं में उ की स्वरलिपि के साथ संबाधम् से सु, शंख के चित्रलेख से श, मीन के चित्रलेख से म, एषणः के चित्रलेख से ए मिलकर सुष्मए शब्द का निर्माण होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है डोर (धागा) जो किसी व्यापारिक संस्थान की मुद्रा होने की ओर इंगित करता है।

This seal reads as sambadham with two short lines for vowel u then shankhah followed by meenam ending in eshanah su sh ma ae in samskrit meaning ropes.

76/39

77/95

रसेन

इस मुद्रा में रज्जुः की दो खड़ी रेखाओं के बाद एषणः की स्वरलिपि के साथ संबाधम् के चित्रलेख और अन्त में निर्दात्रं के चित्रलेख से मिलकर रसेन शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है रस से अथवा रसपूर्वक।

This seal depicts hieroglyph for rajjuh followed by sambadham with vowel e ending in nirdatram jointly making word rasen which in samskrita means tastefully.

गयए

इस मुद्रा में गिरि के चित्रलेख के बाद य के लिये यज्ञीयः का चित्रलेख अन्त में एषणः के चित्रलेख को मिलाकर गयए शब्द की उत्पत्ति होती है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है गया के लिये।

This seal reads as hieroglyphs for girim yajniyah ending in eshanah creating word gayae meaning in samskrit as old city Gaya

78/113

सुमाशः

झूकर से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् के चित्रलेख के बाद आ की मात्रा के साथ मीनम् तथा शंखम् के बाद हंडिका से मिलकर सुमाशः शब्द की उत्पत्ति होती है जो कि अच्छी उड़द का द्योतक है।

This seal from Jhukar depicts hieroglyph for sambadham(vulva) with vowel sign for u then fish sign with vowel aa for ma and conch sign for sha ending with jar sign for handikah creating word sumashah which in samskrit means good black gram

80/132

K-78 A
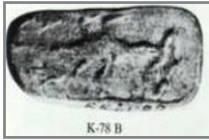
K-78 B

K-78 C

81/133

K-62 A

K-62 a

79/130

Jk-2 A

Jk-2 a

सुयसः

कालीबंगन से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ स्वास्तिक के बाद यज्ञीय सम्बाधं एवं हंडिका से मिलकर सुयसः शब्द निर्मित होता है, जिसका अर्थ संस्कृत भाषा में अच्छा प्रयास से लिया जा सकता है।

This seal from Kalibangan reads as hieroglyph for swastika with vowel u then trident sign,vulva sign ending in jar sign for visargah create word suyasah which means a good effort.

शम्भूः

कालीबंगन से प्राप्त इस मुद्रा में शंखम् मीनम् उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः के चित्रलेख के अन्त में हंडिका से मिलकर शम्भूः शब्द निर्मित होता है। जो शिव का एक नाम है।

This seal from Kalibangan reads as conch sign,fish sign,bellow sign with vowel u ending in jar sign for visargah create word shambhuh which is a name for Lord Shiva.

वराह

चन्हू जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में व्यजः के चित्रलेख के बाद आ की मात्रा के साथ रज्जुः का चित्रलेख अन्त में विसर्ग के लिये हंडिका का चित्रलेख मिलकर वराह शब्द की उत्पत्ति करते हैं जो दैत्यराज हिरण्याक्ष के उद्धार के लिये भगवान विष्णु के वराहावतार की ओर इंगित करता है।

This seal from Chanhu Jo Daro reads as hieroglyph for fan,then rope sign with vowel aa ending in jar sign for visargah create word varah which is aname of incarnation of Lord Vishnu to kill Demon king Hirnayaksh.

82/134

C-2 a

C-2 A

यवत
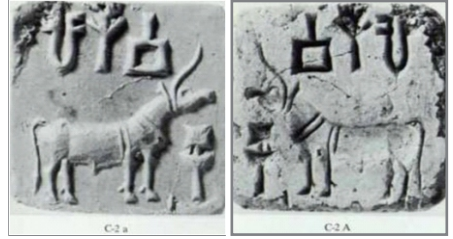
लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में यज्ञीय व्यजः एवं तुलाधरः से मिलकर यवत शब्द बनता है, जिसे जौ के परिप्रेक्ष्य में प्रयुक्त किया जा सकता है।

This seal from Kalibangan reads as trident sign,fan sign ending in tuladharah sign create word yavat which means barley.

83/135

L-43 a

L-43 A

नमए

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में निर्दात्रं से न मीनं से म एषणः से ए मिलकर नमए शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्रणाम।

This seal from Mohan Jo Daro depicts hieroglyph for nirdatram followed by hieroglyph for fish sign for m and arrow sign for e yielding word namae which in samskrit means greetings.

84/140

M-37 A

M-37 a

सुमिषः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् से सु इ की मात्रा के साथ मीनम् से मि सीरः से ष अन्त में हंडिकाः से विसर्ग मिलकर सुमिषः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है उत्तम प्रतिस्पर्धा।

This seal from Harappa reads as hieroglyph for sambadham with vowel u then fish sign with vowel i , hieroglyph for seerah ending in jar sign for visargah create word sumishah which means a good competition in samskrita.

86/150

H-164 a

H-164 A

यत्रए

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में यज्ञीय के चित्रलेख से य तीन रेखाओं से त्र एषणः के चित्रलेख से ए मिलकर यत्रए शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कृत में अर्थ होता है यहाँ।

This seal from Mohan Jo Daro reads trident sign followed by three vertical lines ending with arrow sign creats word yatrae which means here in samskrita

85/143

H-42 A

H-42 a

M-788 A
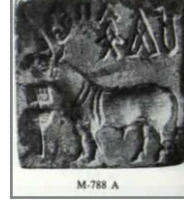
सुकृते

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् से सु के बाद र की दो रेखाओं के मध्य कलेवरं के चित्रलेख से कृ एवं एषणः की मात्रा के साथ तुलाधरः से ते मिलकर सुकृते शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है भलीभांति किया हुआ।

This seal from Harappa reads as sambadham with two vertical lines for u su human sign (kalevaram) between two vertical lines for rope sign ra followed by tuladharah with eshanah speaks sukrite in samskrit means well performed.

87/166

M-122 A

M-122 a

गवतः (गौ समान)

88/178

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में गिरिः के चित्रलेख के बाद व्यजः के अन्त में हंडिका एवं तुलाधरः के संयुक्ताक्षर से गवतः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है गाय समान।

This seal from Harappa reads as hieroglyph for hill then rectangle sign for vyjah ending with joint letter of tuladharah with jar sign create word gavatah which means 'simpleton like cow' in samskrita.

किव्व

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में इ की स्वरलिपि के साथ कलेवरं के चित्रलेख के बाद व्यजः द्वय से किव्व शब्द निर्मित होता है, जिसका प्राकृत भाषा में अर्थ है, किस प्रकार।

This seal from Harappa reads as kalevaram with vowel i and double rectangle signs for vyajah create word kivva which means 'which way' in Prakrita.

89/190
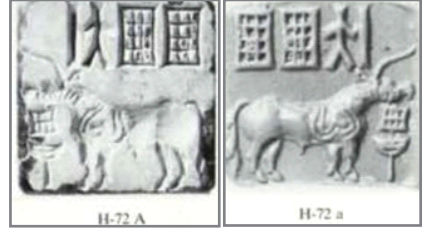
90/193

सूत्रय

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् से सू तीन खड़ी रेखाओं से त्र अन्त में यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर सूत्रय शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है करघा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vovel u then three vertical lines followed by trident sign create word sutray which means 'handloom' in samskrita.

91/201

M-97 A

M-97 a

वृन्तः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में वृष्चिकः से वृ निर्दात्र से न अन्त में हंडिकाः के साथ तुलाधरः के चित्रलेख मिलकर वृन्तः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है गुन्ची अथवा रत्ती जा तौल का एक माप है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as scorpion sign nirdatram sign ending with jar sign with tuladharah create word vrintah which means 'gunchi or ratti' a measure of weight in samskrita.
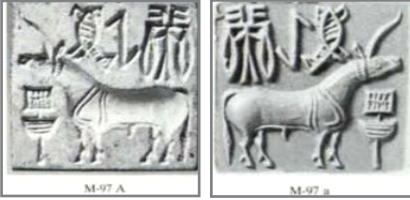
महति

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में मीनम् हंडिकाः अन्त में इ की मात्रा के साथ तुलाधरः के चित्रलेख मिलकर महति शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है महान।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fish sign ,jar sign and hieroglyph for tuladharah create word mahat which means 'large' in samskrita.

92/216

M-209 A M-209 a

मर्षः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में मीनम् रज्जुः स्वास्तिकः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर मर्षः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सहनशीलता है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fish sign ,rope sign, hieroglyph for swastikah ending with jar sign create word marshah which means 'tolerance' in samskrita.

93/217
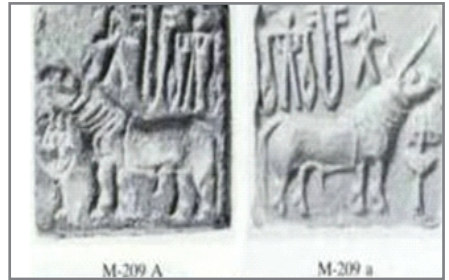
M-217 A M-217 a

यष्ट

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में यज्ञीयः से य सम्बाधम् से स अन्त में टंकः के चित्रलेख मिलकर यष्ट शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है यजमान है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as trident sign ,vulva sign ending with axe sign create word yasht which means 'host for yajnah' in samskrita.

94/218
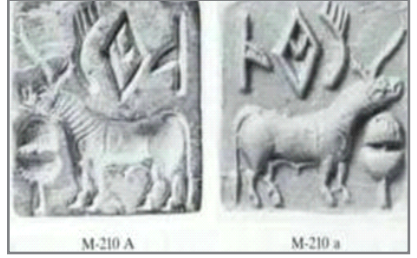
M-210 A   M-210 a

95/220

L-41 A

L-41 a

सूमः

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् के चित्रलेख के पश्चात मीनम् एवं हंडिका के चित्रलेख मिलकर सूमः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत में अर्थ दुग्ध अथवा जल होता है।

This seal from Lothal reads as vulva sign with vowel u ,fish sign ending with jar sign create word sumah which means 'milk or water' in samskrita

रम्भः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः मीनम् भस्त्रिकाः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर रम्भः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है केले का पौधा है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign ,fish sign,bellow sign, ending with jar sign create word rambhah which means 'banana tree shoot' in samskrita.

96/222

M-512 A

M-511 A

खत्रए

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में खल्लः के बाद तीन रेखाओं से त्र एषणः से ए मिलकर खत्रए शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तालाब है।

This seal from Harappa reads as mortar and pestle sign followed by three vertical lines ,arrow sign create word khatrae which means 'pond' in samskrita.

97/224

H-53 a

H-53 A

97/225

H-54 A

H-54 a

L-29 A

L-29 a
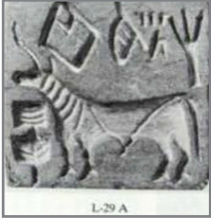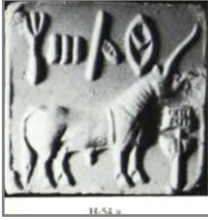
सटत्रय

हड़प्पा तथा लोथल से प्राप्त इन मुद्राओं में सम्बाधम् टंकः तीन रेखाओं से त्र अन्त में यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर सटत्रय शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तीन भाग में बाँटना है।

This seal from Harappa and Lothal reads as vulva sign,axe sign ending with three vertical lines with trident sign create word sat traye which means 'devide into three parts' in samskrita.

गहन

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में गुवाकदरः हंडिका निर्दात्र के चित्रलेख मिलकर गहन शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है रहस्यमय है।

This seal from Harappa reads as hieroglyph for guvak darah with jar sign and nirdatram create word gahan which means 'mysterious' in samskrita.

99/227

H-178 A

सूरन

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ स्वास्तिकः से सू रज्जुः निर्दात्र के चित्रलेख मिलकर सूरन शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है जमीकंद है।

This seal from Lothal reads as hieroglyph for swastika with vowel u, rope sign,rake sign create word suran which means 'yam' in samskrita

100/234
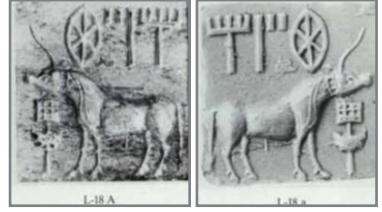
101/241

सूक्ति

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् कुक्कुटः अन्त में इ की मात्रा के साथ तुलाधरः से मिलकर सूक्ति शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सुन्दर वचन।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u followed by hen sign ending with bearer sign with vowel i create word sukti which means 'good speech' in samskrita
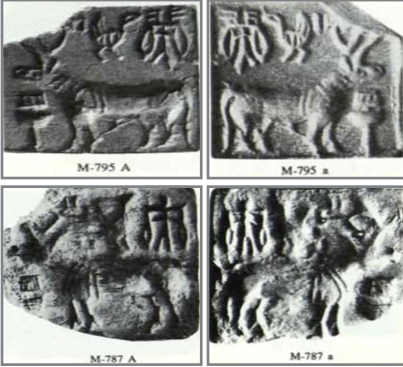
सूव्यते (सुन्दर विनिमय)

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् व्यजः यज्ञीयः अन्त में ए की मात्र के साथ तुलाधरः से सूव्यते शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छा विनिमय या व्यापार।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u,fan sign ,trident sign ending with bearer sign with vowel e create word suvyate which means 'great exchange' in samskrita

102/242

सुरेति

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, ए की मात्रा के साथ रज्जुः अन्त में इ की मात्रा के साथ तुलाधरः से सूरेति (सूरः इति) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है विद्वानों हेतु।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u,rope sign with vowel e ending with bearer sign with vowel i create word sureti which means 'for learned people' in samskrita.

103/243

M-783 A

M-783 a

104/245

M-839 A M-839 a M-869 A M-727 a M-727 (1) A M-727 (1) a M-727 (2) A M-727 (2) a
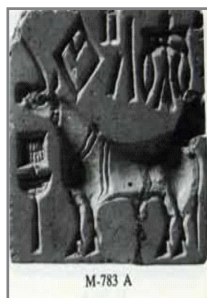
सूनकाः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, निर्दात्रं, आ की मात्रा के साथ कलेवरं अन्त में हंडिकाः से सूनकाः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पुष्पगुच्छ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, rake sign human sign with vowel aa ending with jar sign create word sunakah which means 'bunch of flowers' in samskrita.
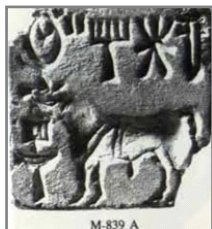
105/261

नक्रतः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में निर्दात्रं संग कलेवरम् रज्जुः अन्त में हंडिकाः संग तुलाधरः से नक्रतः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मकर की भांति।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rake sign with human sign , rope sign ending with jar sign with bearer sign create word nakratah which means 'like alligator' in samskrita.

र शट

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः शंखम् अन्त में टंकः से र शट शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अम्लाग्नि।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign conch sign ending with axe sign create word ra shata which means 'acidity' in samskrita.

106/262

M-992 A

M-992 a

107/264

M-998 A

M-998 a

वयश (पक्षी)

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में व्यजः यज्ञीयः अन्त में स्वास्तिकः से वयस शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पक्षी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fan sign, trident sign ending with hieroglyph for swastikah create word vayas which means 'crow or bird' in samskrita

108/266

M-1110 A

M-1110 a

सुकुवः (सुन्दर कमल)

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् उ की मात्रा संग कलेवरम् व्यजः अन्त में हंडिकाः से सुकुवः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सुन्दर कमल।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, human sign with vowel u, rectangle as fan sign ending with jar sign create word sukuvah

धाएन

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में आ की मात्रा संग धन्वः, एषणः अन्त में निर्दात्रम् से धाएन शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्रदान करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as bow sign with extra strings as vowel aa arrow sign ending with rake sign create word dhaaen which means 'to give' in samskrita.

109/272

M-73 A

M-73 a

110/276

M-87 a bis

M-87 A

M-87 a

कुधण

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा संग कलेवरम्, धन्वः, निर्दात्रं से कुधण शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है गुंजन करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as human sign with vowel u,bow sign, rake sign create word kudhan which means ' humming' in samskrita.

111/285

श्री बच

हड़प्पा से प्राप्त इस भालाग्र में इ की मात्रा के साथ श्र, बन्धस्थानम्, अन्त में चन्द्रकः से श्री बच शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ गौरव गाथा है।

This spearhead from Harappa reads as, joint letter of conch sign with rope sign with vowel i , jail sign, hieroglyph for chandrakah create word shri bach which means 'glory tale ' in samskrita.

मा काति (तिरस्कार न करें)

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में आ की मात्रा के साथ मीनम्, आ की मात्रा कें साथ कलेवरं अन्त में इ की मात्रा के साथ तुलाधरः से मा काति शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ तिरस्कार निषेध है।

This seal from Lothal reads as fish sign with vowel aa, human sign with vowel aa, ending with bearer sign with vowel i create word ma kati which means 'forbidding scornful behavior ' in samskrita.

112/287

L-38 a

L-38 A

113/290

L-83 A
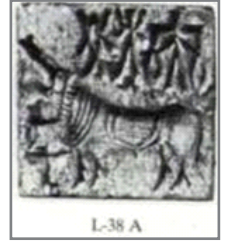
L-83 a

सुमाशः (अच्छी उड़द)

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् आ की मात्रा कें साथ मीनम्, शंखः अन्त में हंडिकाः से सुमाशः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ अच्छी उड़द दाल है।

This seal from Lothal reads as vulva sign with vowel u,fish sign with vowel aa, conch sign ending with jar sign create word sumashah which means 'good black gram ' in samskrita

114/301
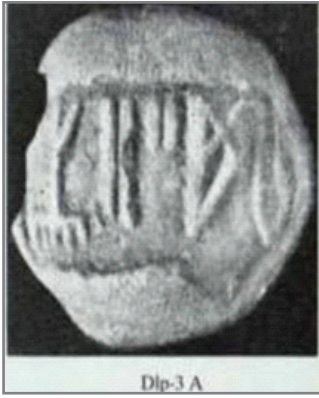
Dlp-3 A

निरुधिः

देसलपुर से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ निर्दात्रं, उ की मात्रा के साथ रज्जुः, अन्त में इ की मात्रा के साथ धन्वः एवं हंडिकाः से निरूधिः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ बंदी या कैदी से है।

This seal from Desalpur reads as rake sign with vowel i,rope sign with vowel u, bow sign with vowel i ending with jar sign create word nirudhih which means 'Under trial Prisoner ' in samskrita

सखेय मित्र

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में स्वास्तिकः, ए की मात्रा के साथ खल्लः अन्त में यज्ञीयः से सखेय शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मित्रवत।

This seal from Mohan Jo Daro reads as swastika,mortar and pestle sign with vowel e, ending with trident sign create word sakheya which means 'friendly' in samskrita.

115/309

M-662 a

M-662 A

116/311

M-704 a

M-704 A
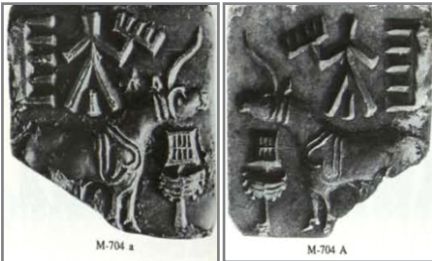
नकेन

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में निर्दात्रम्, ए की मात्रा के साथ कलेवरं, अन्त में निर्दात्रं से नकेन शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है नाखून के द्वारा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rake sign, human sign with vowel e, rake sign create word naken which means 'by claws' in samskrita.

सुरिकि:

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, इ की मात्रा के साथ रज्जु:, इ की मात्रा के साथ कलेवरं, अन्त में हंडिका: से सूरिकि: शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है चिकित्सा विद्वान।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u ,rope sign with vowel i, human sign with vowel i, ending with jar sign create word syrikih which means 'doctor or sage of medicine' in samskrita.

117/315

M-717 A

M-717 a

M-783 A

M-783 a

118/320

M-741 A

M-741 a

नान्ति

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में आ की मात्रा के साथ निर्दात्रम्, निर्दात्रम्, अन्त में इ की मात्रा के साथ तुलाधर: से नान्ति शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अनन्त।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rake sign with vowel aa, rake sign, ending with bearer sign with vowel i create word nanti which means 'infinite' in samskrita.

र कृति

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जु: के चित्रलेख के बाद रज्जु: के चित्रलेख के मध्य कलेवरं अन्त में इ की मात्रा के साथ तुलाधर: के चित्रलेख मिलकर र कृति शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्रेम जन्य है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign followed by human sign amidst rope sign ending with bearer sign with vowel i, create word ra kriti which means 'created with love' in samskrita.

119/325
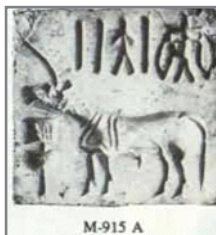
M-915 A

M-915 a

120/326
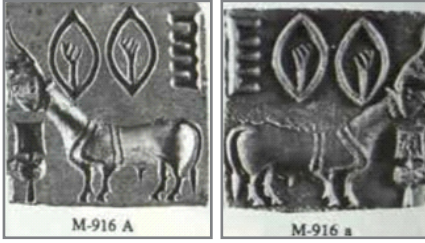
M-916 A

M-916 a
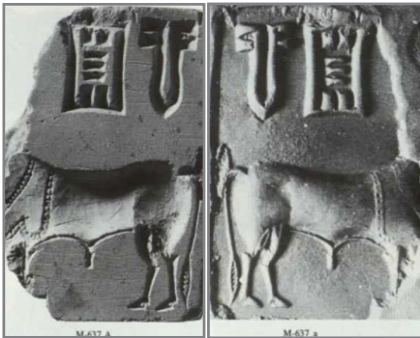
शशन

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शंखम् के चित्रलेख द्वय के बाद निर्दात्रं के चित्रलेख मिलकर शशन शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है चन्द्र की तरह है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as double conch sign followed by rake sign create word shashan which means 'moon like' in samskrita.

सुमारः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, आ की मात्रा के साथ मीनम्,रज्जुः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सुमारः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छा धतूरा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, fish sign with vowel aa ,rope sign ending with jar sign create word sumarah which mean 'good thorn apple' in samskrita.

121/340

M-1166 A

M-1166 a

122/352

M-637 A

M-637 a
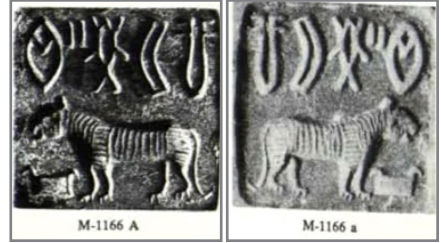
त्रि बह तिराहा तीन घोड़े

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में बन्धस्थानम् के चित्रलेख के मध्य तीन पड़ी रेखाओं से त्रिब अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर त्रिबह शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तिराहा या तीन अश्व।

This seal from Mohan Jo Daro reads as three lines amidst square hieroglyph for jail, ending with jar sign create word tribah which mean 'tri way or three horses' in samskrita.

123/374

ऋकिनः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ रज्जुः, इ की मात्रा के साथ कलेवरम्, निर्दात्रं, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर; किनः शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है घाव।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign with vowel i, human sign with vowel i, rake sign , ending with jar sign create word ' rikinah' which mean 'wound' in samskrita.
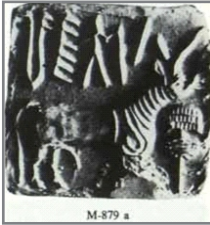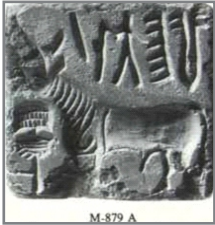
सशूर्पः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में स्वास्तिकः, उ की मात्रा के साथ शंखम्, रज्जुः, पर्णम्, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सशूर्पः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दो द्रोणः 128 सेर या 160 किलोग्राम के वजन के साथ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as swastika, conch sign with vowel u, rope sign , leaf sign , ending with jar sign create word ' sashurpah' which mean 'with measure of two dronah equivalent to 128 seers or 160 kilograms' in samskrita.

124/382

125/388

सुमागः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ स्वास्तिकः, आ की मात्रा के साथ मीनम्, गुवाकदरः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सूमागः (सूमः, दुग्ध+ अगः वृक्ष) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दुग्धयुक्त वृक्ष यथा रबड़, बरगद,पीपल आदि। यह बरगद के वृक्षों वाले नगर वडोदरा की मुद्रा भी हो सकती है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for swastika with vowel u , fish sign with vowel aa, betel nut cutter sign ending with jar sign create word ' sumagah ' which mean 'Laticiferous trees like Rubber and palnts of Ficus Family' in samskrita.This could also be seal of city of Banyan Trees Vadodara.

126/393

M-1290 A

M-1290 a

खशव

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में खल्लः, शकटारिः, अन्त में व्यजः के चित्रलेख मिलकर खशव शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है खश देश के निवासी।
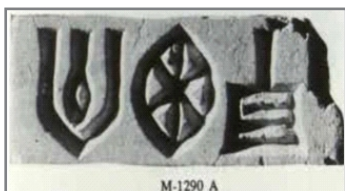
This seal from Mohan Jo Daro reads as mortar and pestle sign , wheel sign , ending with fan sign create word ' khashav ' which mean 'resident of khashah or khorasan' in samskrita.

सशर (बाण के संग)

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में स्वास्तिकः शकटारिः, अन्त में रज्जुः के चित्रलेख मिलकर सशर शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है बाण के संग।

This seal from Mohan Jo Daro reads as double hieroglyph for swastika ending with rope sign create word 'sashar ' which mean 'with the arrow' in samskrita.

127/399

M-1309 A

M-1309 a

128/400

M-1312 a

M-1312 A

H-747 A

महन

मोहन जोदड़ो एवं हड़प्पा से प्राप्त इन मुद्राओं में मीनम्, हंडिकाः, अन्त में निर्दात्र के चित्रलेख मिलकर महन शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्रतिष्ठित।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fish sign, jar sign , ending with rake sign create word ' mahan ' which mean 'revered' in samskrita.

मा किव्व

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में आ की मात्रा के साथ मीनम्, इ की मात्रा के साथ कलेवरम् अन्त में आयताकार व्यजः द्वय के चित्रलेख मिलकर मा किव्व शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है, किसी प्रकार भी नहीं।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fish sign with vowel aa, human sign with vowel i , ending with double rectangular fan sign create word 'ma kivva ' which mean 'no way in samskrita'.

129/401

M-1315 A

M-1315 a

130/401

H-473 a

H-473 A

पयस दुग्ध

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में पुष्कलकः, यज्ञः, सम्बाधम् के चित्रलेख मिलकर पयस शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दुग्ध।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wedge sign , hieroglyph for yajnah , vulva sign create word 'payas ' which mean 'milk' in samskrita.

131/413

H-680 a

H-680 A

कुआड (बुरा नगर)

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ कलेवरम्, आ की मात्रा के साथ अंकुशः, अन्त में डयनम् के चित्रलेख मिलकर कुआड शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है बुरा नगर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as human sign with vowel u , goad sign with vowel aa, ending with palanquin sign create word 'kuaad' which mean 'bad city' in samskrita.

बपि ख (खेत बोना)

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में बन्धनागार्, इ की मात्रा के साथ पर्णः, खल्लः के चित्रलेख मिलकर बपिख (बपि+ख) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है खेत में बीज बोना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as jail sign, leaf sign with vowel i, mortar and pestle sign, create word bapikha which mean 'sowing seeds' in samskrita

132/416

133/417

M 13-A

M-13 a
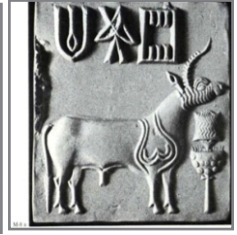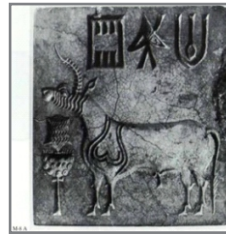
धिक नट

(धोखे से क्षति पहुंचाने की निंदा करना)

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ धन्वः, कलेवरम्, निर्दात्रम्, टंकः, के चित्रलेख मिलकर धिकनट (धिक्+नट) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है धोखे से क्षति पहुचाने की निन्दा करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as bow sign with vowel i, human sign, rake sign , axe sign, word dhik nat which mean 'condemnation of betrayal' in samskrita

134/418

M-15 A

M-15 a

सु भः क

(अच्छी भूमि का राजा)

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः,अन्त में हंडिकाः के साथ कलेवरम् के चित्रलेख मिलकर सुभूहक (सु+भूः+कः) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छी भूमि का राजा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, bellow sign with vowel u, jar sign, ending with human sign create word subhuhaka which mean 'king of good land' in samskrita

135/421

M-132 A

M-132 a

पात्रतः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में आ की मात्रा के साथ पुष्कलकः, तीन खड़ी रेखायें, अन्त में हंडिकाः के साथ तुलाधरः के चित्रलेख मिलकर पात्रतः (पात्र+तः) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है योग्यतावश।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wedge sign with vowel aa, three vertical lines, ending with jar sign with bearer sign create word patratah which mean 'by ability' in samskrita

136/428

M-55 A

M-55 a

सेवायः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में ए की मात्रा के साथ स्वास्तिकः, आ की मात्रा के साथ व्यजः, यज्ञीयः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सेवायः (सेवा+अयः) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है श्रद्धा करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as swastikah sign with vowel e, fan sign with vowel aa, trident sign, ending with jar sign create word sevayah which mean ' revere' in samskrita

137/442

M-145 A

M-145 a

सकिणः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में स्वास्तिकः, इ की मात्रा के साथ कलेवरम् निर्दात्र अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सकिणः (स+किणः) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तिल से युक्त।

This seal from Mohan Jo Daro reads as swastika, human sign with vowel i, rake sign , ending with jar sign create word sakinah which mean 'with lentil sign' in samskrita.

भूहण

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः, अन्त में हंडिकाः के साथ ण के चित्रलेख मिलकर भूहण (भूः+ अण) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है उपज।

This seal from Mohan Jo Daro reads as bellow sign with vowel u, ending with jar sign with hieroglyph for na create word bhuhan which mean 'produced from earth' in samskrita.

138/451

M-189 A

M-189 a

139/452

M-192 A

M-192 a

हुयेः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ हंडिकाः, ए की मात्रा के साथ यज्ञीयः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर हुयेह शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है आवाह्न करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as jar sign with vowel u, trident sign with vowel e , ending with jar sign create word huyeh which mean 'to challenge' in samskrita.

140/453

M-191 A

M-191 a

धिक्क

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ धन्वः, अन्त में कलेवरम् द्वय के चित्रलेख मिलकर धिक्क शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तिरस्कार करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as bow sign with vowel i, ending with double human sign create word dhikka which mean 'to condemn' in samskrita.

सुरामः

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ स्वास्तिकः, आ की मात्रा के साथ रज्जुः के चित्रलेख के मध्य मीनम्, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सुरामः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सुरम्य या सुमनोहर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as swastika sign with vowel u, fish sign amidst rope sign with vowel aa , ending with jar sign create word suramah which mean' very pleasant' in samskrita.

141/454

M-200 A

M-200 a

142/457

M-137 a

M-137 A

ईशर

(अग्नि की तलाश)

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में ई के चित्रलेख के मध्य स्वास्तिकः एवं रज्जुः के चित्रलेख मिलकर ईशर (ईश्+रः) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अग्नि की आकांक्षा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as swastika and rope sign amidst hieroglyph for ee create word eeshar which mean 'desire for fire' in samskrita.

143/464

पंचय वृण

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में पांच खड़ी रेखायें, यज्ञीयः, वृश्चिकः, अन्त में ण के चित्रलेख मिलकर पंचय वृण (पंचय+वृणः) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पंच आहार यथा शब्द, स्पर्श, दृश्य, रस, गंध।

This seal from Mohan Jo Daro reads as five vertical lines, trident sign scorpion sign, ending with hieroglyph for na create word panchaya vrina which mean 'five perceptions like sound for ears, touch for skin, sight for eyes, taste for tongue, smell for nose' in samskrita

144/469

हवग

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में हंडिकाः, आयताकार व्यजः अन्त में गिरिः के चित्रलेख मिलकर हवग (हव+ग) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है हवन अवशेष या हवन भस्म।

This seal from Mohan Jo Daro reads as jar sign , rectangular fan sign , ending with hill sign create word havag which mean 'ashes remaining after yajna' in samskrita

145/471

रश्वन

मोहन जोदड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः, श्वानः अन्त में निर्दात्र के चित्रलेख मिलकर रश्वन (रश्वन) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है लहसुन।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign, dog sign ending with rake sign create word rashwan which mean 'garlic' in samskrita

कृषि एवं घरेलू मुद्रायें
House Hold and Agricultural seals

रधिती

इस मुद्रा में रज्जु: के चित्रलेख के बाद इ की स्वरलिपि के साथ धन्व: के चित्रलेख एवं अन्त में इ की मात्रा के साथ तुलाधर: से ती मिलकर रधिती शब्द का निर्माण करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है भोजन पकाना।

This seal contains rope sign hieroglyph for rajjuh followed by bow sign hieroglyph of dhanvah with vowel i ending with bearer signhieroglyph for tuladhrah with vowel i forming word radhiti which in samskrita language means to cook.

1/35

2/88

चूरनका:

(पिसान, सत्तू)

इस मुद्रा में एक खड़ी रेखा संख्या 1 के लिये उ की स्वरलिपि के साथ चन्द्रक: से चू रज्जु के लिये दो लहरदार रेखाओं से र निर्दातृं से न आ की स्वरलिपि के साथ कलेवरं से का अन्त में विसर्ग के लिये हंडिका मिलकर चूरनका: शब्द का निर्माण करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है पिसा हुआ अनाज, जो किसी व्यापारिक संस्थान की ओर इंगित करता है।

This seal reads as chandrakah followed by two vertical line depicting u followed by two wavy lines depicting rope sign rajjuh then rake sign nirdatram, human sign kalevaram with extra arms for vowel aa ending in jar sign handikah collectively pronounced as churnakah meaning in samskrit as flours. Ground grains.

पिखनव

(पिसान्न)

3/125

M-74 A

M-74 a bis

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की स्वरलिपि के साथ पर्ण के चित्रलेख से पि खरल के चित्रलेख से ख निबंधम् के चित्रलेख से न एवं व्यजः के चित्रलेख से व के संयुग्मन से पिखनव शब्द की उत्पत्ति होती है जो पिशनव अर्थात पिसान्न के सम्बन्ध में इंगित करता है।

This seal from Mohan Jo Daro depicts leaf sign with wovel i, followed by mortar and pestle sign, handcuff sign ending with fan sign forming word pikhnav also spelled as pishnav meaning for flour .
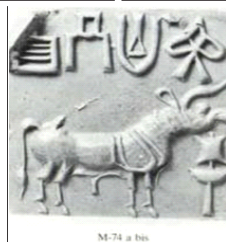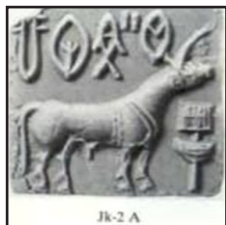
4/130

Jk-2 A

Jk-2 a

सुमाशः

झूकर से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् के चित्रलेख के बाद आ की मात्रा के साथ मीनम् तथा शंखम् के बाद हंडिका से मिलकर सुमाशः शब्द की उत्पत्ति होती है जो कि अच्छी उड़द का द्योतक है।

This seal from Jhukar depicts hieroglyph for sambadham(vulva) with vowel sign for u then fish sign with vowel aa for ma and conch sign for sha ending with jar sign for handikah creating word sumashah which in samskrit means good pulse .

सुमाषः

(अच्छी उड़द)

5/290

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् आ की मात्रा कें साथ मीनम्, शंखः अन्त में हंडिकाः से सुमाशः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ अच्छी उड़द दाल है।

This seal from Lothal reads as vulva sign with vowel u,fish sign with vowel aa, conch sign ending with jar sign create word sumashah which means 'good black gram ' in samskrita.

L-83 a

L-83 A

6/135

L-43 A

L-43 a

यवति
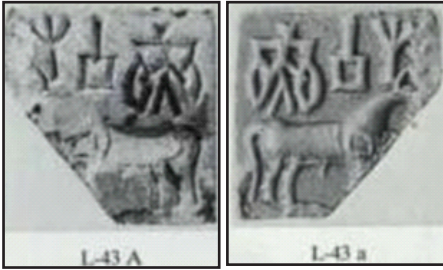
लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में यज्ञीय व्यजः एवं इ की मात्रा के साथ तुलाधरः से मिलकर यवति शब्द बनता है, जिसे अन्न उत्पादन के परिप्रेक्ष्य में प्रयुक्त किया जा सकता है।

This seal from Lothal reads as trident sign,fan sign ending in bearer sign with vowel i create word yavati which means grain produce.

शर्षन

7/156

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शकटचक्रः से श, रज्जुः के चित्रलेख के मध्य सरण्डः एवं निर्दातृं से मिलकर शर्षन शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सरसों। एक तौल की माप।

This seal from Mohan Jo Daro reads aswheel sign, followed by bird sign amidst rope sign ending with rake sign speaks sharshan in samskrit means mustard. Also used as measure.

M-214 A

M-214 a

8/375

M-881 A

M-881 a

गवरीम

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में गिरिः, आयताकार व्यजः, इ की मात्रा के साथ रज्जुः, अन्त में मीनम् के चित्रलेख मिलकर गवरीम शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है गोरोचन या हल्दी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hill sign, rectangular fan sign, rope sign with vowel i, ending with fish sign create word ' gavarim' which mean 'turmeric or gorochan' in samskrita.

चिहेर

मोहन जो दड़ो से प्राप्त यह त्रयाक्षरी मुद्रा इ की मात्रा के साथ चन्द्रकः के चित्रलेख से च ए की मात्रा के साथ हंडिकाः, अन्त में रज्जु के लिये दो समानान्तर खड़ी रेखाओं से र को मिलाकर चिहेर (चि+हेरम्) का संस्कृत में अर्थ है हल्दी का ढेर।

This tri syllabic seal reads as hieroglyph for chandrakah with vowel i, jar sign with vowel e, ending with rope sign create word chiher which means as pile of turmeric.

9/19

M-257 a

M-257 A

10/335

M-974 a

M-974 A

चिहेरः

मोहन जो दड़ो से प्राप्ताइस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ चन्द्रकः, ए की मात्रा के साथ हंडिकाः, रज्जुः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर चिहेरः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है हल्दी का ढेर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for chandrakah with vowel i, jar sign with vowel u , rope sign ending with jar sign create word chiherah which mean 'pile of turmeric' in samskrita.

रश्वन

11/471

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः, श्वानः अन्त में निर्दात्रं के चित्रलेख मिलकर रश्वन (रश्वन) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है लहसुन।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign, dog sign ending with rake sign create word rashwan which mean 'garlic' in samskrita

M-290 a

M-290 A

12/600

सरेभूः

H-56 a

H-56 A

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में स्वास्तिकः, ए की मात्रा के साथ रज्जुः, उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सरेभूः (सरः, नमक+भूः, भूमि) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है ज़मीनी नमक या सेंधा नमक।

This seal from Harappa reads as swastikah, rope sign with vowel e, bellow sign with vowel u, ending with jar sign create word sarebhuh which mean ' rock salt' in samskrita.

सिरेवृणसह

13/601

H-61 a

H-61 A

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ संवरणम्, ए की मात्रा के साथ रज्जुः , वृश्चिकः, ण का चित्रलेख, स्वास्तिकः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सिरेवृणसः (सिरः, पीपला मूल की जड़+वृण, उपभोग+सह, साथ) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पिप्पला मूल की जड़ के साथ उपभोग करें।

This seal from Harappa reads as mask sign with vowel i, rope sign with vowel e, scorpion sign hieroglyph for na, swastikah , ending with jar sign create word sirevrinsah which mean ' use with long pepper root' in samskrita.

14/593

H-43 A

H-43 a

रस्य

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः, स्वास्तिकः अन्त में यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर रस्य (रस्य, स्वादिष्ट) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है स्वादिष्ट।

This seal from Harappa reads as rope sign, swastikah ending with trident sign create word rasya which mean ' tasty' in samskrita.

मरा सन्न

(अन्न भण्डार के निकट)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में मीनम् आ की मात्रा के साथ रज्जुः, सम्बाधम्, निर्दात्रं द्वय से मरा अन्न भंडार सन्न निकट शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अन्न भण्डार के निकट।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fish sign , rope sign with vowel aa , vulva sign then double rake sign create word mara sanna which means 'in precinct of granary' in samskrita.

15/255

M-967 A

M-967 a

16/181

H-145 a

H-145 A

चूष्योमम्

(चूसने योग्य)

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ चन्द्रकः के चित्रलेख के बाद यज्ञीयः अन्तः में लिये शंखम् का चित्रलेख अन्त में ओम् के चित्रलेख के बाद मीनम् से चूष्योमम् शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है चूसने योग्य।

This seal from Harappa reads as hieroglyph for chandrakah with vowel u then conch sign with trident sign inside followed by hieroglyph for om ending with fish sign create word chushyomam which means 'to be sucked' in samskrita

शूरन

17/234

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ शकटारिः से शू रज्जुः निर्दांत्र के चित्रलेख मिलकर शूरन शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है जमीकंद है।

This seal from Lothal reads as wheel sign with vowel u, rope sign,rake sign create word shuran which means 'yam' in samskrita

L-18 a

L-18 A

18/296

K-11 A K-11 a
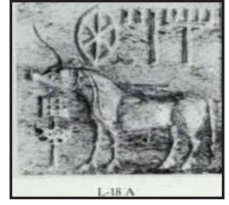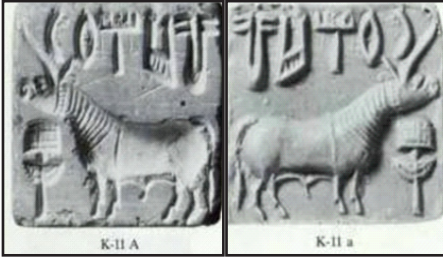
रस नगः

कालीबंगन से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः, सम्बाधम्, निर्दात्रम्, गुवाकदरः अन्त में हंडिकाः से रस नगः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ कशमीरः, रबर प्लान्ट से है।

This seal from Kalibangan reads as rope sign,vulva sign,rake sign,beetle nut cutter sign ending with jar sign create word rasa nagah which means 'rubber plant ' in samskrita.

कृन

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः के चित्रलेख के मध्य कलेवरम्, निर्दांत्र मिलकर कृन शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है हल या लांगलम्।

This seal from Mohan Jo Daro reads as humansign amidst rope sign, ending with rake sign create word ' krina' which mean' plough' in samskrita.

19/369

M-830 A

M-830 a

20/445

M-153 A

M-153 a

उन्कर्ष

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उर्णनाभः, निर्दांत्र संग कलेवरम्, रज्जुः के चित्रलेख के मध्य सरण्डः के चित्रलेख मिलकर उन्कर्षः (उन्+कर्षः) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है, कम कृषि उत्पादन।

This seal from Mohan Jo Daro reads as crab sign , rake sign with human sign , bird sign amidst rope sign create word unkarsha which mean 'less production of crops' in samskrita.

गृह

21/25

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में गिरि (पर्वत) के चित्रलेख के नीचे रज्जु के चित्रलेख दो खड़ी रेखायें अन्त में हंडिका के साथ मिलकर गृह शब्द का निर्माण करता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है घर।

This seal from Mohan Jo Daro reads hill sign girih below supported with rope sign rajjuh ra ending in jar sign handikah jontly read as Griha in samskrit meaning thereby home.

M-264 a M-264 A

22/151

M-327 A

M-327 a

सुगृह
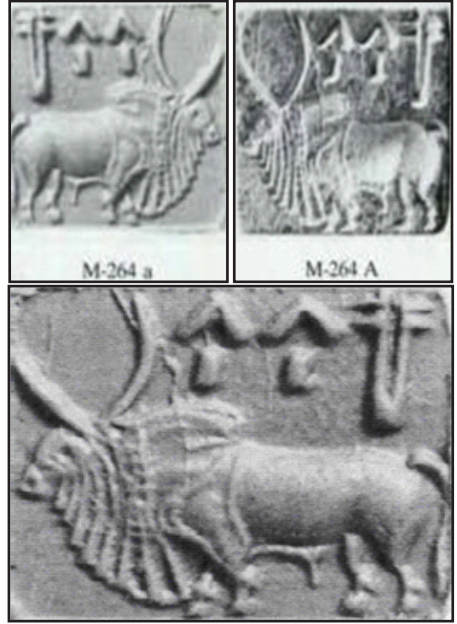
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् से सु र की दो रेखाओं के साथ गिरिः के चित्रलेख से गृ एवं हंडिकाः से ह मिलकर सुगृह शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सुन्दर घर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as sambadham with two vertical lines for u su followed by rope sign joined with hill sign for gri ending with jar sign for visargah speaks sugrih in samskrit means beautiful home.

वटु गृह

इस मुद्रा में एक खड़ा आयताकार व्यजः व टंकः (फर से की धार) साथ में उ का स्वरलिपि टु गिरि रज्जु हंडिका के साथ मिलकर वटुगृह शब्द का निर्मित होता है।जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है बालगृह या अनाथाश्रम। साथ ही इस मुद्रा के पृष्ठ भाग में दो मकर के चित्रों के मध्य सीता तथा हनुमान के चित्र भी उत्कीर्ण हैं, जिससे इस व्याख्या को बल मिलता है।

This seal reads rectangular fan sign vyajah, axe sign tankah with two short vertical lines for vowel u followed by hill sign girih with rope sign rajjuh underneath ending in jar sign handikah pronounced jointly as vatugrih in samskrit meaning orphanage with picture of Sita and Hanuman between two crocodiles on outer side of seal. Therefore full name will be Sita Hanuman Vatugrih.

23/26

24/342

M-726 A

M-726 a
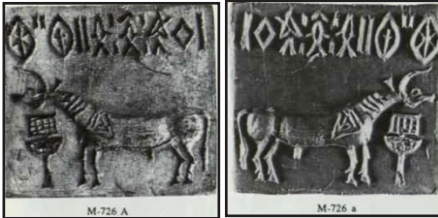
शुशर्म ईमि पिसर

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ शकट चक्रः, शंखम्, रज्जुः, मीनम्, इ के चित्रलेख के मध्य इ की मात्रा के साथ मीनम्, इ की मात्रा के साथ पर्णः, सम्बाधम्, अन्त में रज्जुः के चित्रलेख मिलकर सुशर्म ईमि पिसर (शुशर्म, सुन्दर घर+ईमि,इस+पिस, मजबूत हो+रः,अग्नि) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है यह घर अग्नि से मजबूत (अग्निरोधी) बने।

This seal from Mohan Jo Daro reads as swastikah sign with vowel u,conch sign, rope sign,fishsign,fish sign with vowel i amidst hieroglyph for ii,leaf sign with vowel i ,vulva sign ending with rope sign create word shusharma imi pisar which mean 'this house should be fireproof' in samskrita.

सरषन

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में स्वास्तिकः से स, रज्जुः से र, सम्बाधम् के चित्रलेख के मध्य निर्दातृं से मिलकर सर्शन शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सरसों। एक तौल की माप।

This seal from Mohan Jo Daro reads as swastikah sign, followed by rope sign ending with rake sign amidst vulva sign creates sarshan in samskrit means mustard. Also used as measure.

25/482

M-134 A

M-134 a

26/201

M-97 A

M-97 a

वृन्तः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में वृश्चिकः से वृ निर्दात्रं से न अन्त में हंडिकाः के साथ तुलाधरः के चित्रलेख मिलकर वृन्तः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है गुन्ची अथवा रत्ती जा तौल का एक माप है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as scorpion sign nirdatram sign ending with jar sign with tuladharah create word vrintah which means 'gunchi or ratti' a measure of weight in samskrita.

पिचुयव
(दो तोला अनाज)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा संग पर्णः, उ की मात्रा संग चन्द्रकः, यज्ञीयः अन्त में व्यजः से पिचुयव (पिचु,दो तोला+यवः अनाज) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दो तोला अनाज।

This seal from Mohan Jo Daro reads as leaf sign with vowel i hieroglyph for chandrakah with vowel u , trident sign ending with fan sign create word pichuyav which means '22 gram grain' in samskrita.

27/265

M-997 A

M-997 a

28/183

H-140 a

H-140 A
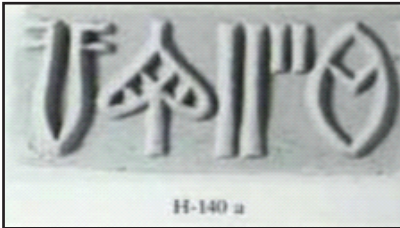
सूर्पः
(दो द्रोण की तौल)

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् के चित्रलेख के बाद रज्जुः पर्णः अन्त में हंडिका से सूर्पः शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सूप अथवा दो द्रोण की तौल।

This seal from Harappa reads as vulva sign withvowel u , rope sign leaf sign ending with jar sign create word surpah which means 'measure of two dronah' in samskrita.

शशूर्पः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शकटारिः, उ की मात्र के साथ शंखम्, रज्जुः, पर्णम्, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शशूर्पः शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दो द्रोणः 128 सेर या 160 किलोग्राम के वजन के साथ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign, conch sign with vowel u, rope sign , leaf sign , ending with jar sign create word ' shashurpah' which mean 'with measure of two dronah equivalent to 128 seers or 160 kilograms' in samskrita.

29/382

M-889 A M-889 a

30/244

M-785 A M-785 a

सुयवृः
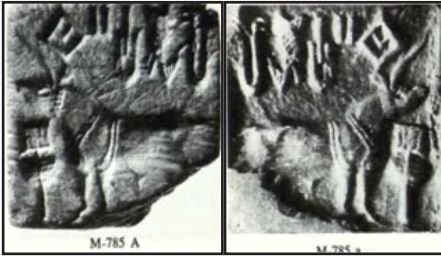
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, खल्लः, वृश्चिकः अन्त में हंडिकाः से सुयवृः (सुयव, अच्छे जौ+ ॠः, प्रदान करना) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छे जौ सौपना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, trident sign , scorpion sign ending with jar sign and human sign create word suyavriha which mean 'good barley handing over ' in samskrita.

सुयवृहकः

31/440

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, यज्ञीयः, वृश्चिकः, अन्त में हंडिकाः के साथ कलेवरम् के चित्रलेख मिलकर सुयवृहक (सुयव+ ऋः+क) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छे जौ राजा को सौपना।

M-100 A

M-100 a

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, trident sign , scorpion sign ending with jar sign and human sign create word suyavrihak which mean 'good barley handing over to king' in samskrita.
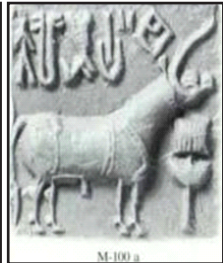
यवाधराय

32/270

दिनांक 6 जून 2020 को डा0 राम ब्रम्हम प्रोफेसर इतिहास एवं पुरातत्व विभाग योगी वामन विश्वविद्यालय कडप्पा आन्ध्र प्रदेश ने एक गॉव के खेत से खुदाई के समय प्राप्त पाषाण पट्टिका पर उत्कीर्ण लेख के उद्वाचन हेतु मुझे प्रेषित किया था, जिसमें सैन्धव लिपि में यज्ञीयः, आ की मात्रा के साथ व्यजः, धन्वः, आ की मात्रा के साथ रज्जुः अन्त में यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर यवाधराय शब्द निर्मित करते हैं, जो जौ या अन्न की बुवाई के समय खेत की पूजा से सम्बन्धित है। इस पट्टिका पर बायी ओर सूर्य एवं दायी ओर चन्द्र का चित्र उत्कीर्ण है, जो अश्विन नवरात्र के नवम दिवस का द्योतक है। जिस दिन जामरा उत्सव के साथ जौ की बुवाई प्रारम्भ की जाती है।

Dr. Ramabrahmam Vellore, from the dept. of History and Archaeology, Yogi Vemana University, Kadappa,Andhra Pradesh,has recently, gone for explorations,this stone was found in the village in the midst of the agricultural fields in Kadappa district of A.P. He requested to decode the stone carvings, on Jun 6, 2020. This stone picture shows Son on left Moon on right top and bottom both sides two seedlings. In the mid written in Indus script is Yavadharaya in samskrit it means farm having seedling of barley. There are two trident signs on both sides depicting yajniyah in the middle joint letter depicts fan sign hieroglyph of vyajanah with sign of vowel aa below it is bow sign hieroglyph of dhanvah for dha below is rope sign hieroglyph for rajjuh with vowel sign of aa they all in combination form the word yavadharay meaning thereby farm bearing germinating barley seedling.

This whole picture is for worshipping gods before sowing ritual. Similar festival is still celebrated during ashwin Navratri by the name of Jamara festival. Above is the cave painting of the same ritual.

33/416

बपि ख

(खेत बोना)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में बन्धनागार्, इ की मात्रा के साथ पर्णः, खल्लः के चित्रलेख मिलकर बपिख (बपि, वपः,बोना+ख, खेत) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है खेत में बीज बोना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as jail sign, leaf sign with vowel i, mortar and pestle sign, create word bapikha which mean 'sowing seeds' in samskrita

बपिव

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में बन्धनागारः, इ की मात्रा के साथ पर्णम्, व्यजः के चित्रलेख मिलकर बपिव (वप, बीज बोना+इव,समान) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है बीज बोने के समान।

This seal from Harappa reads as prison sign, leaf sign with vowel i, ending with fan sign create word bapiva which mean ' simulating sowing seeds' in samskrita.

34/588

H-29 A

H-29 a

35/224

H-53 a

H-53 A

खत्रए

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में खल्लः के बाद तीन रेखाओं से त्र एषणः से ए मिलकर खत्रए शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तालाब।

This seal from Harappa reads as mortar and pestle sign followed by three vertical lines ,arrow sign create word khatrae which means 'pond' in samskrita.

H-87 A

H-87 a
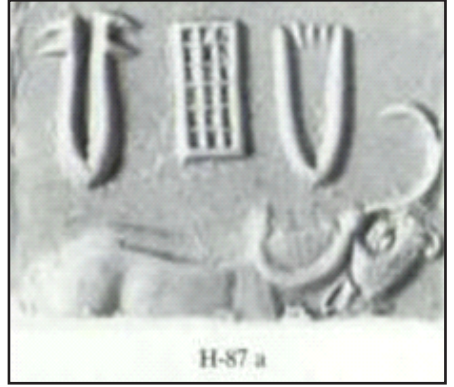
त्रिखवः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में खल्लः के मध्य तीन खड़ी रेखायें, व्यजः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर त्रिखवः (त्रि, तीन+ख, द्वार+ वः, आवास) शब्द निर्मित करते हैं , जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तीन द्वारीय आवास।

This seal from Harappa reads as three vertical lines amidst mortar sign, fan sign, ending with jar sign create word trikhavah which mean ' house with three doors' in samskrita.

व्यापारिक मुद्रायें
Business seals

1/6

मे

(विनिमय exchange)

मोहन जो दड़ो एवं कालीबंगन से प्राप्त इन मुद्राओं में मीनम् और एषणः के चित्रलेख मिलकर मे शब्द निर्मित करते हैं, जिसका अर्थ है विनिमय।

This seal from Mohan Jo Daro and Kalibangan reads fish sign with arrow sign create word mae which in samskrit means trade or exchange.

K-32 A

M-185 A

M-185 a

K-32 a

चरेहे वयह

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में चन्द्रकः के चित्रलेख के पश्चात ए की मात्र के साथ रज्जुः ए की मात्रा कें साथ हंडिकाः, व्यजः, यज्ञीयः अन्त में हंडिकाः से चरेहे वयह शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ पशु पक्षी है।

This seal from Lothal reads as hieroglyph for chandrakah followed by rope sign with vowel e,jar sign with vowel e,fan sign,trident sign ending with jar sign create word charehe vayah which means 'bird and animals ' in samskrita.

2/286

L-28 A

L-28 a

सैंह

(सिंह सम्बन्धी)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त यह त्रयाक्षरी मुद्रा में स्वास्तिक से स एषणः तथा निर्दातृं के संयुक्ताक्षर ऐं अन्त में हंडिका के ह से मिलकर सैंह शब्द का निर्माण होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है सिंह सम्बन्धी। मुद्रा में उत्कीर्ण सिंह का चित्र इस तथ्य का बल देता है।

This trisyllabic seal from Mohan Jo Daro has three ill formed letters swastika followed by eshanah ending in handikah jointly read as sainh meaning thereby related to lions . The animal carved below is a lion .which correlates to the script.

3/22

M-291 A

M-291 a

कंठे

यह मोहन जो दड़ो से प्राप्त त्रयाक्षरी मुद्रा कलेवरं एवं निर्दातृं के संयुक्ताक्षर कं के साथ ठालिनीं के चित्रलेख के मध्य ए की स्वरलिपि एक खड़ी रेखा से मिलकर शब्द कंठे निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है कंठ या गले से सम्बन्धित। यह माला से सम्बन्धित व्यापार की मुद्रा रही होगी।

This trisyllabic seal from Mohan Jo Daro reads human sign kalevaram with rake sign nirdatram kan followed by waist belt sign thalinim with vertical line for vowel e creating word kanthe meaning thereby related to neck kantha.Probably seller of garlands necklace etc.

4/24

M-831 A

M-831 a

सुष्मिए
(डोर, धागा)

चन्हू जोदड़ो से प्राप्त इन मुद्राओं में उ की स्वरलिपि के साथ संबाधम् से सु, शंख के चित्रलेख से श, मीन के चित्रलेख से म, एषणः के चित्रलेख से ए मिलकर सुष्मिए शब्द का निर्माण होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है डोर (धागा) जो किसी व्यापारिक संस्थान की मुद्रा होने की ओर इंगित करता है।

These seals from Harappa and Chanhu Jo Daro reads as vulva sign sambadham with two short lines for vowel u then conch sign shankhah followed by fish sign meenam ending in arrow sign eshanah su sh ma ae in samskrit meaning ropes.

5/39

6/193

M-32 A

M-32 a
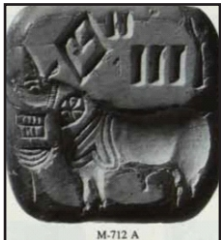
M-712 A

M-712 a
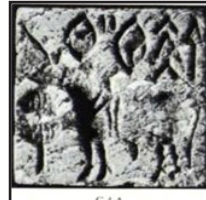
सूत्रय

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् से सू तीन खड़ी रेखाओं से त्र अन्त में यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर सूत्रय शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है करघा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vovel u then three vertical lines followed by trident sign create word sutray which means 'handloom' in samskrita.

ननः
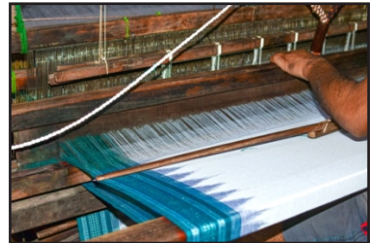
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में निर्दात्र के दो चित्रलेख एवं विसर्ग के रूप में हंडिकाः से मिलकर ननः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मोती।

This seal from Mohan Jo Daro reads as double rake sign for nana ending with jar sign for visargah speaks nanah in samskrit means pearl.

7/155
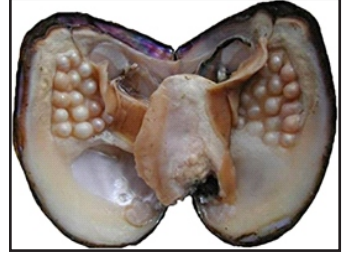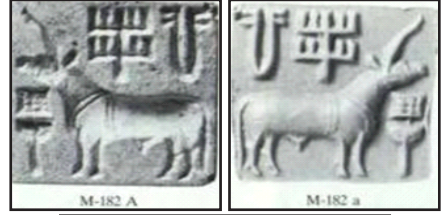
8/65

सुननः

इस खंडित मुद्रा में उ की स्वरलिपि के साथ संबाधम् तथा दोहरे निर्दातृं अंकित है, जिसके साथ हंडिकाः काल्पनिक रूप से जोड़ने पर सुननः शब्द का निर्माण होता है, जिसका अर्थ है सुन्दर मोती।

This broken seal also reads vulva sign with vowel u , double rake sign ending with jar sign create word su nanah which in samskrit means beautiful pearls.

सुननयः

M-152 A

M-152 a

9/64
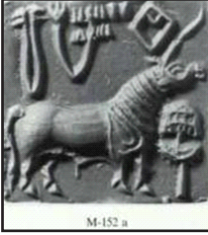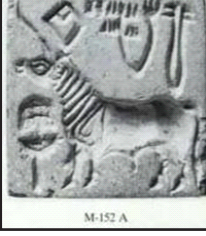
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुदा में उ की मात्रा के साथ संबाधम् के बाद दोहरे निर्दातृं, यज्ञीय अन्त में विसर्ग के लिये हंडिका मिलाकर सुननयः शब्द निर्मित करती है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सुन्दर मोती।

This seal from Mohan Jo Daro reads vulva sign with vowel u, double rake sign, trident sign ending with jar sign create word sunanayah means good pearls in samskrita.

10/571

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में निर्दात्रि द्वय, उ की मात्रा के साथ स्वास्तिकः, वृश्चिकः के चित्रलेख मिलकर ननसुवृ (ननः, मोती+सु, अच्छा+वृ,चुनें) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मोतियों का अच्छा चुनाव।

This seal from Mohan Jo Daro reads as double rake sign, swastikah sign with vowel u, ending with scorpion sign create word nanasuvri which mean 'collection of good pearls' in samskrita.

ननसुवृ

M-317 A

M-317 a

सुष्म यत्र ननयः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् के बाद शंखम् मीनम् यज्ञीयः तीन खड़ी रेखाओं से त्र तत्पश्चात निर्दात्रं द्वय संग यज्ञीयः से य अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सुष्म यत्र ननयः (सूष्म, आभामय+यत्र, यहां+ननयः,मोती) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है यहां मोती में चमकाकर माला निर्मित की जाती है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u ,conch sign,fish sign then trident sign with three vertical lines,then double rake sign with trident sign ending with jar sign create word sushm yatra nanayah which means 'pearls are polished here to make necklace' in samskrita.

11/210

M-118 A

M-118 a

12/623

H-135 A

H-135 a

सूष्मेननयः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, शंखम्, ए की मात्र के साथ मीनम्, निर्दात्रम् द्वय संग यज्ञीयः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सूष्मेननयः (सूष्मे, आभामय+ननयः, मोती) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है आभामय मोती।

This seal from Harappa reads as vulva sign with vowel u, conch sign, fish sign with vowel e, double rake sign trident sign ending with jar sign create word sushmenanayah which mean ' shining pearls' in samskrita.

सि

इस मुद्रा में इ की स्वरलिपि के साथ स्वास्तिक का चित्रलेख सि के रूप में पढ़ा जा सकता है जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है जाल में बद्ध, जैसे मत्स्य, पक्षी आदि।

This seal reads swastika with roof for vowel ii, si in samskrit means catch of fishnet or birds.

13/81

14/82

मामःसि

(मेरी मछलियां)

इस मुद्रा में आ की स्वरलिपि के साथ मीनं से मा पुनः मीनं से म विसर्ग के लिये हंडिका अन्त में इ की स्वरलिपि के साथ स्वास्तिकः के चित्रलेख से मामः सि शब्द युग्म का रचना होती है। इसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है मेरी मछलियां।

This seal reads meenam with extra fins for vowel aa then meenam followed by handikah maamah then swastika with roof for vowel ii si in samskrit meaning my fishnet catch.

मीन मए

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में ई की मात्रा के साथ मीनम्, निर्दांत्र, मीनम् एवं एषणः से मिलकर मीनमए शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मत्स्य व्यापार।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fish sign with vowel u , rake sign, fish sign ending in arrow sign eshanah speaks minmae in samskrit means trade of fish.

15/153

16/271

H-85 A

सूम मए
(दुग्ध व्यापार)

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा संग सम्बाधम्, मीनम्द्वय अन्त में एषणः से सूममए शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दुग्ध व्यापार।

This seal from Harappa reads as vulva sign with vowel u,double fish sign ending with arrow sign create word sum mae which means 'milk business' in samskrita.

सुरमए

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्र के साथ सम्बाधम्, रज्जुः, मीनम्, अन्त में एषणः के चित्रलेख मिलकर सूरमए शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है धात्विक मूर्तियों का व्यापार।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, rope sign ,fish sign ending with arrow sign create word surmae which mean 'metallic idols business' in samskrita.

17/339

M-1161 a

M-1161 A

18/437

M-86 A

M-86 a
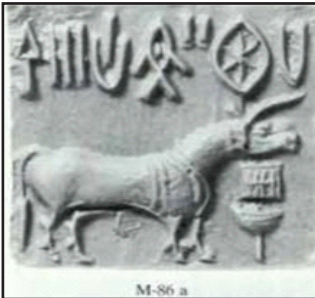
हशूमे यत्रए

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में हंडिकाः, उ की मात्रा के साथ शकटारिः, ए की मात्रा के साथ मीनम्, यज्ञीयः, तीन खड़ी रेखायें अन्त में एषणः के चित्रलेख के मिलकर हशुमेयत्रए (हश, चमकाना+उमे, आभा+यत्रए, यहां) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है यहां चमका कर आभा बढ़ाई जाती है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as jar sign, wheel sign with vowel u, fish sign with vowel e , trident sign , three vertical lines ending with arrow sign create word hasume yatrae which mean 'here cleaning by rubbing' in samskrita.

तयवहण्ट

19/238

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में तुलाधरः, यज्ञीयः, व्यजः, हंडिकाः ण के चित्रलेख के अन्त में टंकः के चित्रलेख से मिलकर तय वहण्ट (तय, रक्षा करना+वहण्ट, शिशु) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है शिशु की रक्षार्थ है। जैसा कि चित्र में चित्रित है। यह नवजात शिशु संरक्षा की मुद्रा है।

This seal from Harappa reads as bearer sign, trident sign, fan sign, jar sign, hieroglyph for na , ending with axe sign create word tayavahant which means 'protection of neonate' in samskrita. As depicted in

सूव्यते
(सुन्दर विनिमय)

20/242

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् व्यजः यज्ञीयः अन्त में ए की मात्रा के साथ तुलाधरः से सूव्यते शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छा विनिमय या व्यापार।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u,fan sign ,trident sign ending with bearer sign with vowel e create word suvyte which means 'great exchange' in samskrita

शुरम मेकाः
(बकरों को मार डालना)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ शकटारिः, रज्जुः, मीनम्, ए की मात्रा के साथ मीनम्, आ की मात्रा के साथ कलेवरम् अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शुरममेकाः (शुरम, मारना+मेकाः, बकरे) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है बकरों को मार डालना। यह सम्भवतः मांस विक्रेता की मुद्रा है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign with vowel u, rope sign,fish sign , fish sign with vowel e , human sign with vowel aa ending with jar sign create word shuram mekaha which mean 'killing goats' in samskrita. This is probably seal of butures.

21/160

M-375 a

M-375 A

सुष्मए
(डोर, धागा)

H-501 a

H-501 A
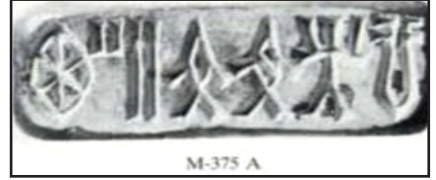
22/86

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की स्वरलिपि के साथ संबाधम् शंख मीन एवं एषणः के चित्रलेख से मिलकर सुष्मए शब्द का निर्माण होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ डोर से लिया जा सकता है। अतः यह व्यापारिक मुद्रा की श्रेणी में रखी जा सकती है।

This seal from Harappa reads as vulva sign sambadham with two short vertical lines for vowel u then conch sign shankhah followed by fish sign meenam ending in arrow sign eshanah su sh ma ae in samskrit meaning ropes.

त्रयह श्रृंगार

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में हंडिकाः के मध्य त्र, आ की मात्रा के साथ श्रंगकम्, रज्जुः, के चित्रलेख मिलकर त्रयह श्रंगार (त्रयः, तीन+श्रंगारः, सिंगार) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत तीन प्रकार के श्रंगार। यथा केश विन्यासः, पत्रणः, नखेरमए।

This seal from Mohan Jo Daro reads as three vertical lines amidst jar sign, horn pipe sign with vowel aa,ending with rope sign,create word trayah shringar which mean 'three beutifications' in sanskruta. They are hair setting, nail polish and body painting or tattooing.

23/473
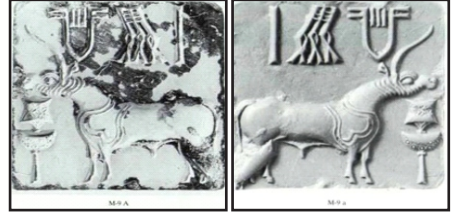
24/474

पत्रणः

(शरीर पर चित्रकारी)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में पर्णम्, त्र, ण का चित्रलेख, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर पत्रणः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है शरीर पर चित्रकारी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as leaf sign, hieroglyph for trayah, hieroglyph for na, ending with jar sign create word patranah which mean 'Tattooing or body painting' in sanskruta

नखेरमए

25/425

M-65 A

M-65 a

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में निबंधः, ए की मात्रा के साथ खल्व्लः, रज्जुः, मीनम् अन्त में एशणः के चित्रलेख मिलकर नखेरमए (नखेः+रमए) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है नख रंजन प्रयोग।

This seal from Mohan Jo Daro reads as handcuff sign , mortar and pestle sign with vowel e, rope sign, fish sign , ending with arrow sign create word nakheramae which mean 'nailpolish ' in samskrita

वसूराए
(वेश्या)

26/288

L-39 A

L-39 a

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में वयजः के चित्रलेख के पश्चात उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् आ की मात्रा कें साथ रज्जुः, अन्त में एषणः से वसूराए शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ वेश्या है।

This seal from Lothal reads as hieroglyph for vyajah followed by vulva sign with vowel u,rope sign with vowel aa, ending with arrow sign create word vasurae which means 'prostitute ' in samskrita.
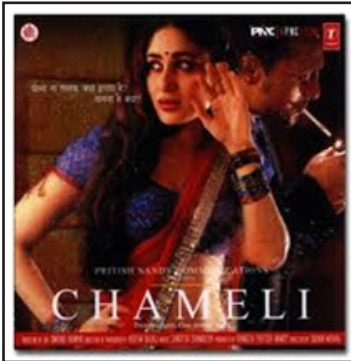
मरू मेष
(पर्वतीय भेंड़)

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में मीनम् के पश्चात उ की मात्रा के साथ रज्जुः, ए की मात्रा कें साथ मीनम्, अन्त में शंखः से मरूमेष शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ पर्वतीय भेड़ है।

This seal from Lothal reads as fish sign followed by rope sign with vowel u,fish sign with vowel e, ending with conch sign create word maru mesha which means 'sheep from hills' in samskrita.

27/291

L-82 A

L-82 a

28/297

K-20 A

K-20 a

रीती
(कांसा)

कालीबंगन से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ रज्जुः, अन्त में इ की मात्रा के साथ तुलाधरः से रीती शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ कांसा से है।

This seal from Kalibangan reads as rope sign with vowel i, ending with bearer sign with vowel i create word riti which means 'bronze ' in samskrita

पीयू ऋः

(स्वर्ण प्रदान करना)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ पर्णः, उ की मात्रा के साथ यज्ञीयः, इ की मात्र के साथ रज्जुः अन्त में हंडिकाः से पीयू ऋः (पीयुः, सोना+ऋः, प्रदान करना) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है स्वर्ण प्रदान करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as leaf sign with vowel i ,trident sign with vowel u, rope sign with vowel i, ending with jar sign create word piyu rih which means 'giving gold' in samskrita.

29/314

M-708 A

M-708 a

30/258

M-969 A

M-969 a

मिति

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ मीनम्, इ की मात्रा के साथ तुलाधरः से मिति शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्रमाण।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fish sign with vowel i then bearer sign with vowel I create word miti which means 'proof' in samskrita.

शर्षन

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शकटचक्रः से श, रज्जुः के चित्रलेख के मध्य सरण्डः एवं निर्दातृं से मिलकर शर्षन शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सरसों। एक तौल की माप।

This seal from Mohan Jo Daro reads aswheel sign, followed by bird sign amidst rope sign ending with rake sign speaks sharshan in samskrit means mustard. Also used as measure.

31/156
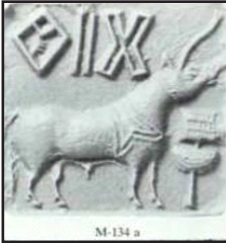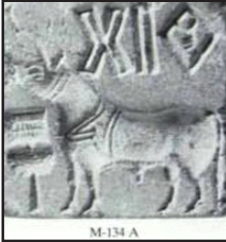
M-214 A M-214 a

32/482

M-134 A

M-134 a

सरषन

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में स्वास्तिकः से स, रज्जुः से र, सम्बाधम् के चित्रलेख के मध्य निर्दातृं से मिलकर सर्शन शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सरसों, एक तौल की माप।

This seal from Mohan Jo Daro reads as swastikah sign, followed by rope sign ending with rake sign amidst vulva sign creates sarshan in samskrit means mustard. Also used as measure.

सुननः

वृन्तः

33/201

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में वृश्चिकः से वृ निर्दात्रं से न अन्त में हंडिकाः के साथ तुलाधरः के चित्रलेख मिलकर वृन्तः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है गुन्ची अथवा रत्ती जा तौल का एक माप है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as scorpion sign nirdatram sign ending with jar sign with tuladharah create word vrintah which means 'gunchi or ratti' a measure of weight in samskrita.

M-97 A M-97 a

34/265

M-997 A M-997 a
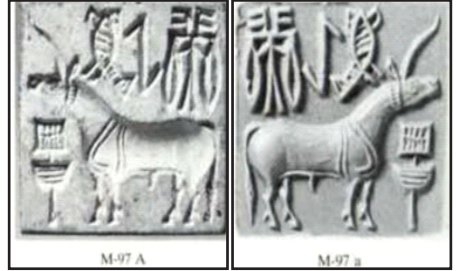
पिचुयव

(दो तोला अनाज)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा संग पर्णः, उ की मात्र संग चन्द्रकः, यज्ञीयः अन्त में व्यजः से पिचुयव (पिचु, दो तोला+यवः अनाज) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दो तोला अनाज।

This seal from Mohan Jo Daro reads as leaf sign with vowel i hieroglyph for chandrakah with vowel u , trident sign ending with fan sign create word pichuyav which means '22 gram grain' in samskrita.

सूर्पः
(द्रोण की तौल)

35/183

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् के चित्रलेख के बाद रज्जुः पर्णः अन्त में हंडिका से सूर्पः शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सूप अथवा दो द्रोण की तौल।

This seal from Harappa reads as vulva sign withvowel u , rope sign leaf sign ending with jar sign create word surpah which means 'measure of two dronah ' in samskrita.

H-140 a

H-140 A

36/382

M-889 A

M-889 a

शशूर्पः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शकटारिः, उ की मात्र के साथ शंखम्, रज्जुः, पर्णम्, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शशूर्पः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दो द्रोणः 128 सेर या 160 किलोग्राम के वजन के साथ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign, conch sign with vowel u, rope sign , leaf sign , ending with jar sign create word ' shashurpah' which mean 'with measure of two dronah equivalent to 128 seers or 160 kilograms' in samskrita.

सु

37/299

कालीबंगन, मोहन जो दड़ो एवं बानावली से प्राप्तइन मुद्राओं में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् से सु शब्द निर्मित होता हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ अच्छा से है। बानावली से प्राप्त मुद्राओं में पशु चिन्ह के पूंछ की तरफ से पढ़ा जाता है। जबकि अन्य मुद्राओं में पशु चिन्ह के सिर की तरफ से पढ़ा जाता है।

These seals from Mohan Jo Daro,Kalibangan and Banawali read as vulva sign with vowel u, create word su which means 'good ' in samskrita. Seals from Banawali are read from tail to head of the animal.

B-7 A B-7 a B-15 A B-15 a

K-27 A K-27 a

B-5 A B-5 a

M-272 A M-272 a
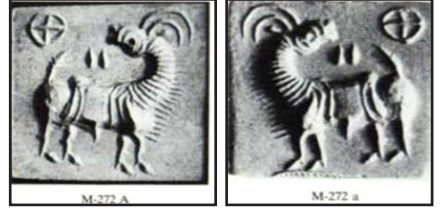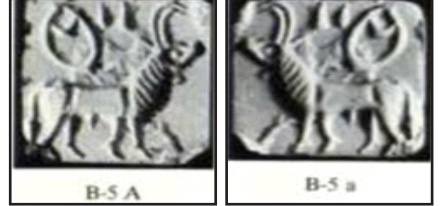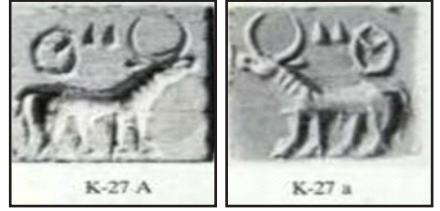
38/212
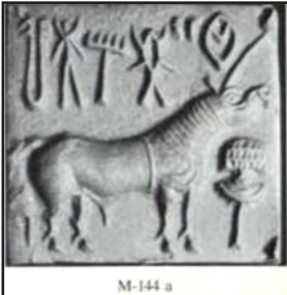
सुमानकाः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् आ की मात्रा के साथ मीनम् निर्दात्रं आ की मात्रा के साथ कलेवरं अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सुमानकाः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छे मान दण्ड वाला।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u ,fish sign with vowel aa, rake sign,hieroglyph for kalevaram with vowel aa ending with jar sign create word sumanakah which means 'good standards' in samskrita.

M-144 A

M-144 a

सुमानकाहक

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् आ की मात्रा के साथ मीनम् निर्दात्रं आ की मात्रा के साथ कलेवरं अन्त में हंडिका: के चित्रलेख मिलकर सुमानकाहक शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छे मान दण्ड वाला राजा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u ,fish sign with vowel aa, rake sign,hieroglyph for kalevaram with vowel aa ending with jar sign create word sumanakah which means 'king of good standards' in samskrita.

39/142

M-199 A

M-199 a

40/213

H-31 A

H-31 a

पटुमानका:

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में पर्ण: के बाद उ की मात्रा के साथ टंक: आ की मात्रा के साथ मीनम् निर्दात्रं आकी मात्रा के साथ कलेवरं अन्त में हंडिका: के चित्रलेख मिलकर पटुमानका: शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दक्षता के मान दण्ड है।

This seal from Harappa reads as leaf sign then axe sign with vowel u ,fish sign with vowel aa, rake sign,hieroglyph for kalevaram with vowel aa ending with jar sign create word sumanakah which means 'ability standards' in samskrita.

धाएन

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में आ की मात्रा संग धन्वः, एषणः अन्त में निर्दात्रम् से धाएन शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्रदान करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as bow sign with extra strings as vowel aa arrow sign ending with rake sign create word dhaaen which means 'to give' in samskrita.

41/272

M-73 A

M-73 a

42/419

M-16 A

M-16 a

छुर त्रयंकश

(तीन अंकों में विभाजित करना)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ छत्राकम्, रज्जुः, तीन खड़ी रेखायें, निर्दात्रम् संग कलेवरम् अन्त में शकटारिः के चित्रलेख मिलकर छुर त्रयंकश (छुरम्+त्रयः+अंकश) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तीन हिस्सों में विभाजित करना।
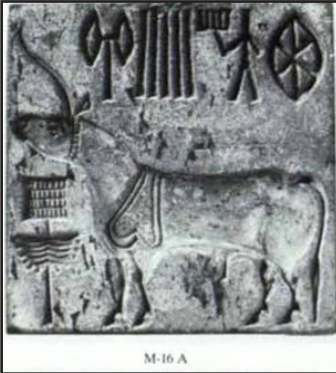
This seal from Mohan Jo Daro reads as mushroom sign with vowel u, rope sign, three vertical lines,rake sign, human sign , ending with wheel sign create word chhur traynkash which mean ' divide in three parts' in samskrita

सटत्रय

43/255

हड़प्पा तथा लोथल से प्राप्त इन मुद्राओं में सम्बाधम् टंकः तीन रेखाओं से त्र अन्त में यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर सटत्रय (सट,बांटना+त्रयः, तीन में) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तीन भाग में बॉटना है।

This seal from Harappa and Lothal reads as vulva sign,axe sign ending with three vertical lines with trident sign create word sat traye which means 'devide into three parts' in samskrita.

H-54 A

H-54 a

L-29 A

L-29 a

44/336

M-976 a

M-976 A
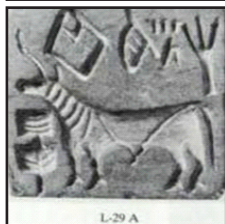
सट सेषन

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में सम्बाधम्, टंकः, ए की मात्रा के साथ स्वास्तिकः, अन्त में निर्दात्रम् के साथ शल्लकीः के चित्रलेख मिलकर सट सेशन (सट,बांटना+शेषन,अवशेष को) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अवशेष का विभाजन।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign, axe sign, swastika sign with vowel e ending with rake sign with porcupine sign create word sat seshan which mean ' divide remaining' in samskrita.

45/338

M-981 a

M-981 A

देये किव्व

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में ए की मात्रा के साथ द्रोणिः, ए की मात्रा के साथ यज्ञीयः इ की मात्र के साथ कलेवरं, अन्त में आयताकार व्यजः द्वय के चित्रलेख मिलकर देये किव्व शब्द निर्मित करते हैं, जिसका प्राकृत भाषा में अर्थ है किस प्रकार देना है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for dronih with vowel e, trident sign with vowel e, human sign with vowel i ending with double rectangular fan sign create word deye kivva which mean 'mode of payment' in prakrita.

सुयवृः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, यज्ञीयः, वृश्चिकः अन्त में हंडिकाः से सुयवृः (सुयव, अच्छे जौ+ ऋः, प्रदान करना) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है, अच्छे जौ का दान।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, trident sign scorpion sign ending with jar sign create word suyavrih which means 'alms of good grains' in samskrita.

46/244

M-785 A

M-785 a

सुयवृहक

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् , यज्ञीयः , वृश्चिकः, अन्त में हंडिकाः के साथ कलेवरम् के चित्र्लेख मिलकर सुयवृहक (सुयव+ ऋः+क) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छे जौ राजा को सौपना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, trident sign , scorpion sign ending with jar sign and human sign create word suyavrihak which mean 'good barley handing over to king' in samskrita.

47/440
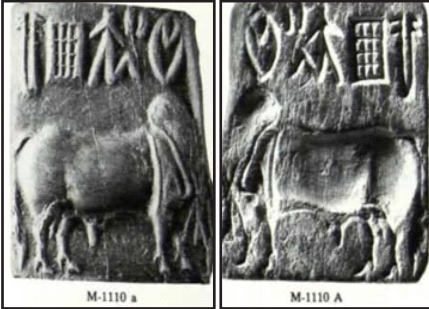
M-100 A

M-100 a

48/266

M-1110 a

M-1110 A

सुकुवः

(सुन्दर कमल)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् उ की मात्रा संग कलेवरम् व्यजः अन्त में हंडिकाः से सुकुवः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सुन्दर कमल।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, human sign with vowel u, rectangle as fan sign ending with jar sign create word sukuvah which means 'beautiful lotus' in samskrita.

सूनकाः

49/245

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, निर्दात्रं,आ की मात्रा के साथ कलेवरं अन्त में हंडिकाः से सूनकाः शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पुष्पगुच्छ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, rake sign human sign with vowel aa ending with jar sign create word sunakah which means 'bunch of flowersmor
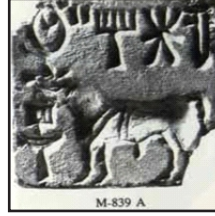
50/264

वयश
(कौवा)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में व्यजः यज्ञीयः अन्त में शकटारिः से वयश शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है कौवा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fan sign, trident sign ending with wheel sign create word vayash which means 'crow or bird' in samskrita

51/407

रममागः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः, मीनम्, आ की मात्रा के साथ मीनम्, गुवाकदरः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर रममागः (रमम,रमते हैं+अगः,वृक्ष) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है वृक्षों में प्रसन्न रहनेवाला पक्षी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign , fish sign , fish sign with vowel aa, betel nut cutter sign , ending with jar sign create word 'rammagah ' which mean 'tree lover' in samskrita.

त्रिपिकाः

हड़प्पा एवं मोहन जो दड़ो से प्राप्त इन मुद्राओं में तीन खड़ी रेखायें संख्या त्रि इ की स्वरलिपि के साथ पर्ण से पि आ की स्वर लिपि के साथ कलेवरं से का अन्त में विसर्ग के रूप में हंडिका मिलकर त्रि पिकाः शब्द का निर्माण होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होगा तीन कोयल पक्षी जो किसी संस्थान का चिन्ह हो सकता है।

These seals from Harappa and Mohan Jo Daro read as three vertical lines for numeral three trayah followed by leaf sign parnam pierced with angular line for vowel i, pi then human sign kalevaram with extra arms for vowel aa ,ka ending in jar sign handikah for visargah collectively pronounced as tri pi ka ha in samskrit means three cuckoos.which could be logo of

52/36
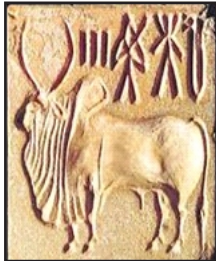
सु पिकन

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् से सु इ की मात्रा के साथ पर्णः से पि अन्त में निर्दात्रं के संग कलेवरं के चित्रलेख मिलकर सु पिकन शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सुन्दर कोयल।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u ,leaf sign with vowel i, ending with rake sign with kalevaram create word supikan which means 'beautiful cuckoo' in samskrita.

53/211

M-142 A

M-142 a

54/254

M-965 a M-965 A
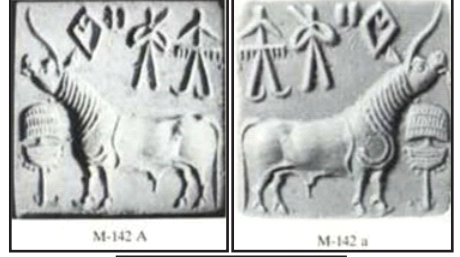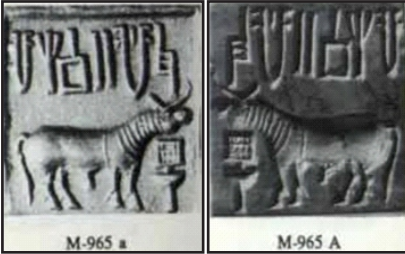
डहेर वयः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में डयनम,ए की मात्रा के साथ हंडिकाः,रज्जुः,व्यजः, यज्ञीयः अन्त में हंडिकाः से डहेर वयः (डहेर,बड़हल के वृक्ष+वयः,पक्षी) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है बड़हल के वृक्ष के पक्षी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as palanquin sign ,jar sign with vowel e then rope sign , fan sign, trident sign ending with jar sign create word daher vayah which means 'birds on monkey jack tree(Artocarpus Lacucha)' in samskrita.

शशहे वयः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शकटारिः द्वय के चित्रलेख के बाद ए की मात्रा के साथ हंडिकाः के चित्रलेख, व्यजः, यज्ञीयः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शशहे वयः (शशहे, रक्तपुष्पी वृक्ष+वयः, पक्षी) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है रक्त पुष्पवृक्ष के पक्षी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as double wheel sign followed by jar sign with vowel e,fan sign,trident sign ending with jar sign create word shashahe vayah which means 'birds from red flowering tree' in samskrita.

55/329
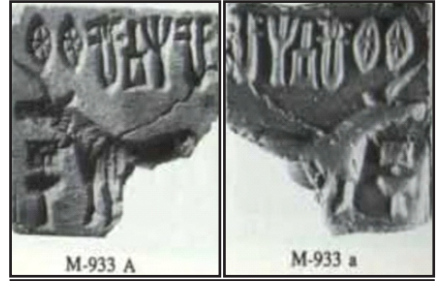
56/433

शरम वयः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शंखम्, रज्जुः, मीनम्, व्यजः, यज्ञीयः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शरम वयः (शरम्,जल+वयः,पक्षी) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है जल पक्षी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as conch sign, rope sign, fish sign , fan sign, trident sign , ending with jar sign create word sharam vayah which mean 'water birds' in samskrita

57/591

चरेहेमिमामवयः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में चन्द्रकः, ए की मात्रा के साथ रज्जुः , ए की मात्रा के साथ हंडिकाः, इ की मात्रा के साथ मीनम्, आ की मात्रा के साथ मीनम्, मीनम्, व्यजः यज्ञीयः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर चरेहेमिमामवयः (चरः, जीव जन्तु+ईहेम, इच्छा+इमाम, यहां पर+वयः, पक्षी) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है जीव जन्तुओं की इच्छा करने वाले पक्षी यथा गिद्ध, उलूक, चील, बाज़।

This seal from Harappa reads as hieroglyph for chandrakah, rope sign with vowel e, jar sign with vowel e, fish sign with vowel i, fish sign with vowel aa, fish sign, fan sign, trident sign ending with jar sign create word charehemimamavayah which mean ' here birds of prey' in samskrita.

58/551
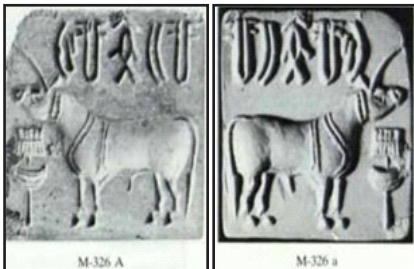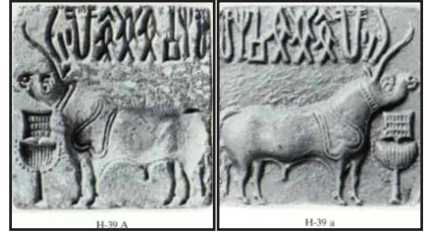
चरेहेमीरः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में चन्द्रकः, ए की मात्रा के साथ रज्जुः , ए की मात्रा के साथ हंडिकाः इ की मात्रा के साथ मीनम्, रज्जुः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर चरेहेमीरः (चरः, जीव + इहे, इच्छा करना+मीरः,समुद्र) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है समुद्री जीवों की इच्छा करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for chandrakah, rope sign with vowel e, jar sign with vowel e, fish sign with vowel ee, rope sign ending with jar sign create word charehemirah which mean 'desire for sea animals' in samskrita.

चरेत्रहनकाः

59/557

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में चन्द्रकः, ए की मात्रा के साथ रज्जुः , तीन खड़ी रेखाओं संग हंडिकाः, निर्दात्रं, आ की मात्रा के साथ कलेवरम्, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर चरेत्रहनकाः (चरेः,जीव+त्रः, तीन+नकाः, नाखूनों वाले) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तीन खुर वाले जीव यथा अश्व,गर्दभ ज़ेब्रा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for chandrakah, rope sign with vowel e, three vertical lines amidst jar sign, rake sign, human sign with vowel aa , ending with jar sign create word charetrahnakah which mean 'three hoofed animals like horses, asses,zebras' in samskrita.
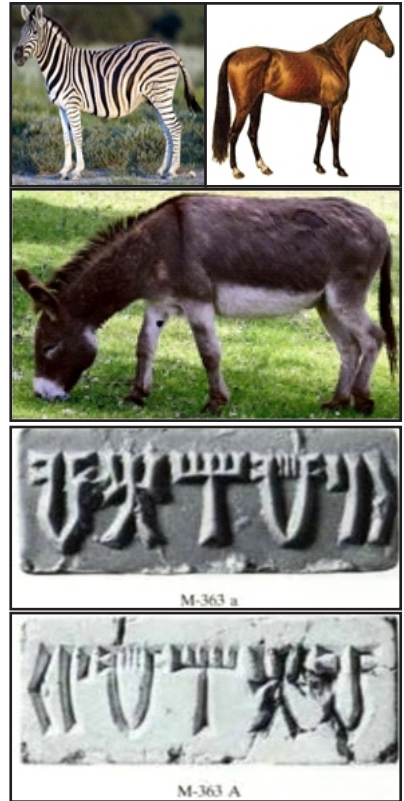
ऋण

60/269
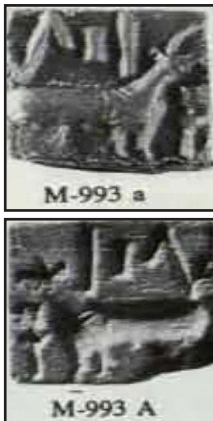
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा संग रज्जुः अन्त में ण के चित्रलेख से ऋण शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है कर्ज़।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign with vowel i ending with hieroglyph for na create word rina which means 'loan' in samskrita.

61/273

सू चतुर्थ मए

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा संग सम्बाधम्, चार रेखाओं से चतुर्थ,मीनम्,एषणः से सू चतुर्थ मए (सू, ऋण का परिशोध करना +चतुर्थ, चौथा+मए,व्यापार) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है व्यापार के चौथे ऋण का परिशोध करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u,four vertical lines for numeral 4 fish sign, arrow sign create word su chaturth mae which means 'resolution of fourth business loan' in samskrita.

62/278

षष्ठ मए चष

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में छः खड़ी रेखाओं के बाद, मीनम्, एषणः,चन्द्रकः,सम्बाधम् से षष्ठ मए चष (षष्ठ,छॅठा+मए,व्यापार+चष, भोजन) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है खाने के छः व्यापार।

This seal from Harappa reads as six vertical lines followed by ,fish sign,arrow sign hieroglyph for chandrakah,vulva sign shashtha mae chash word which means 'sixth food fest' in samskrita.

कायूकिछति

63/435

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में आ की मात्रा के साथ कलेवरम्, उ की मात्रा के साथ यज्ञीयः, इ की मात्रा के साथ कलेवरम्, छत्रम्, इ की मात्रा के साथ तुलाधरः के चित्रलेख के मिलकर कायुकिछति (कायुक+ईछति) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है ब्याज की कामना करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as human sign with vowel aa, trident sign with vowel u, human sign with vowel ee umbrella sign, bearer sign with vowel i create word kayukichhati which mean 'desire of interest' in samskrita.

M-71 a

M-71 A

64/438

M-85 A

M-85 a

सरीहेमाए

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में सरण्डः , ई की मात्रा के साथ रज्जुः, ए की मात्रा के साथ हंडिकाः, आ की मात्रा के साथ मीनम् अन्त में एषणः के चित्रलेख के मिलकर सरीहेमाए (सरिः,नदी+इहे,यह+माए,माता) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है नदियों की माता गंगा या सिन्धु।

This seal from Mohan Jo Daro reads as bird sign, rope sign with vowel ee, jar sign with vowel e, fish sign with vowel aa , ending with arrow sign create word sarihe maye which mean 'mother of rivers Ganges or Indus' in samskrita.

रयत्रए

नदी की रक्षार्थ

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः के चित्रलेख के बाद यज्ञीयः, तीन खड़ी रेखायें अन्त में एषणः के चित्रलेख मिलकर रयत्रए (रयः,नदी +त्रए,रक्षार्थ) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है नदी सुरक्षा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign , trident sign , three vertical lines ending with arrow sign create word rayatrae which mean ' conservation of rivers' in samskrita.

65/456

M-135 A

M-135 a bis

66/131

Dlp-1 a

Dlp-1 A

Dlp-1 C
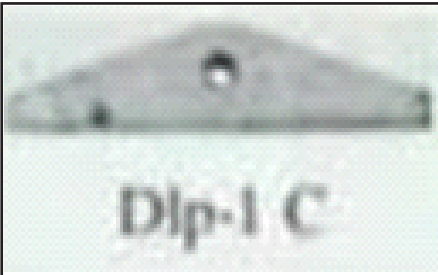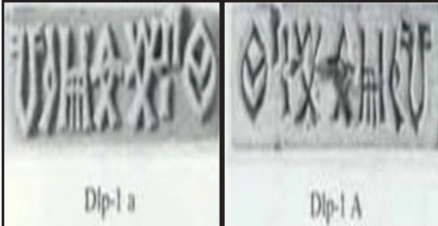
सिमा मंचः

देसलपुर से प्राप्त इस मुद्रा में सम्बाधम् के बाद इ के चित्रलेख तत्पश्चात आ की मात्रा के साथ मीनम् के चित्रलेख से सिमा तथा मीनम् , अनुनासिकः, चन्द्रकः एवं हंडिका के चित्रलेख से मिलकर मंचः शब्द की उत्पत्ति होती है, जिसका संस्कृत में अर्थ समस्त समूह से है।

This seal from Desalpur reads as vulva sign, hieroglyph for i then fish sign with vowel aa, fish sign ,hieroglyph for ankganakah, chandrakah ending in jar sign for visargah create word sima manchah which means a all groups in samskrita.

शशे मंचः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शकटचक्रः, पुनः ए की मात्रा के साथ शकटारिः तत्पश्चात मीनम् अनुनासिक के साथ चन्द्रकः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शशे मंचः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है लाल पुष्पवृक्षों की बैठक।

This seal from Mohan Jo Daro reads as double wheel signs with vowel e, then fish sign, hieroglyph for na with chandrakah, ending with jar sign create word shashe manchah which means 'group of red flowering plants' in samskrita.

67/204

M-III A

M-III a

68/44

ञेझू झष मंचः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में गुजरात के एक अन्य नगर ऊंझा का नाम परिलक्षित हो रहा है। इस चित्रलेख में ओ की स्वरलिपि के साथ अनुनासिक ञ के लिये अंकगणनक का चित्रलेख तदुपरान्त उ की स्वरलिपि के साथ झ मिलकर ञेझू उसके बाद शंख के चित्रलेख के मध्य में झ संयुक्त रूप से झष तत्पश्चात मीनं का चित्रलेख अंकगणनकः से ञ्चन्द्रकः से च अन्त में विसर्ग हेतु हंडिका मिलकर मंचः से ञेझू झष मंचः शब्द माला निर्मित होती है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ ऊंझा मत्स्य विक्रेताओं के व्यापारिक समूह के नाम में उदवाचित होता है।

This seal depicts ankagananakah with vowel u jhodah with vowel u onjhu followed by shankham with jhodah within jhash followed by meenam then abacus ankgananakah then chandrakah ending in handikah for visargah manchah reads as onjhu jhash manchah in samskrit meaning for fish forum of onjha.

पिच्चएरासूमिमेयत्ररसः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मृणपट्टिका में इ की स्वरलिपि के साथ पर्ण, चन्द्रकः के दो चित्रलेख , एषणः आ की स्वरलिपि के साथ रज्जु के चित्रलेख उ की स्वरलिपि के साथ संबाधम् के चित्रलेख, इ की स्वरलिपि के साथ मीनं, ए की स्वरलिपि के साथ मीनं, यज्ञीयः के चित्रलेख, त्र के चित्रलेख के रूप में तीन खड़ी रेखायें रज्जुः का चित्रलेख अन्त में विसर्ग की हंडिका के साथ स्वास्तिक का चित्र्लेख मिलकर शब्दमाला पिच्चएरासूमिमेयत्ररसः (पिच्चए,एक धरण की माला+रासूम, रासः+इमे, यह+यत्र, यहां+रसः, स्वाद) जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ इस प्रकार किया जा सकता है। इमे यत्ररसः रासूमि पिच्चए यह यहां रसों की रासमाला।

M-355 A

M-355 a

This tablet from Mohan Jo Daro contains hieroglyph of parnah with vowel i, fllowed by chandrakah twice then eshanah then rajjuh with vowel aa followed by sambadham with vowel u then meenam with vowel I then meenam with vowel e then hieroglyph for yajniya then three vertical lines for tra then two vertical lines for rajjuh then swstikah ending in handikah creating samskrita word pichchaerasumimeyatrarasah which means here is garland of incense.

70/573

M-303 a

M-303 A

शरेयत्रए

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शकटारिः, ए की मात्रा के साथ रज्जुः, यज्ञीयः, तीन खड़ी रेखायें, अन्त में एषणः के चित्रलेख मिलकर शरेयत्रए (शरः,तीर+यत्रए, यहां) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है यहां तीर निर्माण होता है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign, rope sign with vowel e, trident sign three vertical lines, ending with arrow sign create word shareyatrae which mean 'arrows made here' in samskrita.
select good pearls' in samskrita.

मिमए

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ मीनम्, मीनम्, अन्त में एषणः के चित्रलेख मिलकर मिमए (मि,स्थापित करना+मे, विनिमय) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है व्यापार स्थापित करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fish sign with vowel i, fish sign, ending with arrow sign create word mimae which mean 'establishment of business' in samskrita.

71/572

M-302 A

M-302 A

72/566

M-376 a

M-376 A
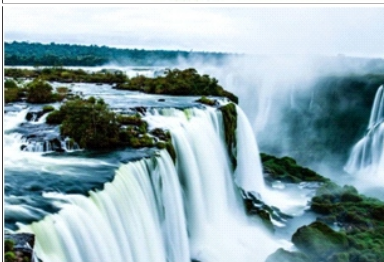
गतिसुभूकाः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में गुवाकदरः, इ की मात्रा के साथ तूणः, उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः, आ की मात्रा के साथ कलेवरम् अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर गतिसुभूकाः (गति, उद्गम्+सु, अच्छे+भूकाः, झरनों) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छे झरनों का उद्गम्।

This seal from Mohan Jo Daro reads as betel nut cutter sign, quiver sign with vowel i, vulva sign with vowel u, bellow sign with vowel u,human sign with vowel aa ending with jar sign create word gatisubhukah which mean 'origin of good

मिमावृणसः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ मीनम्, आ की मात्रा के साथ मीनम्, वृश्चिकः,ण, स्वास्तिकः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर मिमावृणसह (मि,बिखेरना+मा, निषिद्ध+वृण, भोजन+सह, के समय) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है भोजन के समय बिखेरना निषिद्ध है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fish sign with vowel i, fish sign with vowel aa, scorpion sign, swastika sign ending with jar sign create word mimavrinsah which mean 'prohibition of food wastage' in samskrita.

73/567

M-377 a

M-377 A

74/627

M-315 a

M-315 A

हेमापुचय

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में ए की मात्रा के साथ हंडिकाः, आ की मात्रा के साथ मीनम्, उ की मात्रा के साथ पर्णः, चार खड़ी रेखायें, अन्त में यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर हेमापुचय (हेम,स्वर्ण+अपुचय,कमी, खोटा सोना) शब्द निर्मित करते हैं , जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है स्वर्ण में कमी या खोटा सोना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as jar sign with vowel e, fish sign with vowel aa, leaf sign with vowel u ,four vertical lines, ending with trident sign create word hemapuchay which mean 'less of gold' in samskrita.

स्थल नाम मुद्रायें
Place Names seals

हरापमे

(हड़प्पा का)Harapame

इस मुद्रा में हंडिका के चित्रलेख से ह आ की स्वरलिपि के साथ रज्जुः से रा पर्णम के चित्रलेख से प तथा ए की स्वरलिपि के साथ मीनं से मे को मिलाकर हरापमे शब्द का निर्माण होता है। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है हरापम का (हड़प्पा का) इस मुद्रा में हड़प्पा का प्राचीन नाम हरापम प्राप्त होता है। जिसके नाम पर सिन्धु सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता भी कहते हैं।

This seal reads as jar sign handikah, rope sign rajjuh with horizontal line on top for vowel aa followed by leaf sign parnam ending in fish sign meenam with a vertical line inside for vowel e jointly in samskrit meaning belonging to harapame the old city presently known as Harappa the name by which Indian civilization was differentiated by British Archeologists.Reading so many seals using samskrita language as base it is now proven that Harappan civilization was not different from Aryan culture which is native culture of India and it maintained continuity to present civilization.

1/41

2/42
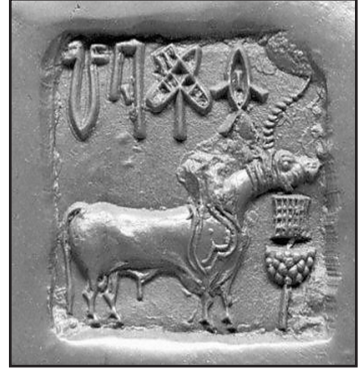
कठूमाड

Kathumad

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में कलेवरं से क, उ की स्वरलिपि के साथ ठालिनीं से ठू, मीनं से म, अंकुशः के चित्रलेख से अ, डयनंम् के चित्रलेख से ड को मिलाकर कठूमाड शब्द निर्मित होता है जो संस्कृत भाषा में शिव के नाम कठमर्दः के आधार पर रखा गया प्रतीत होता है एवं सम्भवतः शिव की नगरी काठमांडू का प्राचीन नाम है।

This seal from Lothal reads human sign kalevaram followed by waist belt sign thalinim with two short lines for vowel u followed by fish sign meenam then goad sign ankushah ending in palanquin sign dayanam jointly pronounced as kathumaad old name of the holy city kaathmaandu which in samskrit pronounced after kathmardah meaning shiva .

उनुआड Unuaad

3/43

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में ऊर्णिनाभः से उ,उ की स्वरलिपि के साथ निर्दातृं से नु, अंकुशः के चित्रलेख से आ एवं डयनं के चित्रलेख से ड मिलकर उनुआड शब्द निर्मित होता है जो सम्भवतः रूपनगर के निकट ऊना का प्राचीन नाम है, जो सिन्धु सभ्यता का हिस्सा रहा है।

This seal from Mohan Jo Daro reads crab sign urninabhah followed by rake sign nirdtram with vowel u then goad sign ankushah ending in palanquin sign dayanam jointly pronounced as unuaad a city in south himanchal near Ropar Punjab which was part of Harappan Civilization.

M-1087 A

M-1087 a

4/127

M-3 A

M-3 a

येरग

मोहनजादड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में ए की मात्रा के साथ यज्ञीय के चित्रलेख के बाद रज्जु की दो खड़ी रेखायें अन्त में गुवाकदरः का चित्रलेख मिलकर येरग शब्द निर्मित करते हैं जो तत्कालीन आर्मीनिया के नगर एरेबनी वर्तमान नगर येरेवान की तरफ इंगित करता है, जिससे व्यापारिक सम्बन्ध रहा होगा।

This seal from Mohan jo daro reveals hieroglyph for yajniya with sign of vowel e followed by hieroglyph for rope ending with betel nut cutter guvakdarah thereby creating word yerag which corresponds to Armenian city Erebuni presently known as Yerevan.
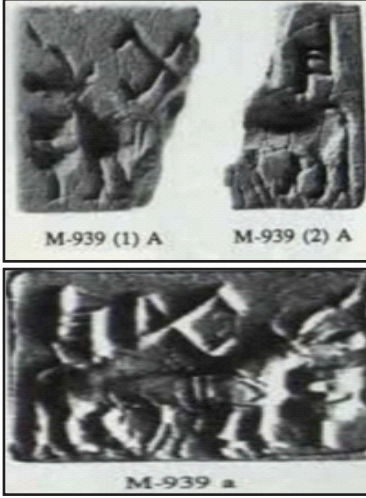
5/246

M-939 (1) A M-939 (2) A

M-939 a

आड

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में अंकुशः अन्त में डयनम् से आड शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है नगर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as goad sign ending with palanquin sign create word aad which means 'township' in samskrita.

6/247

सुआड

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, अंकुशः, अन्त में डयनम्ः से सुआड शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सुन्दर नगर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, goad sign ending with palanquin sign create word suaad which means 'beautiful township' in samskrita.

M-940 a M-940 a bis

M-940 A

7/413

H-680 A

H-680 a
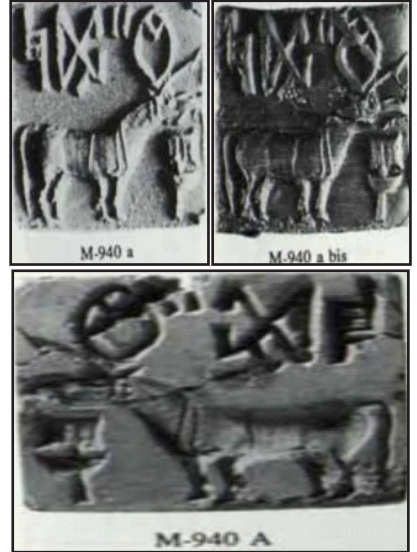
कूआड

(शब्द नगर)

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ कलेवरम्, आ की मात्रा के साथ अंकुशः, अन्त में डयनम् के चित्रलेख मिलकर कुआड(कू,शब्द+आड,नगर) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है शब्द नगर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as human sign with vowel u , goad sign with vowel aa, ending with palanquin sign create word 'kuaad' which mean 'city of sound' in samskrita.

मिमाड

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ मीनम् आ की मात्रा कें साथ मीनम् , अंकुशः के चित्रलेख अन्त में डयनम् से मिमाड (मीमः,शब्द+आड,नगर) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ शब्द नगर है।

This seal from Lothal reads as fish sign with vowel i,fish sign with vowel aa, goad sign ending with palanquin sign create word mi maad which means 'city of sound ' in samskrita.

8/289

L-51 A

L-51 a

एव्वुमाड

9/128

M-81 A   M-81 a
M-81 a bis
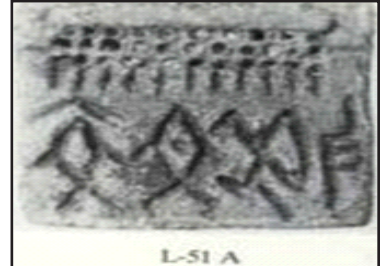
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में एषणः से ए आयताकार व्यजः से व पुनः उ की मात्रा के साथ व्यजः से वु आ की मात्रा के साथ मीनं से मा पुनः अंकुशः से अ अन्त में डयनम् से ड मिलकर एव्वुमाड (एव, समरुप+उमा, शान्ति+आड,नगर) शब्द निर्मित करते हैं, जो शान्तिस्वरुप नगर का नाम हो सकता है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as arrow sign followed by rectangle sign for va again rectangle sign with vowel u then fish sign with vowel aa, hieroglyph for ankushah ending in palanquin sign for dayanam create word evvumaad which means city of peace.

10/129

M-88 a

M-88 A
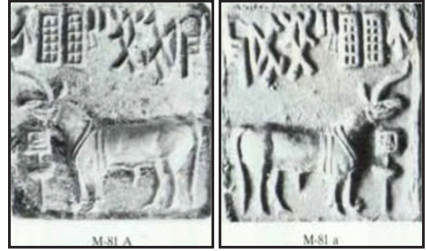
मापाड

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में आ की मात्रा के साथ मीनं से मा आ की मात्रा के साथ पर्णम् से पा डयनम् से ड मिलकर मापाड (मापः, लक्ष्मी पति विष्णु+आड,नगर) शब्द निर्मित होता है, जिसका अर्थ है विष्णुनगर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fish sign with vowel aa then leaf sign with vowel aa ending with palanquin sign for dayanam create word mapad which is township named after Lord Vishnu i.e. Vishnu Nagar. Mopadu is a Village in Pamur Mandal in Prakasam District of Andhra Pradesh State, India. It belongs to Andhra region . It is located 88 KM towards west from District head quarters Ongole. 8 KM from Pamur. 324 KM from State capital Hyderabad

11/483

L-46 a

L-46 A

ऋषुभूः मापाड

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ रज्जुः,उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः, हंडिकाः,आ की मात्रा के साथ मीनं से मा आ की मात्र के साथ पर्णम् से पा डयनम् से ड मिलकर ऋषुभूः मापाड (ऋषुभूः, ऋषभदेव+मापः, विष्णु+आड,नगर) शब्द निर्मित होता है, जिसका अर्थ है ऋषभ विष्णुनगर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign with vowel i, vulva sign with vowel u, bellow sign with vowel u, jar sign, fish sign with vowel aa then leaf sign with vowel aa ending with palanquin sign for dayanam create word rishbhuhmapad which is township named after Lord Vishnu's incarnation Rishabhdev i.e. Rishabh Vishnu Nagar.

उर अष्टय

हड़प्पा से प्राप्त इस अभिलेख में उर्णनाभः के चित्रलेख के बाद रज्जु के चित्रलेख से उर शब्द निर्मित होता है, जो तत्कालीन सुमेरियन नगर का नाम है। अन्त में आठ खड़ी रेखाओं के साथ यज्ञीय से अष्टय प्रतिपादित होता है।

This seal depicts crab sign for u followed by rope sign for rajjuh creating word Ur which is name of old sumerian city .

12/158

H-151 a

H-151 A

13/163

M-365 A

M-365 a

अरे नम यत्र आड
(शत्रुघ्न नगर)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में अंकुशः, ए की मात्रा के साथ रज्जुः, निर्दात्रम्, मीनम्, यज्ञीयः, तीन खड़ी रेखायें, अंकुशः, अन्त में डयनम् के चित्रलेख मिलकर अरेनमयत्रआड (अरिः, शत्रु+नम, झुकता+यत्र, जहां+ आड,नगर) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है यहां शत्रुघ्न नगर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as goad sign, rope sign with vowel e, rake sign, fish sign , trident sign , ending with goad sign with palanquin sign create word arenam yatra aad which mean 'here in this city of defeating enemies i.e Shatrughna Nagar' in samskrita

चरेहेआड

अश्व/जन्तु व्यापार का नगर

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में चन्द्रकः,ए की मात्रा के साथ रज्जुः,ए की मात्रा के साथ हंडिकाः अंकुशः डयनम् से चरेहे आड (चरः, जंगम+इह, यहां+आड, नगर) शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अश्व व्यापार का नगर या जंगम नगर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for chandrakah rope sign with vowel e, jar sign with vowel e , goad sign ,palanquin sign create word charehe aad which means 'township for horse trade' in samskrita.

14/253

M-964 a

M-964 A

15/164

M-368 A

M-368 a

द्वादश छायाड

बारह पंक्ति का नगर

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में बारह खड़ी रेखाओं के बाद आ की मात्रा के साथ छत्रकम्, यज्ञीयः,आ की मात्र के साथ अंकुशः, अन्त में डयनम् मिलकर द्वादश छायाड (द्वादश,बारह+छाया,पंक्ति+आड,नगर) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है बारह रेखाओं का नगर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as twelve vertical lines, mushroom sign with vowel aa, trident sign , ending with goad sign with palanquin sign create word dwadash chhay aad which mean 'city with twelve rows of row houses' in samskrita

शरे ऋः आड

(पंच भैरव का नगर)

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में शकटारिः, ए की मात्रा के साथ रज्जुः, इ की मात्रा कें साथ रज्जुः, हंडिकाः, अंकुशः के चित्रलेख अन्त में डयनम् से शरे ऋः आड (शरः,पांच+ऋः, भैरव+आड, नगर) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ पांच भैरव का नगर से है।

This seal from Lothal reads as wheel sign ,rope sign with vowel e,rope sign with vowel i, jar sign, goad sign ending with palanquin sign create word sharerih aad which means 'city of five Bhairavas ' in samskrita.

16/295

L-122 A

L-122 a

17/351

M-636 a

M-636 A

ऋषुरममिआड

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ रज्जुः, उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, रज्जुः मीनम्, इ की मात्रा के साथ मीनम्, आ की मात्रा के साथ अंकुशः अन्त में डयनम् के चित्रलेख मिलकर ऋषु (चोट पहुचाना या मार डालना) रम (अच्छा लगता है) मि (का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त करने) आड (नगर) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है शस्त्रास्त्र ज्ञान प्राप्ति का नगर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign with vowel i, vulva sign with vowel u, rope sign, fish sign, fish sign with vowel i goad sign with vowel aa ending with palanquin sign create word rishuram mi aad which mean 'city of arms training' in samskrita.

वधिकू आड

(वधिक नगर)

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में व्यजः, इ की मात्रा के साथ धन्वः, उ की मात्रा के साथ कलेवरम्, अंकुशः, अन्त में डयनम् के चित्रलेख मिलकर वधिकूआड (वधिकू,जल्लाद+आड, नगर) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है जल्लाद नगर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fan sign , bow sign with vowel i , human sign with vowel u, goad sign , ending with jar sign create word 'vadhikuaad ' which mean 'city of killers' in samskrita.

18/408

H-611 A

H-611 a

19/484

सूमिआड

L-89 A

L-89 a
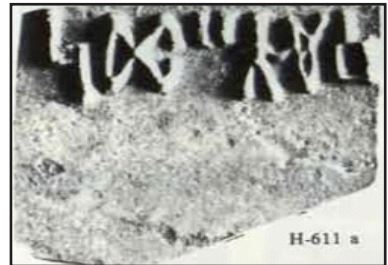
लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् से सू इ की मात्रा के साथ मीनम् से मी अंकुशः से अ अन्त में डयनम के चित्रलेख मिलकर सूमिआड (सूमः, दुग्ध+आड ,नगर) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दुग्ध नगरी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u fish sign with vowel i, the hieroglyph for ankushah ending with palanquin sign create word sumaad which means 'milk city' in samskrita.

सूमाआड

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् से सू आ की मात्रा के साथ मीनम् से मा अंकुशः से अ अन्त में डयनम के चित्रलेख मिलकर सूमाड (सूमः,दुग्ध+आड ,नगर) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दुग्ध नगरी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u fish sign with vowel aa the hieroglyph for ankushah ending with palanquin sign create word sumaad which means 'milk city' in samskrita.

20/194

M-42 A

M-42 a

21/395
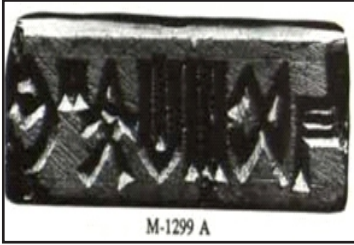
M-1299 a

M-1299 A

सूमा यत्रआड

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, आ की मात्रा के साथ मीनम्, यज्ञीयः, तीन खड़ी रेखायें, अंकुशः अन्त में डयनम् के चित्रलेख मिलकर सूमा यत्र आड (सूमः,दुग्ध+यत्र,यहां+आड नगर) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है यहां दुग्ध नगर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, fish sign with vowel aa, trident sign, hieroglyph for tra, goad sign ending with palanquin sign create word ' sum yatra aad ' which mean 'here milk city' in samskrita.

अरिआड

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में अंकुशः , इ की मात्रा के साथ रज्जुः, आ की मात्रा के साथ अंकुशः अन्त में डयनम् के चित्रलेख मिलकर अरिआड (अरिः,पहिया+आड,नगर) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पहिया निर्माण का नगर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as goad sign, rope sign with vowel i, goad sign with vowel aa, ending with palanquin sign create word areaad which mean 'city of making wheels' in samskrita

22/425

M-63 a

M-63 A

23/430

M-49 a

M-49 A

उरशंनुरममाआड

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उर्णनाभः, रज्जुः, शंखम् संग निर्दात्रम्, उ की मात्रा के साथ निर्दात्रम्, रज्जुः, मीनम्, आ की मात्रा के साथ मीनम्, अंकुशः, अन्त में डयनम् के चित्रलेख मिलकर उरशंनुरममाआड (उरः, भेड़+शंयु, समृद्ध+नु, प्रशंसनीय+रम, हर्षित+मा, धनी+आड, नगर) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है भेड़ों की समृद्धि काहर्षाभिमानी नगर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as crab sign, rope sign, joint letter of conch sign with rake sign, rake sign with vowel u, rope sign, fish sign, fish sign with vowel aa, goad sign, ending with palanquin sign create word urshannuramama aad which mean ' city of breeding and prospering sheeps' in samskrita

खशव

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में खल्लः, शकटारिः, अन्त में व्यजः के चित्रलेख मिलकर खशव शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है खश देश के निवासी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as mortar and pestle sign , wheel sign , ending with fan sign create word ' khashav ' which mean 'resident of khashah or khorasan' in samskrita.

24/393

M-1290 a

M-1290 A

25/298

K-23 A

K-23 a

त्रिशूर्रह

कालीबंगन से प्राप्त इस मुद्रा में तीन खड़ी रेखाओं के बाद उ की मात्रा के साथ शकटारिः, रज्जुः द्वय, अन्त में हंडिकाः से त्रिशूर्रह शब्द निर्मित करते हैं, जो नवपाशाण युगीन केरल के एक नगर का नाम है, जो केरल के चेर राजवंश की राजधानी भी रहा है।

This seal from Kalibangan reads as three vertical lines folloed by swastika sign with vowel u, double rope sign ending with jar sign create word trisurrah which means 'name of Neolithic age city of keral which became capital of cher dynasty '.

गयः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में गिरिः, यज्ञीयः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर गयः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मागध नगर गया।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hill sign , trident sign ending with jar sign create word ' Gayah ' which mean ' city of Gaya' in samskrita.

26/398

M-1307 A

M-1307 a

27/195

M-58 a

M-58 A

M-14 A

M-14 a

सुगयः
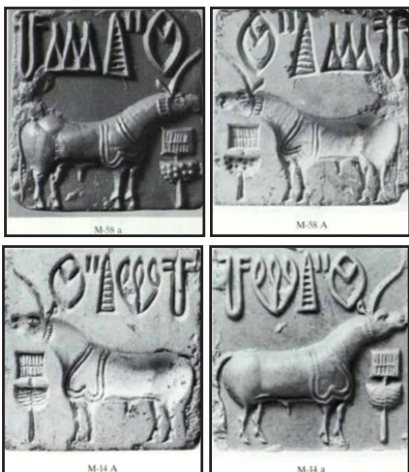
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् से सू गिरिः से ग यज्ञीयः से य अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सूगयः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सुन्दर गया नगरी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u then hill sign , trident sign ending with jar sign create word sugayah which means 'beautiful city of Gaya' in samskrita.

सुगयचराययः

मोहन जो दड़ो से प्राप्तइस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् , गिरिम् , यज्ञीयः, चन्द्रकः, आ की मात्रा के साथ रज्जुः, यज्ञीयः द्वय अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सुगयचराययः (सुगयः,गया की+चरः,द्यूत से +आयः,आय+यः, मिली) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है गया से प्राप्त द्यूत की आय।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, hill sign, trident sign, hieroglyph for chandrakah , rope sign with vowel aa , double trident sign ending with jar sign create word sugayacharayayah which mean 'gambling income from Gaya' in samskrita.

28/459

M-245 a

M-245 A

29/118

सूरशेनस

इस मुद्रा में उ की स्वरलिपि के साथ स्वास्तिक के बाद एक खड़ी रेखा से रज्जुः फिर ए की स्वरलिपि के साथ शंख फिर निर्दात्रंअन्त में स्वास्तिकः से मिलकर शब्द सूरशेनस बनता है, जो मथुरा का प्राचीन नाम है।

This seal depicts hieroglyph for swastikah with vowel u followed by single vertical line for rope sign rajjuh then conch sign shankhah with vowel e then rake sign nirdatram ending in swastikah making word surshenas which is old name for Mathura.

सूमागः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ स्वास्तिकः, आ की मात्रा के साथ मीनम् , गुवाकदरः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सूमागः (सूमः,दुग्ध+ अगः वृक्ष) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दुग्धयुक्त वृक्षयथा रबड़,बरगद,पीपल आदि। यह बरगद के वृक्षों वाले नगर वडोदरा की मुद्रा भी हो सकती है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for swastika with vowel u , fish sign with vowel aa, betel nut cutter sign ending with jar sign create word ' sumagah ' which mean 'Laticiferous trees like Rubber and palnts of Ficus Family' in samskrita.This could also be seal of city of Banyan Trees Vadodara.

30/388

M-1136 a

M-1136 A

विधिक मुद्रायें

Legal Seals

निरूधिः

देसलपुर से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ निर्दात्रं, उ की मात्रा के साथ रज्जुः, अन्त में इ की मात्रा के साथ धन्वः एवं हंडिकाः से निरूधिः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ बंदी या कैदी से है।

This seal from Desalpur reads as rake sign with vowel i,rope sign with vowel u, bow sign with vowel i ending with jar sign create word nirudhih which means 'Under trial Prisoner ' in samskrita

1/301

Dlp-3 A

2/364

M-780 A

M-780 a

सुतःननयः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, हंडिकाः संग तुलाधरः, निर्दात्रं द्वय, यज्ञीयः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सुतःननयः (सुतः,राजा+न,सम+नयः,आचरण) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है राजोचित आचरण।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, jar sign with bearer sign, double rake sign with trident sign ending with jar sign create word ' sutah nanayah' which mean ' kingly behaviour' in samskrita

सुखत्रए

3/365

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, खल्लः, तीन खड़ी रेखायें, एषणः, के चित्रलेख मिलकर सुखत्रए (सुख, उपयुक्त+त्रै,सहारा) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है उपयुक्त सहारा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, mortar and pestle sign, three vertical lines, ending with arrow sign create word' sukhatrae' which mean' proper refuge' in samskrita

M-781 a

M-781 A

4/366

M-786 A

M-786 a

भूः मा ओमः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः, हंडिकाः, आ की मात्रा के साथ मीनम्, ओम के चित्रलेख अन्त में हंडिकाः मिलकर भूः मा ओमः (भूः,भूमि+मा,सीमांकन+ओमः,स्वीकृति) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है भूमि सीमांकन की स्वीकृति।

This seal from Mohan Jo Daro reads as bellow sign with vowel u, jar sign, fish sign with vowel aa , hieroglyph for om, jar sign create word ' bhuh ma omah' which mean ' formal acceptance of limitation of land' in samskrita

5/169

ऐन्शतः

H-152 A

H-152 a

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में एषणः एवं निर्दात्रं के संयुक्ताक्षर के बाद शंखम् के चित्रलेख के बाद हंडिका एवं तुलाधरः के संयुक्ताक्षर से ऐंशतः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अपराध (एनस्) वश (तः)।

This seal from Harappa reads as joint letter of rake sign and arrow sign for ain , conch sign followed by tuladharah with jar sign for visargah speaks ainshatah in samskrit means criminally.

ऐंशतहन

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में एषणः एवं निर्दात्रं के संयुक्ताक्षर के बाद शंखम् के चित्रलेख के बाद हंडिका एवं तुलाधरः के संयुक्ताक्षर अन्त में निर्दात्रं से ऐंशतहण शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अपराध (एनस्)वशात (तहन्)।

This seal from Harappa reads as joint letter of rake sign and arrow sign for ain , conch sign followed by tuladharah with jar sign for visargah ending in nirdatram speaks ainshatahan in samskrit means for sinfully.

6/170

H-160 a

H-160 A

वयहे ऐंशतः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में व्यजः, यज्ञीयः, ए की मात्रा के साथ हंडिकाः तत्पश्चात एषणः एवं निर्दात्रं के संयुक्ताक्षर के बाद शंखम् के चित्रलेख अन्त में हंडिका एवं तुलाधरः के संयुक्ताक्षर से वयहे ऐंशतः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पक्षियों के प्रति (वयहे) अपराध (एनस्)वश (तः)।
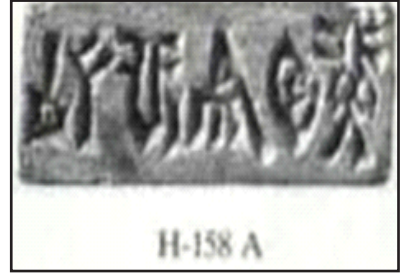
This seal from Harappa reads as fan sign, trident sign, jar sign with vowel e followed by joint letter of rake sign and arrow sign for ain , conch sign followed by bearer sign with jar sign for visargah speaks vayahe ainshatah in samskrit means of sins(enas)against birds.

7/171

H-158 A

H-158 a

8/172

H-154 A

H-154 a

सैंशतः
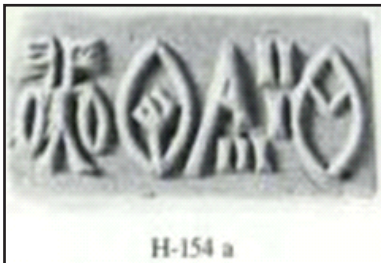
हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में सम्बाधम् एवं इ के चित्रलेख से सि के बाद एषणः एवं निर्दात्रं के संयुक्ताक्षर के बाद शंखम् के चित्रलेख के बाद हंडिका एवं तुलाधरः के संयुक्ताक्षर से सैंशतः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है बंधन (सैं) करने के अपराध (एनस्) वश (तः)।

This seal from Harappa reads as sambadham with hieroglyph for i, joint letter of rake sign and arrow sign for ain , conch sign followed by tuladharah with jar sign for visargah speaks shainshatah in samskrit means end of sins(enas) of keeping hostage.

रसहेऐंशतः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः स्वास्तिक ए की मात्रा के साथ हंडिकाः से रसहे के बाद एषणः एवं निर्दात्रं के संयुक्ताक्षर के बाद शंखम् के चित्रलेख के बाद हंडिका एवं तुलाधरः के संयुक्ताक्षर से रसहे ऐंशतः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मदिरा (रसहे) के अपराध (एनस्) वश (तः)।

This seal from Harappa reads as rope sign followed by swastika sign ending with jar sign with vowel e then joint letter of rake sign and arrow sign for ain , conch sign followed by tuladharah with jar sign for visargah speaks rasahe ainshatah in samskrit means sins(enas) of vine(somrasah).

9/173

H-143 A

H-143 a
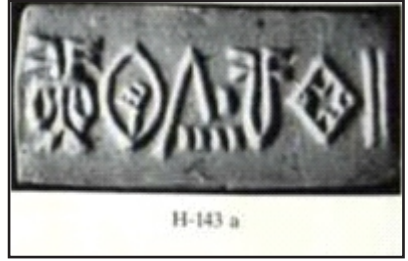
10/174

खसहे ऐंशतः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में खल्लः, स्वास्तिक, ए की मात्रा के साथ हंडिकाः से खसहे के बाद एषणः एवं निर्दात्रं के संयुक्ताक्षर के बाद शंखम् के चित्रलेख के बाद हंडिका एवं तुलाधरः के संयुक्ताक्षर से रसहे ऐंशतः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है खश के निवासियोंके प्रति (खसहे) अपराध (एनस्) वश (तः)।

This seal from Harappa reads as mortar sign followed by swastika sign ending with jar sign with vowel e then joint letter of rake sign and arrow sign for ain , conch sign followed by tuladharah with jar sign for visargah speaks khasahe ainshatah in samskrit means sins(enas) against Khash people (residents of khash).

ओं मेमः छाय ऐंशतः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में ओम् के चित्रलेख के बाद ए की मात्रा के साथ मीनम् पुनः मीनम् एव हंडिकाः तत्पश्चात आ की मात्रा के साथ छत्रकम् एवं यज्ञीयः अन्त में एषणः एवं निर्दात्रं के संयुक्ताक्षर के बाद शंखम् के चित्रलेख के बाद हंडिका एवं तुलाधरः के संयुक्ताक्षर से ओम् मेमः छाय ऐं शतः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दुर्गा (छाय) के ईश्वरीय (ओम्) वचनों (मीमाः) के प्रति अपराध (एनस्) वश (तः)।

This seal from Harappa reads as hieroglyph for omah fish sign with vowel e again fish sign with jar sign for mimah followed by mushroom sign with vowel aa for chha and trident for ya then joint letter of rake sign and arrow sign for ain , conch sign followed by tuladharah with jar sign for visargah speaks rasahe ainshatah in samskrit means sins(enas) against devine words of Goddess Durga (blasphemy).

11/175

H-132 A

H-132 a

12/176

H-58 A

H-58 a

मीमेयायाः ऐंशतः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ मीनम् ए की मात्रा के साथ मीनम् आ की मात्र के साथ यज्ञीयः युग्म अन्त में हंडिकाः से मीमेयायाः के बाद एषणः एवं निर्दात्रं के संयुक्ताक्षर के बाद शंखम् के चित्रलेख के बाद हंडिका एवं तुलाधरः के संयुक्ताक्षर से मीमेयायाः ऐंशतः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मैथुन सम्बन्ध स्थापित करने की याचना (यायाः) के शब्द (मीमः) के अपराध (एनस्) वश (तः)।

This seal from Harappa reads as fish sign with vowel I fish sign with vowel e double trident with vowel aa endng with jar sign then joint letter of rake sign and arrow sign for ain , conch sign followed by tuladharah with jar sign for visargah speaks mimeyayah ainshatah in samskrit means sins(enas) of fucking moans(mime yayah) or Rape.

रैंशतः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः के बाद एषणः एवं निर्दात्रं के संयुक्ताक्षर के बाद शंखम् के चित्रलेख के बाद हंडिका एवं तुलाधरः के संयुक्ताक्षर से रैंशतः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अग्नि (रः) के अपराध (एनस्) वश (तः)।

This seal from Harappa reads as rope sign followed by joint letter of rake sign and arrow sign for ain , conch sign followed by tuladharah with jar sign for visargah speaks rainshatah in samskrit means sins(enas) of fire(rah) or Arson.

13/177

H-146 A

H-146 a

14/528

M-371 a

M-371 A
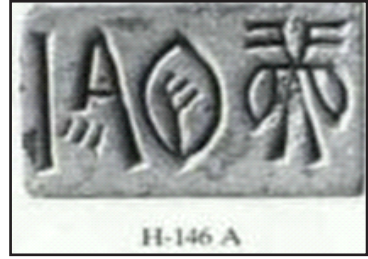
ऐन्शतः रपकिव्व

(अपराध वश निष्ठुर सम)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में एषणः एवं निर्दात्रं के संयुक्ताक्षर, शंखम्, तुलाधरः एवं हंडिकाः के संयुक्ताक्षर, रज्जुः, पर्णम्, इ की मात्रा के साथ कलेवरम् अन्त में व्यजः द्वय के चित्रलेख मिलकर ऐन्शतः रपकिव्व (एनस,अपराध+तः, वश+रेपक, निष्ठुर+ इव्व, समान) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है क्रूरता के अपराधवश।

This seal from Mohan Jo Daro reads asjoint letter of arrow sign with rake sign, conch sign, joint letter of bearer sign with jar sign, rope sign, leaf sign,human sign with vowel i, ending with double fan sign create word ainshatah repkivva which mean ' equivalent to sin of cruelty' in sanskruta.

धिक्क

15/453

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ धन्वः, अन्त में कलंवरम् द्वय के चित्रलेख मिलकर धिक्क शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तिरस्कार करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as bow sign with vowel i, ending with double human sign create word dhikka which mean 'to condemn' in samskrita.

M-191 a

M-191 A

16/380

M-901 A

M-901 a

सूधिक्क

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, इ की मात्रा के साथ धन्वः ,कलेवरम् द्वय, के चित्रलेख मिलकर सूधिक्क (सू, फलदाता+धिक्क,तिरस्कार) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है फलदाता का तिरस्कार अर्थात कृतघ्नता।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, bow sign with vowel i, double human sign create word ' sudhikka' which mean 'ungrateful man' in samskrita.

धिक नट

17/417
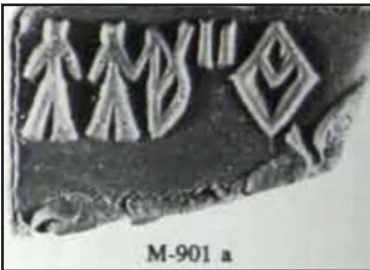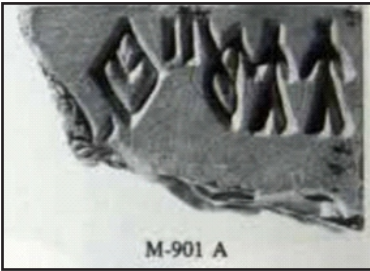
धोखे से क्षति पहुचाने की निंदा करना

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ धन्वः, कलेवरम्, निर्दात्रम्, टंकः, के चित्रलेख मिलकर धिकनट (धिक्, निन्दा करना+नट,धोखे से हानि पहुँचाना) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है धोखे से क्षति पहुचाने की निन्दा करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as bow sign with vowel i, human sign, rake sign , axe sign, word dhik nat which mean 'condemnation of betrayal' in samskrita

M-13 a

M 13-A

18/458

M-243 A

M-243 a

पापीसिवधि

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में आ की मात्रा के साथ पुष्कलकम्, इ की मात्रा के साथ पर्णम् , इ की मात्रा के साथ संवरणम्, व्यजः, इ की मात्रा के साथ धन्वः के चित्रलेख मिलकर पापिसिवधि (पापी,अपराधी+सिव,एकत्र करना+धि,निषेध) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पापियों को एकत्रित करना निन्दनीय।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wedge sign with vowel aa, leaf sign with vowel i, mask sign with vowel i , fan sign ending with bow sign with vowel i create word papisivadhi which mean 'criminal company should be condemned, gangster act' in samskrita.

सु भूः क

(अच्छी भूमि का स्वामी)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः, अन्त में हंडिकाः के साथ कलेवरम् के चित्रलेख मिलकर सुभूहक (सु,अच्छी+भूः,भूमि्+कः,स्वामी) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छी भूमि का स्वामी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, bellow sign with vowel u, jar sign, ending with human sign create word subhuhaka which mean 'owner of good land' in samskrita

19/418

M-15 a

M-15 A

20/419

M-16 a

M-16 A

छुर त्रयंकश

तीन अंकों में विभाजित करना

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ छत्रकम्, रज्जुः, तीन खड़ी रेखायें, निर्दात्रम् संग कलेवरम् अन्त में शकटारिः के चित्रलेख मिलकर छुर त्रयंकश (छुरम्,विभक्त करना+त्रयः, तीन+अंकश,भाग) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तीन हिस्सों में विभाजित करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as mushroom sign with vowel u, rope sign, three vertical lines,rake sign, human sign , ending with wheel sign create word chhur traynkash which mean ' divide in three parts' in samskrita

सटत्रय

21/225

हड़प्पा तथा लोथल से प्राप्त इन मुद्राओं में सम्बाधम् टंकः तीन रेखाओं से त्र अन्त में यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर सटत्रय (सट ,विभाजित करना+त्रय ,तीन) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तीन भाग में बॉटना है।

This seal from Harappa and Lothal reads as vulva sign,axe sign ending with three vertical lines with trident sign create word sat traye which means 'devide into three parts' in samskrita.

H-54 A

H-54 a

L-29 A

L-29 a

22/506

M-80 A

M-80 a

सटरेत्रेतः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में सम्बाधम्, टंकः, ए की मात्रा के साथ रज्जुः, तीन खड़ी रेखायें, तुलाधरः एवं हंडिकाः के संयुक्ताक्षर, के चित्रलेख मिलकर सटरेत्रेतः (सट, बांटना+रे, हे+त्रेतः, तीन भागों में) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में तीन भागों में बांटने का निर्देश।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign, axe sign, rope sign with vowel e,numeral three, joint letter of bearer sign with jar sign , create word satretretah which mean 'divide in three parts ' in sanskruta.

सट सेशन

23/336

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में सम्बाधम्, टंकः, ए की मात्रा के साथ स्वास्तिकः, अन्त में निर्दात्रम् के साथ शल्लकीः के चित्रलेख मिलकर सट सेशन (सट, बांटना+शेषन, अवशेष को) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अवशेष का विभाजन ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign, axe sign ,swastika sign with vowel e ending with rake sign with porcupine sign create word sat seshan which mean ' divide remaining' in samskrita.

M-976 A

M-976 a

खत्रए

24/24

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में खल्लः के बाद तीन रेखाओं से त्र एषणः से ए मिलकर खत्रए (तालाब) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तालाब है।

This seal from Harappa reads as mortar and pestle sign followed by three vertical lines ,arrow sign create word khatrae which means 'pond' in samskrita.

H-53 a

H-53 A

मा काति

(तिरस्कार न करें)

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में आ की मात्रा के साथ मीनम्, आ की मात्रा कें साथ कलेवरं अन्त में इ की मात्र के साथ तुलाधरः से मा काति (मा, निषेध+काति, तिरस्कार करना) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ तिरस्कार निषेध है।

This seal from Lothal reads as fish sign with vowel aa,human sign with vowel aa, ending with bearer sign with vowel i create word ma kati which means 'forbidding scornful behavior ' in samskrita.

25/287

L-38 A

L-38 a

26/445

M-153 A

M-153 a

ऊन्कर्ष

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उर्णनाभः, निर्दात्रं संग कलेवरम्, रज्जुः के चित्रलेख के मध्य सरण्डः के चित्रलेख मिलकर ऊन्कर्षः (ऊन्+कर्षः) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अपर्याप्त कृषि।

This seal from Mohan Jo Daro reads as crab sign , rake sign with human sign , bird sign amidst rope sign create word unkarsha which mean 'insufficient agriculture' in samskrita.

सकटुरः (सकट उरः)

27/203

M-99 a

M-99 A

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में सम्बाधम् के साथ कलेवरं के बाद उ की मात्रा के साथ टंकः रज्जुः से र अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सकटुरः (सकट,कुत्सित+उरः, छाती) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है कुटिल दिलवाला।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with kalevaram,axe sign with vowel u ,rope sign, ending with jar sign create word sakturah which means 'bad hearted man' in samskrita.

28/321

M-750 a

M-750 A

शरेण्णयः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शकटारिः, ए की मात्रा के साथ रज्जुः, निर्दात्रम् द्वय संग यज्ञीयः, अन्त में हंडिकाः से शरेण्णयः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है शरण प्राप्त करने योग्य।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign,rope sign with vowel e, double rake sign with trident sign ending with jar sign create word sharennayah which means 'refugee' in samskrita.

व्याटत्रत्र

29/123

इस मुद्रा में व्यजः, आ की मात्रा के साथ यज्ञीयः टंकः एवं दो बार त्र के लिये तीन खड़ी रेखायें मिलकर व्याट त्र त्र (व्याट, बदमाश+त्र,मुक्ति+त्र,रक्षा) शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है बदमाशों से रक्षा करना।

This seal depicts fan sign hieroglyph for vyajah, trident sign yajniyah with vowel aa, axe sign tankah and ending in three vertical lines twice for tra tra creating word vyatatraetra meaning in samskrit as relief from goons,prabably signage for police.

M-734 A

M-734 a

30/185

H-46 a

H-46 A

मींचः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ मीनम् के चित्रलेख के बाद अनुनासिक के साथ चन्द्रकः अन्त में हंडिका से मींचः (मी,मार डालना+चह,धोखा देना) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है धोखे से मार डालना।

This seal from Harappa reads as fish sign with vowel i then hieroglyph for na and chandrakah ending with jar sign create word minchah which means 'killing by deceit' in samskrita.

मी माए
(माया नष्ट करना)

31/184

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ मीनम् के चित्रलेख के बाद आ की मात्रा के साथ मीनम् अन्त में एषणः से ए से मी माए (मी, मार डालना+माए, माता) शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मातृहत्या।

This seal from Harappa reads as fish sign with vowel i then fish sign with vowel aa ending with arrow sign create word mimae which means 'killing mother' in samskrita.

H-148 A

H-148 a

32/69

M-385 A

M-385 a

सूच्य

यह मुद्रा उ की स्वरलिपि के साथ संबाधम् चार खड़ी रेखाओं तथा यज्ञीयः के चित्रलेख से मिलाकर सूच्य शब्द निर्मित करती हैं, जिसका संस्कृत में अर्थ है सूचित करने योग्य।

This seal tamplate shows vulva sign with vowel u, four vertical lines ending with trident sign creating word suchya meaning informing.

सूच्यज

33/80

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की स्वरलिपि के साथ संबाधम् से सू फिर चार खड़ी रेखायें पुनश्च यज्ञीयः के चित्रलेख से य अन्त में जालकं के चित्रलेख से ज को मिलाकर सूच्यज शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ सूचना जन्य है।

This seal from Mohan Jo Daro reads vulva sign with vowel u , four vertical lines,trident sign, ending with window sign create word suchyaj in samskrit meaning spread by information(rumours).

M-278 A

M-278 a

34/599

H-55 A

H-55 a
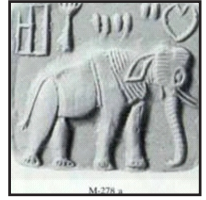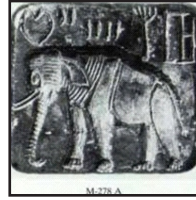
धिकसूच्य

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ धन्वः, कलेवरम्, उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, चार खड़ी रेखाओं से च, यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर धिकसूच्य (धिक, निषिद्ध+सूच्य, सूचित करने योग्य) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सूचित न करने योग्य़, गोपनीय।

This seal from Harappa reads as bow sign with vowel i, human sign, vulva sign with vowel u, four vertical lines, trident sign create word dhiksuchya which mean ' not to be informed, confidential' in samskrita.

धीरुषओममिखत्रए

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ धन्वः, उ की मात्रा के साथ रज्जुः, शंखम्, ओमः, इ की मात्र के साथ मीनम्, खल्लः, तीन खड़ी रेखायें अन्त में एषणः के चित्रलेख मिलकर धीरुषओम मिखत्रए (धीर, गहरा+उश, उपभोगार्थ+ओमः, स्वीकृति+मि, स्थापित करने हेतु+खत्रए, तालाब) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है उपभोगार्थ गहरा तालाब स्थापित करने की स्वीकृति।

This seal from Harappa reads as bow sign with vowel i, rope sign with vowel u, conch sign, hieroglyph for omah, fish sign with vowel i, mortar and pestle sign three vertical lines, ending with arrow sign create word dhirushommikhtrae which mean 'grant for creating deep pond' in samskrita.

35/594

H-44 A

H-44 a

36/592

H-40 a

H-40 A

कृष्टेमिओमः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में कृपाणी, शंखम्, ए की मात्रा के साथ टंकः, इ की मात्रा के साथ मीनम्, ओमः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर कृष्टेमिओमः (कृष्टेमि, हल चलाकर जोतने की+ओमः,स्वीकृति) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है हल चलाकर जोतने की स्वीकृति।

This seal from Harappa reads as scissors sign, conch sign, axe sign with vowel e, fish sign with vowel i, hieroglyph for omah ending with jar sign create word krishtemiomah which mean ' grant for ploughing' in samskrita.

37/586

शेओममामेपः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में ए की मात्रा के साथ शकटारिः, ओम आ की मात्रा के साथ मीनम्, ए की मात्रा के साथ मीनम्, पर्णः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शेओममामेपः (शि, मांगलिक+ओम,स्वीकृति करना+मा, निषेध+मेपः, हिलना जुलना) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मांगलिक स्वीकृति में असमंजस निषिद्ध है।

This seal from Harappa reads as wheel sign with vowel e, omah, fish sign with vowel aa, fish sign with vowel e, leaf sign, ending with jar sign create word sheommamepah which mean 'shakiness is prohibited while granting for auspicious cause' in samskrita.

H-26 a

H-26 A

38/585

H-25 A

H-25 a

द्वादशामिखत्रशत्रिरः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में बारह खड़ी रेखायें, इ की मात्रा के साथ मीनम्, खल्लः, तीन खड़ी रेखायें, शंखम्, तीन खड़ी रेखायें, रज्जुः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर द्वादशामिखत्रशत्रिरः (द्वादश, बारह+मि,स्थापित करना+खत्र, तालाब+शत्रि, हाथी+रः,चाल) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है हाथियों की राह पर बारह तालाब स्थापित करना।

This seal from Harappa reads as twelve vertical lines, fish sign with vowel i, mortar and pestle sign, three vertical lines, conch sign, three vertical lines, rope sign ending with jar sign create word dwadashamikhatrashktrirah which mean ' creating twelve ponds for moving elephants' in samskrita.

अरेशरमवृणसभूः

39/581

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में अंकुशः, ए की मात्रा के साथ रज्जुः, शंखम्, रज्जुः,मीनम्, वृश्चिकः, ण, स्वास्तिकः, भस्त्रिः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर अरेशरमवृणसभूः (अरे ,कनिष्ठ आवाहन+शरम्, जल+वृण ,उपभोग करना+सभूः, स्थान के साथ) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है हे अधीनस्थ प्रदत्त स्थान के साथ जल का उपभोग कर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as goad sign, rope sign with vowel e, conch sign, rope sign, fish sign, scorpion sign, hieroglyph for na, swastika sign , bellow sign, ending with jar sign create word aresharamvrinsabhuha which mean 'permission for use of land and water' in samskrita

H-20 a

H-20 A

40/545

M-268 a

M-268 A

शकगिर

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शकटारिः, कलेवरम्, इ की मात्रा के साथ गिरिः अन्त में रज्जुः के चित्रलेख मिलकर शकगिर (शक,मृदुल+गिर,वाणी) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मृदुभाषी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign , human sign , hill sign with vowel i, ending with rope sign create word shakgir which mean 'soft spoken'
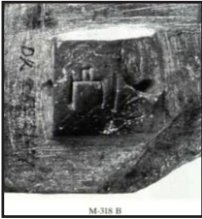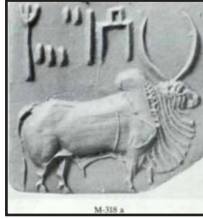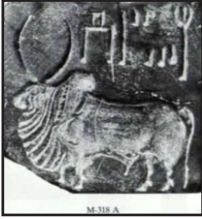
41/547

M-318 A

M-318 a

M-318 B

M-318 b

नरुत्रय नर

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में निबंध, उ की मात्रा के साथ रज्जुः, तीन खड़ी रेखायें अन्त में यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर नरुत्र्य (नर, मनुष्य+उत्रय, श्रेष्ठ) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है नर श्रेष्ठ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hand cuff sign, rope sign with vowel u, three vertical lines ending with trident sign create word narutray which mean 'noble man' in samskrita.

सुनृः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, निर्दात्रं के साथ रज्जुः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सुनृः (सु, अच्छा+ नृः,मनुष्य) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छा आदमी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, joint letter of rake sign with rope sign ending with jar sign create word sunrih which mean 'good man' in samskrita.

42/558

M-364 a

M-364 A

43/548

M-320 a

M-320 A

धिकयहेभूः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ धन्वः, कलेवरम्, यज्ञीयः, ए की मात्रा के साथ हंडिकाः, उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर धिकयहेभूः (धिक,निन्दनीय+ईहे, इच्छा करना+ भूः, नेतृत्व) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है भविष्य में नेतृत्व होने की इच्छा करना निन्दनीय।

This seal from Mohan Jo Daro reads as bow sign with vowel i , human sign ,trident sign, jar sign with vowel e, bellow sign with vowel u ending with jar sign create word dhikyahebhuh which mean 'condemnation of desire of leadership' in samskrita.

मिखत्र द्वादशः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ मीनम्, खल्लः, तीन खड़ी रेखायें, द्वादश संख्या, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर मिखत्राद्वादशः (मि,निर्माण करना+खत्र, तालाब+ द्वादशः, बारह) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है बारह तालाबों का निर्माण करना है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fish sign with vowel i' mortar and pestle sign, three vertical lines, twelve vertical lines ending withjar sign create word mikhatradwadashah which mean "creation of twelwe ponds" in samskrita.

44/559

M-399 A

M-399 a

45/560

M-400 a

M-400 A

शिकिव्व

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शकटारिः संग इ, इ की मात्रा के साथ कलेवरम्, व्यजः द्वय के चित्रलेख मिलकर शिकिव्व (शिक्क, आलसी+इव्व, समान) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है आलसी की तरह।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign with hieroglyph for i, human sign with vowel i, double fan sign create word shikivva which mean 'lazily' in samskrita.

सूचमए

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा संग सम्बाधम्, चार रेखाओं से च, मीनम्, एषणः से सूचमए शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है गुप्तचरी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u,four vertical lines for numeral 4 fish sign, arrow sign create word su chaturth mae which means 'resolution of fourth business loan' in samskrita.

46/273

M-75 a

M-75 A

47/278

H-98 A

H-98 a

षष्ठ मए चष

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में छः खड़ी रेखाओं के बाद्, मीनम्, एषणः, चन्द्रकः, सम्बाधम् से षष्ठ मए चष (षष्ठ, छॅठा+मए, व्यापार+चष, भोजन) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है खाने के छः व्यापार।

This seal from Harappa reads as six vertical lines followed by ,fish sign,arrow sign hieroglyph for chandrakah,vulva sign shashtha mae chash word sum ma kah which means ' sixth food fest' in samskrita.

कायूकिछति

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में आ की मात्रा के साथ कलेवरम्, उ की मात्रा के साथ यज्ञीयः, इ की मात्रा के साथ कलेवरम्, छत्रम्, इ की मात्र के साथ तुलाधरः के चित्रलेख के मिलकर कायुकिछति (कायुक, ब्याज+ईछति, कामना करना) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है ब्याज की कामना करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as human sign with vowel aa, trident sign with vowel u, human sign with vowel ee leaf sign, bearer sign with vowel i create word kayukichhati which mean 'desire of interest' in samskrita.

48/435

M-71 a

M-71 A

49/456

M-135 a bis

M-135 A

रयत्रए

(नदी की रक्षार्थ)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः के चित्रलेख के बाद यज्ञीयः, तीन खड़ी रेखायें अन्त में एषणः के चित्रलेख मिलकर रयत्रए(रयः,नदी +त्रए, रक्षार्थ) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है नदी सुरक्षा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign , trident sign , three vertical lines ending with arrow sign create word rayatrae which mean ' conservation of rivers' in samskrita.

मिमावृणसः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ मीनम्, आ की मात्रा के साथ मीनम्, वृश्चिकः, ण, स्वास्तिकः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर मिमावृणसह (मि,बिखेरना+मा, निषिद्ध+वृण, भोजन+सह, के समय) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है भोजन के समय बिखेरना निषिद्ध है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fish sign with vowel i, fish sign with vowel aa, scorpion sign,swastika sign ending with jar sign create word mimavrinsah which mean 'prohibition of food wastage' in samskrita.

50/567

M-377 A

M-377 a

51/625

M-226 A

M-226 a

रीवृटः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ रज्जुः, वृश्चिकः, टंकः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर रीवृटः (री,हत्या+वृटः,हंस) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है हंस हत्या।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign with vowel i,scorpion sign,axe sign ending with jar sign create word rivritah which mean 'killing of swan' in samskrita.

शुरवयः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ शकटारिः ,रज्जुः, व्यजः, यज्ञीयः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शुरवयः (शुर, हत्या+वयः, पक्षी) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पक्षी हत्या।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign with vowel u, rope sign ,fan sign, trident sign ending with jar sign create word shurvayah which mean 'killing of birds' in samskrita.

52/626

M-300 A

M-300 a

53/628

चरेहूभूहक मिष

M-68 A

M-68 a

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में चन्द्रकः, ए की मात्रा के साथ रज्जुः, उ की मात्रा के साथ हंडिकाः, उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः, हंडिकाः, कलेवरम्, इ की मात्रा के साथ मीनम् अन्त में स्वास्तिकः के चित्रलेख मिलकर चरेहुभुहक मिष (चरेह, जीव+उभः, उभय+उहक, मारना+मिष, स्पर्धा) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है उभयचर जीवों को मारने की प्रतियोगिता।

This seal from Mohan Jo Daro reads as chandrakah, rope sign with vowel e,jar sign with vowel u, bellow sign with vowel u, jar sign ,human sign, fish sign with vowel i, ending with swastika sign create word charehubhuhak mish which mean 'killing spree of amphibians' in samskrita.

Medical Seals
चिकित्सा मुद्रायें

कितः
(चिकित्सा करना)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त यह मुद्रा कलेवरं में इ की स्वरलिपि के साथ तुलाधर एवं हंडिका के संयुक्ताक्षर तः से मिल कर कितः शब्द का निर्माण करती है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है चिकित्सा करना, जिससे यह प्रतीत होता है कि यह किसी चिकित्साकेन्द्र की मुद्रा है।

This sealfrom mohan Jo Daro reads human sign with vowel i and joint letter of bearer sign with jar sign creates word kitah in samskrit it means to heal. Probably this is seal of medical centre.

1/15

M-328 a

M-328 A

2/315

M-717 A

M-717 a

M-783 a

M-783 A

सूरिकि
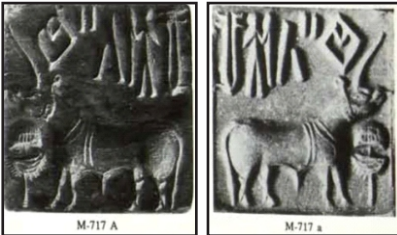
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, इ की मात्रा के साथ रज्जुः, इ की मात्रा के साथ कलेवरं, अन्त में हंडिकाः से सूरिकिः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है चिकित्सा विद्वान, चिकित्सक।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u ,rope sign with vowel i, human sign with vowel i, ending with jar sign create word surikih which means 'doctor or sage of medicine' in samskrita.

सटकितः
(चिकित्सा प्रदर्शन)

3/124

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में सम्बाधम् के चित्रलेख के पश्चात टंकः इ की स्वरलिपि के साथ कलेवरं अन्त में तुलाधरः एवं हंडिका के संयुक्ताक्षर से मिलकर सटकितः शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है चिकित्सा प्रदर्शन। यह सम्भवतः किसी चिकित्सा विद्यालय की मुद्रा है।

This seal from Mohan Jo Daro depicts hieroglyph for sambadham followed by tankah then kalevaram with vowel i ending with joint letter of tuladharah and handikah creating word satakitah which in samskrit means medical management. Probably this seal belongs to medical school.

M-282 a

M-282 A

4/444

M-148 a

M-148 A

ओषः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ अंकुशः, सम्बाधम्, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर ओषः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्रदाह।

This seal from Mohan Jo Daro reads as goad sign with vowel u, vulva sign ending with jar sign create word oshah which mean 'inflamation' in samskrita.

ऋकिः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ रज्जुः, इ की मात्रा के साथ कलेवरं, अन्त में हंडिकाः से ऋकिः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है घाव।

This seal from Mohan Jo Daro reads rope sign with vowel i, human sign with vowel i ending with jar sign create word rikih which means 'wound' in samskrita.

5/260

M-972 A

M-972 a

6/374

M-879 A

M-879 a

ऋकिणः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ रज्जुः, इ की मात्रा के साथ कलेवरम्, निर्दात्रं, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर ऋकिणः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है घाव।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign with vowel i, human sign with vowel i, rake sign , ending with jar sign create word ' rikinah' which mean 'wound' in samskrita

चरेहे ऋका:

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में चन्द्रक:, ए की मात्रा के साथ रज्जु:, ए की मात्रा के साथ हंडिका:, इ की मात्रा के साथ रज्जु:, आ की मात्रा के साथ कलेवरम्, अन्त में हंडिका: के चित्रलेख मिलकर चरेहे ऋका: (चर:,जीव जन्तु+इहे, इच्छित+ऋका:, घाव) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है जीव जन्तु द्वारा दिये घाव।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for chandrakah, rope sign with vowel e, jar sign with vowel e,rope sign with vowel i, human sign with vowel aa ending with jar sign create word ' charehe rikah' which mean ' injuries by animals bite' in samskrita

8/371

M-837 a

M-837 A

7/361

M-709 a

M-709 A

नधिकहेऋकि:

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में निबन्ध:, इ की मात्रा के साथ धन्व:, कलेवरम्,ए की मात्रा के साथ हंडिका:, इ की मात्रा के साथ रज्जु:, इ की मात्रा के साथ कलेवरम् अन्त में हंडिका: के चित्रलेख मिलकर नधिकहे ऋकि: (न, सम+अधिकहे, पूर्ण+ऋकि:, घाव) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पूर्ण घाव।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rake sign, bow sign with vowel i, human sign, jar sign with vowel e, rope sign with vowel i, human sign with vowel i, ending with jar sign create word ' nadhikherikih' which mean 'healed wounds' in samskrita.

र शट

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः शंखम् अन्त में टंकः से र शट (रः, अग्नि+शट,अम्ल) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अम्लाग्नि।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign conch sign ending with axe sign create word ra shata which means 'acidity' in samskrita.

9/262

M-992 a

M-992 A

10/283

H-139 A

H-139 a

गसट

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में गिरिः के बाद सम्बाधम्, अन्त में टंकः से ग सट शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ मैथुनेच्छा का प्रदर्शन है।

This seal from Harappa reads as hill sign,vulva sign ending with axe sign create word ga sat which means ' exhibition of lust or libido ' in samskrita.
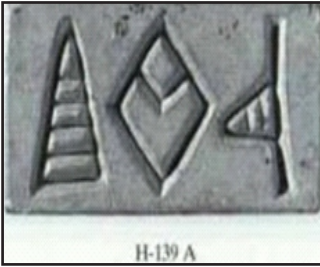
रगसट

11/21

इस मुद्रा में रज्जु के चित्रलेख एक खड़ी रेखा के बाद गिरि, सम्बाधम् अन्त में टंकः के चित्रलेख मिलाकर रगसट शब्द का निर्माण करती है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है प्रेमपूर्ण कामेच्छा का प्रदर्शन (रः,प्रेम+गः,मैथुन+सट,प्रदर्शन)।

This four letter seal has rope sign, hill sign, vulva sign ending in axe sign jointly read as ragsat which means expression of lustful love or increased libido in samskrita.

12/325

M-915 a

M-915 A

र कृति

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः के चित्रलेख के बाद रज्जुः के चित्रलेख के मध्य कलेवरं अन्त में इ की मात्रा के साथ तुलाधरः के चित्रलेख मिलकर र कृति शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्रेम जन्य है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign followed by human sign amidst rope sign ending with bearer sign with vowel i, create word ra kriti which means 'created with love' in samskrita.

सूष्य

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् के बाद सम्बाधम् अन्त में यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर सूष्य शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्रसवोन्मुखी है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u followed by vulva sign ending with trident sign create word sushya which means 'in labour pain' in samskrita.

14/396

M-1297 A

M-1297 a

13/327

M-918 A

M-918 a

सूष्य

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ स्वास्तिकः, यज्ञीयः के साथ शंखम् के चित्रलेख मिलकर सूष्य शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है जननी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for swastika with vowel u, conch sign with trident sign create word' sushy 'which mean' mother' in samskrita.

हे सूष्यः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में ए की मात्रा के साथ हंडिकाः, उ की मात्रा के साथ स्वास्तिकः, यज्ञीयः के साथ शंखम् अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर हे सूष्य शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है हे जननी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as jar sign with vowel e, hieroglyph for swastika with vowel u , conch sign with trident sign ending with jar sign create word ' he sushyah ' which mean 'o mother' in samskrita.

15/385

M-1119 A

M-1119 a

16/397

M-1306 A

M-1306 a
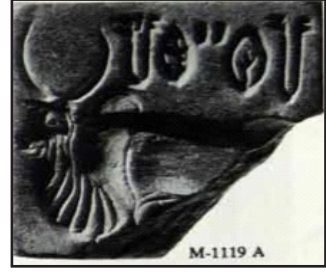
शूष्य वयः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ शकटारिः, यज्ञीयः के साथ शंखम् , व्यजः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शूष्य वयः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है जननी की आयु।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign with vowel u , conch sign with trident sign, fan sign, trident sign ending with jar sign create word ' sushy vayah ' which mean 'age of mother' in samskrita.
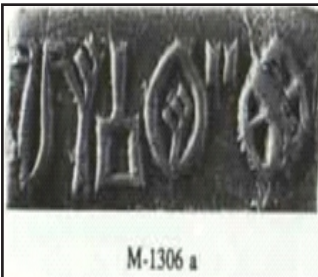
सूष ओम् नमम वयः

17/379

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ स्वास्तिकः, शंखम्, ओम , निर्दात्रं, मीनम् द्वय, व्यजः, यज्ञीयः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सूष ओम् नमम वयः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मातृत्व की आयु को प्रणाम।

This seal from Mohan Jo Daro reads as swastikah sign with vowel u, conch sign , hieroglyph for om, rake sign , double fish sign , fan sign, trident sign ending with jar sign create word ' sush om namam vayah' which mean 'respect the age of motherhood' in samskrita.

M-900 A

M-900 a

18/398

M-1139 a

M-1139 A

शुजननः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ शकटारिः, जालकम् , निर्दात्रं द्वय अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शुजननः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छे माता पिता। यह मुद्रा पशु की पूंछ से सिर की ओर पठनीय है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign with vowel u, window sign, double rake sign ending with jar sign create word 'shujananah ' which mean 'good parents' in samskrita. This seal is read from tail to head of the animal in the seal.

जः (विष)

19/147

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में जालकम् के बाद हंडिका के चित्रलेख से मिलकर जः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है विष।

This seal from Mohan Jo Daro reads as window sign for ja ending with jar sign for visargah speaks jah in samskrit means poison.

M-180 a

M-180 A

20/230

H-183 A

चम धिषण

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में चन्द्रकः मीनम् इ की मात्रा के साथ धन्वः संवरणम् निर्दात्रं के चित्रलेख मिलकर चम धिषणः (चम,पीना+धिषण,प्याला) शब्द निर्मित करते है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्याला भर पीना है।

This seal from Harappa reads as hieroglyph for chandrakah,fish sign, bow sign with vowel i ,hieroglyph for samvarnam ending with rake sign create word cham dhishana which means 'drink a peg' in samskrita.

मारः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में मीन जिसके पेट में एक पड़ी रेखा से मा दो समानान्तर वक्र रेखायें रज्जु से र अन्त में हंडिका से विसर्ग मिलाकर मारः शब्द का निर्माण करती हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है धतूरा। इससे यह प्रतीत होता है कि यह धतूरा के व्यापार की मुद्रा है।

This seal from Mohan Jo Daro reads three letters as meenam with a horizontal line in it pronouncing ma followed by two parallel lines depicting ra ending in handikah as visargah jointly reads as maarah मारः which in samskrit means as thorn apple धतूरा

21/18

M-945 A

M-945 a

22/340

M-1166 A

M-1166 a

सुमारः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, आ की मात्रा के साथ मीनम्,रज्जुः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सुमारः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छा धतूरा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, fish sign with vowel aa ,rope sign ending with jar sign create word sumarah which mean 'good thorn apple' in samskrita.

मि मारः
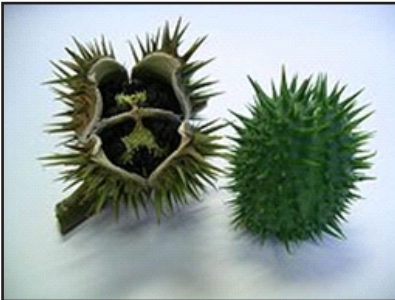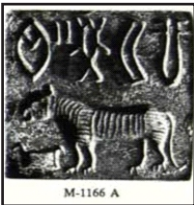
लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ मीनम् आ की मात्रा कें साथ मीनम् , रज्जुः के चित्रलेख अन्त में हंडिकाः से मि मारः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ धतूरे की प्रत्यक्ष तौल से है।

This seal from Lothal reads as fish sign with vowel i,fish sign with vowel aa, rope sign ending with jar sign create word mi marah which means 'measures of thorn apple' in samskrita.

23/292

L-111 A

L-111 a

24/87

M-7 A

M-7 a

सूमारार्काः पि छाय

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की स्वरलिपि के साथ संबाधम् के चित्रलेख, आ की स्वरलिपि के साथ मीनं का चित्रलेख, आ की स्वरलिपि के साथ रज्जुः के चित्रलेख, रज्जुः के चित्रलेख के मध्य आ की स्वरलिपि के साथ कलेवरम् के चित्रलेख अन्त में विसर्ग के लिये हंडिका का चित्रलेख मिलकर सूमारार्काः ततपश्चात इ की मात्र के साथ पर्णः, आ की मात्रा के साथ छत्रकम्, अन्त में यज्ञीयः से पि छाय शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है अच्छी श्रेणी का धतूरे का रस पी कर भ्रम का आनन्द।

This seal from Mohan Jo Daro reads vulva sign sambadham with vowel u, fish sign meenam with vowel aa, rope sign rajjuh with vowel aa, human sign kalevarm with vowel aa inside rope sign rajjuh ending in jar sign handikah followed by leaf sign with vowel i, mushroom sign with vowel aa, trident sign creating words sumararkah pi chhay which in samskrit mean good quality juice of dhatura which gives good illusion or kick.

रसह

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः स्वास्तिकः अन्त में हंडिकाः से रसः शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मदिरा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign swastikah ending with jar sign create word rasah which means 'liquor ' in samskrita.

25/248

H-586 a

H-586 A

26/554

M-403 a

M-403 A

किऐरिय
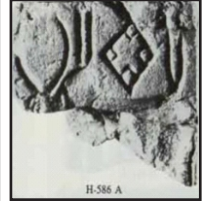
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ कलेवरम्, एषणः, इ की मात्रा के साथ रज्जुः अन्त में यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर किऐरिय (कितः, चिकित्सा+ऐरिय, अन्न जनित मदिरा) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अन्न जनित मदिरा से चिकित्सा यथा व्हिस्की।

This seal from Mohan Jo Daro reads as human sign with vowel i, arrow sign, rope sign with vowel i , ending with trident sign create word kiaeriy which mean 'treatment with liquor made of grains like whisky' in samskrita

शमिमारः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शंखम्, इ की मात्रा के साथ मीनम्, आ की मात्रा के साथ मीनम्, रज्जुः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शमिमारः (शमि, शमनकर्ता+मारः,काम) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है कामजयी यथा शिव।

This seal from Mohan Jo Daro reads as conch sign, fish sign with vowel i, fish sign with vowel aa , rope sign ending with jar sign create word shamimarah which mean 'control over lust' in samskrita.

27/555

M-405 A

M-405 a

28/562

M-367 A

M-367 a
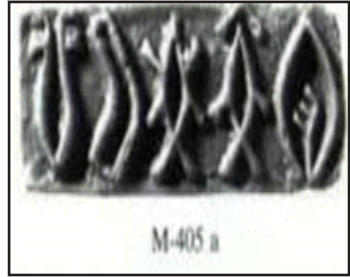
णिरुईमे

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ ण्, उ की मात्रा के साथ रज्जुः अन्त में ई के चित्रलेख के मध्य ए की मात्रा के साथ मीनम् के चित्रलेख मिलकर णिरुईमे (णि, निषेध+ रु, शोर करना+ईमे,यहां) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है इस स्थान पर शोर करना मना है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for na with vowel i, rope sign with vowel u, ending with fish sign with vowel e amidst hieroglyph for ee create word niruime which mean 'no noise here' in samskrita.

चपप्शन्न

29/564

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में चन्द्रकः, पर्णम् द्वय, शकटारिः अन्त में निर्दात्रं द्वय के चित्रलेख मिलकर चपप्शन्न (चप, पीसकर +प्स,खाना+अन्न,अनाज) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अनाज पीस कर खाना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for chandrakah, double leaf sign, wheel sign ending with double rake sign create word chappshanna which mean 'grains eaten after grinding' in samskrita.

M-373 a

M-373 A

30/375

M-881 a

M-881 A

गवरीम

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में गिरिः, आयताकार व्यजः, इ की मात्रा के साथ रज्जुः, अन्त में मीनम् के चित्रलेख मिलकर गवरीम शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है गोरोचन या हल्दी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hill sign, rectangular fan sign, rope sign with vowel i, ending with fish sign create word ' gavarim' which mean 'turmeric or gorochan' in samskrita.

चिहेर

31/19

मोहन जो दड़ो से प्राप्त यह त्रयाक्षरी मुद्रा इ की मात्रा के साथ चन्द्रकः के चित्रलेख से च ए की मात्र के साथ हंडिकाः, अन्त में रज्जु के लिये दो समानान्तर खड़ी रेखाओं से र को मिलाकर चिहेर (चि+हेरम्) का संस्कृत में अर्थ है हल्दी का ढेर।

This tri syllabic seal reads as hieroglyph for chandrakah with vowel i, jar sign with vowel e, ending with rope sign create word chiher which means as pile of turmeric.

M-257 a

M-257 A

32/335

M-974 a

M-974 A

चिहेरः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ चन्द्रकः, ए की मात्रा के साथ हंडिकाः, रज्जुः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर चिहेरः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है हल्दी का ढेर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for chandrakah with vowel i, jar sign with vowel u , rope sign ending with jar sign create word chiherah which mean 'pile of turmeric' in samskrita.

सरेभूः

33/600

H-56 a

H-56 A

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में स्वास्तिकः, ए की मात्रा के साथ रज्जुः, उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सरेभूः (सरः, नमक+भूः, भूमि) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है ज़मीनी नमक या सेंधा नमक।

This seal from Harappa reads as swastikah, rope sign with vowel e, bellow sign with vowel u, ending with jar sign create word sarebhuh which mean ' rock salt' in samskrita.

34/37

L-41 a

L-41 A

सूमः

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् के चित्रलेख के पश्चात मीनम् एवं हंडिका के चित्रलेख मिलकर सूमः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत में अर्थ दुग्ध अथवा जल होता है।

This seal from Lothal reads vulva sign with vowel u, fish sign, ending with jar sign creates word sumah meaning milk in samskrita.

उधिषी

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उर्णनाभः, इ की मात्रा के साथ धन्वः अन्त में इ की मात्रा के साथ संवरणम् से उधिषी शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ दुधारू है।

This seal from Harappa reads as crab sign ,bow sign with vowel i ,mask sign with vowel i create word udhishi which means ' milk ' in samskrita

35/284

H-144 A

H-144 a

36/368

M-827 a

M-827 A

सूमाइम

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, आ की मात्रा के साथ मीनम्, ई के चित्रलेख के मध्य मीनम् मिलकर सूमाइम शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है यह दुधारू।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, fish sign with vowel aa, fish sign amidst hieroglyph for ee create word   'suma eem' which mean ' this milk' in samskrita

सूममयत्रए

37/372

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, मीनम् द्वय, यज्ञीयः, तीन खड़ी रेखायें, अन्त में एषणः के चित्रलेख मिलकर सूममयत्रए शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दुधारू पशुओं की रक्षार्थ।
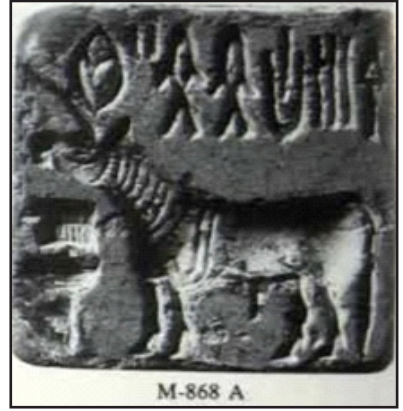
This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, double fish sign, trident sign , three vertical lines, ending with arrow sign create word ' summaytrae' which mean 'savior to milk animals' in samskrita.

M-868 A

38/84

M-1109 a

M-1109 A

शूमए

मोहन जो दड़ो से प्राप्त यह मुद्रा शकटारिः (पहिये) के साथ उ की स्वरलिपि दो छोटी खड़ी रेखायें सू मत्स्य से म तथा एशणः से ए को मिलाकर शूमए शब्द का निर्माण करता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है जल अथवा दुग्ध। यह सम्भवतः दुग्ध व्यापार की मुद्रा थी।

This seal from Mohan Jo Daro reads wheel sign with two short lines for vowel u followed by fish sign meenam ending in arrow sign eshanah jointly reads as sumae with samskrit meaning water or milk.

सूमए
(जल या दुग्ध)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त यह मुद्रा संबाधम् (योनि) के साथ उ की स्वरलिपि दो छोटी खड़ी रेखायें सू मत्स्य से म तथा एषणः से ए को मिलाकर सूमए(जल या दुग्ध) शब्द का निर्माण करता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है जल अथवा दुग्ध। यह सम्भवतः दुग्ध व्यापार की मुद्रा थी।

This seal from Mohan Jo Daro reads sambadham with two short lines for vowel u followed by meenam ending in eshanah jointly reads as sumae with samskrit meaning water or milk.

39/85

40/275

M-79 A

M-79 a
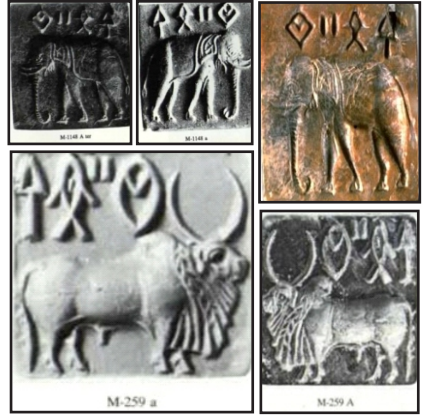
सूम मा काः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा संग सम्बाधम्, मीनम्, आ की मात्रा के साथ मीनम्, आ की मात्रा के साथ कलेवरं अन्त में हंडिकाः से सूम मा काः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दुग्ध का माप क्या है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u,fish sign, fish sign wth vowel aa, human sign with vowel aa ending with jar sign create word sum ma kah which means ' what is measure of milk' in samskrita.

पयस
(दुग्ध)

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में पुष्कलकः, यज्ञः, सम्बाधम् के चित्रलेख मिलकर पयस शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दुग्ध।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wedge sign , hieroglyph for yajnah , vulva sign create word 'payas ' which mean 'milk' in samskrita.

41/404

H-473 a

H-473 A

42/235

M-31 a

M-31 A

शरेमावार्षः
(नदी किनारे का जल)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शकटारिः, ए की मात्रा के साथ रज्जुः,आ की मात्रा के साथ मीनम्, आ की मात्रा के साथ व्यजः, रज्जुः के मध्य सरण्डः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शरेमाावार्षः (शरेम,जल+अवारः,नदी किनारे +सह,संग) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तटनीरम्, नदी किनारे का जल, तमिल में तन्नी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign, rope sign with vowel e, fish sign with vowel aa, fan sign with vowel aa, hieroglyph for sarandah amidst rope sign, ending with jar sign create word sharemavarshah which means 'shore water' in samskrita. Tanni in tamil.

शूरमे

43/580

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ शकटारिः, रज्जुः, मीनम्, अन्त में एषणः के चित्रलेख मिलकर शूरमे (योद्धा) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है योद्धा द्वारा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign with vowel u, rope sign, fish sign, ending with arrow sign create word sharamae which mean 'gallantly' in samskrita.

H-18 A

H-18 a

44/167

सूष्यठे

M-77 a

M-77 A
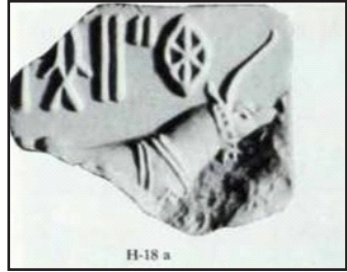
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा संग सम्बाधम्, शंखम्, यज्ञीयः, ए की मात्रा के साथ ठालिनीं से सूष्यठे निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है भलीभंति चिपका हुआ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u,conch sign, trident sign waistbelt sign with vowel e create word sushyathe which means 'well glued' in samskrita.

सिरेवृणसह

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ संवरणम्, ए की मात्रा के साथ रज्जुः , वृश्चिकः, ण का चित्रलेख, स्वास्तिकः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सिरेवृण्सः (सिरः, पीपलामूल की जड़+वृण, उपभोग+सह, साथ) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पिप्पलामूल की जड़ के साथ उपभोग करें।

This seal from Harappa reads as mask sign with vowel i, rope sign with vowel e, scorpion sign hieroglyph for na, swastikah , ending with jar sign create word sirevrinsah which mean ' use with long pepper root' in samskrita.

45/601

H-61 a

H-61 A

46/608

H-75 a

H-75 A
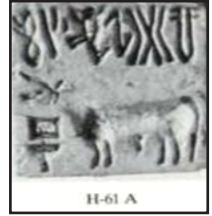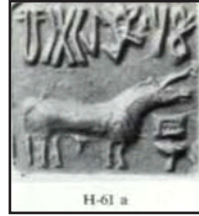
वयहन

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में व्यजः यज्ञीयः अन्त में हंडिकाः के बाद निर्दात्रं के चित्रलेख मिलकर वयहन (वयः, आयु+अन्, वशात) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है आयु के कारण।

This seal from Harappa reads as fan sign, trident sign ending with jar sign and rake sign create word vayahan which mean ' age factor Geriatric problem' in samskrita.

ऋकहुमओमः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ रज्जुः संग कलेवरम्, उ की मात्र के साथ हंडिकाः, मीनम्, ओमः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर ऋकहुमओमः (ऋक, घायल होने पर+हुम, याद करें+ओमः, ईश्वर के नाम को) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है घायल होने पर ईश्वर को याद करें।

This seal from Harappa reads as rope sign with vowel i, human sign, jar sign with vowel u, fish sign, hieroglyph for omah, ending with jar sign create word rikhumomah which mean ' pray God whilst injured' in samskrita.

47/589

H-36 a

H-36 A

48/590

H-37 A

H-37 a

आह

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में अंकुशः द्वय, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर आह (आह, कथन) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है कथन।

This seal from Harappa reads as double goad sign ending with jar sign create word aah which mean 'saying' in samskrita.

तयवहण्ट

49/238

H-180 A

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में तुलाधरः, यज्ञीयः,व्यजः, हंडिकाः ण के चित्रलेख के अन्त में टंकः के चित्रलेख से मिलकर तय वहण्ट (तय, रक्षा करना+वहण्ट, शिशु) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है शिशु की रक्षार्थ है।जैसा कि चित्र में चित्रित है।

This seal from Harappa reads as bearer sign, trident sign, fan sign, jar sign, hieroglyph for na , ending with axe sign create word tayavahant which means 'protection of neonate' in

50/359

M-700 A

M-700 a

कटशय्यः

(अरथी/शववाहन)
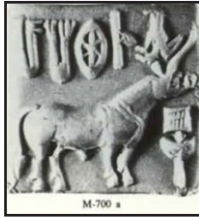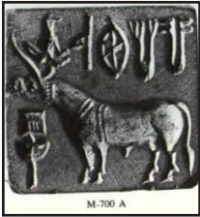
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में कुक्कुटः, टंकः, शकटारिः, यज्ञीयः द्वय, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर कटशय्यः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अरथी या शववाहिका।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for hen, axe sign , wheel sign , double trident sign, ending with jar sign create word ' kat shayyah' which mean 'hearse van' in samskrita.

Numerical Seals

अंक मुद्रायें

त्रय

मोहन जो दड़ो एवं हड़प्पा से प्राप्त इन मुद्राओं में तीन खड़ी रेखाओं से त्र यज्ञीय के चित्रलेख से य मिलाकर त्रय बनता है, जिसका अर्थ संख्या वाचक शब्द तीन से है।

This seal contains three vertical lines for tra then yajniyah for ya creating numeral traya.

1/66
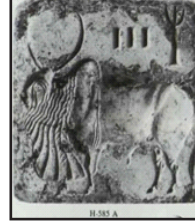
2/67
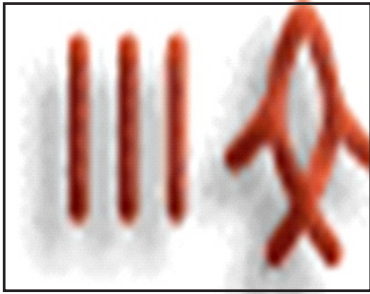
त्रयम

इस चित्रलेख में तीन खड़ी रेखाओं से त्रय मीनं से म मिलकर त्रयम शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कुत भाषा में अर्थ संख्या तीन से होता है। इसी मुद्रा को विद्वान श्री अस्को परपोला जी ने तमिल भाषा के आधार पर गूढ़ार्थ करते हुये मुर्मीन अर्थात तीन तारे वाला नक्षत्र मृगशिरा उदवाचित किया है।

This seal reads trayam in samskrit .Alternately depicted as murmin (mrigasiras) in tamil by Learned Asko Parpola taking it as cryptic script.

त्रयम वयः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में तीन खड़ी रेखाओं से त्रय मीनम् से म व्यजः से व यज्ञीयः से य अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर त्रयम वयः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तीन पक्षी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as three vertical lines with fish sign fan sign trident sign ending with jar sign create word duo trayam vayah which means ' three birds' in samskrita.

M-94 A

M-94 a

4/78

त्रय

(तृतीय)

इस एकाक्षरी मुद्रा में संख्या वाचक तीन खड़ी रेखाओं के बाद यज्ञीयः के चित्रलेख तृतीय की अंकमुद्रा हो सकती हैं।

This seal depicts monosyllabic seal displaying trident sign after numeral 3,that mean third .

त्रयह श्रंगार

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में हंडिकाः के मध्य त्रा, आ की मात्रा के साथ श्रंगकम्, रज्जुः, के चित्रलेख मिलकर त्रयह श्रंगार (त्रयः,तीन+श्रंगारः,सिंगार) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत तीन प्रकार के श्रंगार। यथा केश विन्यासः, पत्रणः, नखेरमए।

This seal from Mohan Jo Daro reads as three vertical lines amidst jar sign, horn pipe sign with vowel aa,ending with rope sign,create word trayah shringar which mean 'three beutifications' in sanskruta. They are hair setting, nail polish and body painting or tattooing.

5/473

M-9 a

M-9 A

6/499

M-292 a

M-292 A
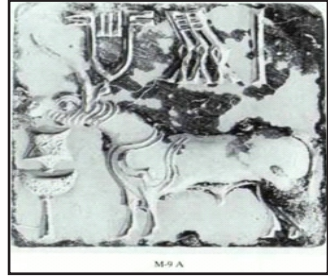
चरेत्रय

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में चन्द्रकः,ए की मात्रा के साथ रज्जुः, तीन खड़ी रेखायें, अन्त में यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर चरेत्रय (चरः, जीव जन्तु+त्रयः, तीन प्रकार के) शब्द निर्मित करते हैं , जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तीन जीव जन्तु।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for chandrakah, rope sign with vowel e, three vertical lines, ending with trident sign create word charetray which mean 'three animals' in sanskrita

त्रिकिव्व

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में तीन खड़ी रेखायें, इ की मात्रा के साथ कलेवरम् एवं व्यजः द्वय के चित्रलेख मिलकर त्रिकिव्व (त्रिकम्, तीन मसाले+इव्व, समान) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ तीन मसाले सम यथा त्रिफला,त्रिकटु, त्रिमद है।

This seal from Mohan Jo Daro reads asnumeral three, human sign with vowel i, double fan sign create word trikivva which mean ' three condiments' in sanskruta.

7/527

M-383 a

M-383 A

8/68

K-50 A

K-50 a

M-749 a

M-749 A

चतुर्थ्य
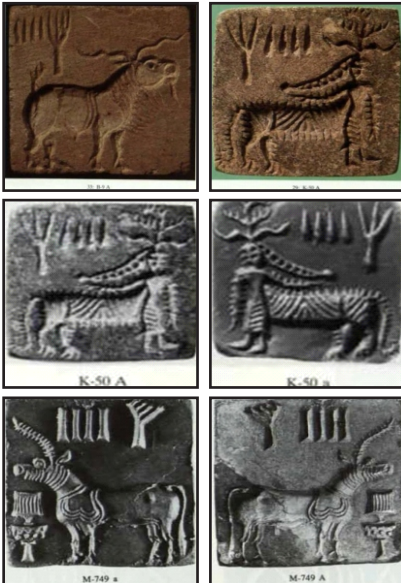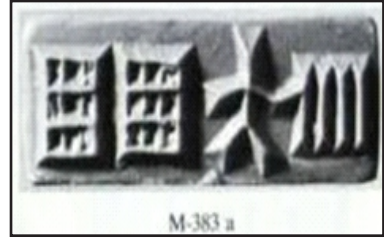
मोहन जो दड़ो, कालीबंगन एवं बानावली से प्राप्त इन मुद्राओं में चार खड़ी रेखाओं के साथ यज्ञीयः के चित्रलेख से संख्या शब्द चार निर्मित होता है।

These seals from Mohan Jo Daro,Kalibangan and Banawali show four vertical lines with hieroglyph of yajniyah creating numeral word for fourth.

चयन

9/362

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में चार खड़ी रेखाओं से च, यज्ञीयः, निर्दात्रं के चित्रलेख मिलकर चयन शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है चुनाव।

This seal from Mohan Jo Daro reads as four vertical lines , trident sign rake sign create word ' chayan' which mean 'selection' in samskrita.

M-710 A bis

M-710 A
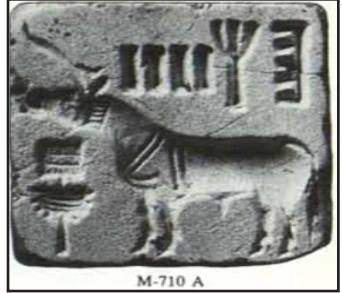
10/202

चतुर्थतः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में चार खड़ी रेखाओं से चतुर्थ अन्त में हंडिकाः के साथ तुलाधरः के चित्रलेख मिलकर चतुर्थतः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है चौथा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as four vertical lines ending with jar sign with tuladharah create word chaturthtah which means 'fourth' in samskrita.

M-96 A

M-96 a

चतुर्थ क

11/467

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में चार खड़ी रेखायें अन्त में कलेवरम् के चित्रलेख मिलकर चतुर्थ क (चतुर्थ+क) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है चार काल यथा सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग, कलियुग अथवा चार आश्रम ब्रहमचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, सन्यास।

This seal from Mohan Jo Daro reads as four vertical lines ending with human sign create word chaturth ka which mean ' four time frames like satyug, tretayug, dwaperyug, kaliyug ' in samskrita

M-262 A

M-262 a

12/510

M-413 a

M-413 A

चतुर्थ नरुओमन

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में चार खड़ी रेखायें, उ की मात्रा के साथ निर्दात्रं एवं रज्जुः के संयुक्ताक्षर, ओमः, अन्त में निर्दात्रं के चित्रलेख मिलकर चतुर्थ नरुओमन (चतुर्थ, चौथा+नृ, नर+ओम, स्वामी+न, समान) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है चौथा राजा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as four vertical lines, joint letter of rake sign and rope sign with vowel u, hieroglyph for omah, ending with rake sign create word fourth nruoman which mean 'fourth king' in sanskrita

पंचय

13/79

कालीबंगन से प्राप्त इन मुद्राओं में पांच खड़ी रेखाओं के बाद यज्ञीयः के चित्रलेख से संख्यावाचक शब्द पंचय निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पांचवा।

This seal from kalibangan reads as five vertical lines followed by trident sign speaks panchay in samskrit means fifth.

K-19 A

K-19 a

M-404 a

M-404 A

14/568

M-378 a

M-378 A
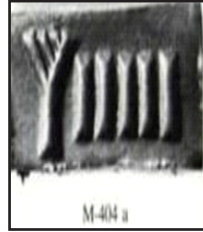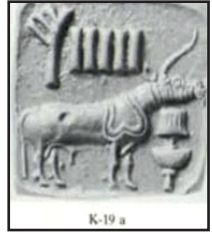
वहहे पंचय

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में व्यजः, हंडिकाः, ए की मात्रा के साथ हंडिकाः, पांच खड़ी रेखायें, अन्त में यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर वहहेपंचय (वहः,अश्व+पंचय,पांच) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पंचाश्वारोही।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fan sign, jar sign, jar sign with vowel e , five vertical lines ending with trident sign create word vahahepanchay which mean 'five knight riders' in samskrita.

पंचमतः

लोथल एवं मोहन जो दड़ो से प्राप्त इन मुद्राओं में पांच खड़ी रेखाओं के बाद तुलाधरः एवं हंडिकाः के संयुक्ताक्षर तः के चित्रलेख से संख्यावाचक शब्द पंचतः निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पांचवा।

This seal from Lothal and Mohan Jo Daro reads as five vertical lines followed by tuladharah with jar sign for visargah speaks panchatah in samskrit means fifth.
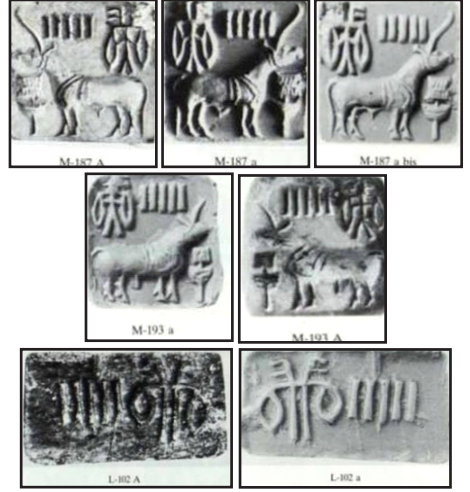
M-187 A M-187 a M-187 a bis M-193 a M-193 A L-102 A L-102 a

16/464

पंचय वृण

M-254 A

M-254 a

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में पांच खड़ी रेखायें, यज्ञीयः, वृश्चिकः, अन्त में ण के चित्रलेख मिलकर पंचय वृण(पंचय+वृणः) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पंच आहार यथा शब्द, स्पर्श, दृश्य, रस, गंध।

This seal from Mohan Jo Daro reads as five vertical lines, trident sign scorpion sign, ending with hieroglyph for na create word panchaya vrina which mean 'five perceptions like sound for ears, touch for skin, sight for eyes, taste for tongue, smell for nose' in samskrita

पंच रः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में पांच खड़ी रेखायें, रज्जुः एवं हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर पंच रः (पंच, पांच+रः, अग्नि) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पंचाग्नि।

This seal from Mohan Jo Daro reads asnumeral five, rope sign with jar sign create word panchrah which mean ' five pyres' in sanskruta.

17/521

M-138 A

M-138 a

18/522

M-194 a

M-194 A

पंच रहक

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में पांच खड़ी रेखायें, रज्जुः एवं हंडिकाः अन्त में कलेवरम् के चित्रलेख मिलकर पंच रहक (पंच, पांच+रः, अग्नि+कः, स्वामी) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पंचाग्नि का स्वामी।

This seal from Mohan Jo Daro reads asnumeral five, rope sign with jar sign ending with human sign create word panchrahak which mean 'lord of five pyres' in sanskruta.

पंच ऐण्डूय

19/497

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में पांच खड़ी रेखायें, एशणः एवं निर्दात्रं का संयुक्ताक्षर, उ की मात्रा के साथ डयनम, यज्ञीयः, के चित्रलेख मिलकर पंच ऐण्डूय (पंच, पांच+अनेड्, मूर्ख+ उय, समूह) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में पांच मूर्खों का समूह।

This seal from Mohan Jo Daro reads asnumeral five, joint letter of arrow sign with rake sign , palanquin sign with vowel u, trident sign create word panch ainduya which mean 'group of five idiots' in

M-40 A

M-40 a

20/71

M-178 a

M-178 A

H-71 a

H-71 A
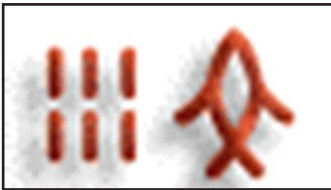
षष्ठम

मोहन जो दड़ो एवं हड़प्पा से प्राप्त इस चित्रलेख में छः खड़ी रेखाओं के साथ मीनं अथवा यज्ञीयः के चित्रलेख से संस्कृत भाषा के संख्या शब्द षष्ठम/षष्ठय की उत्पत्ति होती है। जिसे विद्वतजन श्री अस्को परपोलाजी ने तमिल भाषान्तर्गत गूढ़ार्थ करते हुये अळूमीन अर्थात छः तारे वाला नक्षत्र कृतिका समझा है।

This seal from Mohan Jo Daro and Harappa reads as six vertical lines with fish sign or trident sign create numeric words shashtham/shashthay in samskrit. Alternately depicted as arumin (pleiades,kritika) in tamil by Learned Asko Parpola taking it as cryptic script.

सू षष्ठय

21/146

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, छः खड़ी रेखाओं के बाद यज्ञीयः से सु षष्ठय शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छे छः दर्शन।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for vulva with vowel u , six vertical lines with trident sign create word su shashthya which means 'six good philosophies' in samskrita.

M-872 a

M-872 A

22/448

M-158 A

M-158 a

अरि षष्ठय

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में अंकुशः, इ की मात्रा के साथ रज्जुः, छः खड़ी रेखायें, यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर अरि षष्ठय शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है छः शत्रु। यथा दम्भ,दर्प, अभिमान, क्रोध,कठोरता एवं अज्ञान।

दम्भो दर्पो अभिमानश्च क्रोधः पारुष्यमेव च।
अज्ञानं चाभिजातस्य पार्थ सम्पदमासुरीम्
॥ गीता 16/4 ॥

This seal from Mohan Jo Daro reads as goad sign rope sign with vowel e, six vertical lines, trident sign , create word are shashthya which mean ' six enemies' in samskrita.

षष्ठय वृष्व

23/501

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में छः खड़ी रेखायें षष्ठ, यज्ञीयः, वृश्चिकः, श्वानः के चित्रलेख मिलकर षष्ठय वृष्व (षष्ठय,छठा+वृष्वः,वृष्वाहन शिव) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है छठा शिव नामक राजा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as six vertical lines, trident sign , scorpion sign ending with dog sign create word shashthay vrishvah which mean 'sixth king named vrishvah meaning shiva' in sanskrita

M-416 a bis

M-416 A bis

24/520

M-136 a

M-136 A

परत्रारषष्ठमहक

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में पर्णम्, रज्जुः, अ की मात्रा के साथ त्र, रज्जुः छः खड़ी रेखाओं, मीनम् अन्त में हंडिका एवं कलेवरं से मिलकर परत्रारषष्ठमहक (परत्रार, आने वाले समय में+षष्ठ, छंठा+महकः, प्रधान पुरुष) शब्द बनता है, जिसका अर्थ है भविष्य में छंठा प्रधान या राजा।

This seal from Mohan Jo Daro depicts leaf sign, rope sign , hieroglyph for tra with vowel aa, six vertical lines for numeral six, fish sign, ending with jar sign and human sign creating word pratrarshashtham mahaka which in samskrit means 'sixth king of future days'.

सप्तम

25/72
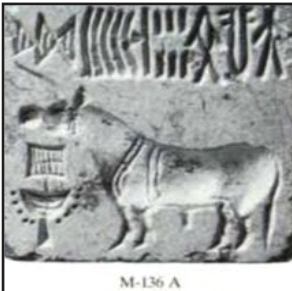
हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा के चित्रलेख में सात खड़ी रेखाओं के बाद मीनं से संस्कृत भाषा में संख्या शब्द सप्तम का निर्माण होता है, जिसे विद्वान श्री अस्को परपोलाजी ने तमिल भाषा में गूढ़ार्थ करते हुये एमीन या सात तारे वाले सप्तर्षि तारामंडल का नाम दिया।
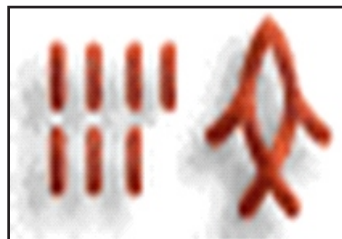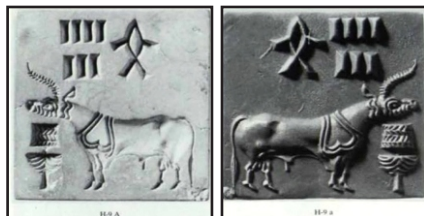
This seal from Harappa reads seven vertical lines with fish sign create numeric word saptam in samskrit. Alternately depicted as elumin (ursa major ,saptarishi) in tamil by Learned Asko Parpola taking it as cryptic script.

26/162

सुग सप्तः

M-362 a

M-362 A

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, गिरिः, सात खड़ी रेखायें अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सुग सप्तः (सुग+सप्तः) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सात सुगम्य दर्शन यथा कपिल का सांख्य, गौतम का न्याय,कणाद का वैशेषिक, पतंजलि का योग, जैमिनि की मीमांसा, व्यास का वेदान्त, चार्वाक का लोकायत।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, hill sign , seven vertical lines ending with jar sign create word sug saptah which mean 'seven philosophies of India' in samskrita

सप्तयः

27/198

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में सात खड़ी रेखाओं से सप्त यज्ञः से य अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सप्तयः शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सातवां।

This seal from Mohan Jo Daro reads as seven vertical lines with hieroglyph for yajnah ending with jar sign create word saptyah which means 'seventh' in samskrita.

M-98 A

M-98 a

M-673 a

M-673 A
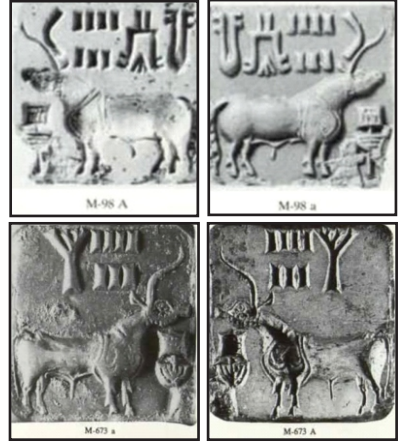
चरेहे सप्तय

28/462

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में चन्द्रकः, ए की मात्रा के साथ रज्जुः, ए की मात्रा के साथ हंडिकाः सात खड़ी रेखायें अन्त में यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर चरेहे सप्त्य (चर+इहे+सप्त्य) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सात प्रकार के जीव जन्तु। यथा जलचर, उभयचर, कूलेचर, वनचर, नभचर, कीट एवं मनुष्य।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for chandrakah, rope sign with vowel e, jar sign with vowel e , seven vertical lines ending with trident sign create word charehe saptya which mean 'seven categories of animals' in samskrita

M-247 A

M-247 a

त्रैहविनुसप्तयः

29/577

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में हंडिकाः के मध्य तीन खड़ी रेखायें, इ की माात्र के साथ व्यजः,उ का मात्रा के साथ निर्दात्रं, सात खड़ी रेखायें, यज्ञः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर त्रैहविनुसप्तयः (त्रै, रक्षाकरना+हविनु, हवन सामग्री+सप्तयः, सात प्रकार की) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सात प्रकार की हवन सामग्री यथा गूगल, पलाश,
जटामांसी,नागरमोथा,शंखपुश्पी,ब्राहमी,अगर-तगर की रक्षा करने की कृपा करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as three vertical lines amidst jar sign, fan sign with vowel i, rake sign with vowel u, seven vertical lines, sacred pyre sign, ending with jar sign create word trahavinusaptayah which mean 'protection of seven herbs of havana' in samskrita.

30/498

M-50 A

M-50 a

सुओमायत्रसप्तयः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, ओम का चित्रलेख, आ की मात्र के साथ मीनम्, यज्ञीयः, तीन खड़ी रेखाओं से त्र, सात खड़ी रेखायें, यज्ञः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सु ओमायत्र सप्तयः (सु,अच्छे+ओमः, मांगलिक+यत्र,यहां+ सप्तयः,सप्तर्षि समूह) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में यहां शुभ सप्तर्षियों का समूह।

This seal from Mohan Jo Daro reads asvulva sign with vowel u, hieroglyph for omah, trident sign, three vertical lines for tra, numeral seven, sacred ritual sign , ending with jar sign create word suomayatrasaptayah which mean 'here are auspicious seven sages' in sanskruta.

अष्टय

मोहन जो दड़ों से प्राप्त इस मुद्रा में आठ खड़ी रेखाओं के बाद यज्ञीय: के चित्रलेख से संख्यावाचक शब्द अष्ठ्य निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है आठवां।

This seal from Mohan Jo Daro reads as eight vertical lines followed by trident(yajniyah) speaks ashthya in samskrit means eighth

31/73

M-283 a

M-283 A

32/158

H-151 a

H-151 A

उर अष्टय

हड़प्पा से प्राप्त इस अभिलेख में उर्णनाभ: के चित्रलेख के बाद रज्जु के चित्रलेख से उर शब्द निर्मित होता है जो तत्कालीन सुमेरियन नगर का नाम है। अन्त में आठ खड़ी रेखाओं से अष्टय प्रतिपादित होता है।

This seal depicts crab sign for u followed by rope sign for rajjuh creating word Ur which is name of old sumerian city .Eight vertical lines followed by trident sign create ashtya meaning eighth.

अष्टरः

33/604

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में आठ खड़ी रेखायें, रज्जुः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर अष्टरः (अष्ट, आठ+रह, अग्नि) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अष्टाग्नि।

This seal from Harappa reads as eight vertical lines, rope sign ending with jar sign create word ashtrah which mean ' eight fires' in samskrita.

H-65 a

H-65 A

34/74

नवमतः

इस मुद्रा में नौ खड़ी रेखाओं के बाद त एवं ह का संयुक्ताक्षर तः मिलकर संख्या शब्द नवमतः का निर्माण करते हैं।

This seal contain nine vertical lines followed by joint letter tuladharah with handikah creating numeral word navamtah.

जयाम नवय (दुर्गानवमी)

35/237

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में जालकम् आ की मात्रा के साथ यज्ञीयः मीनम् ९ खड़ी रेखाओं के बाद पुनः यज्ञीयः मिलकर जयाम नवय शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दुर्गा के नौ रूप है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for jalakam,then trident sign with vowel aa , fish sign,nine vertical lines with trident sign create word jayam navay which means 'nine forms of Goddess Durga' in samskrita.

M-172 A

M-172 a

नवयभूकाः

36/583

H-23 a

H-23 A

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में नौ खड़ी रेखायें, यज्ञीयः, उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः, आ की मात्रा के साथ कलेवरम् अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर नवयभूकाः (नवय, नौ+भूकाः, झरने) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है नौ झरने।

This seal from Mohan Jo Daro reads as numeral nine, trident sign , bellow sign with vowel u, human sign with vowel aa ending with jar sign create word navayabhukah which mean 'nine falls' in samskrita.

द्वादशःकुमारिकाः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में बारह खड़ी रेखाओं के बाद हंडिका के चित्रलेख को मिलाकर संस्कृत भाषा में संख्या शब्द द्वादशः निर्मित होता है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as twelve vertical lines with jar sign create numeric word dwadashah in samskrit.

37/75

M-18 a

M-18 A

38/76

M-1266 a

M-1266 A
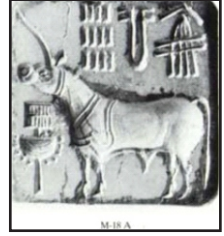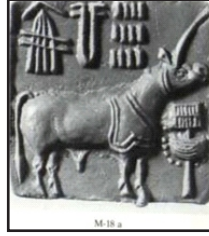
द्वादशामि मासाः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मृण्पट्टिका में बारह खड़ी रेखाओ के बाद इ के स्वरलेख के साथ मीनं से मि पुनः आ के स्वरलेख के साथ मीनं से मा फिर आ के स्वरलेख के साथ सीरः के चित्रलेख से सा अन्त में विसर्ग के लिये हंडिका के चित्रलेख को मिलाकर द्वादशामि मासाः शब्द निर्मित होता है, जिसका अर्थ बारह महीनों से लिया जा सकता है।

This tablet from Mohan Jo Daro reads as twelwe vertical lines, fish sign with vowel i, fish sign with vowel aa, plough head sign with vowel aa, ending with jar sign create words dwadashami masah in samskrit meaning for twelve months
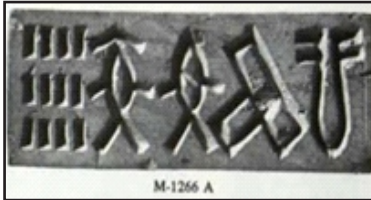
द्वादश छाया आड

(बारह पंक्ति का नगर)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में बारह खड़ी रेखाओं के बाद आ की मात्रा के साथ छत्रकम्, यज्ञीयः, आ की मात्रा के साथ अंकुशः, अन्त में डयनम् मिलकर द्वादश छाया आड (द्वादश+छाया+आड) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है बारह रेखाओं का नगर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as twelve vertical lines, mushroom sign with vowel aa, trident sign , ending with goad sign with palanquin sign create word dwadash chhayaad which mean 'city with twelve rows of row houses' in samskrita

39/164

M-368 A

M-368 a

40/622

H-131 a

H-131 A

शकन्वुद्वादशखत्रमामछरह

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में शल्लकीः, कच्छप, निर्बंधम्, उ की मात्रा के साथ व्यजः, द्वादश खड़ी रेखायें, खल्लः, तीन खड़ी रेखायें, आ की मात्रा के साथ मीनम्, मीनम्, छत्रकम्, रज्जुः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शकन्वुद्वादशखत्रमामछरः (शकनवु, गोबर के उपले+द्वादश, बारह+खत्रम, गढ़े में+आम, कच्चा बर्तन+छरः, अग्निखंड) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है गढ़े में बारह उपलों से अग्निखंड में कच्चे बर्तन पकायें।

This seal from Harappa reads as porcupine sign, turtle sign, handcuff sign, fan sign with vowel u, twelve vertical lines, mortar and pestle sign, three vertical lines, fish sign with vowel aa, fish sign, mushroom sign, rope sign ending with jar sign create word shakanvudwadashkhatramamachharah which mean ' baking pots in fire kiln with twelve dung cakes' in samskrita.

द्वादशामिखत्रशत्रिरः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में बारह खड़ी रेखायें, इ की मात्रा के साथ मीनम्, खल्लः, तीन खड़ी रेखायें, शंखम्, तीन खड़ी रेखायें,रज्जुः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर द्वादशामिखत्रशत्रिरः (द्वादश, बारह+मि, स्थापित करना+खत्र, तालाब+शत्रि, हाथी+रः, चाल) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है हाथियों की राह पर बारह तालाब स्थापित करना।

This seal from Harappa reads as twelve vertical lines, fish sign with vowel i, mortar and pestle sign, three vertical lines, conch sign, three vertical lines, rope sign ending with jar sign create word dwadashamikhatrashktrirah which mean ' creating twelve ponds for moving elephants' in samskrita.

41/585

H-25 A

H-25 a

42/77

M-1273 A

M-1273 a

जस चतुर्दशः

(चौदह मुक्तपथ)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मृणपटिटका में जालकं के चित्रलेख से ज संबाधम् के चित्रलेख से स तत्पश्चात चौदह खड़ी रेखायें अन्त में विसर्ग के लिये हंडिका का चित्रलेख मिलाकर संस्कृत भाषा में संख्याशब्द के साथ जस चतुर्दशः शब्दयुग्म का निर्माण करते हैं। जिसका अर्थ है मुक्ति के लिये चौदह पथ्य।

This tablet from Mohan Jo Daro reads as window sign, vulva sign, fourteen vertical lines ending with jar sign create words jas chaturdashah meaning in samskrita is fourteen commandments for salvation.

शं चतुर्दशम् ओमः

43/489

M-43 a

M-43 A

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शल्लकी, चतुर्दश रेखायें, मीनम्, ओम का चिन्ह अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर श चतुर्दशम् ओमः (शं, आनन्द प्रदाता+चतुर्दशम्, चौदह+ ओमः, मंगलकारी) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है समुद्र मंथन से प्राप्त चौदह मंगलकारी रत्न। लक्ष्मीः कौस्तु भपारिजातकसुरा धन्वन्तरिश्चन्द्रमा गावः कामदुधाः सुरेश्वरगजो रम्भादिदेवांगनाः अश्वः सप्तमुखे विशं हरिधनुः शंखो अमृतं चाम्बुधे रत्नानीह चतुर्दश प्रतिदिनं कुर्युः सदा मंगलम् ।

This seal from Mohan Jo Daro reads asporcupine sign, fourteen vertical lines, fish sign, hieroglyph for om, ending with jar sign create word sham chaturdasham omah which mean 'auspicious fourteen gems from churning of ocean' in sanskruta.

44/578

H-14 a

H-14 A
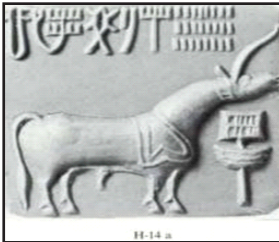
चतुर्विंशति नरेमाननयह

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में चौबीस खड़ी रेखायें, निर्दात्रं, ए की मात्रा के साथ रज्जुः, आ की मात्रा के साथ मीनम् निर्दात्रं द्वय यज्ञीयः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर चतुर्विंशति नरेमाननयः (नरः,मनुष्य+माननयः,माननीय) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है चौबीस माननीय जन चौबीस गुरु।

This seal from Mohan Jo Daro reads as twenty four vertical lines, rake sign, rope sign with vowel e, fish sign with vowel aa, double rake sign, trident sign ending with jar sign create word chaturvinshatinaremannayaha which mean 'twenty four revered people' in samskrita.

शतः

45/168

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में शंखम् के चित्रलेख के बाद हंडिका एवं तुलाधरः के संयुक्ताक्षर से शतः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सौवां।

This seal from Harappa reads as conch sign followed by tuladharah with jar sign for visargah speaks shatah in samskrit means hundred.

H-38 a

H-38 A

46/154

C-3 a

C-3 A

ङचु षष्ठः
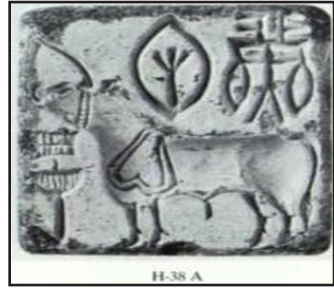
चन्हू जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में ङ के चित्रलेख के बाद उ की मात्रा के साथ चन्द्रकः से चु अन्त में छः खड़ी रेखाओं के साथ हंडिकाः से षष्ठः से मिलकर ङचु षष्ठः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है ङचु (कटपयादि में 60005) 60005 का छठवां भाग।

This seal from Chanhu Jo Daro reads as hieroglyph for na then chandrakah with vowel sign u then six vertical lines with jar sign for numeral sixth create word nchu sixth which means one sixth of sixty thousand five (value of nchu in Katapayadi) in samskrita.

आध्यात्मिक मुद्रायें
Spiritual Seals

म(शिव)

1/1

ह्(शिव)

2/2

प (वायु)

3/3
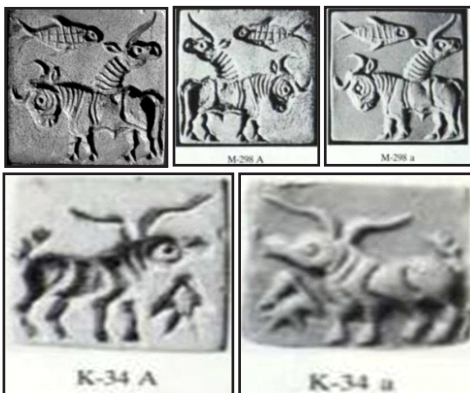
मोहन जो दड़ो एवं कालीबंगन से प्राप्त इन एकाक्षरी मुद्राओं में संस्कृत भाषा में मत्स्य म (शिव) हंडिका ह (शिव) एवं पर्ण प (वायु) के लिये।

Monosyllabic seals from Mohan Jo Daro depicting fish sign meenam ma shiva and jar sign handikah ha shiva and leaf sign parnam pa vayu (air).

M-273 a

K-26 A

M-273 A

4/7

M-301 a

M-301 A

भूः

(पृथ्वी)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः और हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर भूः शब्द निर्मित करते है, जिसका अर्थ है पृथ्वी।

This seal from Mohan Jo Daro reads bellow sign with vowel u with jar sign create word Bhuh which in samskrit means earth.

र:

हड़प्पा एवं मोहन जो दड़ो से प्राप्त इन मुद्राओं में रज्जुः हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर रः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ अग्नि या त्याग है।

These seals from Harappa and Mohan Jo Daro read as rope sign, ending with jar sign create word rah which means 'fire or sacrifice' in samskrita

5/8

6/9

H-651 A

H-651 a

सुर
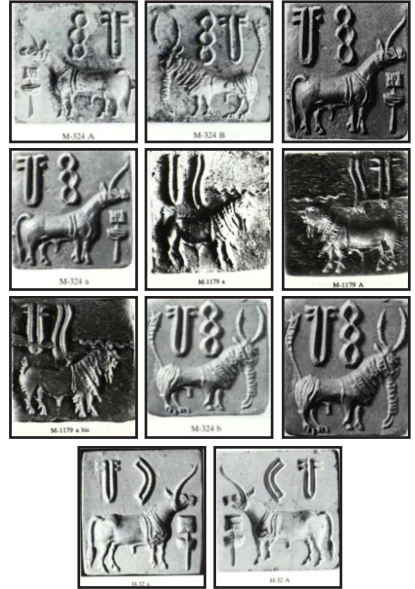
हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्र के साथ सम्बाधम्ः, रज्जुः, के चित्रलेख मिलकर सुर शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है देवता।

This seal from Harappa reads as vulva sign with vowel u, rope sign, create word ' sura ' which mean 'God' in samskrita.

कठ(कठोपनिषद)

हड़प्पा एवं मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में कलेवरं से क एवं ठालिनीं से ठ मिलकर कठ शब्द निर्मित करते हैं जिसका अर्थ कठोपनिषद के रूप में लिया जा सकता है।

These seals from Mohan Jo Daro and Harappa read human sign with waistbelt sign create two letter word kath which samskrit meaning part of yajurved kathopnishad.

7/10

H-94 A

H-94 a

M-887 A

M-887 a

8/12

H-93 a

H-93 A

खधि

(गरूड़)

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में खल्लः के चित्रलेख से ख एवं इ के स्वरलेख के साथ धन्वः के चित्रलेख से धि मिलता है। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ ख (आकाश) धि(अधिकार) से गरूड़ होता है।

This disyllabic seal from Harappa shows khallah for kha and hieroglyph for dhanvah with vowel i meaning in samskrit as Garuda.

खगपतः

9/27
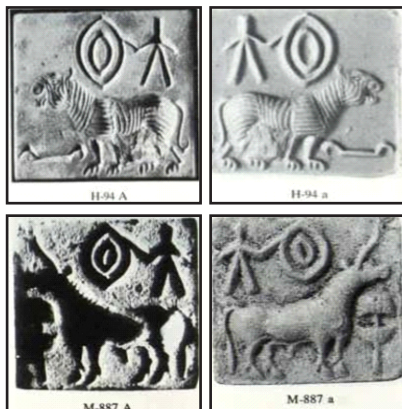
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में खल्लः (खरल) गुवाकदरणः (सरौता) पर्णः (पत्ता) के साथ तुलाधर व हंडिका के संयुक्ताक्षर तः को मिलाकर शब्द खगपतः निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है पक्षिराज गरूड़।

This tablet from Mohan Jo Daro reads mortar with pestle sign khallah followed by betel nut cutter sign guvakdarah and leaf sign parnah ending with bearer sign tuladhrah jointed with jar sign handikah create wotd khagpatah in samskrit meaning garudah.

M-1270 a

M-1270 A

10/356

M-664 a

M-664 A

खगेशत्रऋती
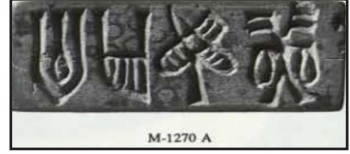
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में खल्लः, ए की मात्रा के साथ गिरिः, शकटारिः,के बाद इ की मात्रा के साथ रज्जुः, इ की मात्रा के साथ तुलाधरः के चित्रलेख मिलकर खगेशत्रऋती शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है गरूड़ निन्दा या गरूड़ पुराण।

This seal from Mohan Jo Daro reads as mortar and pestle sign, hill sign with vowel e, wheel sign ,rope sign with vowel i , bearer sign with vowel i, create word khagesh riti which mean 'condemnation by Garuda or Garuda Puran' in samskrita.

सूमे ईश

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, ए की मात्रा के साथ मीनम्, ई के चित्रलेख के मध्य शंखम् मिलकर सूमे ईश शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है आकाश पति गरूड़।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, fish sign with vowel e, conch sign amidst hieroglyph for ee create word ' sume eesha' which mean ' ruler of space or

11/367

M-794 a

M-794 A

12/23

M-305 a

M-305 A

ईमा शम

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में ई के स्वरलेख के मध्य आ की स्वरलिपि के साथ मीनं के चित्रलेख से ईमा तत्पश्चात शंखं एवं मीनं के चित्रलेख से शम को मिलाकर शब्दयुग्म ईमा शम बनता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है आनन्द इस प्रकार। जो योगी के चित्र के उत्कीर्ण होने से स्वतः ही स्पष्ट है।

This yogi seal from Mohan Jo Daro shows fish sign meenam with vowel aa inside the hieroglyph for ee making word ima then in next row conch sign shankh and fish sign meenam join to form word sham. The duo in samskrit language mean hereby for achieving pleasure which correlates to yoga.

ओम नमह

13/30

हड़प्पा से प्राप्त इस मृणमुद्रा में अंकुशः व ऊर्णिनाभः का संयुक्ताक्षर ओं के साथ निर्दातृं, मीनं अन्त में विसर्ग स्वरूप हंडिका मिलकर ओं नमः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ नमस्कार है।

This tablet from Harappa reads om, rake sign nirdatram followed by fish sign meenam ending in jar sign handikah collectively om na ma ha samskrit vachan meaning greetings to God.

H-748 A

14/140

M-37 A

M-37 a

नमए

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में निर्दात्रं से न मीनं से म एषणः से ए मिलकर नमए शब्द निर्मित करते है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्रणाम।

This seal from Mohan Jo Daro depicts hieroglyph for nirdatram followed by hieroglyph for fish sign for m and arrow sign for e yielding word namae which in samskrit means greetings.

ओम् नमए

15/221

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में ओम् निर्दात्रं मीनम् अन्त में एषणः के चित्रलेख मिलकर ओम् नमए शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है ईश्वर को प्रणाम है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for om rake sign,fish sign ,arrow sign create word om namae which means 'prayer to God' in samskrita.

M-395 a

M-395 A

16/231

ओम् नमहण

H-203 A
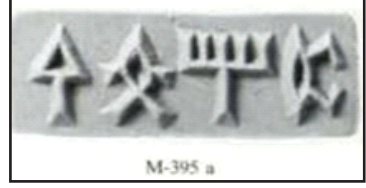
हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में ओम् निर्दात्रं मीनम् हंडिकाः निर्दात्रं के चित्रलेख मिलकर ओम् नमहण शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है ईश्वर को प्रणाम है।

This seal from Harappa reads as hieroglyph for om rake sign,fish sign, jar sign,rake sign create word om namahan which means 'prayer to God' in samskrita.

ओम् नम भूः

17/240

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में ओम् के चित्रलेख के साथ निर्दात्रं मीनम् उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः अन्त में हंडिकाः से ओम् नम भूः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है भूमि को नमन (वन्दे मातरम्)।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for om then rake sign,fish sign, then bellow sign with vowel u ending with jar sign for visargah create word om nama bhuh which means bowing to mother earth or 'Vande Mataram'

M-943 a

M-943 A

18/241

M-787 a

M-795 a

M-787 A

M-795 A

सूक्तः
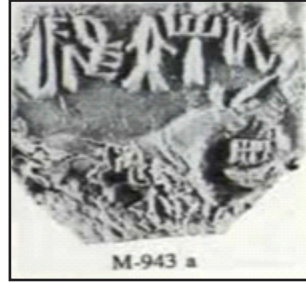
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् कुक्कुटः अन्त में हंडिकाः के साथ तुलाधरः से मिलकर सूक्तः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सुन्दर वचन।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u followed by hen sign ending with jar sign conjoint with bearer sign create word suktah which means 'good speech' in samskrita

ईम

19/144
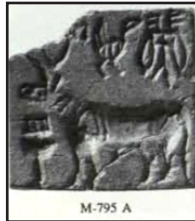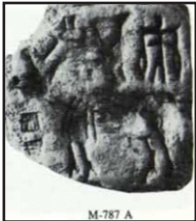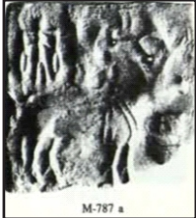
बानावली से प्राप्त इस मुद्रा में चार छोटी रेखाओं से ई, मीनं से मिलकर हम शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है इसे। बनावली से प्राप्त मुद्राओं में पशु चिन्ह के पूंछ की तरफ से पढ़ा जाता है। जबकि अन्य मुद्राओं में पशु चिन्ह के सिर की तरफ से पढ़ा जाता है।

This seal from Banawali reads as hieroglyph for i then fish sign create word im which means 'this' in samskrita. Seals from Banawali are read from tail to head of the animal.

B-3 A

B 3-a

20/145

B 4-a

B-4 A

ओमः

बानावली से प्राप्त इस मुद्रा में हंडिका से एवं ओम के चिन्ह मिलकर ओम शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है स्वीकृति बानावली से प्राप्त मुद्राओं में पशु चिन्ह के पूंछ की तरफ से पढ़ा जाता है, जबकि अन्य मुद्राओं में पशु चिन्ह के सिर की तरफ से पढ़ा जाता है।

This seal from Banawali reads as hieroglyph for om then jar sign create word omah which means 'God' in samskrita. Seals from Banawali are read from tail to head of the animal.

सुमेरः

इस मोहन जो दड़ो से प्राप्त उत्कृष्ट योगी मुद्रा में उ की स्वरलिपि के साथ स्वास्तिक ए की स्वरलिपि के साथ मीन दो लहरदार रेखायें रज्जु के लिये अन्त में विसर्ग के रूप में हंडिका संयुक्त होकर सुमेरः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है शिव।

This classic yogi seal from Mohan Jo Daro reads swastika with two short lines for vowel u followed by fish sign meenam with vertical line for vowel e then rope sign rajjuh ending in jar sign handikah for visargah jointly called as sumerah samskrit meaning Lord Shiva or mount sumeru.

21/31

M-1181 a

M-1181 A bis

M-1181 A
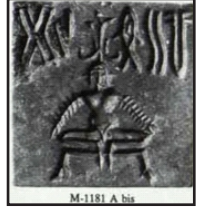
22/32

का अहमः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस पशुपति मुद्रा में जो लिपि उत्कीर्ण है उसमें कलेवरं अंकुशः का पुनः अंकुशः हंडिका मीन अन्त में विसर्ग रूप हंडिका मिलकर का अहमः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका अर्थ है मैं कौन।

This classical pashupati seal from Mohan Jo Daro reads hunan sign kalevaram associated with goad sign ankushah followed by goad sign ankushah then jar sign handikah followed by fifh sign meenam ending in jar sign handikah create words ka ahamah in samskrit means who am I.

ऐं ओम हे ह

23/33

इस मुद्रा में संयुक्ताक्षर ऐं ओं एषणः की स्वरलिपि के साथ हंडिका हे पुनश्च हंडिका ह मिलकर भगवान शिव का बीज मन्त्र बनाते हैं।

This seal reads in samskrit complex letter eshanah with nirdatram ain ankushah with urninabhah om vertical line for eshnah with handikah he ending with handikah ha is ain om he ha beej mantra for Shiva.
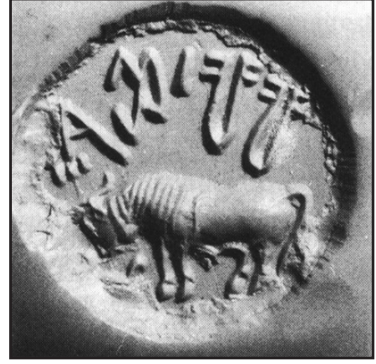
24/34

जय राधेण

(जय राधाजी की कृपा)

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में जालकं से ज यज्ञीय से य रज्जु से र के लिये दो समानान्तर खड़ी रेखायें ए की स्वरलिपि के लिये एक छोटी खड़ी रेखा धन्वः से ध अन्त मे अनुनासिक ण मिलकर जय राधेण शब्द का निर्माण करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है जय राधाजी की।

This seal from Harappa reads window sign jalakam followed by trident sign yajniyah pronounced collectively as jaya then two vertical lines representing rope sign rajjuh followed by bow sign dhanvah and ending in ankgananakah jointly depicted as jay radhana in samskrit meaning radha rani ki jai.

शनमगः (कार्तिकेय ने)
यत्रए (यहां)
कृते (कार्य किया)

25/53

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में तीन शब्द वामावर्ती कम में उत्कीर्ण हैं। प्रथम शब्द में शंख के चित्रलेख से श निर्दातृं के चित्रलेख से न मीनं से म गुवाकदरणः के चित्रलेख से ग अन्त में विसर्ग हेतु हंडिका मिलकर शनमगः दूसरे शब्द में यज्ञीय के चित्रलेख से य तीन रेखाओं से त्र एषणः के चित्रलेख से ए मिलकर यत्रए अन्तिम शब्द में रज्जु हेतु दो खड़ी रेखाओं के मध्य कलेवर के चित्रलेख से कृ तुलाधर एवं एषणः के संयुक्ताक्षर से ते मिलकर कृते निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा मे अर्थ निकलता है कि कार्तिकेय ने यहां कार्य किया। (शनमगः यत्रए कृते)

This tablet from Harappa has got three inscriptions which read from left to right shankham then nirdatram followed by meenam then guvakdaranah ending in handikah shanmagah (kartikeya son of lord Shiva) yajniyah then trayah ending in eshanah yatrae then kalevaram surrounded by two vertical lines for rajjuh ending in tuladharah conjointed with eshanah krite (performed here).
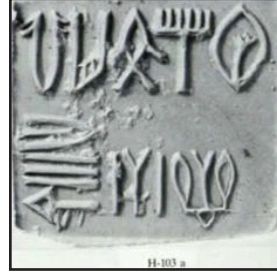
26/54

सैंहे शोमहज

सैंह शोमहज (सिंह शान्त करनेवाला) शाकुन्तल भरत मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में संबाधम् के चित्रलेख से स एषणः एवं निर्दातृं के संयुक्ताक्षर ऐं और ए की मात्रा के साथ हंडिका से हे मिलकर सैंहे शंख के चित्रलेख से श अ तथा उ के संयुक्ताक्षर ओं हंडिका के चित्रलेख से ह जालकं के चित्रलेख से ज मिलकर शोमहज शब्द युग्म बनता है। सैंहे शोमहज के अर्थानुसंधान से सिंहों को शमन (शान्त) रखने की विद्या प्राप्त होती है। यही कार्य मुद्रा में उत्कीर्ण चित्रें से भी सिद्ध होता है जहां एक व्यक्ति दो सिंह शावकों के साथ खेल रहा है। यह कथा कण्वाश्रम में शकुन्तला पुत्र भरत की कथा से मिलती है।

This tablet reads vulva sign sambadham,arrow sign eshanah with rake sign nirdatram followed by jar sign handikah with vowel e sainhe then conch sign shankham followed by hieroglyph for om then jar sign handikah shomah ending with jalakam ja meaning in samskrit as lion tamer . The picture in the seal shows lion taming skill of king Bharat son of Shakuntala and Dushyant born at kanvashram ,in his childhood ,after whose name our nation called Bharatavarsha.

(शूर) पनकाह

27/55

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस खंडित मुद्रा में चार अक्षर कमशः पर्ण से प निर्दातृं से न आ की स्वरलिपि के साथ कलेवरं के चित्रलेख से का अन्त में हंडिका से ह मिलकर पनकाह शब्द का निर्माण करते हैं जिसमे खंडित स्थान पर शूर की कल्पना करने से एक नाम शूर्पनकाह बन जाता है जो कि रामायण में लंकेश रावण की बहन का नाम था।

This partly broken seal from Mohan Jo Daro reads leaf sign parnah then rake sign nirdatram then human sign kalevaram with extra arms for vowel aa ending in jar sign handikah jointly pronouncrd as panakah when associated with vulva sign sambadham with two short vertical lines as su and rope sign rajjuh it becomes surpa nakaha in samskrit meaning having big nais like sister of Ravana surpanakah.

M-772 a

M-772 A

28/56

शुभनकाः

M-595 a

M-595 A
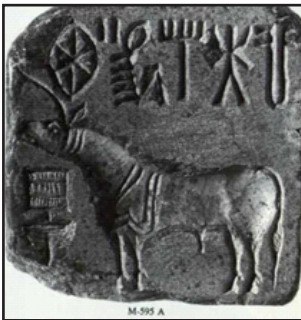
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ शकटारिः, भस्त्रिः, निर्दात्रम्, आ की मात्रा के साथ कलेवरम्, अन्त में हंडिकाः से मिलकर शुभनकाह शब्द निर्मित करते हैं, जो संस्कृत भाषा में सुन्दर नाखूनो वाली रावण की बहन शूपनकाह की ओर इंगित करता है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign with vowel u, bellow sign, rake sign, human sign with vowel aa ending with jar sign create word shubhankah name for surpanakah sister of Ravana.

सत्रारः

29/57

इस मुद्रा में संबाधम् के चित्रलेख के बाद आ की स्वरलिपि के साथ त्र का चित्रलेख अन्त में विसर्ग की हंडिका के साथ रज्जुः की दो लहरदार रेखाये मिलकर सत्ररः शब्द का निर्माण करती हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है इन्द्रजित मेघनाद जो रावण का पुत्र था और जिसने सत्र अर्थात इन्द्र पर विजय प्राप्त की थी।
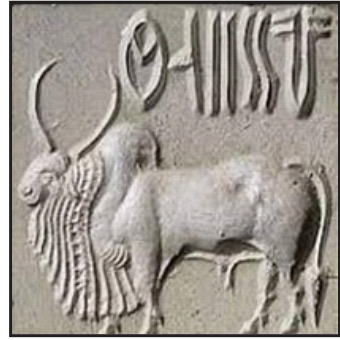
This seal contains vulva sign then three vertical lines representing tra with vowel aa followed by two wavy lines for rajjuh rope sign ending in handikah jar sign forms the word satrarah which in samskrit means winner of Satra aka Indra i.e Indrajit Meghnad son of Ravana.

30/58

M-309 A

M-309 a

सूरिः राम

(ऋषि राम)
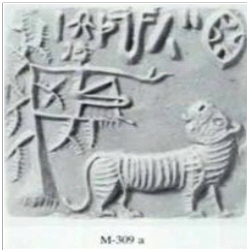
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में पहली बार राम का नाम स्पष्ट रूप से इंगित होता है। यहां उ की स्वरलिपि के साथ स्वास्तिक से सू इ की स्वरलिपि के साथ रज्जुः हंडिका से रिह आ की स्वरलिपि के साथ रज्जुः का दो खड़ी रेखाओं के मध्य मीनं से राम शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ निकलता है कि केवल राम ही विद्वान हैं।

This seal from Mohan Jo Daro reads as swastika with two vertical lines for vowel u su, jar sign handikah preceded by one vertical line for rope sign rajjuh with vowel e ending with fish sign meenam between two vertical lines for rope sign ra with one line bearing arm for vowel aa speaks surih Ram in samskrit means only sage Ram is there.

रम मात्र शः

31/59

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में दो खड़ी रेखायें रज्जुः से र के लिये मीनं से म आ की स्वरलिपि के साथ मीनं से मा तीन खड़ी रेखाओं से त्र शंख के चित्रलेख से श अन्त में विसर्ग के लिये हंडिका का चित्रलेख मिलकर रम मात्र शः शब्द माला प्रस्तुत करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ केवल शिव ही आनन्द प्रदाता हैं।

This seal from Mohan Jo Daro reads two vertical full lines rope sign rajjuh, fish sign meenam, followed by fish sign meenam with two arms for vowel aa then three vertical lines trayah followed by conch sign shankhah ending in jar sign handikah for visargahcreate words ram matr shah . meaning in samskrit only Lord Shiva can bless happiness.

32/90
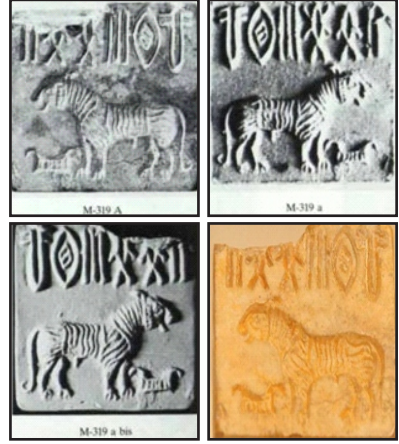
ईशुमहक

इस मुद्रा में ई की चार खड़ी रेखाओं के मध्य उ की स्वरलिपि के साथ संबाधम् तत्पश्चात मीनं हंडिका एवं कलेवरं के चित्रलेख मिलकर ईशु महक शब्द युग्म का निर्माण करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है विष्णुबाण या राम बाण।

This seal reads vulva sign sambadham with vowel u inside four short vertical lines for hieroglyph for ee followed by hieroglyphs for fish sign meenam jar sign handikah and human sign kalevaram creating word ishumahak which in samskrita means arrow of Vishnu or Ram baan.

महक सू

33/91

इस मुद्रा में मीनं हंडिका एवं कलेवरं के चित्रलेख से महक तत्पश्चात उ की स्वरलिपि के साथ संबाधम् से सू मिलाकर महक सू शब्दयुग्म का निर्माण होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है विष्णु से उत्पन्न अर्थात ब्रह्मा।

This seal reads hieroglyphs for meenam handikah and kalevaram followed by sambadham with vowel u creating words mahak su which means in samskrita generated from mahak or Vishnu i.e. Brahma.

34/94

शूमि रामः

इस मुद्रा में उ की स्वरलिपि के साथ शकटारिः, इ की स्वरलिपि के साथ मीनं के चित्रलेख फिर आ की स्वरलिपि के साथ रज्जुः के चित्रलेख के मध्य मीनं एवं अन्त में विसर्ग के लिये हंडिका को मिलाकर शूमि रामः शब्द युग्म की प्राप्ति होती है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ निकलता है कि आकाश की तरह श्यामल राम।

This seal reads as wheel sign with vowel u followed by fish sign meenam with vowel i, then fish sign meenam amidst hieroglyph of rajjuh rope sign withvowel aa ending in jar sign handikah thus creating words sumi ramah meaning in samskrita is Lord Ram dark as sky.

शशअटुमहक

35/100

बानावली से पाप्त इस मुद्रा में स्वास्तिकः द्वय के चित्रलेख, अंकुशः के चित्रलेख, उ की स्वरलिपि के साथ टंकः के चित्रलेख के बाद मीनं, हंडिका एवं कलेवरं के चित्रलेख मिलकर सस अटुमहक (शश+अट+उमः+कः) शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ मिलता है चन्द्रमा की तरह भ्रमणशील तपस्वी। बानावली से प्राप्त इस मुद्रा में पाठ पशु की पूंछ से सिर की ओर किया जाता है।

This seal from Banawali shows double wheel sign hieroglyph for shaktarah then goad sign ankushah then axe sign with vowel u followed by fish sign meenam jar sign handikah and human sign kalevaram create words shasha atumahak which in samskrit language means moving monks like moon.

36/101

M-1262 A

M-1262 a
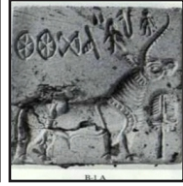
यं यं औत्रहे चतुर्थ्य

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मृण्पह्लिका में यज्ञ के चित्रलेख दो बार फिर औ का चित्रलेख फिर ए की स्वरलिपि के साथ हंडिका का चित्रलेख के मध्य तीन खड़ी रेखायें अन्त में संख्या चतुर्थ के बाद यज्ञीयः का चित्रलेख मिलकर यं यं औत्रहे चतुर्थ्य निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ कहता है कि चौथेपन में उत्तर दिशा मे जाना चाहिये।

This tablet shows hieroglyph for yajnah twice followed by joint letter of aa and u making au then three vertical lines amidst jar sign handikah with vowel e ending with trident sign with four vertical lines create words yaya autrahe chaturthya meaning in samskrita as in fourth stage of life of monkhood one should move to north.

ओं सू द्वादशमखत्रए

37/102

इस मुद्रा में ओम के चित्रलेख के बाद उ की स्वरलिपि के साथ संबाधम् का चित्रलेख तत्पश्चात बारह खड़ी रेखाओं से संख्या द्वादश फिर मीनं का चित्रलेख फिर खल्लः का चित्रलेख, तीन खड़ी रेखाओं से त्र का चित्रलेख अन्त में एशणः का चित्रलेख मिलकर ओम सू द्वादश मख त्रए शब्दमाला निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ बारहवें यज्ञ की रक्षार्थ।

This seal shows hieroglyph for aum and sambadham with vowel u followed by number 12 then hieroglyph for meenam and khallah creating makh then hieroglyph for tra and eshnah creating word trae meaning in samskrit as for the protection of twelfth yajna.

38/103

पपधिक अष्टववंश

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में पर्णः के दो के चित्रलेख के बाद इ की स्वरलिपि के साथ धन्वः एवं कलेवरं के चित्रलेख से पपधिक एवं अष्ट रेखायें फिर व्यजः के चित्रलेख से अष्टव पुनः व्यजः के चित्रलेख के साथ निर्दातृं के चित्रलेख अन्त में शकटारिः चित्रलेख मिलकर पपधिकाष्टव वंश (पपधि,चन्द्र+कः, राजा+अष्टवः, आठवां+वंश, कुल) का निर्माण करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है चन्द्र वंश के आठवें कुल का राजा।

This seal shows double leaf sign, bow sign with vowel i,human sign, eight vertical lines double fan sign, rake sign ending with wheel sign creating papadhika ashtav vansh which in samskrit means eighth dynasty of lunar hierarchy.

हनुमए

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में हंडिका के चित्रलेख के बाद उ की स्वरलिपि के साथ निर्दात्रं एवं मीनं के अन्त में एषणः मिलकर हनुमए शब्द निर्मित करते हैं, जो हनुमान मंत्र ओम हनुमए नमः का हिस्सा है।

This seal from Mohan Jo Daro depicts hieroglyph for handikah followed by nirdatram with vowel u then meenam ending in eshanah creating word Hanumae which is part of Hanuman Mantra Om Hanumae namah.

M-279 a

M-279 A

ओम नम छाय

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस चित्रलेख में ओम के चित्रलेख के बाद निर्दात्रं एवं मीनं आ की मात्र के साथ छत्रकम् अन्त में यज्ञीयः से ओम नम छाय अर्थात देवी दुर्गा को नमन।

This seal from Mohan Jo Daro depicts hieroglyph for om followed by nirdatram and meenam chhatrakam with vowel aa ending with yajniyah yielding words om namachhay meaning subduing to Godess Durga.

M-1295 a

M-1295 A

हु ओंनमन्नवछाये न

41/110

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस चित्रलेख में उ का मात्रा के साथ हंडिका:, ओम के चित्रलेख के बाद निर्दात्रं एवं मीनं, तत्पश्चात निर्दात्रं द्वय, आयताकार व्यज:, आ की मात्र के साथ छत्रकम्, ए की मात्र के साथ यज्ञीय: अन्त में निर्दात्रं से हु ओम नमन्नव छायेन अर्थात नवदुर्गा के सम्मान में नमन।

This seal from Mohan Jo Daro depicts jar sign with vowel u , hieroglyph for om followed by rake sign nirdatram and fish sign meenam the double rake sign , rectangular fan sign , mushroom sign chhatrakam with vowel aa trident sign yajniyah with vowel e ending with rake sign yielding words hu om namannav chhayen meaning subduing to nine morphs of Godess Durga.

42/111

H-213 A

शं नए न

हड़प्पा से प्राप्त इस चित्र में शंख के साथ निर्दात्रं का संयुक्ताक्षर शं पुन: निर्दात्रं से न एषण: एवं निर्दात्र के चित्रलेख हैं। इस इबारत के पूर्व में ओम तथा अन्त में म: जोड़ने से ओम शंनए नम: की उत्पत्ति होती है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ निकलता है कि शनिदेव को नमस्कार।

This broken seal from Harappa depicts hieroglyph for joint letter of shankhah with nirdatram followed by nirdatram and eshnah ending with nirdatram. This makes shan na e na which prefixed with om and suffixed with mah creats om shanaenamah.which in samskrit means subdueing onself before shani dev.

हे षष्ठम वयह

43/115

इस मुद्रा में एषणः की स्वरलिपि के साथ हंडिका के बाद छः खड़ी रेखाओं के साथ मीनं से षष्ठम तदोपरान्त व्यजः यज्ञीयः और हंडिका से मिलकर हे षष्ठम वयः शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है हे छः वर्षीय जो वामन भगवान का विशेषण है।

This seal depicts hieroglyph for jar(handikah)with vowel sign for e followed by six vertical lines with fish sign meant for sixth then fan sign for v figtwig sign for y ending with jar sign for visargah creating words as he shashtham vayah meaning in samskrita as o six year old which is alternate name for God Vamana.

44/116

H-74 a

H-74 A

राधिकनु

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः के लिये दो खड़ी रेखाओं के साथ इ की स्वरलिपि संग धन्वः का चित्रलेख कलेवरं का चित्रलेख अन्त में उ की स्वरलिपि के साथ निर्दात्रं से राधिकनु शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कृत में अर्थ होगा राधा एवं कृष्ण।

This seal from Harappa depicts hieroglyph for rajjuh as two vertical lines followed by dhanvah with vowel i and kalevaram ending with nirdatram with vowel sign for u jointly forming word radhikanu whch is samskrit name for radhakrishna.

45/118

सूरशेनस

इस मुद्रा में उ की स्वरलिपि के साथ स्वास्तिक के बाद एक खड़ी रेखा से रज्जुः फिर ए की स्वरलिपि के साथ शंख फिर निर्दात्रं अन्त में स्वास्तिकः से मिलकर शब्द सूरशेनस बनता है जो मथुरा का प्राचीन नाम है।

This seal depicts hieroglyph for swastikah with vowel u followed by single vertical line for rope sign rajjuh then conch sign shankhah with vowel e then rake sign nirdatram ending in swastikah making word surshenas which is old name for Mathura.

46/126

M-82 A

M-82 a

या सु रामः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में यज्ञीय, अंकुशः, उ की मात्र के साथ संवरणम्, आ की मात्र के साथ रज्जुः के मध्य मीनम् अन्त में विसर्ग स्वरूप हंडिका मिलकर या सु रामः शब्द युग्म निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है भगवान राम से प्रार्थना।

This seal from Mohan Jo Daro depicts hieroglyph for yajniyah followed by hieroglyph for ankushah then samvaranah with vowel sign for u then fish sign for m in between the brackets of rajjuh with vowel sign of aa end with jar sign for visargah creating words ya su Ramah which in samskrit means prayer to Lord Ramah.

शम्भूः

कालीबंगन से प्राप्त इस मुद्रा में शंखम् मीनम् उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः के चित्रलेख के अन्त में हंडिका से मिलकर शम्भूः शब्द निर्मित होता है, जो शिव का एक नाम है।

This seal from Kalibangan reads as conch sign,fish sign,bellow sign with vowel u ending in jar sign for visargah create word shambhuh which is a name for Lord Shiva.

K-62 a

K-62 A

48/463

शम्भूःकृपि

M-249 A

M-249 a

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शंखम, मीनम, उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः हंडिकाः, कृपाणी, इ की मात्र के साथ पर्णम्, के चित्रलेख मिलकर शम्भूः कृपि (शम्भूः+कृपि) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है शिव कृपा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as conch sign, fish sign, bellow sign with vowel u, jar sign, scissor sign , leaf sign with vowel i , create word shambhuh kripi which mean 'blessings of Lord Shiva' in samskrita

रम्भः

49/222

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः मीनम् भस्त्रिकाः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर रम्भः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दुर्गा है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign ,fish sign,bellow sign, ending with jar sign create word rambhah which means 'Durga' in samskrita.

M-512 A

M-511 A

छ रः

50/229

H-182 A

H-182 B

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में छत्रकम् रज्जुः हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर छ रः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अग्निखंड है।

This seal from Harappa reads as hieroglyph for chhatrakam ,rajjuh ending with jar sign create word chharah which means 'part of fire' in samskrita.

वराह

51/134

चन्हूजो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में व्यजः के चित्रलेख के बाद आ की मात्रा के साथ रज्जुः का चित्रलेख अन्त में विसर्ग के लिये हंडिका का चित्रलेख मिलकर वराह शब्द की उत्पत्ति करते हैं जो दैत्यराज हिरण्याक्ष के उद्धार के लिये भगवान विष्णु के वराहावतार की ओर इंगित करता है।

This seal from Chanhu Jo Daro reads as hieroglyph for fan,then rope sign with vowel aa ending in jar sign for visargah create word varah which is aname of incarnation of Lord Vishnu to kill Demon king Hirnayaksh.

C-2 A

C-2 a

52/161

M-357 a

M-357 A

शेषमा ऐन्शकाः

आंशिक रूप से चढ़ावे का प्रसाद

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में ए की मात्रा के साथ शकटारिः, शंखम्, आ की मात्रा के साथ मीनम्, एषणः एवं निर्दात्रि का संयुक्ताक्षर, शंखम्, आ की मात्रा के साथ कलेवरम् अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शेषमा ऐन्शकाः (शेषमा+ऐन्शकाः) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है आंशिक रूप से चढ़ावे का प्रसाद।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign with vowel e, conch sign, fish sign with vowel aa , joint letter of rake sign with arrow sign, conch sign, human sign with vowel aa ending with jar sign create word sheshama ainshkah which mean 'partially remains of offerings' in samskrita

सु ओमाभः सि

53/83

M-629 A

M-629 a

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की स्वरलिपि के साथ संबाधम् के चित्रलेख से सु ओ के चित्रलेख से ओ आ की स्वरलिपि के साथ मीनं के चित्रलेख से मा भस्त्रिः के चित्रलेख से भ विसर्ग के लिये हंडिका का चित्रलेख अन्त में इ की स्वरलिपि के साथ स्वास्तिकः के चित्रलेख से सि मिलकर सुओमाभः सि शब्दयुग्म बनता है। जिसका अर्थ निकलता है सर्वशक्तिमान ईश्वर के तेज को कसकर पकड़ना या धारण करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads vulva sign sambadham with two short lines for vowel u then hieroglyph fof om followed by fish sign meenam with extra fins for vowel aa then bellow sign bhastrikah ending in jar sign handikah su om abhah followed by swastika with roof for vowel i si in samskrit meaning thereby To Gain Devine Aura.

54/162
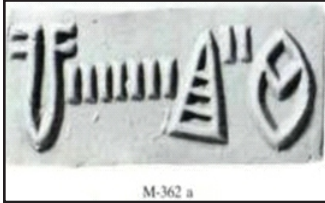
M-362 a

M-362 A

सुग सप्तः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, गिरिः, सात खड़ी रेखायें अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सुग सप्तः (सुग+सप्तः) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सात सुगम्य दर्शन यथा कपिल का सांख्य, गौतम का न्याय,कणाद का वैशेषिक, पतंजलि का योग, जैमिनि की मीमांसा, व्यास का वेदान्त, चार्वाक का लोकायत।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, hill sign , seven vertical lines ending with jar sign create word sug saptah which mean 'seven philosophies of India' in samskrita

सुर इछः

55/200

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् के चित्रलेख सु के उपरान्त एक खड़ी रेखा रज्जुः से र इ के लिये तीन छोटी रेखायें छत्रकम् से छ अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सुर इछः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दैवी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u,rope sign,hieroglyph for i, mushroom sign ending with jar sign create word sur ichhah which means 'daiv vashat' in samskrita.

M-90 a

M-90 A

56/370

सुरवयति

M-834 A

M-834 a

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, रज्जुः, व्यजः, यज्ञीयः, इ की मात्रा के साथ तुलाधरः के चित्रलेख मिलकर सुरवयति (सुरः+वयति) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है देव गमन।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, rope sign, fan sign, trident sign ending with bearer sign with vowel i create word ' suravayati' which mean 'retreat of Gods' in samskrita.

गिरेकृति

57/376

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ गिरिः, ए की मात्रा के साथ रज्जुः, रज्जुः के चित्रलेख के मध्य कलेवरम्, अन्त में इ की मात्र के साथ तुलाधरः के चित्रलेख मिलकर गिरेकृति (गिरः,सरस्वती,वाणी+कृति,निर्मित) शब्द निर्मित करते है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है वाणी द्वारा निर्मित अर्थात श्लोक।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hill sign with vowel i, rope sign with vowel e, human sign amidst rope sign, ending with bearer sign with vowel i create word ' girekriti' which mean 'creation of words meaningful poetry' in samskrita.

M-896 a

M-896 A

58/383

श्वहे शशर्षः
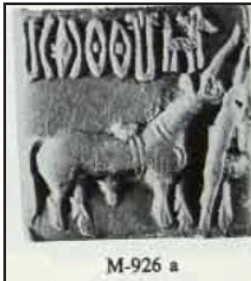
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में श्वानः, ए की मात्रा के साथ हंडिकाः, शंखमुद्वय, रज्जुः के चित्रलेख के मध्य सरण्डः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर श्वहे शशर्षः (श्वहे, अर्पण+शशर्षः, अत्रेयज ऋषि चन्द्रमा) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अत्रेयज ऋषि चन्द्रमा की प्रसन्नता के लिये।

This seal from Mohan Jo Daro reads as shwanah, jar sign with vowel e, double conch sign , hieroglyph for sarandah amidst rope sign , ending with jar sign create word ' shwahe shasharshah' which mean 'to hail sage Chandrama son of sage Attri one of seven sages' in samskrita.

M-926 a

M-926 A

ययययतः

59/386

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में यज्ञीयः चार बार अन्त में हंडिकाः संग तुलाधरः के चित्रलेख मिलकर ययययतः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है य (जो) य (गतिमान है) य (वायु की तरह) यतः (को नियन्त्रित कर) अर्थात चित्त को नियन्त्रित कर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as four times trident sign followed by jar sign with bearer sign create word ' yayayayatah ' which mean 'to control mind' in samskrita.

M-1123 A

M-1123 a

60/422

M-102 A

M-102 a

परत्रतः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में पुष्कलकः, रज्जुः,तीन खड़ी रेखायें, अन्त में हंडिकाः के साथ तुलाधरः के चित्रलेख मिलकर परत्रतः (परत्र+तः) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है परलोक फल हेतु।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wedge sign, rope sign, three vertical lines, ending with jar sign with bearer sign create word patratah which mean 'ultra mundane' in samskrita

चतुर्मुख त्रए

61/423

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में चार खड़ी रेखायें, उ की मात्रा के साथ मीनम्, खल्लः, तीन खड़ी रेखायें, अन्त में एषणः के चित्रलेख मिलकर चतुर्मुखत्रए (चतुर्मुख+त्रए) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है ब्रहमा की रक्षार्थ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as four vertical lines, fish sign with vowel u, mortar and pestl sign, three vertical lines, ending with arrow sign create word chaturmukhatrae which mean 'protecting Brahma' in samskrita

M-64 A

M-64 a

62/426

M-66 A

M-66 a

शं अनपूमिवयः

(निर्जला तप के समान)
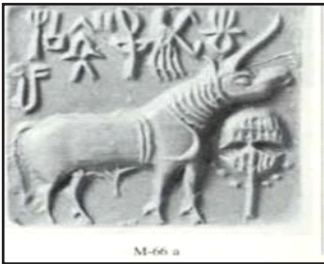
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शंखम् संग निर्दात्रम्, अंकुशः संग निर्दात्रम्, उ की मात्रा के साथ पर्णम्, इ की मात्रा के साथ मीनम्, व्यजः,यज्ञीयः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शं अनपूमिवयः (शं, प्रसन्नता+अनप, निर्जल+उम, प्रतिज्ञा+इवयः, समान) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्रसन्नतापूर्वक निर्जल तप की प्रतिज्ञा के समान।

This seal from Mohan Jo Daro reads as conchsign with rake sign, goad sign with rake sign, leaf sign with vowel u, fish sign with vowel i, fan sign, trident sign , ending with arrow sign create word shan anpumivayah which mean 'vow to please without taking water' in samskrita

सेवायः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में ए की मात्रा के साथ स्वास्तिकः, आ की मात्रा के साथ व्यजः, यज्ञीयः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सेवायः (सेवा+अयः) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है श्रद्धा करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as swastikah sign with vowel e, fan sign with vowel aa, trident sign, ending with jar sign create word sevayah which mean ' revere' in samskrita

63/428

M-55 A

M-55 a

64/432

M-39 A

M-39 a

श्वसइमिमायः

(यह सांस की माया प्राणायाम रहस्य)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में श्वानः, संवरणम्, इ का चित्रलेख, इ की मात्रा के साथ मीनम्, आ की मात्रा के साथ मीनम्, यज्ञीयः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर श्वसइमिमायः (श्वस+इमि+मायः) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है श्वसन की माया अथवा प्राणयाम रहस्य।

This seal from Mohan Jo Daro reads as dog sign , mask sign, hieroglyph for i, fish sign with vowel i, fish sign with vowel aa, trident sign, ending with jar sign create word shwasimimayah which mean ' fantasy of respiration or mystery of pranayam' in samskrita.

चटे माययिः

मोहन जो दड़ो से प्राप्तइस मुद्रा में चन्द्रकः , ए की मात्रा के साथ टंकः, आ की मात्रा के साथ मीनम् , यज्ञीयः, इ की मात्रा के साथ यज्ञीयः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख के मिलकर चटेमाययिः (चट+माययिः) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है माया को नष्ट करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as chandrakah, axe sign with vowel e, fish sign with vowel aa , double trident sign with vowel i ending with jar sign create word chate mayayih which mean 'removing illuision' in samskrita.

65/436

M-84 A

M-84 a

66/439

M-91 A

M-91 a

ननवृषूरम ओमकाः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में निर्दात्रं द्वय , वृश्चिकः, उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, रज्जुः, मीनम् , ओम के चित्रलेख, आ की मात्रा के साथ कलेवरम् अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख के मिलकर ननवृषूरमओमकाः (न, नहीं+न, समरुप+वृषः, नन्दी+ रम, प्रिय+ओमकाः, शिव) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है नन्दी प्रिय शिव के सम कोई नहीं है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as double rake sign, scorpion sign, vulva sign with vowel u, rope sign, fish sign hieroglyph for om, human sign with vowel aa ending with jar sign create word na na vrishuram omkah which mean 'vrishpati Lord Shiva is God' in samskrita.

त्रयाकव्व

67/447

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में तीन खड़ी रेखायें, अंकुशः कलेवरम्, अन्त में आयताकार व्यजः द्वय के चित्रलेख मिलकर त्रयाकव्व (त्रया+ कव) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है त्रिदेवों की स्तुति।

This seal from Mohan Jo Daro reads as three vertical lines, goad sign , human sign , ending with double rectangular fan sign create word trayakavva which mean 'prayer to triple Gods' in

M-161 A

M-161 a

68/452

M-192 A

M-192 a

हुयेः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ हंडिकाः, ए की मात्रा के साथ यज्ञीयः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर हुयेह शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है आवाह्न करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as jar sign with vowel u, trident sign with vowel e , ending with jar sign create word huyeh which mean 'to challenge' in samskrita.

ईशर

(अग्नि की तलाश)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में ई के चित्रलेख के मध्य शकटारिः एवं रज्जुः के चित्रलेख मिलकर ईशर (ईश्+रः) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अग्नि की आकांक्षा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign and rope sign amidst hieroglyph for ee create word eeshar which mean 'desire for fire' in samskrita.

69/457

M-137 A

M-137 a

70/209

M-121 A

M-121 a
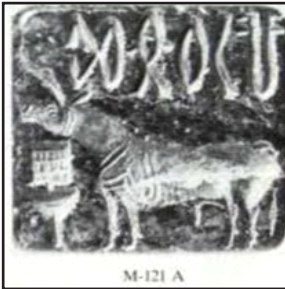
ओमेशरः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में ओम के चित्रलेख के बाद ए की मात्रा के साथ मीनम् शंखम् रज्जुः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर ओमेशरः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्राणेश्वर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for om followed by fish sign with vowel e,conch sign ,rope sign, ending with jar sign create word omesharah which means 'God of respiration' in samskrita.

सूरिः

मोहन जो दड़ो से प्राप्तइस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् के बाद ए की मात्रा के साथ रज्जुः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सूरिः जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है ऋषि है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u ,rope sign with vowel e, ending with jar sign create word surih which means 'sage' in samskrita.

71/215

M-204 A

M-204 a

M-823 A

M-823 a

72/232

H-206 A
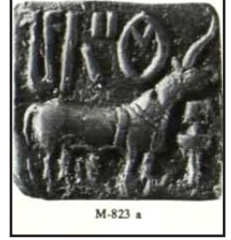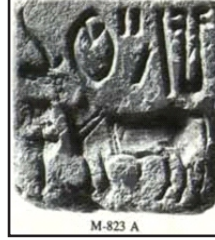
जय साम्बः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में जालकम् यज्ञीयः, आ की मात्रा के साथ संवरणम्, बन्धस्थानम्, हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर जय साम्बः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है जय शिव।

This seal from Harappa reads as hieroglyph for window, trident sign,mask sign with vowel aa,hieroglyph for bandhasthanam(prison)sign, jar sign create word jay saambah which means 'hail Lord Shiva' in samskrita

जयाम नवय
(दुर्गानवमी)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में जालकम् आ की मात्रा के साथ यज्ञीयः मीनम् 9 खड़ी रेखाओं के बाद पुनः यज्ञीयः मिलकर जयाम नवय शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दुर्गा के नौ रूप है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for jalakam,then trident sign with vowel aa , fish sign,nine vertical lines with trident sign create word jayam navay which means 'nine forms of Goddess Durga' in samskrita.

73/237

M-172 a

M-172 A

74/239

M-623 A

M-623 a

शानु ओम् नमभ्भयय:

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शकटारिः अंकुशः उ की मात्रा के साथ निर्दात्रं से शानु (कसौटी पत्थर या शलिग्राम) तत्पश्चात ओम् के चित्रलेख के साथ निर्दात्रं मीनम् भस्त्रिः द्वय यज्ञीयः द्वय अन्त में हंडिकाः से ओम् नमभ्भयय: शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है भगवान विष्णु को नमन।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign, goad sign, rake sign with vowel u followed by hieroglyph for om then rake sign,fish sign, then double bellow signs and double trident signs ending with jar sign for visargah create word shanu om namabhbhayayah which means 'bowing down to Lord vishnu' in samskrita.

सुर्सप्तः
(सप्तर्षि)

75/293

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, रज्जुः के चित्रलेख के मध्य सप्तांकः अन्त में हंडिकाः से सुर्सप्तः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ सप्तर्षियों से है।

This seal from Lothal reads as vulva sign with vowel u,numeral seven amdst hieroglyph for rope ending with jar sign create word sursaptah which means 'seven sages ' in samskrita.

L-84 A L-84 a L-162 A L-161 A

76/300

Dlv-1 A

Dlv-1 a
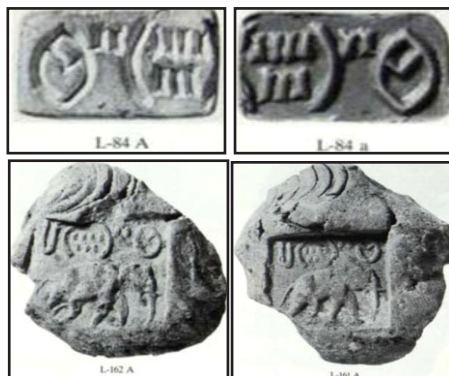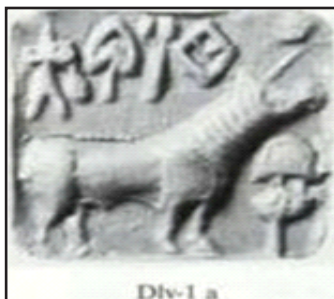
सुरपति

धोलावीरा से प्राप्तइस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्,रज्जुः,पर्णः अन्त में इ की मात्रा के साथ तुलाधरः से सुरपती शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ देवराज इन्द्र से है।

This seal from Dholavira reads as vulva sign with vowel u, rope sign,leaf sign ending with bearer sign with vowel i create word surpati which means 'deity Indra ' in samskrita
2

मरवहमिव्व

77/302

(मरूवहम्इव राहु के समान)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में मीनम्, रज्जुः, व्यजः, हंडिकाः, इ की मात्रा के साथ मीनम्, व्यजःद्वय, से मरवहमिव्व शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है राहु के समान।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fish sign ,rope sign,fan sign,jar sign,fish sign with vowel i create word marvahamivva which means ' like Rahu' in samskrita.

M-627 A

M-627 a

M-627 a bis

M-627 A bis
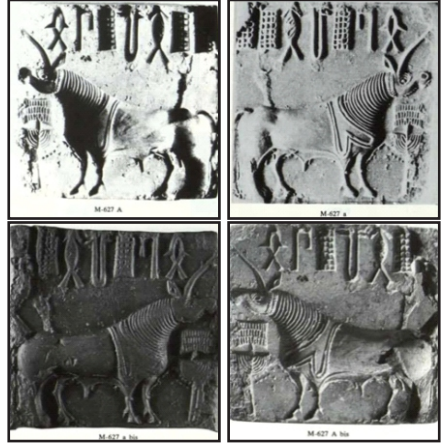
78/303

आसनुमओमह

(उमा महेश्वर का आसन)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में अंकुशः, स्वास्तिकः, उ की मात्रा संग निर्दात्रम्, मीनम्, ओम के चित्रलेख अन्त में हंडिकाः से आसनुमोमः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है उमा महेश्वर का आसन अर्थात कैलाश।

This seal from Mohan Jo Daro reads as goad sign,hieroglyph for swastika,rake sign wth vowel u, fish sign, hieroglyph for omah ending with jar sign create word asanumomah which means ' seat of uma and maheshwar i.e. mount Kailash' in samskrita.
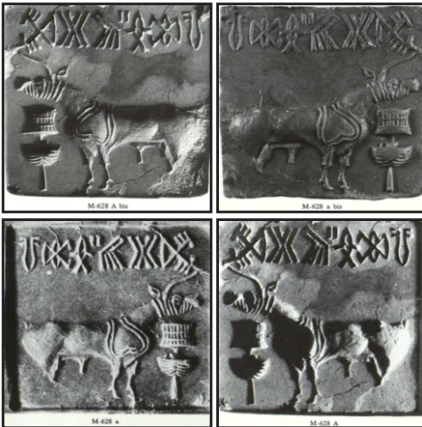
दक्षुमाः सप्तयः

(सात योग्य सप्तर्षि)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में द्रोणिः, कलेवरं, उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, आ की मात्रा के साथ मीनम्, हंडिकाः, सात खड़ी रेखाओं के बाद यज्ञ के चित्रलेख अन्त में हंडिकाः से दक्षुमाः सप्तयः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सात दक्ष अथवा सप्तर्षि।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for dronih, human sign,vulva sign with vowel u,jar sign, seven vertical lines,hieroglyph for yajnah, ending with jar sign create word daksumah saptayah which means 'seven learned or seven sages' in samskrita.

79/306

M-644 A

M-644 a

80/316

M-722 A

M-722 a

सुरम् मायः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, रज्जुः, मीनम्, आ की मात्रा के साथ मीनम्, यज्ञ के चित्रलेख अन्त में हंडिकाः से सुरम मायः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दैवी चमत्कार।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u ,rope sign fish sign with vowel aa, hieroglyph for yajnah ending with jar sign create word suram mayah which means 'divine miracle' in samskrita.

शु सप्तनः

81/317

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ शकटारिः, सात खड़ी रेखाएं, निबन्धः, के चित्रलेख अन्त में हंडिकाः से शु सप्तनः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सप्तर्षि।

This seal from Mohan Jo Daro reads wheel sign with vowel u, seven vertical lines, hand cuff sign ending with jar sign create word shu saptanah which means 'seven sages' in samskrita.

M-728 A

M-728 a

82/320

M-741 A

M-741 a

नान्ति

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में आ की मात्रा के साथ निर्दात्रम्,निर्दात्रम्, अन्त में इ की मात्रा के साथ तुलाधरः से नान्ति शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अनन्त।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rake sign with vowel aa , rake sign, ending with bearer sign with vowel i create word nanti which means 'infinite' in samskrita.

शः

83/337

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शंखम् अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है शिव या शस्त्र।

This seal from Mohan Jo Daro reads as conch sign ending with jar sign create word shah which mean 'Shiva' in samskrita.

M-977 A

M-977 a

84/347

M-745 A

M-745 a
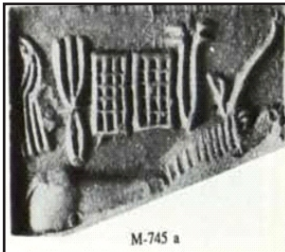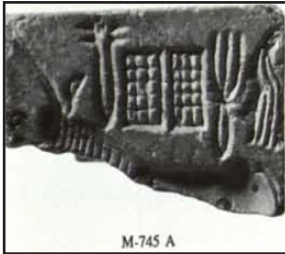
हववशांन

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में हंडिकाः के चित्रलेख के बाद आयताकार व्यजः द्वय, आ की मात्रा के साथ निर्दात्र एवं शंखम् का संयुक्ताक्षर, अन्त में निर्दात्र के चित्रलेख मिलकर हववशांन (हव+वशांन) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है यज्ञ के वशीभूत।

This seal from Mohan Jo Daro reads as jar sign, double rectangular fan sign , joint letter of rake sign with conch sign with vowel aa, ending with rake sign create word hava vashann which mean 'under influence of sacred ritual(yajna)' in samskrita.

रवयहे रम राः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः, व्यजः, यज्ञीयः के बाद ए की मात्रा के साथ हंडिकाः, रज्जुः, मीनम्, आ की मात्रा के साथ रज्जुः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर रवयहे रम राः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सूर्य को प्रसन्न करने हेतु त्याग।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign, fan sign , trident sign, jar sign with vowel e, rope sign, fish sign , rope sign with vowel aa, ending with jar sign create word ravayaheramrah which mean 'sacrifice for pleasure of Sun God' in samskrita.

85/348

M-746 A

M-746 a

रा ख ओमज

86/349

M-747 A

M-747 a
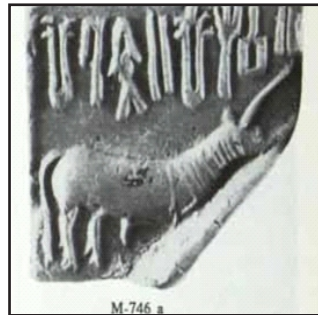
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में आ की मात्रा के साथ रज्जुः, खल्लः, ओम के चित्रलेख अन्त में जालकम् के चित्रलेख मिलकर रा ख ओमज शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है ज्ञान प्राप्ति के लिये ओमज (वेद) को समर्पण करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign with vowel aa, mortar and pestle sign, hieroglyph for om ending with window sign create word ra kha omaj which mean 'subdue to vedah for knowledge' in samskrita.

मि ओम नश

87/350

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ मीनम्, ओम के चित्रलेख , निर्दांत्र अन्त में शंखम् के चित्रलेख मिलकर मि ओम नश शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है ओम के उच्चारण से प्रत्यक्ष ज्ञान को नष्ट कर मोक्ष की प्राप्ति होती है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fish sign with vowel i, hieroglyph for om , rake sign ending with conch sign with vowel e create word mi om nashe which mean 'chant of om destroys visible knowledge for salvation' in samskrita.

M-748 A

M-748 a

88/464

M-254 A

M-254 a

पंचय वृण

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में पांच खड़ी रेखायें, यज्ञीयः, वृश्चिकः, अन्त में ण के चित्रलेख मिलकर पंचय वृण (पंचय+वृणः) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पंच आहार यथा शब्द, स्पर्श, दृश्य, रस, गंध।

This seal from Mohan Jo Daro reads as five vertical lines, trident sign scorpion sign, ending with hieroglyph for na create word panchaya vrina which mean 'five perceptions like sound for ears, touch for skin, sight for eyes, taste for tongue, smell for nose' in samskrita

अरेम ईश श्री

89/866

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में अंकुशः, ए की मात्रा के साथ रज्जुः, मीनम्, अन्त में ई के चित्रलेख के मध्य शंखम् मिलकर अरेमईश श्री(अरेम+ईश+श्री) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तत्परता के साथ कार्य करने वाला सर्वशक्तिमान सर्वसम्पन्न ईश्वर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as goad sign , rope sign with vowel e , fish sign, ending with conch sign amidst hieroglyph for ee create word arema isha which mean 'omnipresent,omnipotent,Lord of all comforts GOD' in samskrita

M-256 A

M-256 a

चतुर्थ क

90/476

M-262 A

M-262 a

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में चार खड़ी रेखायें अन्त में कलेवरम् के चित्रलेख मिलकर चतुर्थ क (चतुर्थ+क) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है चार काल यथा सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग, कलियुग अथवा चार आश्रम ब्रहमचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, सन्यास।

This seal from Mohan Jo Daro reads as four vertical lines ending with human sign create word chaturth ka which mean ' four time frames like satyug, tretayug, dwaperyug, kaliyug ' in samskrita

परशंनह क

(प्रसन्न मन)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में पुष्कलकः, रज्जुः, शंखम् के संग निर्दात्रं, निर्दात्रं, हंडिकाः, कलेवरम् मिलकर परशंनहक (प्रसन्नः+क) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्रसन्न मन।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wedge sign, rope sign, joint letter of conch sign and rake sign , rake sign, jar sign ending with human sign create word prasannah ka which mean 'happy mind' in samskrita

91/468

M-263 A

M-263 a

94/469

M-269 A

M-269 a

हवग

(हवन शेष)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में हंडिकाः, आयताकार व्यजः अन्त में गिरिः के चित्रलेख मिलकर हवग (हव+ग) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है हवन अवशेष या हवन भस्म।

This seal from Mohan Jo Daro reads as jar sign , rectangular fan sign , ending with hill sign create word havag which mean 'ashes remaining after yajna' in samskrita

यष्ट

93/218

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में यज्ञीयः से य सम्बाधम् से श अन्त में टंकः के चित्रलेख मिलकर यष्ट शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है यजमान है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as trident sign ,vulva sign ending with axe sign create word yasht which means 'host for yajnah' in samskrita.

M-210 A M-210 a

94/219

श्वयूपः

M-213 A

M-213 A bis

M-213 a
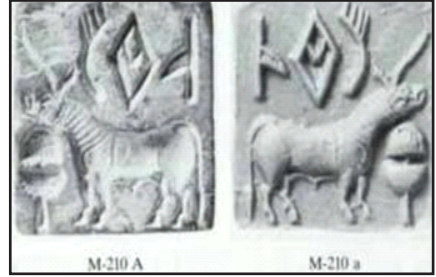
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में श्वानम् के चित्रलेख से श्व उ की मात्रा के साथ यज्ञीयः से यू पर्णम् से प अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर श्वयूपः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है कल का विजयस्मारक अथवा यज्ञ की स्थूणा है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for dog ,trident sign with vowel u ,leaf sign ending with jar sign create word shwayupah which means 'tomorrow`s victory memorial' in samskrita.

शुओमयत्रमाईमि

95/546

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शकटारिः, ओमः, यज्ञीयः, तीन खड़ी रेखायें, आ की मात्रा के साथ मीनम्, ई के चित्रलेख के मध्य इ की मात्रा के साथ मीनम्, के चित्रलेख मिलकर शुओमयत्रमाईमि (शु,शुभ+ओमः, मांगलिक+यत्र, जहां+मा, लक्ष्मी+ईमि, विद्यमान) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है जहां धन की देवी लक्ष्मी विद्यमान हों वहां शुभता तथा मांगलिकता हो।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign, hieroglyph for om, trident sign, three vertical lines, fish sign with vowel aa, fish sign with vowel i , amidst hieroglyph for ee create word shuomayatramaima which mean 'where the wealth there auspiciousness' in samskrita.

M-54 A

M-54 a

96/550

M-322 A

M-322 a

शरेऋः

(पंचभैरव)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शकटारिः, ए की मात्र के साथ रज्जुः, इ की मात्रा के साथ रज्जुः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शरेऋः (शरः,पांच+ऋः,भैरव) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पांच भैरव यथा काल भैरव, कपाल भैरव, बटुक भैरव, मतंग भैरव,उन्मत्त भैरव।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign , rope sign with vowel e , rope sign with vowel i, ending with jar sign create word sharerih which mean 'five Bhairavas' in samskrita.

गगिशुमिनमर्रः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में गुवाकदरणः, इ की मात्रा के साथ गिरिः , उ की मात्रा के साथ शंखम्, इ की मात्रा के साथ मीनम्, निर्दात्रं, मीनम्, रज्जुः द्वय अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर गगीशुमिनमर्रः (गगीशः, पक्षी गिद्ध द्वारा+उम्, प्रतिज्ञा कर+इन, सूर्य को+ मरः, मारने की +रः, इच्छा से) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है गिद्ध राज द्वारा सूर्य को मारने की इच्छा की प्रतिज्ञा। यह जटायु एवं सम्पाति के सूर्य विजय के आख्यान की कथा से सम्बन्धित लगता है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as betel nut cutter sign, hill sign with vowel i, conch sign with vowel u, fish sign with vowel i, rake sign, fish sign , double rope sign ending with jar sign create word gagishuminamararah which mean 'vow by vultures Jatayu and Sampati to control over Sun' in samskrita.

97/552

M-52 A

M-52 a

98/553

M-358 A

M-358 a

गूष्माएत्रे

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ गिरिः, शंखम्, आ की मात्रा के साथ मीनम्, एषणः अन्त में ए की मात्रा के साथ त्र के चित्रलेख मिलकर गूष्माएत्रे (गूष,मोरपंख+मा,के अन्दर की+एत्रे,चमक) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मोरपंख के अन्दर की चमक।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hill sign with vowel u, fish sign with vowel aa , arrow sign ending with three vertical lines with vowel e create word gushamaetrae which mean 'the shining of peacock's tail' in samskrita.

शमिमारः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शंखम्, इ की मात्रा के साथ मीनम् , आ की मात्रा के साथ मीनम्, रज्जुः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शमिमारः (शमि, शमनकर्ता+मारः, काम) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है कामजयी यथा शिव।

This seal from Mohan Jo Daro reads as conch sign, fish sign with vowel i, fish sign with vowel aa , rope sign ending with jar sign create word shamimarah which mean 'control over lust' in samskrita.

99/555
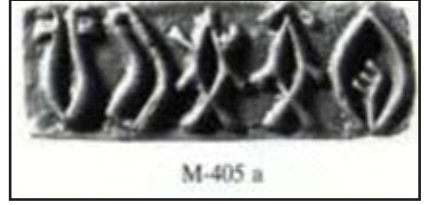
M-405 a

M-405 A

100/556

M-407 A

M-407 a

सहुमीरः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में सीरः, उ की मात्रा के साथ हंडिकाः, ई की मात्रा के साथ मीनम्, रज्जुः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सहुमीरः (सहु, दबाना+मीरः, समुद्र) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है समुद्र बंधन।

This seal from Mohan Jo Daro reads as plough sign, jar sign with vowel u, fish sign with vowel i , rope sign ending with jar sign create word sahumirah which mean 'bridge over sea' in samskrita.

गवत्ररः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में गिरिः, व्यजः, तीन खड़ी रेखायें, रज्जुः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर गवत्ररः (गोत्र, वंश+रः,अग्नि) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अग्निवंशी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hill sign, fan sign three vertical lines, rope sign ending with jar sign create word gavatrarah which mean 'fire dynasty' in samskrita.

101/565

M-374 A

M-374 a

102/624

M-293 A M-293 A bis

M-293 a
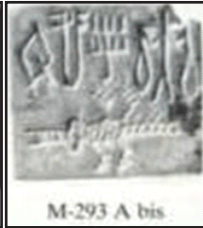
सहेन्नति

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में सम्बाधम्, ए की मात्रा के साथ हंडिकाः , निर्दात्रि द्वय, अन्त में इ की मात्रा के साथ तुलाधरः के चित्रलेख मिलकर सहेन्नति (सहा, पृथ्वी+इन, सूर्य+नति, झुकाव) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पृथ्वी का सूर्य के सापेक्ष झुकाव। यह सूर्य सिद्धान्त की मुद्रा है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign, jar sign with vowel e, double rake sign ending with bearer sign with vowel i, create word sahennati which mean 'inclination of earth in relation to sun' in samskrita.

युद्ध मुद्रायें
War Seals

1/4

श

मोहन जो दड़ो से प्राप्त यह एकाक्षरी मुद्रा सिंहों के साथ खेलते चक्रवर्ती महाराज शाकुन्तल भरत (दुष्यन्त पुत्र) के ऊपर शस्त्र का प्रतीक शकटारिः जिसे संस्कृत भाषा में श कहते हैं जिसका अर्थ है शस्त्र द्वारा रक्षा। यही चक्र सम्राट अशोक ने अपने स्तम्भों में उत्कीर्ण कराया जो बाद में भारत सरकार ने अपने ध्वज में प्रयुक्त किया।

This tablet shows lion tamer chakravarti king Bharata son of king Dushyant and his estranged wife Shakuntala on whose name our nation got its name to Bharatavarsha. Monosyllabic sha in samskrit meaning protection by shastra . This chakra of shaktarah was later adopted by Asoka in his pillars. Thereafter it was adopted by Indian government in its national flag.

नय

(रक्षा Protect)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में निर्दात्रम् और यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर नय शब्द निर्मित करते हैं, जिसका अर्थ है संरक्षा।

This seal from Mohan Jo Daro reads rake sign with trident sign create word naya which in samskrit means protection.

2/5
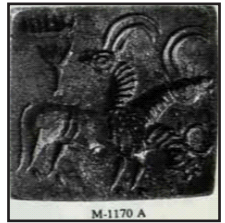
M-1170 A

M-1170 a

3/14

K-49 A

K-49 a

त्रसति

(भयभीत)

यह त्रयाक्षरी मुद्रा तीन खड़ी रेखाओं से त्र स्वास्तिक से स एवं इ की स्वरलिपि के साथ तुलाधर से ति लेकर त्रसति शब्द का निर्माण करती है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है भयभीत। यही अर्थ इस मुद्रा में अंकित चित्र भी दर्शा रहा है जहां एक व्यक्ति सिंह के सामने भयभीत अवस्था में बैठा है।

This trisyllabic seal show three letters trayah swastika and bearer with vowel i, thereby read as trasati in samskrit which means feared as depicted in picture aperson in front of tiger is afraid of.

भय त्रय

(भय रहित)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुदा में भस्त्रिः के चित्रलेख से भ, यज्ञीय के चित्रलेख से य, तीन खड़ी रेखाओं से संख्या त्रयः से त्र, एषणः के चित्रलेख से ए मिलकर भयत्रए शब्द का निर्माण करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है भय मुक्त या भयरक्षित। साथ ही इस मुद्रा में एकसिंगी गैंडे का चित्र है। जो इस बात को इंगित करता है कि यह एक एकसिंगी गैंडे के अभयारण्य की मुद्रा है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as bellow sign bhastrikah followed by trident sign yajniyah then trayah ending in arrow sign eshanah collectively pronounced as bhaya tra ae in samskrit means away from all fears.This could be a seal of sanctuary.

4/38

M-276 A

M-276 a

सैंहे शोमहज

(सिंह शान्त करने वाला) शाकुन्तल भरत

5/54

M-306 A

M-306 a

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में संबाधम् के चित्रलेख से स एषण: एवं निर्दातृं के संयुक्ताक्षर ऐं और ए की मात्रा के साथ हंडिका से हे मिलकर सैंहे शंख के चित्रलेख से श अ तथा उ के संयुक्ताक्षर ओं हंडिका के चित्रलेख से ह जालकं के चित्रलेख से ज मिलकर शोमहज शब्द युग्म बनता है। सैंहे शोमहज के अर्थानुसंधान से सिंहों को शमन (शान्त) रखने की विद्या प्राप्त होती है। यही कार्य मुद्रा में उत्कीर्ण चित्रों से भी सिद्ध होता है जहां एक व्यक्ति दो सिंह शावकों के साथ खेल रहा है। यह कथा कण्वाश्रम में शकुन्तला पुत्र भरत की कथा से मिलती है।

This tablet reads vulva sign sambadham,arrow sign eshanah with rake sign nirdatram followed by jar sign handikah with vowel e sainhe then conch sign shankham followed by hieroglyph for om then jar sign handikah shomah ending with jalakam ja meaning in samskrit as lion tamer . The picture in the seal shows lion taming skill of king Bharat son of Shakuntala and Dushyant born at kanvashram ,in his childhood ,after whose name our nation called Bharatavarsha.

6/114

M-308 A

M-308 a

णमो मए

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में ण के चित्रलेख के बाद उ की स्वरलिपि के साथ मुण्डि: के चित्रलेख पुन: मीनं एवं एषण: के चित्रलेख से मिलकर णमू मए शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है मेरे समक्ष झुको। जो मुद्रा के चित्र की अभिव्यक्ति भी है, जिसमें कण्वाश्रम में राजकुमार भरत सिंह शावकों का अपने समक्ष झुका रहा है।

This seal from Mohan Jo Daro depicts hieroglyph for abacus followed by hieroglyph for head (mundih) with vowel sign for u then fish sign for m and arrow sign for e yielding word duo namo mae which in samskrit means bow down before me.which correlates with the picture of prince Bharat taming lions before him.

सशर

(बाण के संग)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में स्वास्तिकः, शकट चक्रः,अन्त में रज्जुः के चित्रलेख मिलकर सशर शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है बाण के संग।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for swastika, wheel sign ending with rope sign create word ' sashar ' which mean 'with the arrow' in samskrita.

7/399

M-1309 A

M-1309 a
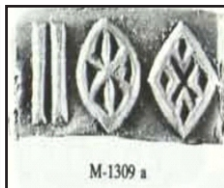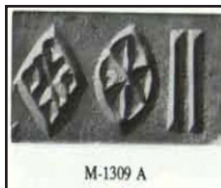
8/60

शरेमि मय त्रए

(बाणों के संग रक्षा करें)

इस मुद्रा में शकटचक्रः के चित्रलेख से श, ए की स्वरलिपि के साथ एकल खड़ी रेखा से रे, इ की स्वरलिपि के साथ मीनं से मि, पुनः मीनं से म, यज्ञीय के चित्रलेख से य, तीन खड़ी रेखाओं से त्र, एषणः के चित्रलेख से ए मिलाकर शरेमि मय त्रए शब्दमाला निर्मित होती है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है कि बाणों के संग रक्षा करें।

This seal reads as wheel sign then single line rope sign rajjuh followed by short vertical line for vowel e then fish sign

शरेमि माराः

9/97

इस मुद्रा में शकटचक्रः, ए की स्वरलिपि के साथ रज्जुः के चित्रलेख के बाद इ की स्वरलिपि के साथ मीनं का चित्रलेख पुनः आ की स्वरलिपि के साथ मीनं का चित्रलेख आ की स्वरलिपि के साथ रज्जुः के चित्रलेख अन्त में विसर्ग के लिये हंडिका मिलकर शब्द युग्म शरेमि माराः निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है बाणों से मारना।

This seal shows wheel sign, rope sign with vowel e followed by fish sign meenam with vowel i, then fish sign meenam with vowel aa followed by rope sign rajjuh with vowel aa ending with jar sign handikah for visarg creating couplet sharemi marah meaning in samskrita as killing with arrows

10/188

H-142 A

H-142 a

सरेशेक्षर्षः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में स्वास्तिकः, ए की मात्र के साथ रज्जुः एवं शंखम् के चित्रलेख के बाद शंखम् के मध्य कलेवरं पुनः रज्जुः के मध्य सरण्डः अन्त में हंडिका से सरेशेक्षर्षः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है शब्दभेदी बाण।

This seal from Harappa reads as hieroglyph for swastikah then rope sign with vowel e conch sign with vowel e , joint letter of conch sign with kalevaram inside joint letter of rope sign with hieroglyph of sarandah inside ending with jar sign create word suresheksharshah which means 'sound guided arrow' in samskrita.

11/98

M-1001 A

M-1001 a
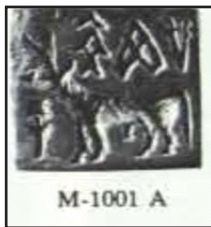
मिषः

(प्रतिस्पर्धा)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की स्वर लिपि के साथ मीनं तत्पश्चात सीरः का चित्रलेख अन्त में विसर्ग के लिये हंडिका का चित्रलेख मिलकर मिषः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ प्रतिस्पर्धा मिलता है।

This seal from Mohan Jo Daro shows fish sign meenam with vowel i, then hieroglyph for seerah ending with jar sign handikah for visargah creating word mishah which in samskrit language means competition.

सुमिषः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् से सु इ की मात्रा के साथ मीनम् से मि सीरः से ष अन्त में हंडिकाः से विसर्ग मिलकर सुमिषः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है उत्तम प्रतिस्पर्धा।

This seal from Harappa reads as hieroglyph for sambadham with vowel u then fish sign with vowel i , hieroglyph for seerah ending in jar sign for visargah create word sumishah which means a good competition in samskrita.

12/143

M-788 A

H-42 a

H-42 A

13/99

नश

इस द्वैक्षरी मुद्रा में निर्दातृं एवं शकट चक्रः से मिलकर नश शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ भाग जाना या भगा देना है।

This disyllabic seal shows hieroglyph for nirdatram rake sign and wheel sign shakatachakrah creating word nash which means in

सूत्रिप यसह

इस मोहन जो दड़ो से प्राप्त मुद्रा में उ की स्वरलिपि के साथ संबाधम् के चित्रलेख के बाद तीन खड़ी रेखाओं से त्र एवं इ की स्वरलिपि के साथ पर्णः का चित्रलेख दर्शाती है। तदोपरान्त यज्ञीयः सरटः एवं हंडिका के साथ सूत्रपि यसह शब्द युग्म निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सफलता का सूत्र प्रयास ही है।

This seal from Mohan Jo Daro depicts hieroglyph for sambadham with vowel u followed by three vertical lines for trah then hieroglyph for parnah with vowel i create word sutrapi .Next word yasah is formed by hieroglyph for yajniyah followed by saratah ending in handikah as visargah meaning in samskrita thereby as trial is basis of success.

14/117

M-72 a

M-72 A
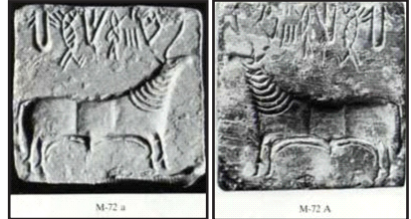
मामकाह श्री

इस खंडित मुद्रा में आ की स्वरलिपि के साथ मीनं पुनः मीनं फिर आ की स्वरलिपि के साथ कलेवरं के अन्त में विसर्ग के लिये हंडिका तथा नीचे ई की स्वरलिपि के साथ शंख एवं रज्जुः के संयुक्ताक्षर से मामकाः श्री शब्द युग्म बनता है, जिसका अर्थ संस्कृत भाषा में मेरी संपत्ति होता है।

This seal depicts hieroglyph for fish meenam with vowel a followed by meenam again then body sign kalevaram with vowel a ending in jar sign handikah for visargah followed by joint letter of shankhah and rajjuh with vowel ii making word duo mamkah shri which in samskrit means for my wealth.

16/120

15/119
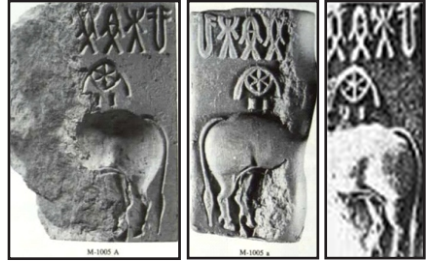
नंवश्री

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस खंडित मुद्रा में व्यजः के आयताकार चित्रलेख के साथ निर्दात्रं के चित्रद्वय के नीचे श्री के चित्रलेख से नंवश्री शब्द निर्मित होता है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है नवीन संपत्ति।

This seal from Mohan Jo Daro depicts hieroglyph for vyajah preceded by two signs of harrow for nirdatram ending in sign of shri creating word duo nanva shri meaning in samskrit as newly acquired wealth.

17/132

K-78 A
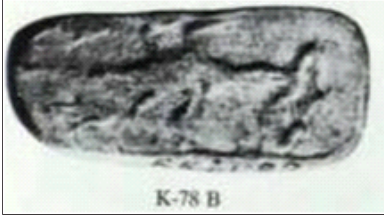
K-78 B

K-78 C

शुयसः

कालीबंगन से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्र के साथ शकटारिः के बाद यज्ञीय सम्बाधं एवं हंडिका से मिलकर सुयसः शब्द निर्मित होता है, जिसका अर्थ संस्कृत भाषा में अच्छा प्रयास से लिया जा सकता है।

This seal from Kalibangan reads as wheel sign hieroglyph for shakatarah with vowel u then trident sign,vulva sign ending in jar sign for visargah create word shuyasah which means a good effort.

रिष्टिभः

हड़प्पा से प्राप्त इस मृणमुद्रा में इ की मात्रा के साथ रज्जुः के चित्रलेख से रि सम्बाधम् से स इ की मात्र के साथ टंकः से टि भस्त्रिः से भ एवं अन्त में हंडिका से विसर्ग मिलाकर रिष्टिभः शब्द निर्मित होता है, जिसका अर्थ संस्कृत भाषा में तलवारें होता है।

This seal from Harappa reads as hieroglyph for rope sign with vowel i then vulva sign , axe sign with vowel i bellow sign ending in jar sign for visargah create word rishtibhah which means sword in samskrit.

18/136

H-155 A

H-155 a

19/274

M-78 A

M-78 a
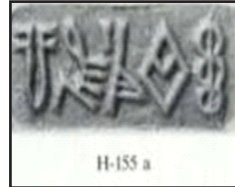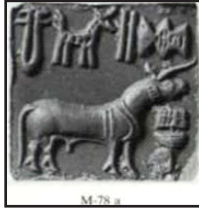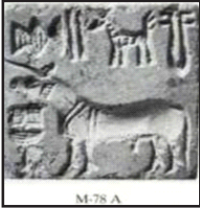
परश्वः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में पुश्कलकः (कुण्डी,फन्नी) से प,रज्जुः, श्वानः से श्व अन्त में हंडिकाः से परश्वः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है फरसा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wedge sign ,rope sign,dog sign ending with jar sign create word parashvah which means 'battle axe' in samskrita.

मंच राययः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में मीनम् के चित्रलेख के बाद ि के चित्रलेख व चन्द्रकः से मंच तत्पश्चात आ की मात्रा के साथ रज्जुः पुनः यज्ञीयः द्वय अन्त में हंडिका से राययः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है राजाओं का समूह।

This seal from Harappa reads as fish sign then hieroglyph for na and chandrakah then rope sign with vowel aa and double trident signs for yaya ending with jar sign create word manch rayayah which means 'group of royals' in samskrita.

20/179

H-161 A

H-161 a

रभः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः से र उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः एवं हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर रभः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सामर्थ्यवान।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign , bellow sign with vowel u , ending with jar sign create word rabhus which means 'potent ' in samskrita.

21/214

M-155 A

M-155 a

22/460

M-248 A

M-248 a

वयुनकाः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में व्यजः, उ की मात्रा के साथ यज्ञीयः, निर्दात्रम्, आ की मात्रा के साथ कलेवरम्, अन्तमें हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर वयुनकाः (वयुनकाः) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है बुद्धिमान लोग ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fan sign,trident sign with vowel u, rake sign, human sign with vowel aa , create word vayunakah 'learned people' in samskrita.

मर्षः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में मीनम् रज्जुः स्वास्तिकः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर मर्षः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सहनशीलता है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fish sign ,rope sign, hieroglyph for swastikah ending with jar sign create word marshah which means 'tolerance' in samskrita.

23/217

M-217 A M-217 a

24/219

M-213 a M-213 A bis

M-213 A
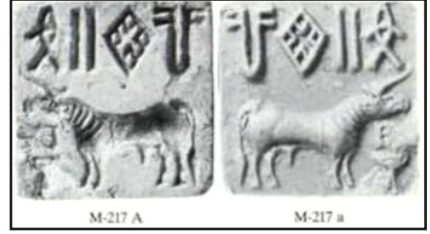
श्वयूपः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में श्वानम् के चित्रलेख से श्व उ की मात्र के साथ यज्ञीयः से यू पर्णम् से प अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर श्वयूपः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है कल का विजयस्मारक अथवा यज्ञ की स्थूणा है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for dog ,trident sign with vowel u ,leaf sign ending with jar sign create word shwayupah which means 'tomorrow`s victory memorial' in samskrita.

25/285

H-380 A (100%)

श्री बच

हड़प्पा से प्राप्त इस भालाग्र में इ की मात्रा के साथ श्र, बन्धस्थानम्, अन्त में चन्द्रकः से श्री बच शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ गौरव गाथा है।

This seal from Harappa reads as ,joint letter of conch sign with rope sign with vowel i , jail sign, hieroglyph for chandrakah create word shri bach which means 'glory tale ' in samskrita.

शरेण्णयः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शकट चक्रः, ए की मात्रा के साथ रज्जुः,निर्दात्रम् द्वय संग यज्ञीयः, अन्त में हंडिकाः से शरेण्णयः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है शरण प्राप्तकर्ता।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign,rope sign with vowel e, double rake sign with trident sign ending with jar sign create word sharennayah which means 'refugee' in samskrita.

26/321

M-750 a

M-750 A

शख त्रए

(मित्र की रक्षार्थ)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शंखः, खल्लः, त्रयम् अन्त में एषणः से शखत्रए शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मित्र की रक्षार्थ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as conch sign , mortar and pestle sign hieroglyph for tra ending with arrow sign create word shakhatrae which means 'protection of friend' in samskrita.

27/322

M-753 (1) A

M-753 a

28/224

H-53 A

H-53 a

खत्रए

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में खल्लः के बाद तीन रेखाओं से त्र एषणः से ए मिलकर खत्रए शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है खेत का रक्षा हेतु है।

This seal from Harappa reads as mortar and pestle sign followed by three vertical lines ,arrow sign create word khatrae which means 'protection of farm' in samskrita.

शमीवयहन

29/233

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में शंखम् इ की मात्रा के साथ मीनम् के बाद व्यजः यज्ञीयः हंडिकाः निर्दात्रं के चित्रलेख मिलकर शमीवयहन (शमि, अग्नि+इव, समान+यः, गतिमान हो +हन, मारना) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है आग्नेयास्त्र से मारना।
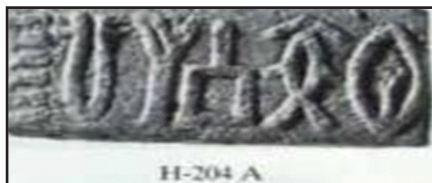
This seal from Harappa reads as conch sign,fish signwith vowel i,fan sign,trident sign, jar sign,rake sign create word shami vayahan which means 'killing by fire arm' in samskrita
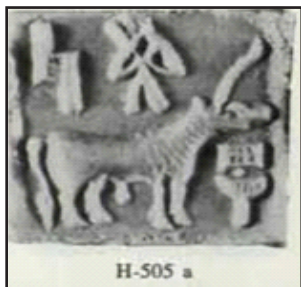
पीड

30/288

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा संग पर्णः अन्त में डयनम् से पीड शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है नगर घेरना।

This seal from Harappa reads as leaf sign with vowel i ending with palanquin sign create word peed which means 'siege of township' in samskrita.

31/387

M-1137 A

M-1137 a

शूरः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के शकट चक्रः, रज्जुः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर हे शूरः शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है योद्धा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign with vowel u, rope sign ending with jar sign create word ' shurah ' which mean 'Warrier' in samskrita.

हे शूरमिति

मोहन जो दड़ो से प्राप्तइस मुद्रा में ए की मात्रा के साथ हंडिकाः, उ की मात्रा के साथ शकट चक्रः, रज्जुः, इ की मात्रा के साथ मीनम्, अन्त में इ की मात्रा के साथ तुलाधरः चित्रलेख मिलकर हे शूरमिति (हे+शूरम्+इति) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है हे शौर्य समान।

This seal from Mohan Jo Daro reads as jar sign with vowel e, wheel with vowel u, rope sign , fish sign with vowel i ,ending with bearer sign with vowel i create word he shuramiti which mean 'o braveman' in samskrita.

32/446

M-160 A

M-160 a

33/344

M-733 A bis

M-733 A

M-733 a
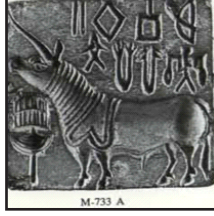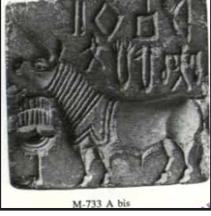
रसवधिमययहति

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः, सम्बाधम्, व्यजः, इ की मात्रा के साथ धन्वः के चित्रलेख मिलकर रसवधि नीचे की पंक्ति में मीनम्, यज्ञीयः द्वय , हंडिकाः, इ की मात्रा के साथ तुलाधरः मिलकर रसवधि मययहति (रसवधि, साहसी+मयः, अश्व+यहति,जाता है) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है जोशीला व्यक्ति ही अश्व आगे बढा़ता है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign,vulva sign fan sign bow sign with vowel i, followed by fish sign , double trident sign,jar sign ending with bearer sign with vowel i create word rasvadhi mayyahati which mean 'energetic person marches ahead or succeeds' in samskrita.

ऋषुरममिआडः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ रज्जुः, उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, रज्जुः मीनम्, इ की मात्रा के साथ मीनम्, आ की मात्रा के साथ अंकुशः अन्त में डयनम् के चित्रलेख मिलकर ऋषु (चोट पहुचाना या मार डालना) रम (अच्छा लगता है) मि (का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त करने) आड (नगर) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है शस्त्रास्त्र ज्ञान प्राप्ति का नगर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign with vowel i, vulva sign with vowel u, rope sign, fish sign, fish sign with vowel i goad sign with vowel aa ending with palanquin sign create word rishuram mi aad which mean 'city of arms training' in samskrita.

34/351

M-636 A

M-636 a
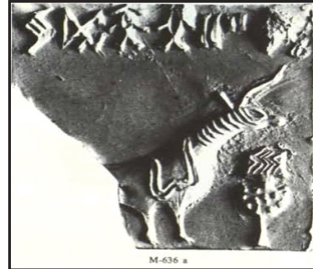
शन्नहउनुईम

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में हंडिकाः के मध्य शकट चक्रः संग निर्दात्रं द्वय, उर्णनाभः, उ की मात्रा के साथ निर्दात्रम्, ई के चित्रलेख के मध्य मीनम्, मिलकर शन्नह उनु ईम (शन्नह, सन्नाह, शस्त्रास्त्र से सुसज्जित होना+उनु, स्नान कर+ईम, इस प्रकार)शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है स्नानोपरान्त शस्त्रास्त्र से सुसज्जित होकर।
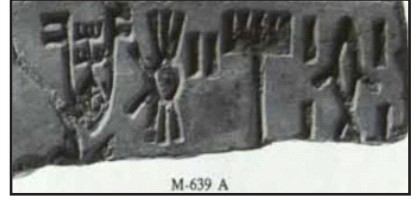
This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign with double rake signs amidst jar sign, crab sign, rake sign with vowel u ,fish sign amidst hieroglyph for ee create word shannah unu eem which mean 'now arm after bathing' in samskrita.

35/354

M-639 A

M-639 a

36/364

M-780 A

M-780 a

सुतःननयः

मोहन जो दड़ो से प्राप्तइस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, हंडिकाः संग तुलाधरः, निर्दात्रं द्वय, यज्ञीयः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सुतःननयः (सुतः, राजा+न, सम+नयः, आचरण) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है राजोचित आचरण।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, jar sign with bearer sign, double rake sign with trident sign ending with jar sign create word ' sutah nanayah' which mean ' kingly behaviour' in samskrita

सुखत्रए

37/365

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, खल्लः, तीन खड़ी रेखायें, एषणः, के चित्रलेख मिलकर सुखत्रए (सुख+त्रै) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है उपयुक्त सहारा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, mortar and pestle sign, three vertical lines, ending with arrow sign create word' sukhatrae' which mean 'proper refuge' in samskrita

M-781 A

M-781 a

38/452

हुयेः

M-192 A

M-192 a

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ हंडिकाः, ए की मात्रा के साथ यज्ञीयः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर हुयेह शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है आवाह्न करना, यलगार।

This seal from Mohan Jo Daro reads as jar sign with vowel u, trident sign with vowel e , ending with jar sign create word huyeh which mean 'to challenge' in samskrita

रूमषः

M-866 A

M-866 a

39/373

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ रज्जुः, मीनम्, सीरः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर रुमषः (रु, ललकारना+मषः, मारना) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है ललकारते हुये मारना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign with vowel u, fish sign, hieroglyph for seerah , ending with jar sign create word ' rumashah' which mean 'Duel' in samskrita.

40/402

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में श्वानम्, उ की मात्रा के साथ रज्जुः, शंखम् के मध्य यज्ञीयः, ओम के चित्रलेख मिलकर श्व रूष्योम (श्वः, आनेवाला कल+रूष्योम, अलंकृत करने का स्वीकृति) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है कल अलंकृत करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as dog sign , rope with vowel u , trident sign amidst conch sign ending with hieroglyph for om create word 'shva rushyom ' which mean 'Adore tomorrow' in samskrita.

श्व रूष्योम

M-1319 A

M-1319 a

डीरिषस

(हवा में उड़ते हुये मार डालना)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ डयनम्, इ की मात्रा के साथ रज्जुः, स्वास्तिकः, शकट चक्रः के चित्रलेख मिलकर डीरिषस (डी, उड़ान+रिषस, मारना) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है हवा में उड़ते हुये मारना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wing sign with vowel i, rope sign with vowel i, swastikah sign, wheel sign create word dirishash which mean 'killing in flight' in samskrita

42/443

M-146 a

M-146 A

41/415

M-6 A

M-6 a
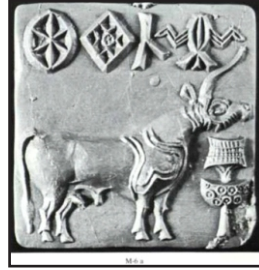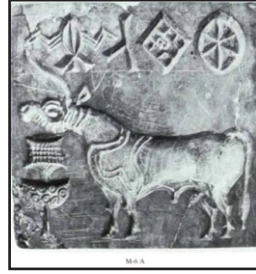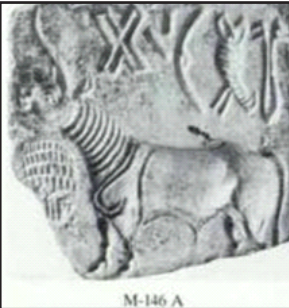
सूचवृह

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् , चन्द्रकः , वृश्चिकः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सुचवृह (सुच, सूचित करना+वृः, विस्तृत रुप से) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है विस्तृत रूप से पता लगाना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, hieroglyph for chandrakah, scorpion sign ending with jar sign create word suchvriha which mean 'inform in detail' in samskrita.

43/455

शूर ईमा न

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ शकट चक्रः, रज्जुः, ई के चित्रलेख के मध्य आ की मात्रा के साथ मीनम्, अन्त में निदात्रं के चित्रलेख मिलकर शूरईमान (शूरः, योद्धा+ईमा, यह+न, नहीं) शब्द निर्मित करते है, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है यह वीर योद्धा नहीं।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign with vowel u, rope sign, fish sign with vowel aa amidst hieroglyph for ee ending with rake sign create word shura iman which mean ' this is not warrier' in samskrita.

M-202 A

M-202 a

44/456
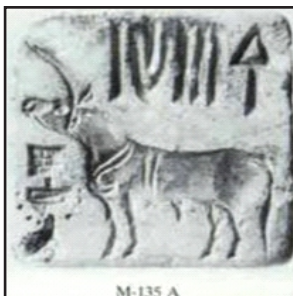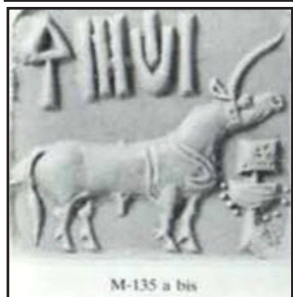
रयत्रए

(नदी की रक्षार्थ)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः के चित्रलेख के बाद यज्ञीयः, तीन खड़ी रेखायें अन्त में एषणः के चित्रलेख मिलकर रयत्रए शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है नदी सुरक्षा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign , trident sign , three vertical lines ending with arrow sign create word rayatrae which mean ' conservation of rivers' in samskrita.

M-135 A

M-135 a bis

व वहत्रमिराय श्री

(वायु नौका की जल प्रतिष्ठा या जलावतरण)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में व्यजः द्वय, हंडिकाः के मध्य त्र, इ की मात्रा के साथ मीनम्, आ की मात्रा के साथ रज्जुः अन्त में यज्ञीयः व श्री के चित्रलेख से व वहत्रमिराय श्री (वः,वायु+वहत्रम्, नाव+इराय, जल में+श्री, प्रतिष्ठा) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है वायु नौका की जल प्रतिश्ठा।
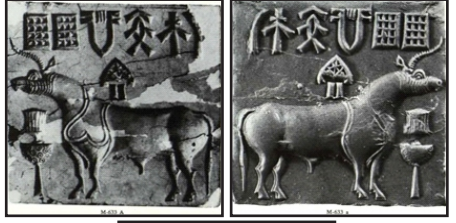
This seal from Mohan Jo Daro reads as double fan sign,tra amidst jar sign,fish sign with vowel i, rope sign with vowel aa ending with trident sign create word va vahatramiray shri which means 'floating ceremony of sail boat' in samskrita.

45/305

46/353

M-638 A

M-638 a

वहत्रहमिमा द्वादश सह

(बारह लोगों के साथ यह नौका)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में व्यजः, हंडिकाः, हंडिकाः के मध्य तीन खड़ी रेखाओं के बाद इ की मात्रा के साथ मीनम्, आ की मात्रा के साथ मीनम्, द्वादश खड़ी रेखायें, सीरः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर वहत्रहमिमा (वहत्रहम्,नाव+ इमा,यहां) द्वादश सह (द्वादश,बारह+सह, साथ) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है बारह लोगों के संग यह नौका।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fan sign, jar sign,three lines amidst jar sign, fish sign with vowel i ,fish sign with vowel aa,twelve numeral, hieroglyph for seerah ending with jar sign create word vahatrahamima dwadash sah which mean 'this boat with twelve persons or items' in samskrita.

शछरः

47/615

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में शकटारिः, छत्रकम्, रज्जुः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शछरः (शः, शस्त्र+छः, खंड+रः, अग्नि) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अग्निखंड से युक्त शस्त्र।

This seal from Harappa reads as wheel sign, mushroom sign, rope sign , ending with jar sign create word shachharah which mean ' fire arms' in samskrita.

H-88 A

H-88 a

48/596

सयायाः

H-47 A

H-47 a
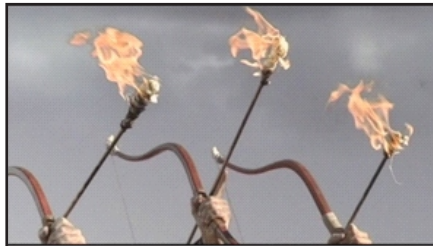
हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में सीरः, आ की मात्रा के साथ यज्ञीयः द्वय अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सयायाः (सय, जाना+याः, आक्रमण करना) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है जा कर आक्रमण करना।

This seal from Harappa reads as plough head sign, double trident sign with vowel aa, ending with jar sign create word sayayah which mean 'proceed for attack' in samskrita.

शूर्काहक

49/595

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ शकटारिः,रज्जुः के मध्य आ की मात्रा के साथ कलेवरम्, अन्त में हंडिकाः संग कलेवरम् के चित्रलेख मिलकर शूर्काहक (शूरः, शौर्यवान+काहल, विशाल+कः, राजा) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है शौर्यवान विशाल राजा।

This seal from Harappa reads as wheel sign with vowel u, human sign wth vowel aa amidst rope sign, jar sign ending with human sign create word shurkahak which mean 'great gallant king' in samskrita.

H-45 A

H-45 a

50/579

H-17 A

H-17 a

सरेमामए

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में संवरणम्, ए की मात्रा के साथ रज्जुः, आ की मात्रा के साथ मीनम्, मीनम्, अन्त में एषणः के चित्रलेख मिलकर सरेमामए (सरे, तीर द्वारा+मामए, मेरे) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मेरे तीर के द्वारा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as mask sign, rope sign with vowel e, fish sign with vowel aa , fish sign ending with arrow sign create word saremamae which mean 'with my arrow' in samskrita.

शहयत्र

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शंखम् , हंडिकाः, यज्ञीयः अन्त में तीन खड़ी रेखाओं के चित्रलेख मिलकर शहयत्र (शः, शस्त्र+यत्र, यहां) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है यहां शस्त्र। संभवतः यह शस्त्रागार की मुद्रा होगी।

This seal from Mohan Jo Daro reads as conch sign, jar sign , trident sign ending with three vertical lines create word shahyatra which mean 'here are arms' in samskrita.

51/441

M-409 a

M-409 A

52/542

M-251 A

M-251 a
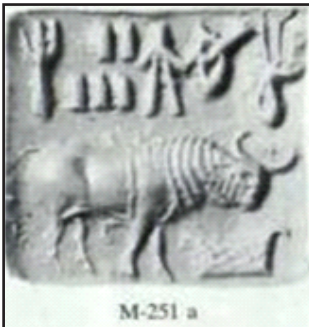
शंधि कुत्रय

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शंखम् संग निर्दात्रं, इ की मात्रा के साथ धन्वः, उ की मात्रा के साथ कलेवरम्, तीन खड़ी रेखायें, यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर संधि कुत्रय (संधि, मिलना+कुत्रय, कहां) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है कहां मिलना है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as conch sign with rake sign, bow sign with vowel i, human sign with vowel u, three vertical lines, trident sign create word sandhikutray which mean 'where to meet' in samskrita.

सुमुहक

मोहन जो दड़ो से प्राप्तइस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ शकटारिः, उ की मात्रा के साथ मीनम् अन्त में हंडिकाः के साथ कलेवरम् के चित्रलेख मिलकर सुमुहक (सूमः, आकाश+उहक, मारने वाला) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है आकाश में मारने वाला।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign with vowel u, fish sign with vowel u ,ending with jar sign and human sign create word sumuhak which mean 'killing in space' in samskrita.

53/543

M-260 A

M-260 a

54/544

M-267 a

M-267 A

सितःवः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ स्वास्तिकम्, तुलाधरः एवं हंडिकाः कं संयुक्ताक्षर, व्यजः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सितःवह (सितः, श्वेत+वः,अश्व) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है श्वेताश्व।

This seal from Mohan Jo Daro reads as swastika sign with vowel i, joint letter of bearer sign with jar sign , rectangular fan sign ending with jar sign create word sitahvah which mean 'white

नर

55/547

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में निबंध, उ की मात्रा के साथ रज्जुः, तीन खड़ी रेखायें अन्त में यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर नरुत्रय (नर, मनुष्य+उत्रय, श्रेष्ठ) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है नर श्रेष्ठ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hand cuff sign, rope sign with vowel u, three vertical lines ending with trident sign create word narutray which mean 'noble man' in samskrita.

M-318 A

M-318 a

नरुत्रय

M-318 B

M-318 b

56/549

M-321 A

M-321 a

शव्व
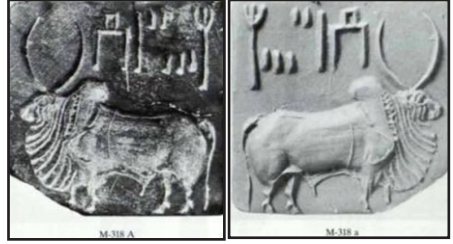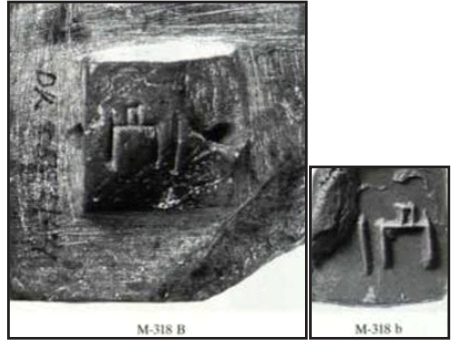
मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शंखम् , अन्त में व्यजः द्वय के चित्रलेख मिलकर शव्व (शः, शस्त्र+अव, रक्षाकरना) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है शस्त्र द्वारा रक्षा करना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as conch sign , ending with double fan sign create word shavva which mean 'protection by weapons' in samskrita.

57/561

M-401 A

M-401 a

H-49 A

H-49 a

त्रयाव्व

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में तीन खड़ी रेखायें, अंकुशः व्यजः द्वय के चित्रलेख मिलकर त्रयाव्व (त्रै, रक्षाकरना+अव्व, कृपा करना) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है रक्षा करने की कृपा करना।
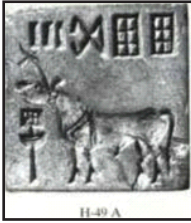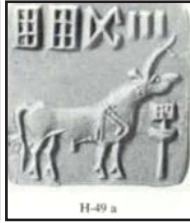
This seal from Mohan Jo Daro reads as three vertical lines, goad sign , double fan sign create word trayavva which mean 'mercy for protection' in samskrita.

शओमपराहरसे

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शंखम्, ओम, मीनम् , पर्णम्,आ की मात्रा के साथ रज्जुः, हंडिकाः, रज्जुः अन्त में ए की मात्रा के साथ सम्बाधम् के चित्रलेख मिलकर शओमपराहरसे (श, शस्त्र+ओमः, स्वीकृति+पराह, मारने हेतु+रसे, विष युक्त करना) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पराहत करने हेतु शस्त्र को विषयुक्त करने की स्वीकृति।

This seal from Mohan Jo Daro reads as conch sign, hieroglyph for om, fish sign , leaf sign, rope sign with vowel aa , jar sign, rope sign ending with vulva sign with vowel e create word shaomamaparahrase which mean 'permission to poison treatment of weapons' in samskrita.

58/563

M-370 a

M-370 A

नन नु रयय:

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में निर्दात्रं द्वय के बाद उ की मात्रा के साथ निर्दात्रं रज्जु: यज्ञीय: द्वय अन्त में हंडिका: के चित्रलेख मिलकर नन नु रयय: (न, युद्ध+न, सम्पत्ति+नु, प्रशंसा करना+रय:, दौलत+य:,मिली) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है युद्ध में प्राप्त सम्पत्ति की प्रशंसा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as double nirdatram followed by rake sign with vowel u ,rope sign, double trident signs ending with jar sign create word nana nu rayayah which means 'proud of war wealth or booty' in samskrita.

59/205
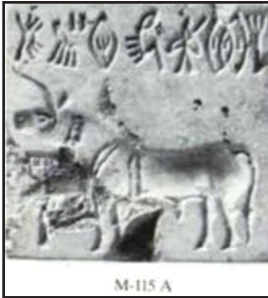
M-114 A

उनुश्य भूपिछेय

(उनुआड के भूप की इच्छा, उनुआड की राजाज्ञा)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उर्णनाभ: के बाद उ की मात्रा के साथ निर्दात्रं यज्ञीय: संग शंखम् उ की मात्रा के साथ भस्त्रि: इ की मात्रा के साथ पर्ण: ए की मात्रा के साथ छत्रकम् अन्त में यज्ञीय: से य के चित्रलेख मिलकर उनुश्य भूपिछेय(उनूश्य,उनुआड के +भूप, राजा+इछेय, की इच्छा) शब्द निर्मित करते हैं, जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है उनुआड के राजा की इच्छा अर्थात उनुआड की राजाज्ञा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as crab sign followed by rake sign with vowel u ,conch sign with trident sign inside,bellow sign with vowel u leaf sign with vowel i, then mushroom sign with vowel e ending with trident sign create word unushya bhupichheya which means 'unuad`s king`s will' in samskrita.

60/207

M-115 A

M-115 a

उपसंहार

सभी भारतीय एवं दक्षिण पूर्व एशियाई लिपियां ब्राह्मी लिपि से विकसित हुयी हैं। जो सिन्धु लिपि से जन्मी है एवं जिसका मूल घर में उपलब्ध वस्तुओं कृषि और शिकार के उपकरणों के चित्रों से विकसित होना स्वतः सिद्ध है। ब्राह्मी लिपि से विकसित समस्त लिपियों का विकासवृक्ष निम्नवत है। यह पुस्तक ब्राह्मी लिपि और सिन्धु लिपि के मध्य संस्कृत भाषा के माध्यम से सम्बन्ध स्थापित करने का एक तुच्छ प्रयास मात्र है। उत्तर भारत में ब्राह्मी लिपि भोजपत्र पर लिखित होने के कारण स्याही का प्रसार क्षैतिज दिशा में हुआ जिससे गुप्तकालीन लिपि का विकास हुआ। जबकि दक्षिण भारत में ताड़पत्र पर लिखे जाने से स्याही का प्रसार वर्तुलाकार दिशा में होने से पल्लव लिपि में विकसित हुयी जो कालान्तर में समस्त दक्षिण भारतीय लिपियों की जननी हुयी। सैन्धव चित्रलिपि का विकास उससे पूर्व से विद्यमान गुफा चित्रों से हुआ है। सात सौ सिन्धु मुद्राओं के अध्ययन से तत्कालीन इतिहास एवं सामाजिक व्यवस्था का पता चलता है।

1. सिन्धु सभ्यता वास्तव में वर्तमान भारतीय सभ्यता की पूर्ववर्ती निरन्तरता है।

2. सिन्धु मुद्राओं का भाषा संस्कृत थी, क्योंकि अधिकतर मुद्रायें हंडिका चिन्ह या मीनम् चिन्ह पर समाप्त होती हैं, जो यथावत प्रथमा विभक्ति के विसर्ग एवं द्वितीया विभक्ति के चिन्ह म् पर इंगित करती हैं। मुद्राओं का पाठ मुद्रा में अंकित पशु के मुख से पूंछ की ओर किया जाता है। यदि पशु चिन्ह नहीं है तो लिपि में हंडिका चिन्ह, मीन चिन्ह, एषणः चिन्ह को अन्त मानकर पाठ करें।

3. सिन्धु सभ्यता के प्रमुख नगर जिनके नाम की मुद्रायें प्राप्त हुयी हैं हरापम (हड़प्पा), कठूमाड (काठमांडू, नेपाल), उनुआड (उना, हिमांचल), त्रिसूर्रह (त्रिसूर, केरल), सूरशेनस (मथुरा, उत्तर प्रदेश), उर (उर, इराक़) एवं येरग (येरेवान, आर्मीनिया) हैं।

4. कृषि क्षेत्र में सर्षन (सरसों), माषः (उड़द), यव(अनाज), रश्वन (लहसुन), गवरीम (हल्दी), सूरन (जमींकन्द), रसनगः (रबड़), मारः (धतूरा), सुकुवः (कमल) आदि की खेती राजा से कृष्टेमिओमः (हल द्वारा जुताई करने की स्वीकृति) प्राप्त कर कृन (हल) के माध्यम से बपिख (खेत में बीज बोकर) करते थे एवं सटत्रय (तीन हिस्सों में बांट कर) द्वारा तीसरा हिस्सा राजा को लगान देकर सटशेषन (शेष को बांटकर उपयोग) करते थे। उन्कर्ष (कम कृषि) होने पर लगान माफ करने का प्रचलन था।

5. व्यापारिक मुद्राओं में सूत्रय (हथकरघा) पर सूष्मए (डोर) डालकर वस्त्र निर्माण किया जाता था, ननसूवृ (अच्छे मोती का चुनाव) के द्वारा सुननः (सुन्दर मोतियों) को एकत्रित करके सूष्मयत्रननयः (यहां मोतियो में डोर डालकर) के द्वारा कंठी (माला) निर्माण किया जाता था। वाह्य सौन्दर्य प्रसाधनों में त्रयः श्रंगार (तीन श्रंगार) के अन्तर्गत केशविन्यास, पत्रण (शरीर रंजन) एवं नखेरमए (नाखून के सौन्दर्यीकरण) के द्वारा शुभनकाः (सुन्दर नाखूनों वाली) स्त्रियों का श्रंगार होता था एवं वसूरामाए (वेश्या नीति) के द्वारा वसूराए (वेश्याओं) को नियमित किया जाता था।

6. माप तौल की मुद्राओं में सर्षन (राई), यवत (जौ), वृन्तः (रत्ती), 8 वृन्तः बराबर 1 माषः (माषा), 32 माषः बराबर 1 पिचुयव (दो तोला जौ), 1 सूर्पः (सूप) बराबर दो द्रोणिः 128 सेर। वस्तुओं के मानक हेतु पटुमानकाः (मानकों में दक्ष) व्यक्तियों द्वारा सुमानकाः (अच्छे मानदण्ड) की वस्तुओं पर सु (अच्छा) की मुद्रा अंकित की जाती थी।

7. अन्य व्यापार में शुरम मेकाः (बकरे के गोश्त), मरुमेष (पहाड़ी भेड़) से उन मीनमए (मत्स्य व्यापार) एवं किऐरिय (अनाज की मदिरा से चिकित्सा) एवं चरेत्रहनकाः (तीन खुर वाले जीव यथा अश्व) चरेहेमीरः (समुद्री जीवों) शरमवयः (जलपक्षी) आदि की मुद्रायें प्राप्त हुयी हैं।

8. विधिक मुद्राओं में विभिन्न अपराधों के कारण निरुधिः (बन्दी) किया जाता था यथा रसहेऐन्शतः (मदिरा के अपराध), वयहेऐन्शतः (पक्षियों के प्रति अपराध) रैंशतः (अग्नि सम्बन्धी अपराध), सैंशतः (नष्ट करने के अपराध) ऐन्शतहन (अपराध वश) पापीसिवधि (सामूहिक अपराध) सूच्य (सूचित करने योग्य) एवं धिकसूच्य (गोपनीय) मुद्रायें।

9. दण्ड मुद्राओं में छचिरुषः (कन्धे से काट कर अलग करना), मिखत्र द्वादशः (बारह तालाबों का निर्माण कराना), द्वादशमिखत्रशत्रिरः (हाथियों की राह में बारह तालाबों का निर्माण कराना), मिमाए (व्यापार सीमित करना)।

10. चिकित्सा से सम्बन्धित मुद्राओं में ऋकिः (घाव) से उत्पन्न ओषः (प्रदाह) के निदान में प्रयुक्त होने वाली चिहेरः (हल्दी), मारः (धतूरा), रश्वन (लहसुन), सरेभूः (पहाड़ी नमक) एवं रसहे (मदिरा) की मुद्राओं के साथ सूष्य (प्रसूता) के लिये सूमः (दुग्ध) तथा जः (विष) के उपचार में मारः (धतूरा) के प्रयोग से सम्बन्धित मुद्रायें प्राप्त हैं।

11. युद्ध से सम्बन्धित मुद्राओं में शहयत्र (शस्त्रगार), में सशरः (तीर के संग), रिष्टिभः (तलवारें), परश्वः (फरसे), सुमुहक (आकाश में मारने वाले) आदि के संग सितःवः (श्वेत अश्व) पर बैठकर सूचवृः (विस्तृत सूचना) प्राप्त करते हुये सयायाः (जाकर आक्रमण) करते हैं एवं नगर दुर्ग (ऋण) का घेरा (पीड) डालते हैं।

12. आध्यात्मिक मुद्राओं में ओमः, शः, जय साम्ब, सुमेरः, वृषूरम, शम्भूः (शिव), रम्भः, जयाम नवय (दुर्गा), रामः, सूरि रामः, शूमि रामः (राम) हनुमए (हनुमान), जय राधेण, राधिकनु (राधाकृश्ण), सत्ररः (मेघनाद), योगी मुद्रा में सुमेरः (शिव) आदि उत्कीर्ण पाये जाते हैं जो इस बात का द्योतक है कि रामायण एवं महाभारत काल सैन्धव सभ्यता के पूर्ववर्ती है।

Conclusion

All Indian and south east Asian scripts are evolved from Brahmi script which is derived from Indus script which is developed from pictographs of house hold utensils and agricultural tools. Below is the evolution tree of all scripts. This book is a work to establish link between Indus and Brahmi. Brahmi Script in North India was written on Bhojpatra lead to Gupta script with spread of ink in horizontal lines whereas South Indian scripts were written on Tadapatra with spread of ink in circular veins of Tadapatra leading to circular formation of script.

1. Indian civilization is continuation of Indus civilization there is no gap between the two civilizations.
2. Language of Indus seals was Sanskruta because most of the seals ended on jar sign or fish sign which depicts end of subject words as visargah and end of objects on fish sign as in dwitiya vibhakti. Seals are read from head to tail of the animal on the seal. If animal is not present then read the script towards jar sign,fish sign or arrow sign as ending.
3. Prominent city names found on Indus seals are Harapam (Harappa), Kathumaad (Kathmandu,Nepal), Unuaad (Una-Ropar in Himanchal Pradesh), Trisurrah (Trisur,Kerala) Surshenas (Mathura Uttar Pradesh), Ur (Ur , Iraq) and Yerag (Yerevan , Armenian Capital).
4. Agricultural seals contain names sarshan(mustard), mashah (black gram),yavat (grains like barley), rashwan (Garlic) gavreem (turmeric), suran (yam) , rasnagah (rubber tree), maarah (thorn apple), sukuvah (lotus) which were sown(Bapikh) by permission of ploughing (krishtemiomah) by king and they gave 1/3rd crop to king (sat-tray) then distributing among themselves (Sat-sheshan). This tax was waivered due to unkarsh (on less crop production).
5. Business seals contained script for cloth industry in the form of thread (sushmae) used on handloom(sutray). Other industry was

selection of good pearls (nanasuvri) pierced with thread (sushmae yatra nanayah) making necklaces (kanthe). Business of beauty parlour was present with three beautifications (trayah shringar) namely hair setting, bodypainting and tattooing (patrana) and nail care with nail polish (nakheramae) making ladies shubhnakah (having good nails). Prostitution (vasurae) was legalised by act on prostitution (vasura mae).

6. Specially trained persons (patumankah) for good standards (sumanakah) used to mark good standards with the seal showing good(su). Measurment of weights was made smallest mustard (sarshan) , barley (yavat), ratti (vrintah), 8 ratti equalled 1 mashah, 32 mashah equalled 1 pichuyava, higher weight measures were surpah equal to two dronih equal to 128 seer.

7. Other business seals were for mutton shops (shuram mekah), wool shops (marumesha), Fish industry (meenmae), whisky shop barley liquor (kiyeriya), horse trade (charetrahnakah), sea foods seal (charehemirah) water birds (sharam vayah).

8. Legal seals had seal for under trial (nirudhih) for vriety of crimes like crime of liquor (rasahe ainshatah), crime of birds (vayahe ainshatah), arson (rainshatah), destruction (sainshatah), habitual criminal (ainshatahan), organised crime or gangster act (paapisivadhi), information seal (suchya), confidential seal (dhiksuchya).

9. Puniative seals had disjuncture from shoulder joint (chhachirushah), construction of twelve ponds (mikhatra dwadashah), construction of twelve ponds in pathway for elephants(dwadashamikhatrashatrirah), limitation of business (mimae)

10. Medical seals contained seal for wound (rikih),seal for inflammation (oshah), treated with turmeric (chiherah), thorn apple (dhatura), garlic (rashwan), rock salt (sarebhuh),and liquor (rasahe). Seals for pregnant ladies (sushya) consuming milk (sumah,payas, udhishi), seals for toxicology (jah).

11. War seals have variety as warrior (shurah) rides on white

horse(sitah vah) collects detailed information (suchvrih) goes to armery (shahyatra) takes arrows with bow (sharah),swords (rishtibhah), battle axes (parashwah), space arrows (sumuhak) and then makes ambush(sayayah).and sieze(peed) the fort(rin).

12. Spiritual seals contain names of Shiva (Omah, Shah, Shambhuh, Sumerah, Sambah, Vrishuram), Parvati (Rambhah, Jayam Navay), Ram (Ramah, Suri Ramah) Hanuman (Hanumae), Indrajit Meghnad (Satrarah), Supnakha (Surpankah, Shubhnakah) Radha Krishna (Radhikanu), Radha (Jaya Radhena), Shani (Shannae Namah).

सैन्धव लिपि
अशोक
ब्राह्मी
कलिंग
उत्तर गुप्त कालीन
तिब्बती
उचेन
रान्जना / लान्त्सा
उमे
शारदा
गुरूमुखी
डोगरी
सिद्दम
कना जापान
हांगुल कोरिया
नागरी
बंगाली
असमिया
उड़िया
देवनागरी
हिन्दी
मुड़िया
नेपाली
मराठी
गुजराती
दक्षिण पल्लव
ग्रन्था
मलयालम
तमिळ
सिंहल
मोन
बर्मी
बाली
प्राच्य एशियाई
कदम्ब
कन्नड
तेलुगू

Harappan Script
Ashok
Brahmi
kalinga
North
Gupta
Tibetan
Uchen
Ume
Lantsa/Ranjana
Dogari
Gurumukhi
Sarada(Kashmir)
Kana (Japan)
Siddham
Hangul (Korea)
Bengali
Asamese
Oriya
Hindi
Gujrati
Modi
Nagari
Devanagari
Marathi
Nepali
Malayam
Grantha
Tamil
South
Pallav
Mon
Burmese
Sinhala
SoutheastAsian Scripts
Kadamba
OldKannnada
Kannada
Telegu

Indus Script A Well Developed Writing System (Cave Paintings to Brahmi Script)

सिन्धुलिपि एक पूर्ण विकसित लेखन पद्धति

(गुफा चित्रों से ब्राह्मी लिपि तक)

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ऐ	ओ
क	ख	ग	घ	ङ				
च	छ	ज	झ	ञ				
ट	ठ	ड	ढ	ण				
त	थ	द	ध	न				
प	फ	ब	भ	म				
य	य	र	ल	व				
श	ष	स	ह					

डा0 सोमेश चन्द्र श्रीवास्तव